THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 162 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) भाद्रपद पूर्णिमा 2082 रविवार, 7 सितंबर-2025

प्रधान संपादक – डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ✻ पृष्ठ : 16+32 मूल्य : 8 रुपये

'अमेरिका के साथ बातचीत चल रही'

भारत से रिश्तों पर ट्रंप के बदले सुर के बीच जयशंकर का बड़ा बयान

नई दिल्ली, 6 सितंबर (एजेंसियां)। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा है कि भारत और अमेरिका रिश्ते अब भी बने हुए हैं। दोनों देश लगातार बातचीत कर रहे हैं। उनका यह बयान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उस बयान के बाद आया, जिसमें उन्होंने कहा था कि भारत और अमेरिका के रिश्ते दूरदर्शी हैं। भारत और अमेरिका के बीच वैश्विक रणनीतिक साझेदारी है। पीएम मोदी अमेरिकी राष्ट्रपति के उस बयान का जवाब दे रहे थे, जिसमें डोनाल्ड ट्रंप ने कहा था कि मैं हमेशा नरेंद्र मोदी का दोस्त रहूंगा, वह एक महान प्रधानमंत्री हैं। भारत और अमेरिका के बीच एक खास रिश्ता है।

भारत के साथ रिश्ते रीसेट करने को तैयार

हमेशा मोदी का दोस्त रहूंगा : ट्रम्प

पीएम ने कहा– उनके विचारों की सराहना करता हूं

मैं हमेशा नरेंद्र मोदी का दोस्त रहूंगा, वह एक महान प्रधानमंत्री हैं। भारत और अमेरिका के बीच एक खास रिश्ता है। चिंता की कोई बात नहीं है। हमारे बीच ऐसे पल आ जाते हैं।

डोनाल्ड ट्रंप
अमेरिकी राष्ट्रपति

राष्ट्रपति ट्रंप की भावनाओं और हमारे संबंधों के सकारात्मक मूल्यांकन की हम तहे दिल से सराहना करते हैं। भारत-अमेरिका में वैश्विक साझेदारी है।

नरेंद्र मोदी
प्रधानमंत्री

वॉशिंगटन, 6 सितंबर (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प शुक्रवार को भारत के खिलाफ दिए गए अपने बयान पर करीब 12 घंटों के अंदर ही बैकफुट पर चले गए। उन्होंने शाम 6-7 बजे के बीच व्हाइट हाउस में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान एक सवाल पर कहा- मैं हमेशा मोदी का दोस्त रहूंगा। भारत के साथ संबंधों को रीसेट करने के लिए हमेशा तैयार हूं।

इससे पहले शुक्रवार सुबह करीब 6 बजे उन्होंने सोशल मीडिया ट्रुथ पर लिखा था, ऐसा लगता है कि हमने भारत और रूस को चीन के हाथों खो दिया है। उम्मीद है उनका भविष्य अच्छा होगा।

वहीं, शनिवार को 9:45 बजे पीएम मोदी ने ट्रम्प के बयान को शेयर करते हुए एक्स पर लिखा- राष्ट्रपति ट्रम्प की भावनाओं और हमारे संबंधों को लेकर उनके विचारों की तहे दिल से सराहना करता हूं और उनका पूर्ण समर्थन करता हूं। उन्होंने कहा- भारत-अमेरिका के बीच एक पॉजिटिव और दूरदर्शी रणनीतिक साझेदारी है।

प्रेस ब्रीफिंग में ट्रम्प ने भारत और दूसरे देशों के साथ चल रही व्यापार बातचीत को अच्छा बताया, लेकिन यूरोपीय संघ (ईयू) के गूगल पर 3.5 अरब डॉलर का जुर्माना लगाने पर नाराजगी जताई। इसके अलावा उन्होंने साफ किया कि वे भारत के रूसी तेल खरीदने के कारण निराश हैं। उन्होंने कहा- हमने भारत पर इसके लिए 50 प्रतिशत का भारी टैरिफ लगाया है।

जयशंकर बोले- मोदी अमेरिका के साथ साझेदारी को खास महत्व देते हैं :

पीएम मोदी की ट्रम्प को लेकर दिए प्रतिक्रिया पर विदेश मंत्री डॉ.एस जयशंकर ने कहा, पीएम मोदी अमेरिका के साथ हमारी साझेदारी को बहुत महत्व देते हैं। जहां तक राष्ट्रपति ट्रम्प का सवाल है, उनके (पीएम मोदी) ट्रम्प के साथ हमेशा से बहुत अच्छे व्यक्तिगत रिश्ते रहे हैं। उन्होंने आगे कहा- फिलहाल मुद्दा यह है कि हम अमेरिका के साथ जुड़े हुए हैं। जयशंकर ने इससे ज्यादा कुछ भी कहने से इनकार किया।

पूर्व अमेरिकी एनएसए बोले थे- ट्रम्प-मोदी की दोस्ती खत्म :

ट्रम्प की टिप्पणी से पहले अमेरिका के पूर्व राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जॉन बोल्टन ने 4 सितंबर को कहा था कि ट्रम्प और पीएम नरेंद्र मोदी के बीच पहले की खास दोस्ती अब खत्म हो चुकी है।

ब्रिटिश मीडिया को दिए इंटरव्यू में बोल्टन ने ट्रम्प की नीति की आलोचना करते हुए कहा था, व्हाइट हाउस ने अमेरिका-भारत संबंधों को दशकों पीछे धकेल दिया, जिससे मोदी रूस और चीन के करीब आ गए।

चीन ने खुद को अमेरिका और ट्रम्प के विकल्प के रूप में पेश किया है। बोल्टन ने इसे एक बड़ी गलती है बताया था। उन्होंने कहा, इसे अब ठीक नहीं किया जा सकता, क्योंकि स्थिति बहुत खराब हो चुकी है।

गणपति बप्पा मोरिया...

हुसैन सागर में खैरताबाद महा गणपति प्रतिमा का विसर्जन करने ले जाते हुए, भक्तगणों का विशाल समूह। समाचार पृष्ठ 16

देशभर में गणेश विसर्जन

तेलंगाना में 69 फीट ऊंची गणेश प्रतिमा का विसर्जन, मुंबई में 1.80 लाख मूर्तियां विसर्जित

नई दिल्ली/मुंबई, 6 सितंबर (एजेंसियां)। देशभर में गणेश उत्सव का आज अंतिम दिन है। अनंत चतुर्दशी पर भगवान गणेश की मूर्ति का विसर्जन किया जा रहा है। मुंबई में करीब 1.80 लाख से ज्यादा मूर्तियां विसर्जित हुई हैं। इनमें 6,500 गणेश पंडाल और 1.75 लाख घरेलू मूर्तियां हैं।

कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए मुंबई में 21,000 पुलिसकर्मी तैनात किए गए हैं। पुलिस पहली बार रूट मैनेजमेंट के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का इस्तेमाल किया गया। इसके लिए गिरगांव चौपाटी पर एक एआई बेस्ड कंट्रोल रूम बनाया गया है। प्रमुख गणपति कमेटी को क्यूआर कोड जारी किए गए हैं और विसर्जन जुलूस में शामिल होने वाले वाहनों के लिए स्टिकर भी लगाए गए हैं।

गुजरात के पावागढ़ मंदिर में दर्दनाक हादसा

रोपवे तार टूटने से छह लोगों की मौत

अहमदाबाद, 6 सितंबर (एजेंसियां)। गुजरात के पंचमहल जिले में शनिवार को पावागढ़ शक्ति पीठ में एक बड़ा हादसा हो गया। यहां मालवाहक रोपवे की तार अचानक टूटने से छह लोगों की मौत हो गई। मृतकों में दो लिफ्टमैन, दो मजदूर और दो अन्य शामिल बताए जा रहे हैं। यह हादसा दोपहर करीब 3:30 बजे हुआ। घटना की पुष्टि पंचमहल कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक हरेश दुधात ने की है। हादसे के बाद पूरे क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

हादसे की जानकारी मिलते ही पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीमें तुरंत मौके पर पहुंचीं। राहत और बचाव कार्य शुरू कर दिया गया। प्रशासन की टीमें मौके पर डटी हुई हैं। शुरूआती जांच में हादसे की वजह तार टूटना बताई जा रही है। फिलहाल तकनीकी कारणों की गहराई से जांच की जा रही है।

सुबह से बंद था यात्रियों का रोपवे :

पावागढ़ पहाड़ी करीब 800 मीटर ऊंचाई पर स्थित है। श्रद्धालु या तो 2000 सीढ़ियां चढ़कर या फिर रोपवे से मंदिर पहुंचते हैं। हालांकि शनिवार सुबह से खराब मौसम की वजह से यात्रियों के लिए रोपवे सेवा बंद कर दी गई थी। हादसा मालवाहक रोपवे में हुआ, जिसका इस्तेमाल सामान ले जाने के लिए किया जाता है।

धार्मिक स्थल पर पसरा मातम :

पावागढ़ शक्ति पीठ मां काली को समर्पित मंदिर है। यह स्थान गुजरात का प्रमुख धार्मिक केंद्र है, जहां हर साल लगभग 25 लाख श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचते हैं। हादसे के बाद मंदिर परिसर और आसपास के इलाके में मातम और दहशत का माहौल है। लोग हादसे को लेकर चिंता जता रहे हैं और सुरक्षा व्यवस्थाओं पर सवाल खड़े कर रहे हैं।

तकनीकी जांच से होगा सच उजागर :

प्रशासन का कहना है कि हादसे की असली वजह तकनीकी जांच के बाद ही साफ हो पाएगी। फिलहाल मृतकों के परिजनों को हरसंभव मदद देने का आश्वासन दिया गया है। वहीं इस हादसे ने श्रद्धालुओं की सुरक्षा को लेकर कई गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

गोगोई बोले- मणिपुर आने में देरी पर पीएम माफी मांगें

न्याय में देरी, न्याय न मिलने के बराबर, यहां हिंसा में अब तक 260 मौतें

इम्फाल, 6 सितंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने कहा, पीएम मोदी की मणिपुर की संभावित यात्रा को किसी लक्ष्य का अंत नहीं मानना चाहिए, बल्कि राज्य में शांति, न्याय, सुलह और लोकतंत्र को वापस लाने की लंबी यात्रा की सिर्फ शुरूआत है।

उन्होंने कहा- पीएम की संभावित यात्रा दो साल पहले होनी चाहिए थी। जैसा कि कहा जाता है कि न्याय में देरी होना, न्याय न मिलने के बराबर है, उसी तरह मणिपुर के लोगों को पीएम की यात्रा से बहुत लंबे समय तक वंचित रखा गया है।

गोगोई ने कहा- जब पीएम आएंगे, तो उन्हें सबसे पहले पिछले 2 सालों में न आने के लिए मणिपुर के लोगों से माफी मांगनी चाहिए। राज्य में अभी भी कई चुनौतियां बाकी हैं। दरअसल, शुक्रवार को गौरव गुवाहाटी पहुंचे थे। यहां इंडिया अलायंस के उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार बी. सुदर्शन रेड्डी के मीडिया इंट्रैक्शन में शामिल हुए थे। मई 2023 में मणिपुर में मैतेई और कुकी समुदायों के बीच जातीय हिंसा शुरू हुई थी। इसमें अब तक 260 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है और हजारों लोग बेघर हो गए हैं।

कार्यक्रम में इन मुद्दों पर भी बोले गोगोई :

असम के सीएम हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा है कि पाकिस्तानी नागरिक अली तौकीर शेख और उसके भारतीय साथियों के कथित संबंधों की जांच पर बनी एसआईटी अपनी रिपोर्ट 10 सितंबर को सौंपेगी। इस पर गोगोई ने कहा कि पार्टी राज्य में भाजपा सरकार के अलग-अलग घोटालों को लगातार उजागर करती रहेगी।

गोगोई ने ये भी कहा कि इमिग्रेशन एंड फॉरेनर्स (एग्जेम्प्शन) ऑर्डर, 2025 जैसे इतने महत्वपूर्ण मुद्दे पर पहले संसद में चर्चा होनी चाहिए थी। यह आदेश बांग्लादेश, पाकिस्तान और अफगानिस्तान से आए अल्पसंख्यकों को धार्मिक उत्पीड़न से बचने के लिए 31 दिसंबर 2024 तक भारत में प्रवेश करने की अनुमति देता है।

भारत-नेपाल के बीच लिपुलेख विवाद में नहीं पड़ेगा चीन

नेपाली पीएम ओली ने मुद्दा उठाया, जिनपिंग बोले- आपका आपसी मामला, मिलकर सुलझाएं

बीजिंग/काठमांडू, 6 सितंबर (एजेंसियां)। चीन ने भारत और नेपाल के बीच लिपुलेख विवाद में पड़ने से इनकार कर दिया है। नेपाल के विदेश सचिव अमृत बहादुर राय के मुताबिक जिनपिंग ने कहा है कि लिपुलेख एक पारंपरिक दर्रा है। चीन नेपाल के दावे का सम्मान करता है, लेकिन यह विवाद भारत और नेपाल का द्विपक्षीय मसला है। इसे दोनों देशों को आपसी बातचीत से सुलझाना चाहिए।

नेपाली पीएम केपी शर्मा ओली 31 अगस्त से 1 सितंबर तक एससीओ समिट में शामिल होने चीन पहुंचे थे।

इस दौरान उन्होंने चीनी राष्ट्रपति के सामने लिपुलेख का मुद्दा उठाया था। ओली ने कहा था कि यह इलाका नेपाल का हिस्सा है और भारत-चीन के बीच हुए हालिया सहमति पर नेपाल ने आपत्ति दर्ज कराई है।

दरअसल, 19 अगस्त को भारत और चीन ने लिपुलेख पास को ट्रेड रूट के तौर पर फिर से खोलने का फैसला किया था। इस पर नेपाल ने विरोध जताया था। नेपाल 2020 में नया नक्शा जारी कर लिपुलेख, लिंपियाधुरा और कालापानी को अपना बता चुका है, जबकि भारत इन्हें लंबे समय से अपने हिस्से में मानता है।

इस महीने भारत दौरे पर आएंगे नेपाल पीएम :

नेपाल के पीएम ओली 16 सितंबर को भारत दौरे पर आएंगे। इससे पहले भारत के विदेश सचिव विक्रम मिसरी रविवार, 17 अगस्त को काठमांडू पहुंचे थे। मिसरी ने प्रधानमंत्री ओली, विदेश मंत्री अर्जु राणा देउबा और विदेश सचिव अमृत बहादुर राय से मुलाकात की थी। बैठक में भारत-नेपाल संबंधों को मजबूत करने, कनेक्टिविटी, व्यापार और विकास सहयोग बढ़ाने पर चर्चा हुई थी। ओली के भारत दौरे के दौरान दोनों देशों के बीच कुछ अहम समझौते होने की संभावना है।

सीबीआई निदेशक प्रवीण सूद अस्पताल में भर्ती

हैदराबाद, 6 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सीबीआई निदेशक प्रवीण सूद शनिवार सुबह श्रीशैलम से लौटते समय अस्वस्थ हो गए। उनके कर्मचारी तुरंत हरकत में आए और उन्हें जुबली हिल्स स्थित अपोलो अस्पताल ले गए।

स्थिति की जानकारी मिलने पर वरिष्ठ पुलिस अधिकारी उनसे मिलने अस्पताल पहुंचे। उन्होंने चिकित्सा दल से उनकी स्थिति के बारे में जानकारी ली। बताया जा रहा है कि प्रवीण सूद कालेश्वरम परियोजना मामले की जांच की समीक्षा करने आए थे। वह शुक्रवार को शहर पहुंचे और हैदराबाद जोन सीबीआई कार्यालय में वरिष्ठ अधिकारियों के साथ दो घंटे से ज़्यादा समय तक चर्चा की। 1 सितंबर को, तेलंगाना सरकार ने आधिकारिक तौर पर केंद्र को एक पत्र भेजकर कालेश्वरम परियोजना से संबंधित अनियमितताओं की सीबीआई जांच का अनुरोध किया।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से पीएम मोदी ने की मुलाकात

चीन-जापान से लौटने के बाद पहुंचे राष्ट्रपति भवन

नई दिल्ली, 6 सितंबर (एजेंसियां)। पीएम नरेंद्र मोदी ने शनिवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की। राष्ट्रपति भवन की तरफ से इस मुलाकात की जानकारी दी गई। राष्ट्रपति भवन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर पीएम और राष्ट्रपति से मुलाकात की एक तस्वीर भी शेयर की। तस्वीर के साथ कैप्शन में लिखा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की।

जापानी, चीन की यात्रा से लौटे हैं पीएम :

इससे पहले पीएम मोदी जापान और चीन के दौरे से लौटे हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने 31 अगस्त से 1 सितंबर, 2025 तक चीन के तियानजिन में आयोजित शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के राष्ट्राध्यक्षों की परिषद की 25वीं बैठक में भाग लिया था।

उपराष्ट्रपति चुनाव से पहले मुलाकात :

पीएम मोदी की यह मुलाकात उपराष्ट्रपति चुनाव से पहले हुई है। उपराष्ट्रपति पद के लिए 9 सितंबर को वोट डाला जाना है। 9 सितंबर की शाम को ही चुनाव के नतीजे घोषित कर दिए जाएंगे। चुनाव में एनडीए के सामने विपक्षी दल ने

अजित पवार के वायरल वीडियो पर घमासान

प्रियंका चतुर्वेदी बोलीं- महिलाओं की बात और कार्रवाई में फर्क

मुंबई, 6 सितंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार और महिला आईपीएस अधिकारी के बीच हाल ही में हुए बातचीत के वायरल वीडियो को लेकर राज्यभर में चर्चा तेज हो गई है। ऐसे में अब इस मामले में शिवसेना (यूबीटी) की सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने शनिवार को उपमुख्यमंत्री अजित पवार पर निशाना साधा। उन्होंने पवार के महिला पुलिस अधिकारियों के सम्मान को लेकर दिए गए बयान और उनकी पार्टी के एमएलसी अमोल मितकारी की कार्रवाई के बीच विरोधाभास को लेकर सवाल उठाया।

दरअसल, हाल ही में सोलापुर जिले में एक महिला आईपीएस अधिकारी अंजना कृष्णा और अजित पवार के बीच फोन पर हुई बातचीत का वीडियो वायरल हुआ था। बताया गया कि अंजना कृष्णा ने अवैध खुदाई रोकने की कोशिश की थी, जिस पर अजित पवार ने कथित तौर पर उन्हें डांटते हुए कहा था कि इतना आपको डेरिंग हो गया क्या? मामले में जब बयानबाजी तेज हुई तब सफाई देते हुए अजित पवार ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया कि उन्हें पुलिस बल और महिला अधिकारियों का बेहद सम्मान है और वे कानून के राज को सर्वोपरि मानते हैं।

हालांकि डिप्टी सीएम की सफाई के बाद प्रियंका चतुर्वेदी ने उनकी मंशा पर सवाल उठाए हैं। चतुर्वेदी ने लिखा कि एक ओर अजित पवार महिला अधिकारियों का सम्मान करने की बात करते हैं और दूसरी ओर उनकी पार्टी के एमएलसी अमोल मितकारी ने यूपीएससी को चिट्ठी लिखकर आईपीएसअधिकारी अंजना कृष्णा की शैक्षणिक योग्यता और जाति प्रमाणपत्र की जांच की मांग की है। उन्होंने पूछा कि क्या अजित पवार जी को पता भी है कि उनकी एक प्रोफाइल पर क्या पोस्ट हो रहा है और उनके पार्टी नेता क्या कर रहे हैं?

'ऑपरेशन सिंदूर ने तीनों सेनाओं के बीच तालमेल और एकीकरण दिखाया'

चेन्नई में बोले वायुसेना प्रमुख

चेन्नई, 6 सितंबर (एजेंसियां)। वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने शनिवार को चेन्नई में अधिकारी कैडेटों के पासिंग आउट समारोह में 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान वायु सेना, नौसेना और थल सेना के बीच समन्वय की सराहना की। भारतीय सेना के अधिकारी प्रशिक्षण अकादमी में शॉर्ट सर्विस कमीशन के स्नातक अधिकारियों को संबोधित करते हुए एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने कहा, 'ऑपरेशन सिंदूर ने तीनों सेनाओं के बीच असाधारण समन्वय, सशस्त्र बलों और अन्य एजेंसियों के भीतर तालमेल और एकीकरण को प्रदर्शित किया है। जैसे-जैसे आप सेवा में आगे बढ़ते हैं, आपको एकजुटता की भावना को आगे बढ़ाते रहना चाहिए।'

इस साल अप्रैल में पहलगाम आतंकी हमले में दहशतगर्दों ने कम से कम 26 लोगों की नृशंस हत्या कर दी थी। इसके जवाब में भारत ने 'ऑपरेशन सिंदूर' शुरू किया था। भारत ने पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू और कश्मीर (पीओजेके) में आतंकी ढांचों पर सटीक हमले किए थे। इसके बाद हुए पाकिस्तानी आक्रमण के हर प्रयास को हमारी सेनाओं ने विफल कर दिया था। हमारे सशस्त्र बलों ने पाकिस्तानी हवाई ठिकानों पर भी जवाबी हमले किए थे और उनकी कमर तोड़ दी थी। एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने स्नातक कैडेटों के प्रशिक्षण में विश्वास व्यक्त किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा, 'मुझे विश्वास है कि आपके प्रशिक्षण ने आपको अधिकारी और नेतृत्वकर्ता के रूप में आगे बढ़ने के लिए आवश्यक ज्ञान, कौशल और अनुशासन से सुसज्जित किया है। स्नातक अधिकारी पाठ्यक्रम के गौरवान्वित माता-पिता और रिश्तेदारों के प्रति मेरी हार्दिक कृतज्ञता। जिस प्रकार आपके अटूट समर्थन ने उन्हें अपने सपनों को साकार करने में सक्षम बनाया है, उसी प्रकार आपका त्याग और विश्वास उनकी सफलता में सहायक रहा है और रहेगा। राष्ट्र और भारतीय सशस्त्र बल आपके बलिदान के लिए सदैव आपके ऋणी रहेंगे।'

'हमेशा एक अच्छा इंसान बनने का प्रयास करें' वायु सेना प्रमुख ने कहा कि अपनी वर्दी को गर्व और उद्देश्य के साथ पहनें, आगे बढ़कर नेतृत्व करें और अपने माता-पिता द्वारा आपको सिखाए गए मूल मूल्यों को हमेशा याद रखें, क्योंकि ये आपके करियर के साथ-साथ जीवन में भी आपके मार्गदर्शक प्रकाशस्तंभ होंगे। हमेशा याद रखें, हम पहले इंसान हैं, फिर नागरिक और उसके बाद सैनिक। इसलिए हमेशा एक अच्छा इंसान बनने का प्रयास करें।

130 अधिकारी कैडेट और 25 अधिकारी कैडेट (महिला) को कमीशन दिया गया

कुल 130 अधिकारी कैडेट और 25 अधिकारी कैडेट (महिला) को भारतीय सेना के विभिन्न अंगों और सेवाओं में कमीशन दिया गया। इसके अतिरिक्त नौ मित्र देशों के नौ विदेशी अधिकारी कैडेटों और 12 विदेशी अधिकारी कैडेटों (महिलाओं) ने सफलतापूर्वक अपना प्रशिक्षण पूरा किया, जिससे अंतरराष्ट्रीय सीमाओं के पार सौहार्द और सहयोग के बंधन को बढ़ावा मिला।

मुंबई पुलिस ने 12,000 करोड़ की ड्रग फैक्ट्री का भंडाफोड़ किया, 12 अरेस्ट

मुंबई, 6 सितंबर (एजेंसियां)। मुंबई से सटे मीरा-भायंदर इलाके में पुलिस ने ड्रग्स के खिलाफ एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया गया है. गुप्त सूचना के आधार पर की गई इस रेड में पुलिस ने 12,000 करोड़ रुपये की ड्रग फैक्ट्री का भंडाफोड़ किया. कार्रवाई इतनी बड़ी थी कि जब पुलिस मौके पर पहुंची तो वहां अफरातफरी मच गई. फैक्ट्री के अंदर हजारों लीटर कच्ची ड्रग्स तैयार की जा रही थी, जिसे अंतरराष्ट्रीय बाजार में भेजने की तैयारी थी. पुलिस ने मौके से 12 लोगों को गिरफ्तार किया और करीब 32,000 लीटर कच्ची ड्रग्स बरामद की।

कैसे हुआ ड्रग फैक्ट्री का खुलासा

पुलिस को पिछले कई दिनों से जानकारी मिल रही थी कि मीरा-भायंदर इलाके में बड़ी मात्रा में ड्रग्स तैयार की जा रही है. इसके बाद पुलिस की एक टीम ने जाल बिछाकर छापेमारी की. पुलिस की गाड़ी देखते ही वहां मौजूद लोग भागने लगे, लेकिन पुलिस ने घेराबंदी कर 12 लोगों को धर दबोचा.

32,000 लीटर कच्ची ड्रग्स बरामद

कार्रवाई के दौरान पुलिस को करीब 32,000 लीटर कच्ची ड्रग्स मिली. पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, इन ड्रग्स को प्रोसेस करके अंतरराष्ट्रीय बाजार साथ-साथ देश के दूसरे हिस्सों में बेचने की तैयारी की जा रही थी. बरामद ड्रग्स की कीमत करीब 12,000 करोड़ रुपये आंकी गई है. जोकि ड्रग्स बहुत बड़ी खेप है.

मीरा-भायंदर पुलिस ने कहा कि यह हाल के समय की सबसे बड़ी कार्रवाई है. 12,000 करोड़ की ड्रग्स जब्त करना बड़ी सफलता है. उन्होंने बताया कि जांच अभी जारी है और जल्द ही इस गिरोह से जुड़े और लोगों को भी गिरफ्तार किया जाएगा। पिछले कुछ महीनों में महाराष्ट्र पुलिस और एनसीबी (नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो) ने कई जगहों पर बड़ी ड्रग्स फैक्ट्रियों का भंडाफोड़ किया है. महाराष्ट्र सरकार भी लगातार कह रही है कि ड्रग्स के खिलाफ 'जीरो टॉलरेंस' की नीति अपनाई जाएगी.

खबरे जरा हटके

पहाड़ चढ़ते हुए अचानक गायब हुई महिला, 19 साल बाद एक चरवाहे के सपने से हुआ उसकी गुमशुदगी का खुलासा!

दुनिया में रोजाना सैकड़ों लोग गायब होते हैं. कुछ का पता चलता है तो कुछ का कभी नहीं पता चलता है और यह तक तय होता है कि गुमशुदा शख्स जिंदा भी है या नहीं. लेकिन बात में चमत्कारिक तौर से उनकी जानकारी मिल जाती है. ऐसा ही कुछ अमेरिका की एक महिला के साथ है. लगभग दो दशकों तक, कोलोराडो के पवित्र क्रॉस पर्वत पर लापता हुई 35 साल मिशेल वानेक का रहस्य अनसुलझा रहा. यह कहानी24 सितंबर, 2005 को, शुरू होती है. चार बच्चों की माँ मिशेल, अपने पारिवारिक मित्र एरिक सॉयर के साथ 14,007 फीट ऊँचे इस पर्वत पर अपनी पहली चढ़ाई के लिए निकली थीं. चढ़ाई के दौरान गलत रास्ता लेने और ऊँचाई की बीमारी से जूझते हुए, मिशेल ने सॉयर से कहा कि वह एक सहमति वाले स्थान पर आराम करेंगी. यह भी तय हुआ कि सॉयर शिखर तक पहुंचेंगे. लेकिन जब सॉयर लौटे, मिशेल पूरी तरह गायब थीं. अगले 19 सालों तक, उनकी कोई निशानी नहीं मिली. लेकिन 2023 की सर्दी के मौसम में, एक रहस्यमयी सपने ने इस मामले में नया मोड़ ला दिया. वेल माउंटेन रेस्क्यू में स्वयंसेवक स्कॉट बीबी 2005 की मूल खोज में शामिल थे, उन्होंने एक अजीब सपना देखा. उन्होंने बताया, "मिशेल मेरे सपने में आईं और कहा कि वह चाहती हैं कि उनकी खोज एक महिला टीम करे." शुरू में बीबी को इस पर शक था. उन्होंने कहा, "हर पुरुष जिसे मैंने यह बताया, उसने मुझे पागल कहा. लेकिन हर महिला ने कहा, 'हाँ, बिल्कुल.'" जब बीबी ने मिशेल के पति बेन को इस सपने के बारे में बताया, तो बेन ने तुरंत भरोला कर लिया. इस सपने से प्रेरित होकर, वेल माउंटेन रेस्क्यू की छह महिलाओं की एक टीम बनाई गई.

पैसे लेकर दूसरों के सिर से जुएं निकालती है लड़की पागल समझते हैं लोग, मगर करती है मोटी कमाई!

बच्चे छोटे होते हैं तो उन्हें बालों में जुएं पड़ने का खतरा काफी होता है क्योंकि वो खुद को उस तरह साफ नहीं रख पाते, जिस तरह बड़े रख पाते हैं. ऐसे में अक्सर उनकी मांएं बालों से जुएं निकाल देती हैं. आपने बंदरों को भी कई बार अपने बच्चों के बालों से जुएं बीनते देखा होगा. मगर एक ऑस्ट्रेलियाई महिला ये काम अनजानों के लिए करती है. ये उसका पेशा है और इसके लिए वो मोटी फीस चार्ज करती है. सिडनी (ऑस्ट्रेलिया) की रहने वाली 25 वर्षीय रैचेल मरोन का पेशा सुनकर शायद आप चौंक जाएं. वो रोजाना सैकड़ों जुओं और निट्स को बिना किसी सुरक्षात्मक उपकरण के हटाती हैं. अपने इस काम को लेकर उन्हें अक्सर 'पागल' तक कहा जाता है, लेकिन रैचेल का मानना है कि यही उनका असली जुनून है और उन्होंने इसी काम को अपना करियर बना लिया है. रैचेल लगभग एक दशक से लोगों को जुओं की समस्या से निजात दिला रही हैं. दिलचस्प बात यह है कि कभी-कभी उन्हें खुद भी जुएं हो जाती हैं, लेकिन फिर भी वो कहती हैं कि उनका काम उनके लिए बेहद "रिलैक्सिंग" है. रैचेल कहती हैं, "मैंने कभी सोचा नहीं था कि मैं ये काम करूंगी, लेकिन अब लगता है कि ये मेरे लिए बना ही था. भले ही लोग मुझे घिनौना समझें, लेकिन ये पेशा मेरे जीवन की सबसे बड़ी नेमत साबित हुआ है."रैचेल हर ट्रीटमेंट के लिए 150 ऑस्ट्रेलियन डॉलर (करीब 8,000 रुपये) चार्ज करती हैं और दावा करती हैं कि वह किसी भी इन्फेस्टेशन को पूरी तरह से खत्म कर सकती हैं. हालांकि, गंभीर मामलों में क्लाइंट्स को दोबारा अपॉइंटमेंट लेना पड़ता है. उनका सबसे लंबा केस 17 घंटे तक चला. कई लोग उन्हें यह कहकर पागल कहते हैं कि वो काम के दौरान न तो ग्लव्स पहनती हैं और न ही हेयरनेट.

30 साल तक काम करता रहा शख्स, घर के नीचे बना दी है गुफाओं की अनूठी भूलभुलैया, देखने वाले हो जाते हैं हैरान!

लोग अपने घर को बहुत ही सुंदर बनाने के लिए खुद ही नए नए तरह के आकार देते हैं. कुछ लोग तो खुद ही पूरा का पूरा घर बनाने की ठान लेते हैं. वहीं कई लोग अपने प्यार की याद में ताजमहल नहीं तो कोई सुंदर सा घर या कुछ और ही कलाकृति बना देते हैं. पर यूके के साउथपोर्ट के एक शख्स ने अपनी पत्नी की याद में अपने साधारण से दिखने वाले घर के नीचे गुफाओं का अनोखा जाल बना डाला है, जो देखने को हैरान कर देता है. फ्रांसिस प्रॉक्टर ने यह सब 30 साल की मेहनत से बनाया है. सामान्य से दिखने वाले घर के बगीचे के नीचे एक बहुत ही असाधारण दुनिया छिपी है.76 साल के पूर्व फोटोग्राफर फ्रांसिस ने अपने घर के पीछे के बगीचे में 20 फीट गहरी गुफाओं, गलियारों और विचित्र संरचनाओं का एक जाल खोदा है, जो देखने वालों को हैरत में डाल देता है.

कैसे मिली प्रेरणा

मजेदार बात ये है कि यह सब किसी नियोजित योजना का हिस्सा नहीं था. यह अनोखा प्रोजेक्ट, जो शुरुआत में एक "बेकार सा विचार" था. दिलचस्प बात ये है कि अब यह नेशनल गार्डन स्कीम के तहत एक लोकप्रिय पर्यटक स्थल बन चुका है. फ्रांसिस ने बताया, "जब हमने 50 साल पहले यह घर खरीदा था, तब मैं अपने बगीचे से नीचे जाने वाली एक भूमिगत कमरे की कल्पना करता था. यह विचार डर्बीशायर की ब्लू जॉन गुफा से प्रेरित था." उस समय फ्रांसिस और उनकी एक गणितज्ञ और सांख्यिकीविद पत्नी बारबरा ने इस प्रोजेक्ट को अंजाम देने का फैसला किया. उनके घर की जगह एन्सडेल बीच के पास तटीय रेत के टीलों पर मौजूद है, जहां रेत में खोदने से संरचना के ढहने का खतरा था. लेकिन बारबरा की गणितीय गणनाओं ने इस नामुमकिन लगने वाले काम को मुमकिन बना दिया. फ्रांसिस ने बताया, "रेत में खोदने से वह ढह सकती थी, इसलिए गुफाएं बनाना लगभग नामुमकिन लगता था. लेकिन हमने घर के विस्तार के दौरान नींव को मजबूत किया था.

दिल्ली के लाल किला से 1 करोड़ रुपये का कलश चोरी

760 ग्राम सोने पर हीरे-पन्ने जड़े थे; जैन समारोह की घटना, लोकसभा स्पीकर भी आए थे

नई दिल्ली, 6 सितंबर (एजेंसियां)। दिल्ली के लाल किला परिसर से एक बेशकीमती कलश चोरी हो गया। इसकी कीमत 1 करोड़ रुपए बताई जा रही है। 760 ग्राम सोने से बने कलश पर 150 ग्राम हीरे, माणिक और पन्ने जड़े थे। यह घटना मंगलवार, 2 सितंबर को एक जैन धार्मिक समारोह के दौरान हुई। दिल्ली पुलिस ने 6 सितंबर को घटना की जानकारी दी है। पुलिस ने बताया कि कलश समारोह के बीच में मंच से गायब हो गया।

पुलिस ने बताया कि बिजनेसमैन सुधीर जैन हर दिन पूजा के लिए कलश लाते थे। पिछले मंगलवार को भी वे पूजा के लिए कलश लाए थे। कार्यक्रम में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला भी शामिल हुए थे। दिल्ली पुलिस ने बताया कि चोरी की घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। सीसीटीवी फुटेज में एक संदिग्ध की गतिविधियां दिखाई दी हैं। उसकी पहचान कर ली गई है और जल्द ही गिरफ्तारी की संभावना जताई है। हालांकि, यह पहली बार नहीं है जब लाल किला में सुरक्षा में सेंध का मामला सामने आया है। इससे पहले, 2 अगस्त को लाल किले की सुरक्षा में तैनात पुलिसकर्मी एक डमी बम का पता नहीं लगा पाए थे। दिल्ली पुलिस के मुताबिक, 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस के कार्यक्रम को लेकर स्पेशल सेल की एक टीम 2 अगस्त को सादे कपड़ों में मॉक ड्रिल के लिए पहुंची थी। वे अपने साथ एक नकली बम लेकर लाल किले में दाखिल हुए। उस समय, लाल किले की सुरक्षा में तैनात पुलिसकर्मी बम डिटेक्ट नहीं कर सके। पुलिसकर्मियों को सुरक्षा में लापरवाही बरतने के कारण निलंबित कर दिया गया। लाल किले पर स्वतंत्रता दिवस का मुख्य समारोह आयोजित होता है।

श्रीनगर की हजरतबल दरगाह में अशोक स्तंभ से विवाद

शिलापट्ट तोड़कर राष्ट्रीय प्रतीक हटाया; लोग बोले-यह धार्मिक भावनाओं के खिलाफ

"जिस विधानसभा सदस्य ने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया, उसके खिलाफ FIR होना जरूरी है, क्योंकि ऐसा लगता है कि ये पट्टिका तोड़ने वाले लोग उनके ही गुंडे थे। ऐसे लोगों पर PSA लगे।

दरख्शां अंद्राबी
J&K वक्फ बोर्ड चेयरपर्सन

श्रीनगर, 6 सितंबर (एजेंसियां)। श्रीनगर की हजरतबल दरगाह में नवनिर्मित शिलापट्ट पर अशोक स्तंभ उकेरे जाने से विवाद खड़ा हो गया है। स्थानीय लोगों और नेताओं ने आपत्ति जताते हुए इसे धार्मिक भावनाओं के खिलाफ बताया। नमाज के बाद कुछ लोगों ने शिलापट्ट तोड़कर राष्ट्रीय प्रतीक हटा दिया। मस्जिद का हाल ही में रिनोवेशन किया गया था।

इसका उद्घाटन जम्मू-कश्मीर वक्फ बोर्ड की चेयरपर्सन दरख्शां अंद्राबी ने किया था। अंद्राबी ने इस घटना को संविधान पर चोट बताया। उन्होंने विरोध करने वालों को उपद्रवी-आतंकी करार दिया। साथ ही पीएसए के तहत कार्रवाई की मांग की। उन्होंने कहा कि ऐसे लोगों पर एफआईआर दर्ज न होने पर वह भूख हड़ताल करेंगी।

हजरतबल दरगाह की पवित्रता और वक्फ बोर्ड के रवैए को लेकर घाटी में तीखी राजनीतिक बहस छिड़ गई है। नेशनल कॉन्फ्रेंस और अन्य विपक्षी दलों ने इसे धार्मिक भावनाओं से खिलवाड़ बताया है। पीडीपी नेता इल्तिजा मुफ्ती ने आरोप लगाया कि मुस्लिम समुदाय को जानबूझकर उकसाया जा रहा है।

अंद्राबी ने पुलिस और वक्फ बोर्ड के अधिकारियों से कहा

जब भी विधायक दरगाह जाएं, उनकी तलाशी ली जाए, ताकि उनकी जेब में कोई नोट न हो। अगर है भी, तो उसे अंदर ले जाना मकरूह (घृणित) होगा। जिन लोगों को राष्ट्रीय प्रतीक के इस्तेमाल से समस्या है, उन्हें दरगाह जाते समय राष्ट्रीय प्रतीक वाले नोट नहीं ले जाने चाहिए।

कहा जाता है-हजरतबल में रखा है पैगंबर मोहम्मद का बाल

हजरतबल दरगाह जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर में डल झील के उत्तरी किनारे पर बनी है। कहा जाता है कि यहां इस्लाम के पैगंबर हजरत मोहम्मद का बाल सुरक्षित रखा गया है। इस बाल को मुई-ए-मुकद्दस कहा जाता है। यहां यह 1699 ईसवीं में लाया गया था। इसे विशेष अवसरों (जैसे ईद-ए-मिलाद-उन-नबी) पर आम जनता को दिखाया जाता है। यह जगह 17वीं शताब्दी में बाग और हवेली थी। जिसे कश्मीर के गवर्नर सुलेमान शाह ने बनवाया था। इसे इशरत महल कहा गया। बाद में मुगल शहंशाह शाहजहां के बेटे दाराशिकोह ने इसका मस्जिद के रूप में जीर्णोद्धार करवाया।

राष्ट्रीय प्रतीकों के अपमान पर 3 साल की सजा

भारत में अगर कोई राष्ट्रीय प्रतीकों (ध्वज, गान, संविधान, प्रतीक) का अपमान करता है, तो उसे 3 साल तक की कैद या जुर्माना हो सकता है। बीएनएस की धारा 124 के तहत राष्ट्रीय सम्मान का अपमान करने वाले व्यक्ति को 3 साल तक की कैद, जुर्माना या दोनों हो सकता है।

धर्मशाला नेशनल हाईवे पर हादसा-एम्बुलेंस खाई में गिरी, 3 की मौत-2 घायल

होशियारपुर, 6 सितंबर (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश के टांडा मेडिकल कॉलेज से एक मरीज को लेकर पंजाब के लुधियाना डीएमसी अस्पताल जा रही एम्बुलेंस खाई में गिर गई। इस हादसे में तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को तुरंत नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के अनुसार, हादसा देर रात 3 बजे हुआ। एम्बुलेंस में कुल पांच लोग सवार थे।

मरीज को हार्ट अटैक की शिकायत के बाद टांडा मेडिकल कॉलेज से लुधियाना के डीएमसी अस्पताल रेफर किया गया था। मांगूवाल बैरियर के पास सड़क का कुछ हिस्सा खिसक गया था, जिसके कारण वहां बैरिकेडिंग की गई थी। बताया जा रहा है कि रात के अंधेरे और संभवतः सड़क की खराब स्थिति के कारण ड्राइवर नियंत्रण खो बैठा और एम्बुलेंस गहरी खाई में जा गिरी। हादसे की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और राहत कार्य शुरू किया।

बाइक रैली में 'सर तन से जुदा' के नारे

सागर में वीडियो आया सामने, हिंदू संगठन की शिकायत पर कांग्रेस नेता समेत अन्य पर एफआईआर

सागर, 6 सितंबर (एजेंसियां)। सागर में एक बाइक रैली में 'सर तन से जुदा' के नारे लगे। रैली के दौरान हुई नारेबाजी का वीडियो सामने आया। जिसके बाद हिंदू संगठन ने कोतवाली थाने में शिकायत की। हिंदू संगठन ने इसके लिए जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई की मांग की। शिकायत पर जांच के बाद पुलिस ने शुक्रवार शाम को रैली निकालने वाले ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष फिरदोष कुरैशी के साथ ही पम्मा कसाई, शहबाज और अन्य के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

दरअसल, गुरुवार को ईद ईद मिलादुन्नबी के मौके पर वर्ग विशेष के युवकों ने शहर में बाइक रैली निकाली थी। ये रैली राहतगढ़ बस स्टैंड से शुरू हुई जो बड़ा बाजार, बस स्टैंड और परकोटा होते हुए कटरा बाजार में तीनबत्ती तिराहे पर पहुंची। तीन बत्ती चौराहे पर रैली में शामिल कुछ युवकों ने 'सर तन से जुदा' के नारे लगाए। वीडियो सामने आने के बाद हिंदू संगठनों ने विवादित नारों पर आपत्ति जताई थी।

नारे लगाने वालों पर हो सख्त कार्रवाई

हिंदू जागरण मंच के उमेश सराफ ने कोतवाली थाने में शिकायत करते हुए कहा कि गुरुवार को बाइक रैली में 'गुस्ताख-ए-रसूल की एक सजा, सर तन से जुदा-सर तन से जुदा' के नारे लगाकर शहर का माहौल बिगाड़ने की कोशिश की गई। विवादित नारेबाजी से शहर में आक्रोश है। इस मामले में दोषियों पर सख्त कार्रवाई करने की मांग की गई।

ईद के जुलूस में भगवा ध्वज पर 'इस्लाम जिंदाबाद' लिखा

खंडवा, 6 सितंबर (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश के खंडवा में ईद मिलादुन्नबी के जुलूस में धार्मिक भावनाएं आहत करने का मामला सामने आया है। हिंदूवादी संगठनों का आरोप है कि जुलूस में भगवा ध्वज पर काले रंग से 'इस्लाम जिंदाबाद' लिखा गया और तालिबानी झंडे फहराए गए। जुलूस के दौरान डीजे पर पाक आर्मी के गाने भी बजाए गए। यह भी आरोप है कि गणेश पंडालों के पास आतिशबाजी की गई और जलेबी चौक क्षेत्र के कल्लनगंज का नाम बदलकर कल्लन अली गंज बताया गया। रात में हिंदू संगठन के लोग कोतवाली थाने पहुंचे। यहां सीएसपी अभिनव बारंगे और एसडीएम बजरंग बहादुर के सामने विरोध जताया।

पंजाब सीएम दूसरे दिन भी अस्पताल में भर्ती

मोहाली, 6 सितंबर (एजेंसियां)। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान तबीयत खराब होने के कारण मोहाली के फोर्टिस अस्पताल में भर्ती हैं। आज उनसे मिलने उनकी माता और दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया पहुंचे। सीएम की सेहत में अब सुधार है। उनकी पल्स रेट पहले से बेहतर हुई है। मेडिकल टीमें लगातार उनकी सेहत पर नजर रख रही हैं। मेडिकल टीमें लगातार उनकी सेहत पर नजर रख रही हैं। अस्पताल प्रशासन ने बताया कि मुख्यमंत्री को धड़कन धीमी होने और कमजोरी की शिकायत के बाद अस्पताल लाया गया था। यहां डॉक्टरों की टीम ने तुरंत उनका चेकअप किया और निगरानी के लिए भर्ती करने की सलाह दी थी। इसके बाद शुक्रवार रात उन्हें एडमिट कर लिया गया था। जानकारी के मुताबिक भगवंत मान पिछले दो दिनों से अस्वस्थ चल रहे थे। इसी वजह से उनका आप सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल के साथ बाढ़ग्रस्त इलाकों का दौरा भी टल गया था। तब से वह चंडीगढ़ स्थित मुख्यमंत्री आवास पर ही आराम कर रहे थे और वहीं पर इलाज चल रहा था।

मुंबई में धमाकों की धमकी देने वाला नोएडा से गिरफ्तार

'लश्कर-ए-जिहादी' के नाम से भेजा था संदेश

मुंबई, 6 सितंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के नोएडा से अश्विन कुमार सुप्रा (50) नाम के एक शख्स को मुंबई में बम विस्फोट की धमकी देने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। मुंबई क्राइम ब्रांच ने बीते दिन यह कार्रवाई की। मुंबई पुलिस ने बताया कि मुख्य आरोपी मूल रूप से बिहार का रहने वाला है। धमकी देने में इस्तेमाल किया गया उसका फोन और सिम कार्ड जब्त कर लिया गया है। उसे नोएडा से मुंबई लाया जा रहा है। आगे की जांच की जाएगी।

व्हाट्सएप नंबर पर धमकियां मिली थीं

इससे पहले मुंबई पुलिस ने बताया था कि मुंबई ट्रैफिक पुलिस को उनके आधिकारिक व्हाट्सएप नंबर पर धमकियां मिलीं। धमकी में दावा किया गया कि शहर भर में 34 वाहनों में 34 'मानव बम' लगाए गए हैं। इसके विस्फोट से पूरी मुंबई दहल जाएगी। 'लश्कर-ए-जिहादी' होने का दावा करने वाले इस संगठन ने दावा किया कि 14 पाकिस्तानी आतंकवादी भारत में घुस आए हैं। धमकी भरे संदेश में आगे कहा गया कि विस्फोट में 400 किलोग्राम आरडीएक्स का इस्तेमाल किया जाएगा।

मुंबई पुलिस सतर्क है और पूरे राज्य में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। धमकी के सभी पहलुओं की जांच की जा रही है। इससे पहले पिछले महीने नवी मुंबई पुलिस ने मुंबई-अहमदाबाद उड़ान में बम होने और महानगर में छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे को बम से उड़ाने की धमकी के मामले में एफआईआर दर्ज की थी।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH
स्वतंत्र वार्ता

सुविचार: खोने के बाद ही ख्याल आता है, कितना कीमती था समय

170 प्रशिक्षु आईपीएस अधिकारियों ने टीजीआईसीसीसी का दौरा किया

हैदराबाद, 6 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राष्ट्रीय पुलिस अकादमी के कुल 170 प्रशिक्षु आईपीएस अधिकारियों ने शनिवार को हैदराबाद स्थित टीजीआईसीसीसी भवन का दौरा किया।

अपने दौरे के दौरान, उन्होंने हैदराबाद के पुलिस महानिदेशक और आयुक्त सी.वी. आनंद से बातचीत की। इस अवसर पर, सी.वी. आनंद ने हैदराबाद शहर में अपने 10 वर्षों के अनुभव और 13वीं बार गणेश बंदोबस्त और हैदराबाद के पुलिस आयुक्त के रूप में चौथी बार अपने अनुभव अधिकारियों के साथ साझा किए। उन्होंने कहा कि हैदराबाद देश के सबसे संवेदनशील और विशाल शहरों में से एक है, जहां सभी वर्गों और सभी धर्मों के लोग रहते हैं। इसलिए, यहां उत्सव प्रबंधन सबसे महत्वपूर्ण है।

शहर में गणेश उत्सव के लिए पुलिस सुरक्षा व्यवस्था के बारे में बताते हुए, सी.वी. आनंद ने बताया कि इस वर्ष अंतिम दिन लगभग 25,000 गणेश प्रतिमाओं का विसर्जन होने की उम्मीद है। उन्होंने इस विशाल आयोजन के लिए सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित करने और भगदड़ को रोकने के महत्व पर ज़ोर दिया। एक विस्तृत पावरपॉइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से, उन्होंने गणेश उत्सव, मिलाद-उन-नबी, बोनालू, दशहरा, नवरात्रि, हनुमान रैली और श्रीराम नवमी रैली जैसे त्योहारों के दौरान भगदड़ रोकने के लिए हैदराबाद पुलिस की कार्ययोजना, तैयारी, रणनीति और उपायों के बारे में बताया। शहर के पुलिस प्रमुख ने यह भी बताया कि ऑनलाइन अनुमति पत्र बनाने, मूर्तियों की जियोटैगिंग करने, ड्रोन, ऐप और सीसीटीवी तथा मल्टी-एजेंसी कमांड कंट्रोल सेंटर के इस्तेमाल के लिए तकनीक और आईटी का कैसे इस्तेमाल किया जाता है।

इस कार्यक्रम में राम निवास सेपट, डीआईजी, उप निदेशक, बेसिक कोर्स-2, कलमेश्वर सिंगेनवार, सहायक निदेशक प्रशिक्षण, सरदार वल्लभभाई पटेल राष्ट्रीय पुलिस अकादमी और पुष्पा, डीसीपी, आईटी सेल, टीजीआईसीसीसी बिल्डिंग, बंजारा हिल्स, हैदराबाद उपस्थित थे।

टैंकबैड पर शांतिपूर्ण ढंग से प्रतिमाओं का विसर्जन जारी : सीवी आनंद

पुलिस की हर स्थिति पर पैनी नजर

हैदराबाद, 6 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। डीजी व पुलिस आयुक्त, हैदराबाद सी.वी. आनंद ने बताया कि गणेश प्रतिमा विसर्जन की प्रक्रिया बिना किसी अप्रिय घटना के शांतिपूर्ण ढंग से जारी है। शनिवार शाम मीडिया से बात करते हुए, उन्होंने विसर्जन प्रक्रिया की प्रगति और पुलिस द्वारा उठाए गए कदमों के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि खैरताबाद महागणपति विसर्जन दोपहर 1:05 बजे और बालापुर गणपति विसर्जन शाम 6:11 बजे पूरा हुआ। अब तक 650 से ज़्यादा प्रतिमाओं का विसर्जन पूरा हो चुका है। शहर में अभी भी लगभग 4,500 प्रतिमाओं का विसर्जन होना बाकी है। हवाई सर्वेक्षण से पता चला है कि दक्षिण क्षेत्र (छतरीनाका, चंद्रायनगुट्टा, राचकोंडा) और साइबराबाद की ओर से आने वाली प्रतिमाएं अभी भी सड़कों पर हैं। पुलिस मूर्ति जुलूस को चार लेन में जारी रखकर विसर्जन में तेज़ी लाने के उपाय किए जा रहे हैं। इस बार गणेश विसर्जन में तकनीक का व्यापक उपयोग किया गया है। मूर्तियों की जानकारी ऑनलाइन अपलोड की गई और गणेश मूर्तियों को जियो-टैग किया गया। इससे प्रक्रिया आसान हो गई है। उन्होंने कहा कि टीएस कॉप ऐप में गणेश विसर्जन के लिए एक विशेष विकल्प पेश किया गया है। इससे निरीक्षक अपने अधिकार क्षेत्र में मूर्तियों की आवाजाही पर नजर रख सकते हैं। मंडप आयोजकों द्वारा दी गई जानकारी के आधार पर, यह सुनिश्चित करने के बाद कि कोई डीजे, बैंड आदि नहीं हैं, वाहनों को अनुमति दी जा रही है। विद्युत दुर्घटनाओं को रोकने के उपायों के कारण, 107 सीसीटीवी कैमरों के कनेक्शन काट दिए गए थे, जिनमें से 37 तक विसर्जन के लिए ठीक कर दिए गए। निगरानी के लिए ड्रोन (9) और हाई-राइज़ कैमरों (35) का उपयोग किया जा रहा है। विसर्जन में तेजी लाने के लिए पुशिंग पार्टियों की व्यवस्था की गई है। विसर्जन के लिए हुसैन सागर में 40 क्रेन उपलब्ध हैं।

चंद्रग्रहण के कारण आज बंद रहेंगे मंदिर

तिरुपति, 6 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तिरुचनूर, गोविंदराज स्वामी, श्री कोदंडाराम स्वामी, श्रीनिवास मंगापुरम, अप्पलयागुंटा सहित टीटीडी के अंतर्गत आने वाले कई स्थानीय मंदिर 7 सितंबर को दोपहर 2 बजे से बंद रहेंगे। ग्रहण 7 सितंबर की रात 9:50 बजे से 8 सितंबर की सुबह 1:31 बजे तक रहेगा। पारंपरिक परंपरा के अनुसार, मंदिर लगभग छह घंटे पहले बंद हो जाते हैं। शुद्धि पूजा के बाद, मंदिर भक्तों के लिए दर्शन के लिए फिर से खुल जाता है। तिरुचनूर में मंदिर 7 सितंबर को दोपहर 2:15 बजे बंद हो जाएगा और 8 सितंबर को सुबह 8 बजे खुलेगा, जबकि गोविंदराज स्वामी में मंदिर दोपहर 3:30 बजे बंद हो जाएगा और सुबह 9:30 बजे से दर्शन के लिए खुल जाएगा। श्रीनिवास मंगलपुरम में मंदिर के द्वार दोपहर 3:30 बजे बंद हो जाते हैं और दर्शन सुबह 8:30 बजे शुरू होते हैं। कपिलातीर्थम में मंदिर दोपहर 3 बजे बंद हो जाता है और सोमवार सुबह 7 बजे दर्शन के लिए खुल जाता है। इसी प्रकार, टीटीडी के कई बाहरी मंदिरों में मंदिर के द्वार 7 सितंबर को दोपहर 2 बजे बंद हो जाते हैं और 8 सितंबर को सुबह 3 बजे खुल जाते हैं। शुद्धिकरण अनुष्ठान करने के बाद भक्तों को दर्शन की अनुमति दी जाती है।

40 छात्राएं बनीं साइबर धोखाधड़ी का शिकार, पुलिस कर रही जांच

विश्वविद्यालय में डेटा चोरी का सनसनीखेज मामला

हैदराबाद, 6 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। वीरनारी चकाली एलम्मा महिला विश्वविद्यालय, कोटि (पूर्व में उस्मानिया विश्वविद्यालय महिला महाविद्यालय) में कथित डेटा उल्लंघन का मामला सामने आया है। शुरूआती जांच में पाया गया है कि कम से कम 40 छात्राएं साइबर ठगी का शिकार हुई हैं, जिससे परिसर में दहशत का माहौल है।

पुलिस के अनुसार, छात्रों को अज्ञात कॉल आने लगे जिनमें उनकी व्यक्तिगत, उपस्थिति और स्वास्थ्य संबंधी जानकारी मांगी गई। कॉल करने वाले खुद को विश्वविद्यालय से जुड़ा बताते हुए स्वास्थ्य जांच कार्यक्रम का हवाला दे रहे थे। इस दौरान कुछ छात्रों के मोबाइल फोन कथित रूप से हैक कर लिए गए और निजी डेटा तक अनधिकृत पहुंच बना ली गई। हालांकि ब्लैकमेलिंग की आशंका जताई गई है, लेकिन पुलिस ने कहा कि इसकी पुष्टि नहीं हुई है।

जांच में विश्वविद्यालय के रिकॉर्ड से गंभीर डेटा चोरी के संकेत मिले हैं। पुलिस फिशिंग लिंक या दुर्भावनापूर्ण ऐप के इस्तेमाल की संभावना भी खंगाल रही है। सुल्तान बाजार पुलिस ने कहा कि मामले में अंदरूनी हाथ होने से भी इनकार नहीं किया जा सकता। गंभीरता को देखते हुए इसे साइबर अपराध पुलिस को सौंपा जा सकता है। इस बीच, साइबर टीमें डिजिटल ट्रेल का विश्लेषण कर अपराधियों तक पहुंचने की कोशिश कर रही हैं।

यूरिया संकट और बारिश के असर से कांग्रेस ने टाली पदयात्रा

हैदराबाद, 6 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। यूरिया की कमी से नाराज किसानों और बारिश से प्रभावित निवासियों के असंतोष को देखते हुए तेलंगाना कांग्रेस ने 'जनहित पदयात्रा' का अगला चरण स्थगित कर दिया है। 31 जुलाई को शुरू हुई इस पदयात्रा का नेतृत्व शुरू में एआईसीसी प्रभारी मीनाक्षी नटराजन को करना था, लेकिन मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी की आपत्ति के बाद यह जिम्मेदारी टीपीसीसी अध्यक्ष महेश कुमार गौड़ को दी गई। 4 अगस्त तक चली पदयात्रा को दिल्ली में पिछड़ी जातियों के लिए 42 प्रतिशत आरक्षण की मांग को लेकर कांग्रेस विधायकों के धरने के कारण रोकना पड़ा। बाद में 22 अगस्त को नटराजन ने अचानक आदिलाबाद का दौरा किया, जबकि आखिरी चरण 25 अगस्त को वर्धन्नापेट में हुआ था।

इस बीच, राज्य भर में किसान यूरिया की मांग को लेकर आंदोलन कर रहे हैं। कई जिलों में बाढ़ से फसलें और मकान प्रभावित हुए हैं। मंत्रियों के बयानों से किसानों की नाराजगी और बढ़ी है। इन परिस्थितियों में कांग्रेस नेता मानते हैं कि अभी पदयात्रा फिर शुरू करना सही नहीं होगा और हालात सामान्य होने तक इंतजार करना पड़ेगा।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, DARURIE VENKATA JYOTHI W/o Santhosh Kumar, R/o Flat No.316, Anuhar Morning Raga, Road No.26, Alkapur, Township, Puppalaguda, Hyd, Have Changed my name as GOMATAM JYOTHI for all records purpose. vide Affidavit No. BN465263 Dt: 04.09.2025.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

एफटीसीसीआई में महिलाओं के लिए एआई कार्यशाला 12 को

हैदराबाद, 6 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। फेडरेशन ऑफ तेलंगाना चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (एफटीसीसीआई) की महिला विंग समिति 12 सितंबर को रेड हिल्स स्थित एफटीसीसीआई कार्यालय में महिलाओं के लिए 'आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई)' पर कार्यशाला आयोजित करेगी।

इस सत्र का संचालन आईबीएम की कार्यकारी भागीदार अनुराधा ए. और ट्रेंडवाइज एनालिटिक्स के संस्थापक एवं आईएसबी में 'लीडर्स के लिए एआई' कार्यक्रम प्रमुख मोहन सिलापरासेट्टी करेंगे। कार्यशाला में एआई के व्यावहारिक प्रदर्शन, जेनएआई और एजेंटिक एआई की खोज तथा वास्तविक दुनिया से जुड़े केस स्टडी प्रस्तुत किए जाएंगे।

सीएम योगी का तोहफा : ग्रामीण रोडवेज बसों का किराया 20 फीसदी होगा कम

> बोले-'नो हेलमेट-नो फ्यूल' अभियान अच्छा

लखनऊ, 6 सितंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शनिवार को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित परिवहन विभाग के कार्यक्रम में पहुंचे। इस मंच से उन्होंने प्रदेश को ग्रामीण जनता सेवा का तोहफा दिया। इसके तहत लखनऊ समेत प्रदेशभर में 250 बसें संचालित की जाएंगी। प्रत्येक डिपो से 10% फ्लीट जनता सेवा की होगी। ये बसें 75-80 किमी दूरी के दायरे में आने वाले गांवों तक चलेंगी। इसका किराया 20 प्रतिशत तक कम होगा। सीएम आरटीओ कार्यालय से जुड़े 48 कामों के आवेदन के लिए डेढ़ लाख जन सुविधा केंद्रों सहित कई श्रेणियों में बसों की भी सौगात दी।

इस मौके पर सीएम ने परिवहन मंत्री की चुटकी लेते हुए कहा कि आज मंत्री जी जल्दी आ गए, हम तो सोचे थे कि 12 बजे तक आएंगे। लेकिन, आज पहले आ गए। यह प्रमाण है कि परिवहन बदल रहा है। परिवहन विभाग चुनौतियों से जूझने के लिए तैयार है। फाइल लटकाने की आदत खत्म करनी होगी। समय की प्रतिबद्धता तय करनी होगी।

समय का साथी है परिवहन विभाग

कुंभ और कोरोना के दौरान परिवहन विभाग ने करके दिखाया है। उस वक्त यूपी वासियों को उनके गांव तक पहुंचाया। उत्तराखंड के प्रवासी को भी पहुंचाया। चालक-परिचालकों ने सफलता पूर्वक पहुंचाया। महाकुंभ में भी परिवहन विभाग ने 45 दिन में तमाम लोगों की सेवा की। उन्हें पुण्य कमाने में मदद की। रेलवे स्टेशन से लोगों को बाहर पहुंचाने में मदद की। परिवहन विभाग हमेशा प्रदेश के अंदर समय का साथी है।

मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि परिवहन सेवाओं को बेहतर बनाया जा रहा है। आज कई नई परियोजनाएं शुरू हो रही हैं। कामन सर्विस सेंटर पर लोग परिवहन की सेवा ले सकेंगे। आईआईटी, खड़गपुर के साथ एमओयू होना तकनीकी रूप से समृद्ध करेगा। 149 यात्री के लिए अहम है। यह मददगार साबित होगा। आज सात बस स्टेशन का शिलान्यास हो रहा है। 54 अन्य वर्ड क्लास स्टेशन बनेंगे। सीएम ने कहा कि बेहतरी के लिए तैयार रहना होगा। सड़क सुरक्षा चुनौती है। यह हमारी ही जिम्मेदारी है। इसके लिए, कोरोना की तरह ही लोगों को जागरूक करना होगा। क्योंकि, सड़क हादसों में लगातार मौतें हो रही हैं। अब हमें उसे न्यूनतम स्तर पर लाना है। यदि परिवहन निगम की लापरवाही से जनहानि होती है तो आर्थिक और सामाजिक दोनों तरह की क्षति होती है। ड्राइवर का हर तीन माह में मेडिकल फिटनेस होना चाहिए। ये सुनिश्चित करें कि चालक अंदाजे से न चलें। क्योंकि, बस में बैठे व्यक्ति की हमारी जिम्मेदारी है। इसके लिए टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करें। तत्परता दिखाएं। विभिन्न संस्थाओं को साथ जोड़ें। स्कूल कॉलेज में जागरूक करें। बताएं कि हेलमेट से कैसे बचा सकता है। शराब कैसे जनहानि पहुंचा सकती है। ये सारी बातें लोगों को बताएं। ताकि लोगों की जान बचाई जा सके।

सड़क सुरक्षा के लिए जिम्मेदारी लेना होगा

मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में आगे कहा कि 'नो हेलमेट... नो फ्यूल' अभियान अच्छा है। इस तरह छोटे-छोटे प्रयासों की जरूरत है। सड़क सुरक्षा के लक्ष्य के लिए सभी को साथ लगना होगा। यूपी पुलिस को भी कहा है। उन्होंने एप विकसित किया है। काम किया तो परिणाम निकले हैं। जहां 18 दुर्घटनाएं होती थीं, वह तीन पर आ गई हैं।

20 लोगों से भरी नाव शारदा नदी में पलटी

बाढ़ में बह गए पिता-पुत्री

लखीमपुर खीरी, 6 सितंबर (एजेंसियां)। लखीमपुर खीरी जनपद के नकहा क्षेत्र में 20 ग्रामीणों को लेकर जा रही नाव अधूरे पुल के पिलर से टकरा गई, जिससे नाव शारदा नदी में पलट गई। नाव पर सवार पिता-पुत्री नदी में बह गए। जबकि अन्य ग्रामीणों को सकुशल निकाल लिया गया है। कुछ लोग तैरकर किनारे पर आ गए।

सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंच गई। अफसर भी मौके पर पहुंचे। लापता पिता-पुत्री की तलाश में एनडीआरएफ की टीमें लगाई गई हैं। अपर पुलिस अधीक्षक विवेक तिवारी, एसडीएम अश्वनी सहित अन्य अधिकारियों ने मौके का जायजा लिया।

सुबह आठ बजे हुआ हादसा

ग्रामीणों के मुताबिक हादसा शनिवार सुबह करीब आठ बजे हुआ। बताया जा रहा है कि ग्रामीण नाव से शारदा नदी के दूसरे छोर पर जा रहे थे। इसी दौरान नौव्वापुर घाट पर अधूरे पड़े पुल के पिलर से टकराकर नाव नदी में पलट गई। बहाव तेज होने की वजह से ग्रामीण बहने लगे।

जमुई में पुलिस पर हमला, हाथ जोड़कर गिड़गिड़ाया सिपाही

मम्मी-मम्मी बोलकर रोती रही महिला एसआई; शराब के इनपुट पर रेड करने गए थे

जमुई, 6 सितंबर (एजेंसियां)। जमुई में ग्रामीणों ने पुलिस टीम को दौड़ा-दौड़ा कर लाठी-डंडों से पीटा। घटना बरहट थाना क्षेत्र के कदुआ तरी गांव की है। पुलिस को इलाके में देसी शराब बनाने की सूचना मिली थी। थाना प्रभारी के नेतृत्व में पुलिस टीम रेड करने गांव पहुंची थी। जांच के दौरान ग्रामीण आक्रोशित हो गए और पुलिस पर हमला बोल दिया। उन्होंने पुलिस टीम को घेर लिया। लाठी-डंडों से पुलिसकर्मियों पर हमला किया।

पुलिस के हथियार छीनने की भी कोशिश की गई। इस दौरान भीड़ ने एक कॉन्स्टेबल को पकड़ लिया। भीड़ के आगे सिपाही बेबस दिखाई दिए। वो हाथ जोड़कर लोगों के आगे गिड़गिड़ाते नजर आए। वहीं महिला एसआई उर्मिला कुमारी और एसआई शुभम झा को भी भीड़ ने घेर लिया। इस दौरान महिला एसआई रोती नजर आईं। हमले में महिला एसआई उर्मिला कुमारी, एसआई शुभम झा समेत 6 से ज्यादा पुलिस वाले घायल हुए हैं। घटना शुक्रवार की है, इसका वीडियो आज यानी शनिवार को सामने आया है।

50 लोगों की भीड़ ने किया हमला

पुलिस पर हमले के वीडियो में दिख रहा है कि महिला-पुरुष समेत 50 के लगभग ग्रामीणों ने पुलिस टीम को भगा-भगाकर लाठी-डंडे से पीटा। इस बीच कुछ पुलिस कर्मी ने भागकर अपनी जान बचाई। वहीं एक सिपाही को एक युवक ने पकड़ लिया। इसके बाद भीड़ वहां पहुंची और पुलिसकर्मी को डंडे से मारने लगे। एक शख्स उनके सिर पर हमला करता है, दूसरा युवक उनका हथियार छीनने की कोशिश करता नजर आ रहा है। इस दौरान जवान हाथ जोड़े माफी मांगते नजर आ रहा है। वो हाथ जोड़कर बार-बार भीड़ से छोड़ देने की मिन्नतें कर रहा है। इस दौरान ग्रामीणों की ओर से गाली-गलौज किया जाता है। ग्रामीणों ने एसआई शुभम झा को 200 मीटर तक दौड़ाया। वहीं महिला एसआई भीड़ का हिंसक रूप देखकर रोने लगी। दरअसल, कदुआ तरी गांव एक आदिवासी बहुल गांव है। जब पुलिस रेड के लिए पहुंची, लोग करमा पर्व को लेकर पूजा-पाठ में जुटे हुए थे। इसी बीच माहौल बिगड़ गया और हमला हो गया।

11 साल की बच्ची ने मृत बच्चे को जन्म दिया

बरेली में पड़ोसी ने भाई को मारने की धमकी देकर 8 महीने तक की दरिंदगी

बरेली, 6 सितंबर (एजेंसियां)। बरेली में एक 11 साल की बच्ची ने मृत बच्चे को जन्म दिया है। पड़ोसी बच्ची के साथ 8 महीने तक दरिंदगी करता रहा। पड़ोसी खुद दो बच्चों का बाप है। वो बच्ची को डराता था कि अगर किसी को बताया तो तुम्हारे भाई को मार डालेंगे। डरी सहमी बच्ची अकेले दर्द सहती रही। वहीं जब बच्ची प्रेग्नेंट हुई, तब परिजनों को इसकी जानकारी हुई। जिसके बाद बच्ची ने 6 महीने के मृत बच्चे को जन्म दिया है। अस्पताल में बच्ची का इलाज चल रहा है।

बलात्कार किया, फिर वीडियो बनाया

नवाबगंज इलाके में 11 साल की बच्ची को पड़ोस में रहने वाला 45 साल का व्यक्ति किसी बहाने अपने साथ ले गया। जिसके बाद उसने उसका बलात्कार किया और उसकी वीडियो बना ली। उसने बच्ची को धमकाया कि अगर ये बात किसी को भी बताई तो उसके भाई की हत्या कर दूंगा। डरी सहमी बच्ची ने अपने परिवार को कुछ नहीं बताया। इस तरह 8 महीने तक दरिंदा बच्ची के साथ बलात्कार करता रहा।

पेट में दर्द होने पर खुला राज

बच्ची को जब पेट में दर्द हुआ तो भाई उसे पड़ोस के डॉक्टर के पास ले गया। जहां डॉक्टर ने उसे पेट दर्द की दवा दे दी। लेकिन बच्ची के पेट का दर्द नहीं रुका। जिस पर भाई उसे निजी अस्पताल ले गया। जहां डॉक्टर ने अल्ट्रासाउंड कराने की सलाह दी। जब बच्ची का अल्ट्रासाउंड हुआ, तब पता चला बच्ची तो 6 महीने की गर्भवती है। ये सुनते ही परिवार दंग रह गया। परिवार दोबारा दूसरी पैथोलॉजी में अल्ट्रासाउंड कराया। लेकिन उसमें भी बच्ची 6 महीने की प्रेग्नेंट निकली। जिसके बाद बच्ची के भाई, मां-पिता के पैरों तले जमीन खिसक गई। परिवार ने बच्ची से इस बारे में बात की। तब पता चला कि पड़ोसी बच्ची के साथ 8 महीने से गलत काम कर रहा है।

जिला महिला अस्पताल के सीएमएस त्रिभुवन प्रसाद ने बताया- गुरुवार रात करीब 11 बजे नवाबगंज से रेफर होकर पेशेंट हमारे पास आई है। 11 साल की बच्ची है। जो प्रेग्नेंट थी। हमारे यहां उसका मेडिकल भी हुआ और उसका ट्रीटमेंट भी हुआ।

पूर्व सांसद बोले-राजभर और उनके बेटे बदतमीज

ये असली राजभर भी नहीं, भाजपा इस्तीफा ले...वरना माहौल खराब करेंगे

हरिनारायण राजभर | ओमप्रकाश राजभर

बलिया, 6 सितंबर (एजेंसियां)। 'ओम प्रकाश राजभर और उनके बेटे बदतमीज हैं। अपनी हरकतों से भाजपा की मर्यादा को धूमिल कर रहे। ओमप्रकाश राजभर, राजभर हैं नहीं, वे वियार जाति से आते हैं। पूर्वांचल में आकर रसड़ा में उन्होंने खुद को राजभर बताकर शोर मचाया। पूरा राजभर समाज यह मान बैठा कि वे राजभर हैं। राजभर से मंत्री पद से इस्तीफा ले लेना चाहिए।'

ये बातें बीजेपी के पूर्व सांसद हरिनारायण राजभर ने बलिया में कहीं। वह जिला अस्पताल में एबीवीपी कार्यकर्ताओं से मुलाकात करने पहुंचे थे। बाहर आने पर मीडियाकर्मियों से कहा-राजभर की वजह से जो हालात बने हैं, पार्टी उसे गंभीरता से ले। भाजपा को चाहिए कि राजभर को बर्खास्त कर पार्टी से बाहर करे। वरना पार्टी की मर्यादा पर असर पड़ेगा।

एबीवीपी को उग्रवादी कहना, इससे बड़ी बदतमीजी और क्या हो सकती है

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद एक सांस्कारिक संगठन है। आरएसएस से जुड़ा है। बीजेपी भी आरएसएस के निर्देशन में चलती है। ऐसे संगठन के कार्यकर्ताओं को ओमप्रकाश उग्रवादी कहते हैं। इससे बड़ी बदतमीजी और क्या हो सकती है? अब बताइए, ऐसे व्यक्ति को कैसे रखा जा सकता है।

राजभर से जो गठबंधन है, उसे खत्म कर देना चाहिए

राजभर के इस्तीफे और पार्टी से बाहर करने की मांग पर पूर्व सांसद ने कहा- वे बिल्कुल जायज मांग कर रहे हैं। एबीवीपी जैसे पवित्र संगठन को अराजक और गुंडा कहना कतई स्वीकार नहीं है। राजभर से जो गठबंधन है, उसे खत्म कर देना चाहिए। क्योंकि उनके साथ रहने से स्थिति और खराब होती जाएगी।।

ओपी राजभर ने कहा था-गुंडागर्दी करोगे तो पुलिस कार्रवाई करेगी

बाराबंकी के रामस्वरूप विश्वविद्यालय में एबीवीपी कार्यकर्ताओं पर लाठीचार्ज ओपी राजभर ने कहा था-संविधान से देश चल रहा है। देश कानून से चलता है। आप शिक्षा मंत्री से मिलो, प्रमुख सचिव शिक्षा से मिलो, मुख्यमंत्री से मिलो। यहां से काम नहीं होता तो रक्षा मंत्री से मिलो। प्रधानमंत्री से मिलो। कानून तोड़ने पर प्रधानमंत्री को भी जेल जाना पड़ा। लालूजी को जेल जाना पड़ा। केजरीवाल को जेल जाना पड़ा। पुलिस का काम है लॉ एंड ऑर्डर कंट्रोल करना। अगर आप गुंडागर्दी करोगे तो पुलिस कार्रवाई करेगी। पहले प्यार से मनाएगी, नहीं मानोगे तो जबरदस्ती मनाएगी। तब भी नहीं मानोगे तो डंडा तो चलेगा ना।

बुधवार रात मंत्री के आवास पर फेंके थे पत्थर

इसके बाद बुधवार रात मंत्री ओपी राजभर के खिलाफ एबीवीपी कार्यकर्ताओं का गुस्सा भड़क उठा। कार्यकर्ता एकजुट होकर रात करीब 9 बजे लखनऊ में मंत्री के आवास पहुंचे। नारेबाजी करते हुए मंत्री का आवास घेर लिया। वहीं पर ओपी राजभर का पुतला फूंका। कुछ ही देर में पुलिस पहुंच गई। छात्रों और पुलिस में जमकर नोकझोंक और धक्कामुक्की हुई। पुलिस से छूटकर कार्यकर्ता बार-बार मंत्री आवास के गेट पर चढ़ने लगे।

हटिया-पटना एक्सप्रेस से अगवा हुए कोच अटेंडेंट को पुलिस ने छुड़ाया, हथियार के साथ एक आरोपी गिरफ्तार

पटना, 6 सितंबर (एजेंसियां)। पटना में हटिया-पटना एक्सप्रेस से एक कोच अटेंडेंट का अपहरण का अपहरण कर लिया गया था। इस खबर से रेल प्रशासन में हड़कंप मचा दिया। फौरन पुलिस टीम एक्टिव हुए। इसके बाद ताबड़तोड़ छापेमारी कर कड़ी मशक्कत के बाद कोच अटेंडेंट को हाथीदह स्टेशन के पास से बरामद कर लिया। घटना बाढ़ रेल खंड के पास की बताई जा रही है। शनिवार को शराब माफियाओं ने हटिया-पटना एक्सप्रेस ट्रेन की एसी B5 कोच में तैनात राकेश कुमार (पश्चिम बंगाल) को पिस्टल के बल पर अगवा कर लिया गया। बताया जा रहा है कि ट्रेन के बाढ़ खंड से गुजरने के दौरान कुछ अज्ञात लोगों ने कोच अटेंडेंट राकेश कुमार को ट्रेन से बाहर खींच लिया और पिस्टल दिखाकर अगवा कर लिया। घटना की जानकारी मिलते ही जीआरपी, आरपीएफ और स्थानीय थाने की टीमें हरकत में आ गईं। रेल पुलिस की त्वरित कार्रवाई के चलते महज कुछ ही घंटों में मामले का पर्दाफाश कर दिया गया।

आकाश आनंद के ससुर ने मायावती से की क्षमा याचना

बोले-कभी नाजायज फायदा नहीं उठाऊंगा; पार्टी में ले लें

लखनऊ, 6 सितंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के राजनीतिक गलियारों से एक बड़ी खबर सामने आई है। बसपा सुप्रीमो मायावती के भतीजे और बसपा के राष्ट्रीय संयोजक आकाश आनंद के ससुर पूर्व सांसद अशोक सिद्धार्थ ने मायावती से माफी मांगी है। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट लिखते हुए क्षमा याचना की है।

फर्रुखाबाद निवासी बसपा के पूर्व सांसद अशोक सिद्धार्थ ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट लिखी। इसमें सबसे पहले उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री मायावती को चरण स्पर्श लिखा। इसके बाद लिखा कि 'पार्टी का कार्य करने के दौरान 'जाने-अनजाने' तथा गलत लोगों के बहकावे में आकर मुझसे जो भी गलतियां हुई हैं। उसके लिए बसपा सुप्रीमो से हाथ जोड़कर माफी मांगता हूं।' आगे उन्होंने हाथ जोड़कर अनुरोध किया कि मायावती उन्हें माफ कर दें। फिर कभी ऐसी गलती नहीं करने की बात भी लिखी। साथ ही हमेशा पार्टी अनुशासन में रहकर कार्य करने की बात कही। सबसे प्रमुख बात यह कि उन्होंने लिखा कि रिश्तेदारी का कभी कोई नाजायज फायदा नहीं उठाऊंगा। पोस्ट में उन्होंने आगे लिखा कि बीएसपी के महाराष्ट्र के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष संदीप ताजने व फिरोजाबाद निवासी हेमंत प्रताप या फिर यूपी के जिन भी गलत लोगों को पार्टी से निकाला गया है, उनको वापस लेने के लिए कभी सिफारिश नहीं करूंगा। आखिर में उन्होंने मायावती से खुद को दोबारा पार्टी में लेने का आग्रह किया।

पैरोल पर आए डीपी यादव के बेटे ने की शादी

नीतीश कटारा हत्याकांड का दोषी, 22 साल छोटी हर्षिका के साथ लिए सात फेरे

गाजियाबाद, 6 सितंबर (एजेंसियां)। बाहुबली पूर्व सांसद डीपी यादव के बड़े बेटे विकास यादव (50) ने हर्षिका यादव के साथ सात फेरे लिए। शादी गाजियाबाद के राजनगर स्थित उनके आवास पर हुई।

इस सादे शादी समारोह में सिर्फ दोनों के परिजन और रिश्तेदार शामिल हुए। शादी आर्य समाज के विधि-विधान के साथ संपन्न हुई। पूर्व सांसद और मंत्री डीपी यादव ने कहा कि हम लोग आर्य समाज का अनुसरण करते हैं। हर्षिका और विकास यादव की सगाई जुलाई 2025 में हुई थी। विकास यादव, नीतीश कटारा हत्याकांड के मामले में जेल में बंद था। वह अभी पैरोल पर बाहर है। पूर्व मंत्री डीपी यादव के भतीजे सत्येंद्र यादव ने बताया कि विकास यादव को 24 अप्रैल को अपनी मां पूर्व विधायक उमलेश देवी की सेवा के लिए पैरोल मिली थी। उमलेश देवी का स्वास्थ्य ठीक नहीं चल रहा है, उनका इलाज गाजियाबाद के निजी अस्पताल यशोदा हॉस्पिटल में चल रहा है। जहां उनकी रीढ़ की हड्डी का ऑपरेशन भी हुआ है। मां की देखभाल के लिए शादी की सत्येंद्र यादव ने बताया कि मां को देखभाल की जरूरत थी। इसीलिए विकास ने शादी का निर्णय लिया। 5 सितंबर को आर्य समाज विधि से विकास की शादी हर्षिका के साथ संपन्न हुई। हर्षिका, फिरोजाबाद के इटोली गांव की रहने वाली हैं। हर्षिका के पिता उदयराज सिंह, एक इंटर कॉलेज में प्रिंसिपल हैं।

कासगंज में होनी थी शादी

सत्येंद्र यादव ने बताया कि पहले यह शादी कासगंज जिला के न्योली शुगर मिल कैंपस में आयोजित थी। बाद में विवाह आर्य समाज की विधि से राजनगर स्थित निवास स्थान में ही संपन्न हुआ। ऐसा इसलिए हुआ, ताकि सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों का किसी भी तरह से उल्लंघन ना हो।

हम सभी शुभ कार्य आर्य समाज की पद्धति से करते हैं

पूर्व सांसद और मंत्री डीपी यादव ने कहा कि हम लोग आर्य समाज का अनुसरण करते हैं। आर्य समाजी पद्धति से ही हम सभी शुभ कार्य भी करते हैं। इसी विधि-विधान से विकास और हर्षिका यादव की शादी संपन्न हुई। डीपी यादव ने कहा कि विकास की मां की सेहत ठीक नहीं है। उनकी देखभाल के लिए यह शादी आवश्यक थी। कासगंज में पहले शादी समारोह रखा गया था, लेकिन सुप्रीम कोर्ट के आदेशों का पालन करते हुए, विकास की शादी घर पर ही की गई।

यूपी के 53 में से 29 मंत्रियों पर क्रिमिनल केस

> केशव, नंदी, कपिल देव और दयाशंकर मिश्र पर 7-7 एफआईआर > 3 केंद्रीय मंत्री भी दागदार

लखनऊ, 6 सितंबर (एजेंसियां)। देशभर के कुल 643 मंत्रियों में से 302 मंत्रियों पर गंभीर क्रिमिनल केस हैं। यह कुल मंत्रियों की संख्या का करीब 47% है। इनमें यूपी सरकार के 29 और केंद्र के 3 मंत्री भी शामिल हैं। केंद्र के 72 मंत्रियों में से यूपी के कमलेश पासवान, अनुप्रिया पटेल और कीर्तिवर्धन सिंह पर क्रिमिनल केस दर्ज हैं।

बात यूपी सरकार के मंत्रियों की करें, तो वर्तमान में कुल 53 मंत्री हैं। इनमें से 26 मंत्रियों पर गंभीर क्रिमिनल केस हैं। ये कुल मंत्रियों का 49% हैं। इनके अलावा 3 मंत्रियों पर शांति भंग जैसी मामूली धाराओं में केस दर्ज हैं। वहीं, यूपी के विधायकों की बात करें, तो 51% दागी विधायक हैं। इनमें से 39% विधायकों पर हत्या, अपहरण और रेप जैसे गंभीर केस दर्ज हैं। ये आंकड़ा एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) ने नेताओं के चुनावी हलफनामे का विश्लेषण कर जारी किया है।

यूपी में 55% हैं दागी मंत्री

एडीआर की रिपोर्ट के मुताबिक, यूपी के कुल दागी मंत्रियों का आंकड़ा राष्ट्रीय औसत से अधिक है। राष्ट्रीय औसत जहां 47% है, वहीं यूपी में कुल 55% दागी मंत्री हैं। हालांकि, 12 राज्यों आंध्रप्रदेश, तमिलनाडु, महाराष्ट्र, बिहार, कर्नाटक, ओडिशा, केरला, तेलंगाना, हिमाचल प्रदेश, दिल्ली, पंजाब, पांडिचेरी में दागी मंत्रियों की प्रतिशतता अधिक है। झारखंड में यूपी के बराबर 55% प्रतिशत मंत्री क्रिमिनल पृष्ठभूमि वाले हैं।

252 विधायकों पर दर्ज है आपराधिक केस

यूपी के कुल 402 विधायकों में 252 विधायकों ने अपने हलफनामों में आपराधिक मामले दर्ज होने की घोषणा की है। इनमें से 205 विधायकों पर गंभीर आपराधिक मामले हैं। इनमें हत्या, हत्या का प्रयास, अपहरण और रेप जैसे संगीन अपराध शामिल हैं। एडीआर की रिपोर्ट के मुताबिक, 2017 के विधानसभा चुनाव में 402 विधायकों में से 143 (36%) ने आपराधिक मामले घोषित किए थे। 2022 के चुनावों में यह आंकड़ा बढ़कर 51% हो गया। गंभीर आपराधिक मामलों की संख्या भी 26% से बढ़कर 39% हो गई। 5 विधायकों ने अपने ऊपर हत्या से जुड़े मामले, 29 ने हत्या के प्रयास और 6 ने महिलाओं पर अत्याचार से जुड़े मामले घोषित किए हैं। चौंकाने वाली बात यह है कि एक विधायक पर रेप का मुकदमा भी दर्ज है।

प्रतिशत में भाजपा की तुलना में सपा के अधिक विधायक दागी

पार्टीवार विश्लेषण से पता चलता है कि समाजवादी पार्टी (सपा) और राष्ट्रीय लोकदल (रालोद) के विधायकों में आपराधिक मामलों का प्रतिशत सबसे अधिक है। सपा के 107 विधायकों में से 69 (64%) और रालोद के 9 में से 7 (77%) ने आपराधिक मामले घोषित किए हैं। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के 258 विधायकों में से 111 (43%) पर आपराधिक मामले दर्ज हैं। अन्य दलों में सुहेल देव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) और निर्बल इंडियन शोषित हमारा अपना दल (निषाद) के 67% विधायकों पर मामले दर्ज हैं। वहीं, कांग्रेस, जनसत्ता दल लोकतांत्रिक और बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के सभी विधायकों पर क्रिमिनल केस दर्ज हैं। गंभीर आपराधिक मामलों में सपा (43%), रालोद (61%), सुभासपा (65%) और निषाद पार्टी (65%) के विधायक सबसे आगे हैं। भाजपा के 35% और अपना दल (सोनेलाल) के 17% विधायकों पर भी गंभीर मामले हैं।

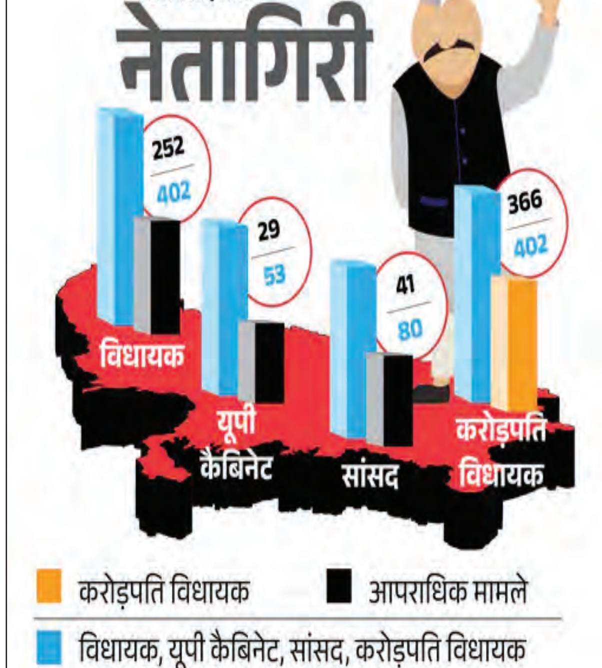

राजा रघुवंशी मर्डर केस में 790 पेज की चार्जशीट दाखिल, सोनम को बनाया गया मुख्य आरोपी

शिलॉन्ग, 6 सितंबर (एजेंसियां)। मेघालय पुलिस के एक विशेष जांच दल (एसआईटी) ने राजा रघुवंशी हत्याकांड में आरोपपत्र दाखिल कर दिया है। आरोपपत्र में राजा की पत्नी सोनम रघुवंशी को मुख्य आरोपी बनाया गया है। सोनम के प्रेमी राज कुशवाहा और तीन अन्य को भी हत्या का आरोपी बनाया गया है। मेघालय पुलिस ने एक बयान में कहा कि इंदौर के व्यवसायी की हत्या के मामले में सोहरा उप-मंडल के प्रथम श्रेणी न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत में 790 पृष्ठों का आरोपपत्र दाखिल किया गया है। इस हत्या ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया था।

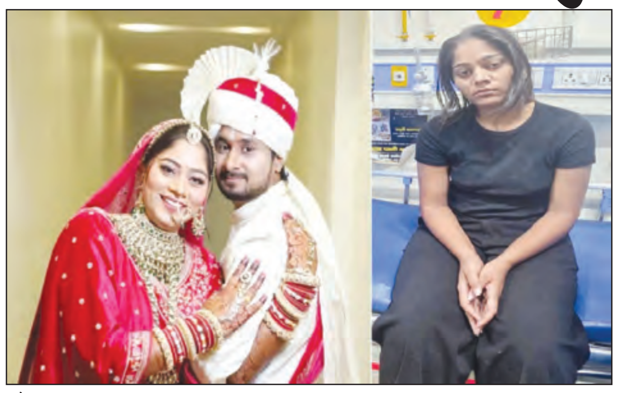

सोनम समेत सभी पांच आरोपी पुलिस हिरासत में

राजा रघुवंशी हत्याकांड के सभी पांचों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है और वे फिलहाल न्यायिक हिरासत में हैं। सोनम और राज के अलावा, आकाश राजपूत, आनंद कुर्मी और विशाल सिंह चौहान पर राजा रघुवंशी की हत्या का आरोप है। 23 मई को अपने हनीमून के दौरान सोनम ने अन्य आरोपियों के साथ मिलकर अपने पति राजा रघुवंशी की निर्मम तरीके से हत्या कर दी थी। सभी आरोपियों पर भारतीय न्याय संहिता के तहत हत्या की धारा 103 (I), अपराध के सबूतों को मिटाने की धारा 238 (a) और आपराधिक षड्यंत्र की धारा 61 (2) के तहत आरोप लगाए गए हैं।

पूर्वी खासी हिल्स के पुलिस अधीक्षक विवेक सईम ने बताया कि फोरेंसिक रिपोर्ट आने के बाद तीन और सह-आरोपियों के खिलाफ पूरक आरोपपत्र दाखिल किया जाएगा। इन तीन सह-आरोपियों में प्रॉपर्टी डीलर सिलोम जेम्स, लोकेंद्र तोमर, उस इमारत का मालिक जहां सोनम अपराध करने के बाद छिपी थी, और इलाके के सुरक्षा गार्ड बलबीर अहिरबार शामिल हैं। जेम्स, तोमर और अहिरवार को सबूत नष्ट करने और छिपाने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था और फिलहाल तीनों जमानत पर बाहर हैं।

क्या है पूरा मामला

इंदौर के रहने वाले राजा रघुवंशी और सोनम रघुवंशी की शादी 11 मई को हुई थी। पुलिस के अनुसार, शादी से पहले सोनम, अपने परिवार की फर्नीचर की शीट बनाने वाली फैक्ट्री के कर्मचारी राज कुशवाहा के साथ रिश्ते में थी और वह राजा से शादी से खुश नहीं थी। सोनम भी अपना पारिवारिक व्यवसाय संभालती थी। शादी के बाद राजा और सोनम अपने हनीमून के लिए मेघायल पहुंचे, जहां से 23 मई को दोनों लापता हो गए। बाद में जंगल से राजा का शव बरामद हुआ। लापता सोनम की पुलिस द्वारा तलाश की जा रही थी तो वह 8 जून को उत्तर प्रदेश के गाजीपुर में मिली। पूछताछ में सोनम ने राजा की हत्या की बात स्वीकारी।

पत्नी के लिव इन पार्टनर ने की युवक की हत्या

कोच्चि, 6 सितंबर (एजेंसियां)। दक्षिण केरल के नादुवथूर जिले में एक 41 वर्षीय व्यक्ति की उसकी पत्नी के लिव-इन पार्टनर ने कथित तौर पर चाकू घोंपकर हत्या कर दी। मृतक की पहचान नेदुवथूर के कुझिक्कट्टू जंक्शन निवासी श्यामसुंदर के रूप में हुई है। पुलिस ने पीड़ित के घर के पास रहने वाले आरोपी धनेश (37) को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार, श्यामसुंदर की पत्नी और उसका बच्चा पिछले चार वर्षों से धनेश के साथ रह रहे थे। धनेश और श्यामसुंदर के बीच अक्सर झगड़ा होता रहता था।

संपत्ति के झगड़े में किया हमला

श्यामसुंदर ने धनेश पर उसकी संपत्ति हड़पने की कोशिश करने का आरोप लगाया, जिसे लेकर दोनों के बीच विवाद चल रहा था। शुक्रवार रात को इस मुद्दे पर दोनों के बीच झगड़ा हो गया, जिस पर पड़ोसियों ने बीच-बचाव किया और धनेश को वापस भेज दिया।

'अगले विधानसभा चुनाव में टीएमसी का सफाया तय'

भाजपा नेता दिलीप घोष ने ममता बनर्जी पर साधा निशाना

कोलकाता, 6 सितंबर (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर सिसायी गर्माहट तेज हो गई है। आरोप-प्रत्यारोप भी अपने चरम पर है। इसी बीच शनिवार को भाजपा नेता दिलीप घोष ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव के बाद तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) का सफाया हो जाएगा। उन्होंने अपने बयान में आगे टीएमसी की हालत की तुलना राज्य में पहले कमजोर हो चुकी सीपीएम और कांग्रेस से की। एएनआई से बातचीत के दौरान दिलीप घोष ने कहा कि ममता बनर्जी की पार्टी अगला चुनाव नहीं झेले पाएगी। जैसे लोगों ने सीपीएम और कांग्रेस को सबक सिखाया, वैसा ही हाल टीएमसी का भी होगा। उन्होंने कहा कि राज्य में कानून-व्यवस्था चौपट है और सरकार भ्रष्टाचार में डूबी है।

विधानसभा में ममता बनर्जी ने भाजपा को बनाया था निशाना

बता दें कि इससे पहले गुरुवार को विधानसभा में ममता बनर्जी ने भाजपा पर तीखा हमला किया था। उन्होंने कहा कि एक समय आएगा जब बंगाल में भाजपा का एक भी विधायक नहीं बचेगा। भाजपा बंगालियों के खिलाफ भाषायी आतंक फैला रही है, ऐसे लोग बंगाल में कभी नहीं टिक सकते। इसके साथ ही ममता ने भाजपा को वोट चोरों की पार्टी बताते हुए कहा कि यह पार्टी भ्रष्टाचार और धोखाधड़ी की मिसाल है। इस दौरान टीएमसी ने नियम 169 के तहत एक प्रस्ताव भी पारित किया, जिसमें देशभर में बंगाली भाषियों पर हो रहे कथित हमलों की निंदा की गई।

गौरतलब है कि आगामी विधानसभा चुनावों से पहले टीएमसी और भाजपा के बीच जुबानी जंग चरम पर है। दोनों ही दल एक-दूसरे को खत्म करने की चेतावनी दे रहे हैं और बंगाल की सियासत लगातार गरम होती जा रही है।

'गणपति बप्पा मोरया, अगले बरस तू जल्दी आ'

मुंबई में ढोल-ताशों के बीच दी गई बप्पा को विदाई

मुंबई, 6 सितंबर (एजेंसियां)। अनंत चतुर्दशी के पावन अवसर पर शनिवार को मुंबई की सड़कों पर 'ढोल-ताशों' की गूंज, रंग-बिरंगे गुलाल और भक्तों की भीड़ ने माहौल को भक्तिमय बना दिया। भारी बारिश के बावजूद सैकड़ों लोग बड़ी श्रद्धा से गणेश विसर्जन यात्रा में हिस्सा ले रहे हैं और प्यारे बप्पा को विदाई दे रहे हैं। मुंबई के लालबाग इलाके में प्रसिद्ध तेजुकायाचा राजा, गणेश गली और कई अन्य मंडलों की प्रतिमाएं विसर्जन के लिए पंडालों से निकलीं। हर तरफ 'गणपति बप्पा मोरया, अगले साल जल्दी आना के जयकारे गूंज रहे थे।

रंगमय हुआ पूरा शहर, रंगोली और पुष्पवर्षा का अनोखा संगम

मुंबई के सड़कों पर जहां-जहां से विसर्जन यात्राएं गुजर रही थीं, वहां रंगोली से सजावट की गई थी। लालबाग के श्रॉफ बिल्डिंग के पास परंपरागत पुष्पवर्षा (फूलों की वर्षा) की गई। लोग सड़क के दोनों ओर लाइन लगाकर बप्पा के दर्शन का इंतजार कर रहे थे। हालांकि अभी तक मुंबई का सबसे प्रसिद्ध गणपति लालबागचा राजा की विसर्जन यात्रा अभी शुरू नहीं हुई थी। अभी तक की मिली जानकारी के अनुसार अंतिम तैयारियां चल रही थीं और प्रतिमा गिरगांव चौपाटी के लिए रवाना होगी।

मुझे अपनी जीत का 100% यकीन : सुदर्शन रेड्डी

नई दिल्ली, 6 सितंबर (एजेंसियां)। विपक्ष के उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार बी सुदर्शन रेड्डी ने कहा कि उन्हें 9 सितंबर को होने वाले उपराष्ट्रपति चुनाव में अपनी जीत का पूरा भरोसा है।

गुवाहाटी में मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा, "मुझे इस चुनाव में 100% जीत का यकीन है। मैं जहां भी जाता हूं, वहां मुझे जबरदस्त प्रतिक्रिया मिलती है।" पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के कार्यकाल पूरा होने से पहले ही इस्तीफा देने के बारे में पूछे जाने पर रेड्डी ने कोई भी व्यक्तिगत टिप्पणी करने से परहेज किया और केवल इतना कहा कि यह कार्यालय "एक उच्च संवैधानिक पद है जिसे किसी भी परिस्थिति में केवल एक राजनीतिक संस्थान तक सीमित नहीं किया जा सकता है।"

आईपीएस वाले वीडियो पर चाचा अजित पवार के समर्थन में उतरे रोहित पवार, संजय राउत भड़के

मुंबई, 6 सितंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम अजित पवार सुर्खियों में हैं. दरअसल, अजित पवार पर आईपीएस अंजना कृष्णा को कथित तौर पर धमकाने का आरोप लगा है और वो आलोचना का सामना कर रहे हैं. इस बीच उनके भतीजे और शरद पवार गुट के विधायक रोहित पवार ने चाचा का समर्थन किया है. वहीं शरद पवार गुट की सहयोगी उद्धव ठाकरे की पार्टी ने अजित पवार पर निशाना साधा है.

जानबूझकर अलग मोड़ देने की कोशिश- रोहित पवार

एनसीपी (एसपी) के महासचिव रोहित पवार ने दावा किया कि अजित पवार के गठबंधन सहयोगियों ने सोलापुर जिले में 'मुरम' मिट्टी (सड़क निर्माण और अन्य उद्देश्यों में उपयोग की जाने वाली) के अवैध उत्खनन पर उनके और आईपीएस अधिकारी के बीच बातचीत को जानबूझकर अलग मोड़ देने की कोशिश की है.

एक सोशल मीडिया पोस्ट में रोहित पवार ने कहा, ''अजित दादा (राजनीतिक हलकों में और उनके समर्थकों द्वारा उपमुख्यमंत्री को इसी नाम से पुकारा जाता है) को इस बात पर ध्यान देना चाहिए कि उनके दोस्त किस तरह जाल बिछा रहे हैं.'' अजित पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी, बीजेपी और शिवसेना की सहयोगी है और तीनों दल सत्तारूढ़ महायुति के घटक हैं. रोहित पवार ने कहा कि राज्य में कृषि ऋण माफी और बारिश से हुए नुकसान जैसे कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा होनी है, लेकिन इन पर बात करने के बजाय, करमाला (सोलापुर ज़िला) में महिला पुलिस अधिकारी और अजित पवार के बीच हुई बातचीत पर ज़्यादा चर्चा हो रही है. इसके साथ ही उन्होंने कहा कि उनके चाचा स्पष्टवादिता के लिए जाने जाते हैं और उनके बोलने के तरीके से उन्हें अच्छी तरह से न जानने वाले लोगों को भी लग सकता है कि वह गुस्से में हैं.

निष्कासित नेताओं को वापस लेने की अपील एमएलए सेंगोट्टइयान पर पड़ी भारी

एआईएडीएमके ने सभी पदों से हटाया

चेन्नई, 6 सितंबर (एजेंसियां)। तमिलनाडु की राजनीति में इन दिनों एआईएडीएमके को लेकर गर्माटह तेज हो गई। कारण है कि पार्टी ने वरिष्ठ नेता और विधायक केए सेंगोट्टइयान को सभी पदों से हटा दिया है। यह फैसला सेंगोट्टइयान के उस बयान के ठीक एक दिन बाद लिया गया, जिसमें उन्होंने पार्टी से निष्कासित नेताओं को दोबारा साथ लाने की बात कही थी। पार्टी की ओर से जारी आधिकारिक पत्र में कहा गया है कि केए सेंगोट्टइयान, एमएलए जो पार्टी संगठन सचिव और इरोड सब-अर्बन वेस्ट जिला सचिव के पदों पर कार्यरत थे, उन्हें इन जिम्मेदारियों से आज से प्रभावी रूप से मुक्त किया जाता है।

ये पूरा मामला तब सामने आया जब हाल ही में सेंगोट्टइयान ने पार्टी नेतृत्व को अल्टीमेटम देते हुए कहा था कि जो नेता पहले पार्टी से निकाले गए थे उन्हें फिर से शामिल किया जाए। उन्होंने यह भी चेतावनी दी थी कि अगर पार्टी ऐसा नहीं करती है, तो वह खुद कोई बड़ा कदम उठा सकते हैं। उनकी इस खुली बयानबाजी को पार्टी के अनुशासन के खिलाफ माना गया और नतीजतन एआइएडीएमके नेतृत्व ने उन्हें उनके सभी पदों से हटा दिया।

पार्टी में अंदरूनी हलचल की अचकलें

बता दे कि एआइएडीएमके में पिछले कुछ समय से आंतरिक खींचतान देखने को मिल रही है। कुछ पुराने नेता और कार्यकर्ता चाहते हैं कि पार्टी एक बार फिर से एकजुट हो, खासकर 2026 के विधानसभा चुनावों को ध्यान में रखते हुए। वहीं, मौजूदा नेतृत्व इस तरह की मांगों को चुनौती के रूप में देख रहा है।

हाईकोर्ट जजों के चयन में अल्पसंख्यक कोटे को चुनौती देने के लिए जनहित याचिका

नई दिल्ली, 6 सितंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट की कॉलेजियम प्रणाली एक बार फिर चर्चा में है। इस बार मामला हाई कोर्ट के जजों की नियुक्ति में अल्पसंख्यक समुदायों के लिए कोटा को लेकर है। एक नई जनहित याचिका में इस कोटे को चुनौती दी गई है। याचिकाकर्ताओं का कहना है कि यह 'धर्मनिरपेक्षता' के संवैधानिक सिद्धांत के खिलाफ है। याचिका में सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम की ओर से जजों की नियुक्ति प्रक्रिया पर सवाल उठाया गया है। याचिकाकर्ताओं का मानना है कि धर्म के आधार पर आरक्षण संविधान के धर्मनिरपेक्ष सिद्धांतों का उल्लंघन है। उन्होंने एससी से सरकार को धर्म के आधार पर सिफारिश किए गए लोगों को न्यायाधीश बनाने से रोकने का अनुरोध किया है। यह मामला इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि यह भारत के संविधान के धर्मनिरपेक्ष सिद्धांतों और न्यायाधीशों की नियुक्ति की प्रक्रिया से संबंधित है। एससी का फैसला इस मामले में एक मिसाल कायम करेगा और भविष्य में न्यायाधीशों की नियुक्ति की प्रक्रिया को प्रभावित करेगा। याचिका में दिसंबर 2024 में लोकसभा में केंद्रीय कानून मंत्री के बयान का उल्लेख किया गया है। मंत्री ने कहा था कि 'सरकार ने हाई के मुख्य न्यायाधीशों से एससी, एसटी, ओबीसी, अल्पसंख्यकों और महिलाओं से संबंधित उपयुक्त उम्मीदवारों के नाम एससी कॉलेजियम को भेजने का अनुरोध किया है।

12वें दिन भी बंद रही माता वैष्णो देवी की यात्रा

जम्मू, 6 सितंबर (एजेंसियां)। माता वैष्णो देवी की यात्रा लगातार 12वें दिन भी बंद रही क्योंकि त्रिकूट पर्वत क्षेत्र में खराब मौसम और भूस्खलन की घटनाओं के कारण श्रद्धालुओं के लिए रास्ता असुरक्षित हो गया है। पिछले कई दिनों से भारी बारिश के चलते भूस्खलन और मार्ग बंद होने की स्थिति बनी हुई है, जिससे यात्रा बाधित हुई है। श्रीनगर के क्षेत्रीय मौसम केंद्र के अनुसार, जिले में 7 सितंबर तक कोई अलर्ट नहीं है, लेकिन 8 और 9 सितंबर को गरज-चमक और तेज हवा के लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है।

यात्रा 26 अगस्त को तब रोक दी गई थी, जब अर्धकुमारी इलाके में भारी बारिश के कारण भूस्खलन हुआ था, जिसमें 34 लोगों की मौत हो गई और कई घायल हुए। यह हादसा कटड़ा से मंदिर तक 12 किलोमीटर की ट्रेकिंग के लगभग मध्य में इंडरप्रस्थ भोजनालय के पास हुआ था। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने इस भूस्खलन की जांच के लिए एक उच्च स्तरीय तीन सदस्यीय समिति का गठन किया है। इस समिति की अध्यक्षता विभागीय जल शक्ति के अतिरिक्त मुख्य सचिव शलीन कबरा कर रहे हैं, जिसमें डिविजनल कमिश्नर और जम्मू के पुलिस महानिरीक्षक भी शामिल हैं। समिति को इस घटना के कारणों, बचाव कार्यों और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए उपयुक्त मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) तैयार करने का दायित्व दिया गया है। समिति को दो सप्ताह के अंदर अपनी रिपोर्ट सौंपनी होगी। वहीं, डोडा जिले के भद्रवाह क्षेत्र के गांव बादल फटने और अचानक बाढ़ के कारण कट गए हैं।

ईद-ए-मिलाद पर गरमाई सियासत

गैर-निर्वाचित सरकार ने जानबूझकर लिया छुट्टी न बदलने का फैसला; बोले उमर अब्दुल्ला

श्रीनगर/जम्मू, 6 सितंबर (एजेंसियां)। प्रदेश में एक बार फिर छुट्टियों को लेकर सियासत में उबाल है। विवाद की शुरुआत ईद-ए-मिलाद-उन-नबी की छुट्टी को संशोधित न किए जाने पर शिक्षा व चिकित्सा मंत्री सकीना इत्तू के सोशल मीडिया पोस्ट से हुई। उन्होंने इस्लामी कैलेंडर के अनुसार छुट्टी को शुक्रवार के बजाय शनिवार को न किए जाने पर नाराजगी जताते हुए इसे अन्यायपूर्ण कहा। मंत्री की पोस्ट के बाद मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने छुट्टी संशोधित न करने पर एलजी प्रशासन को आड़े हाथ लिया।

उमर ने इसे गैर-निर्वाचित सरकार का अविवेकी कदम करार दिया। इसके बाद मीरवाइज उमर फारूक से लेकर ग्रैंड मुफ्ती और पीडीपी-कांग्रेस भी विरोध में उतर आए। सरकारी कैलेंडर के अनुसार ईद-ए-मिलाद-उन-नबी की छुट्टी पांच सितंबर (शुक्रवार) को तय थी। जबकि इस्लामी कैलेंडर के मुताबिक, जम्मू-कश्मीर में यह त्योहार शनिवार यानी छह सितंबर को पड़ रहा था। इस कारण इसे संशोधित कर पांच के बजाय छह सितंबर को करने के लिए राजस्व विभाग की ओर से एक पत्र सामान्य प्रशासन विभाग (जीएडी) को भेजा गया था। इसके बावजूद तारीख में संशोधन नहीं किए जाने पर कैबिनेट मंत्री सकीना इत्तू ने सबसे पहले नाराजगी जताई।

इस्लामी चंद्र कैलेंडर (लूनर कैलेंडर) के अनुसार जम्मू-कश्मीर में शनिवार को ईद-ए-मिलाद मनाई जानी थी, लेकिन प्रशासन ने पहले से जारी छुट्टियों के कैलेंडर में बदलाव नहीं किया। इस कारण सरकारी छुट्टी शुक्रवार को ही रही। इस पर कैबिनेट मंत्री सकीना इत्तू ने नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि निर्वाचित सरकार के आग्रह के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं की गई। उन्होंने कहा कि दुनिया भर के मुसलमानों के लिए यह एक पवित्र दिन है, लेकिन जम्मू-कश्मीर में इसे सही तारीख पर नहीं मनाया जा रहा है। उन्होंने सवाल उठाया कि चांद दिखने के आधार पर अवकाश तय करने का क्या मतलब है, अगर उसका पालन नहीं करना है। मंत्री ने कहा कि इस तरह के फैसले लेने का अधिकार चुनी हुई सरकार को होना चाहिए।

जम्मू पुलिस को मिली बड़ी सफलता

8 करोड़ रुपए से अधिक के नशीले पदार्थ नष्ट किए

जम्मू, 6 सितंबर (एजेंसियां)। जम्मू जिला पुलिस ने नशीले पदार्थों के खिलाफ अपनी कठोर कार्रवाई को जारी रखते हुए एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है।

न्यायालयों के निर्देशों का पालन करते हुए, पुलिस ने लगभग 8.0271 करोड़ रुपए मूल्य के जब्त नशीले पदार्थों को नष्ट कर दिया। जम्मू पुलिस द्वारा यह कार्रवाई भारत सरकार के गृह मंत्रालय के दिशानिर्देशों के अनुरूप की गई, जिसके तहत नशीले पदार्थों और मनोविकृति पदार्थों को सुरक्षित और पर्यावरण-अनुकूल तरीके से निपटाया गया। जिला स्तरीय मादक द्रव्य विनाश समिति ने सांबा जिले के राख राडा विजयपुर में स्थित अनमोल हेल्थकेयर विनाश संयंत्र में इस प्रक्रिया को अंजाम दिया। इस दौरान एनडीपीएस अधिनियम की धारा 52-ए के तहत जब्त किए गए पोस्त-भूसे को नष्ट किया गया।

15 साल का रक्षा रोडमैप तैयार

नौसेना परमाणु सक्षम विमानवाहक पोत और स्वदेशी लड़ाकू विमान से होगी लैस

नई दिल्ली, 6 सितंबर (एजेंसियां)। देश के अगले 15 साल का रक्षा रोडमैप तैयार करते हुए सरकार ने तीसरा परमाणु ऊर्जा चालित विमानवाहक पोत तैयार करने की योजना बनाई है। इसमें पहली बार नौसेना के स्वदेशी लड़ाकू विमानों का इस्तेमाल किया जाएगा। इससे समंदर में देश की ताकत में इजाफा होगा और सामरिक प्रतिद्वंद्वियों चीन और पाकिस्तान से किसी भी खतरे की स्थिति में भारतीय नौसेना अधिक ताकतवर होगी।

भारत वर्तमान में दो विमानवाहक पोतों का संचालन करता है, एक रूसी निर्मित और दूसरा स्वदेशी। प्रस्तावित विमानवाहक पोत परमाणु ऊर्जा से संचालित होगा। ऐसा भारत के लिए पहली बार होगा, ताकि लंबी दूरी तक पहुंच और गुप्त संचालन सुनिश्चित हो सके। सेना की क्षमताएं बढ़ाने और रूस, फ्रांस और अमेरिका जैसे विदेशी आपूर्तिकर्ताओं पर निर्भरता कम करने के लिए आत्मनिर्भर भारत के तहत घरेलू रक्षा कंपनियों

को अधिक मौका दिया जा रहा है। रक्षा मंत्रालय के 2025 रोडमैप में कहा गया कि आगामी दशकों में बड़ी चुनौतियों और जिम्मेदारियों के मद्देनजर यह जरूरी है कि तीनों सेनाओं की तैयारी उसी तरह की हो। ऐसे में निजी-सार्वजनिक क्षेत्र की बेहतर साझेदारी ही सही राह है। रक्षा रोडमैप में दो इलेक्ट्रोमैग्नेटिक विमान लॉन्च सिस्टम खरीदने की भी योजना है। इन्हें अमेरिकी नौसेना के लिए पारंपरिक स्टीम कैटापल्ट के बजाय इलेक्ट्रोमैग्नेटिक फोर्स का इस्तेमाल करके विमानवाहकों से विमान लॉन्च करने के लिए विकसित किया गया है। रोडमैप में ड्रोन पर भी विशेष जोर दिया गया है। केंद्र सरकार ने वित्तीय वर्ष में रक्षा पर लगभग 6.81 लाख करोड़ रुपये खर्च करने का बजट रखा है। विश्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार, अमेरिका, चीन और रूस के बाद भारत दुनिया का चौथा सबसे बड़ा रक्षा खर्च करने वाला देश है।

सरकार नई पीढ़ी के कई दोहरे इंजन वाले, डेक-आधारित लड़ाकू विमानों और हल्के लड़ाकू विमानों को भी शामिल करने की योजना बना रहा है।

नौसेना के लिए इन दोनों विमानों को हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड तैयार करेगा।

जय जगत के मसीहा आचार्य विनोबा भावे

(11 सितंबर जयंती के अवसर पर)

अतुल कुमार

प्रमुख स्वतंत्रता सेनानियों और गांधीवादी विचारकों में विनोबा भावे का नाम बडे आदर से लिया जाता है . 11 सितंबर को उनकी जयंती है . विनोबा का जीवन कर्म ,ज्ञान और भक्ति का अद्भुत संगम था . उनको समतामूलक और शोषण मुक्त व्यवस्था का स्वपनदृष्टा माना गया . अभिवादन स्वरूप उनका प्रसिद्ध मंत्र सदा " जय जगत " रहा . सोचिये ! समूचे विश्व कल्याण की भावना किस कदर उनमें रची बसी थी . और आज ? जगत का अर्थ है ग्लोबलाइसेशन या ग्लोबल इकनामी जिसमें सिर्फ व्यापारिक फायदे या संबंध पर चर्चा या बहस होती है . विश्व की भावना में से मानवीय पहलू या सोच लगभग लुप्त हो रहे हैं तब ऐसे महान युग दृष्टाओं की प्रासंगिकता विराट और अर्थ पूर्ण दिखायी देती है जगत कल्याण के लिये सन्यासी बनते – बनते महात्मा गांधी के सानिध्य में आ कर स्वतंत्रता सेनानी बन गये . मानवतावादी सोच ,सबके उदय की कामना ,चिन्मयी पुरुषार्थ ,और तेजस्वी शौर्य से मानव –मानव की चेतना को प्रभावित किया .अहिंसक तरीके से वैश्विक समस्याओं के समाधान निकालने की वकालत पर बल दिया .

इस महान विभूति ने सर्वोदय समाज की स्थापना की जिसका उद्देश्य अहिंसात्मक तरीके से देश में सामाजिक बदलाव लाना था , इस कार्यक्रम के अनुसार देश में पद्यात्री की तरह गांव गांव घूमे और लोगों से भूमिखंड दान करने का अनुरोध किया .

ताकि उसे भूमिहीन लोगों को दे उनका जीवन स्तर सुधारा जा सके इस पावन कार्य में ज़मींदार लोग गरीबों को दिल खोल कर भू दान करने के लिये आगे आये . यह पूरी दुनिया की अनूठी क्रांति थी जिसे लोगों ने हैरत से देखा परखा और जाना , सन 1955 तक आते – आते भू आंदोलन ने एक नया रूप धारण किया जिसे ग्रामदान के रूप में पहचाना गया . जन मानस से ज़मीन प्रेमपूर्वक मांगते थे उनकी मान्यता थी कि प्रेम से मांगी गयी चीज़ों को टाला नहीं जा सकता .

भू दान आंदोलन का उद्देश्य सामंत वादी विचारों को समाप्त कर भूमि को सभी के लिये समान बनाना था . उनके अनुसार मनुष्य जीवन का मूल ध्येय समाजोत्थान होना चाहिये . कहा " गरीब वह नहीं जिसके पास कम धन है / बल्कि वह जो धनवान होते हुए भी / जिसकी इच्छा कम नहीं हुई हो / वह सबसे बडा गरीब है / जो अपनी कीमत पैसे से आंकेगा / वह पैसे के समान ही जड बन जायेगा / वह श्री ,विजय ,भूति और नीति खो बैठेगा // ऐतिहासिक तथ्यानुसार विनोबा भावे अपनी आध्यात्मिक खोज के अनुसार काशी की गलियों में घूम रहे थे तभी उनकी भेंट महात्मा गांधी से हुई , उनके सिद्धांतों और गुणों को देख गांधी जी ने उनको सन 1940 के व्यक्तिगत सत्याग्रह आंदोलन का पहला सत्याग्रही चुना जो अहिंसा और समानता के सिद्धांतों पर आधारित था . उन्होंने विभिन्न आध्यात्मिक पुस्तकों की भूमिका लिखी जिसकी आज भी ऐतिहासिक महत्ता है .

विनोबा भावे " श्रीमद भगवद गीता " से बहुत प्रभावित थे जिसे जीवन की श्वांस माना करते .श्रीमद्भगवद गीता का मराठी में " गीताई " शीर्षक से अनुवाद किया . "गीताई " अर्थात गीता माता . भूदान आंदोलन गीता के दर्शन से ही प्रेरित था. गीता में कृष्ण द्वारा अर्जुन को दिये गये ज्ञान के अनुसार ही समाज को ज्ञान और सही दिशा देने का कार्य किया . इसके माध्यम से जीवन के परम सत्य और लोक कल्याण का कार्य किया . लिखा कि मेरे जीवन में गीता का अद्वितीय स्थान है . ज़रूरत पडने पर हमेशा मेरी मदद के लिये मौजूद रहती है . यह भी कहा कि " ऊपर वाले ने बहुत सी नस्लें ,बहुत रंग के लोग ,बहुत सी ज़ुबानें और बहुत से धर्म बनाये हैं ताकि दुनिया में विविधता की बहार हो .एक चीज़ हम सब को याद रखनी चाहिये कि मूल रूप से हम केवल इंसान हैं ' .

उनकी विचार धारा से प्रभावित हो उस समय के कई कुख्यात डाकुओं ने उनके सम्मुख आत्म

समर्पण किया और भविष्य में कोई अपराध न करने की शपथ ली . डाकुओं के पुनर्वास के लिये लोगों से चंदा मांग कर भूमि को खेती योग्य बनाया और उनको कुटीर उद्योग में प्रशिक्षित किया . जिससे प्रभावित हो कई डाकुओं ने उनके सम्मुख आत्म समर्पण किया . विनोबा भावे बहुत अध्ययन शील थे विश्व के सभी विचारकों ,चिंतकों और लेखकों को पढा और उनमें से कई विचारों को आत्मसात किया . प्रसंगानुसार एक बार ताला खरीदने के लिये दूकान पर गये ताला चुना और दाम पूछा दूकान दार ने ताले के वास्तविक मूल्य से ज़्यादा कीमत बतायी सब जानते हुए भी उसे वह कीमत दे दी . इसके बाद रोज़ उस दूकान के सामने से गुज़रते दूकान की ओर देखे बिना अपने मस्तिष्क में यह संदेश प्रसारित करते कि तुमने ताले का अनुचित मूल्य लिया है .एक दिन वह हुआ जिसकी उम्मीद नहीं थी दूकानदार ने आवाज़ दे उनको पास बुलाया और कहा उस दिन गलती से ताले का अधिक मूल्य ले लिया था यह पैसे लीजिये जो मैंने ज़्यादा ले लिये थे . इस प्रसंग से भावे ने सिद्ध किया कि मानसिक शक्ति का प्रयोग कर दूसरों की गलतियों को सुधारा जा सकता है .

विनोबा भावे स्वतंत्रता सेनानी ,भू दान आंदोलन के सूत्रधार और सर्वोदय व स्वराज के व्याख्याकार थे जिनका जन्म 11 सितंबर 1895 को हुआ. तेलंगाना के पोचमपल्ली से 18 अप्रेल 1951 को भूदान आन्दोलन की शुरुआत की जिसे रक्त हीन क्रांति भी कहा जाता है .रोचक प्रसंग है " भू दान " यज्ञ के दौर में दिन में दो बार प्रवचन करते और हर बार नयी – नयी बातें बताते इस पर उनसे पूछा गया कि हर संबोधन में नये

विचार कहां से मिलते हैं तब कहा कि – पैदल चलता हूं तो धरती का स्पर्श होता है और प्रकृति से निकट का संबंध जुडता है जिससे मन को नयी स्फूर्ति मिलती है और नये नये विचार आते हैं .

जिसने ज्ञान को आचरण में उतार लिया समझो उसने ईश्वर को ही मूर्तीमान कर लिया. 15 नवंबर 1982 को इस महान युग प्रवर्तक ने जीवन की अंतिम सांस ली .भारत सरकार द्वारा सन 1983 में मरणोपरांत उनको देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान ' भारत रत्न ' से सम्मानित किया गया . उनकी पुण्य स्मृति में किसी कवि ने खूब लिखा " विश्व शांति के दूत विनोबा !

तुम्हें प्रणाम / नयी क्रांति के सूत्रधार , मरती मानवता के प्राण / वाणी से सुधा – वृष्टी कर ,कर गये जगत का कल्याण /नव समाज के योगी निष्काम , घूम घूम कर कुटियों को देते चलते थे उत्कर्ष ,बांट गये दुखिय में हर्ष /साम्य धरा पर लाने वाले आचार्य तुम्हें प्रणाम // "

काव्य कुंज

गुरु वंदना

डॉ संजुला सिंह
जमशेदपुर

गुरुदेव तुम्हारा अभिनंदन
गुरुदेव तुम्हारा है वंदन ।
तुम चंदन हो मैं पानी गुरु
मीठी है तुम्हारी वाणी गुरु,
तुम नदिया हो मैं धार गुरु
तुम ही करते बेरा पार गुरु ।
मैं दीन हूं तुम हो दयालु गुरु
मुझ पर सदा रहते कृपालु गुरु,
मैं तेरे चरणों की धूल गुरु
माफ करे हरदम मेरी भूल गुरु ।
मेरे जीवन के हैं नाथ गुरु
हरपल देते मेरा साथ गुरु,
मेरे सिर पर धरो तुम हाथ गुरु
छोडूं ना कभी मैं तेरा साथ गुरु ।
तुम वक्ता हो मैं श्रोता गुरु
तुम बिन कुछ भी नहीं होता गुरु,
जीवन तुमको मेरा अर्पण है
मेरा सबकुछ तुमको समर्पण है ।
मैं पतित हूं तुम पावन हो गुरु
मेरे जीवन के तुम सावन गुरु
तुम करुणा के अवतार गुरु
तुमसे जीवन का विस्तार गुरु
गुरुदेव तुम्हारा अभिनंदन
गुरुदेव तुम्हारा है वंदन ।।

नारी का ख्वाब

गजानन पाण्डेय

एक नया सपना
कोई तो हो अपना
जो साथ चले
दिल के जज्बात को समझे
दुख को भुला दे ।
मीठे बोलों से , दिल को बहलाये
जो ख्वाब देखे थे
उन्हें सच कर दे ।
दिल को ,
जीवनसाथी का एहसास करा दे ।

सच्ची कहानी लिखता था

कुमुद बाला,
हैदराबाद

मूर्धन्य पत्रकार पिता की ,
पत्रकार संतान
सदैव चेहरे पर रहती ,
भोली सी मुस्कान
जीवनधन था ,
दक्षिण भारत समाचार पत्र
हिंदी व पत्रकारिता ही थी ,
उसकी पहचान
आम आदमी की , सच्ची कहानी लिखता था
माटी के मूल्यांकन की , बात वह कहता था
जिंदादिली शख्सियत और पिता सा विचारक
दुःख के पलड़े पर पहले , सच्चाई रखता था
विरासत में मिली , ईमानदारी की ज़मीन
अक्षरों की खेती कर रचता , शब्द वह नवीन
समझौते की परिभाषा , उसने बदल डाली
समय था भारी पर था , विचारों में वह प्रवीण
निडरता की कमान थाम , रखता वह धीरज
शब्दों की जादूगरी में भी , अग्रज वह दिग्गज
पत्रकारिता के क्षेत्र का , था वह हठी सूरज
दिलों में सभी के सदैव , जीवित रहेगा नीरज।।

समझौता

टी तारासिंह
हैदराबाद

जिंदगी है उलझने से भरी
हर वक़्त रहता है कशमकश
खुशियाँ कब आये ? ओर दुःख कब जाये ?
इसका कुछ भी न ही पता
सुख-दुःख से समझौता करके आगे बढाना
खुशियाँ आये तो झूम जाना
अपनो के साथ बांट लेना
दुःख आये , गम आये तो
सहना होगा बर्दाश करना होगा
कभी न कोसना जिंदगी को
बुरे दिन आये तो सबक देकर जाते
कौन है अच्छा साथी ? ओर कौन है बेवफा ?
जग भरा पडा है मतलबियो से
जरा संभलकर रहना , सतर्क रहना
खुशियाँ ओर गम है बराबर हमारे जिंदगी मे ।।

कितने दिन हुए

डॉ विजय पांढरीपांडे
हैदराबाद

कितने दिन हुए
किसी की चिट्ठी नहीं आयी
कितने दिन हुए
पोस्टमन को देखा तक नहीं
मैने भी चिट्ठी लिखि नहीं
कहा गुम हो गई
कॅमल ब्ल्यू की दवात?
निब वाला,या डॉट रिफिल पेन
कहा गुम हो गये
गली गली के टायपिंग क्लास
और आ गये झेरॉक्स
घुमने निकले तो कॅमेरा नहीं पास
सारी दुनिया मुठीमे
बस मोबाईल हो पास
नाती को पुछा सवाल
झट गुगल ने दिया जबाब
सपनें मे आयी गुजरी हुंई नानी
पूछने लगी बेटा बहुत दिन हुए
व्हॉट्सअॅप पर मेसेज नही!

जाति की जंजीरें

अन्नू प्रिया,
कटिहार, बिहार

दलित होना गुनाह नहीं,
पर समाज इसे अपराध बना देता है।
हिंदू कहलाने दो—
पर मंदिर के द्वार पर क्यों रोक देता है?
जाति सूचक उपनाम लिखना बंद करो—
आरक्षण खुद ब खुद खत्म हो जाएगा।
आरक्षण पर शोर मचाते हो,
पर जब घोड़ी पर दूल्हा गोली खाता है—
क्यों चुप्पी साध लेते हो?
प्रेम में जलते हैं दलित लड़के,
तेज़ाब से सिसकती हैं लड़कियाँ—
बताओ! कहाँ है तुम्हारा धर्म?
कहाँ है तुम्हारी इंसानियत?
घर-घर में छिपे हैं दलित के विभीषण,
छप्पन भोग खुद खाते हैं,
और हमें कहते हैं—
"मैं तो निकल आया, तुम अब भी अपवित्र हो।"
याद रखो!
दलित की रोटी और बेटी
तुम्हारे द्वार पर ठुकराई गई,
पर हमारे विचार, हमारा संघर्ष,
हमारा अस्तित्व—दलित
अब कभी ठुकराया न जाएगा।
करोड़ों के फ़्लैट की जगह
लाखों की शिक्षा दो बच्चों को।
शिक्षा, विनम्रता और स्वास्थ्य की हुंकार—
यही साक्षात भगवान है।
दलितों! अब तो आँखें खोलो,
आपसी विभेद ख़त्म करो,
रोटी-बेटी का साझा अपनाओ,
और एकता का दीप जलाओ।
धन्य अंबेडकर! धन्य फूले! धन्य पेरियार!
जिन्होंने हमें जगाया, वरना यह समाज
हमें आज भी राख कर देता।

गुरु को वंदन अभिनंदन

डॉ टी महादेव राव

शिक्षक होता है वह शिल्पी जो हमारे
अनगढ़ जीवन को देता है सच्चा रूप
गढ़ता है संस्कारों की संपत्ति अंतस में
देता अंधकार हरने ज्ञान की अनंत धूप
ऋणी है सदा जिनके हम अपना सारा जीवन
ऐसे पूज्यनीय गुरु को करते हैं नमन अभिनंदन
जीवन के हर पग का जो गूढ़ अर्थ बताए
शिक्षा देकर है हर एक उलझन सुलझाए
खुद रहकर पीछे -आगे जाने को उकसाए
माता पिता के बाद जो सच्चा जीवन दे जाए
ऐसे पथप्रदर्शक को हम करते रहें सदा स्मरण
ऐसे पूज्यनीय गुरु को करते हैं नमन अभिनंदन
जीवन गर दीपक है तो गुरु है जलता बाती
ज्ञान का दीप जलाकर जो दे जीवन को अर्थ
अदृश्य सा जीवन भर बनता शिक्षा साथी
गुरु के ज्ञान प्रकाश बिन मानव जीवन व्यर्थ
जीवन में सदा वंदनीय हैं सच्चे गुरु के चरण
ऐसे पूज्यनीय गुरु को करते हैं नमन अभिनंदन
गोविंद से भी बड़े गुरु को संसार दिखाते हैं
हर कदम पर अलग गुरु होते है आदर्श हमारे
सही रास्ते पर जीना मरना वे हमें दिखाते हैं
हमें सुझाते सदा नए रास्ते बनकर ध्रुव तारे
देकर स्वस्थ विचार करते शुद्ध अंतःकरण
ऐसे पूज्यनीय गुरु को करते हैं नमन अभिनंदन।।

कलियुग के संत

मनोज कुमार
अग्रवाल

बेटियों का अपमान
कैसे इनको संत कहूँ
कैसे कहूँ भगवान?
सौ में से छियानवे को
बता रहे हैं अपवित्र
कलियुग के इन संतों का
कितना गिरा चरित्र?
कथा वाचक बने बहरूपिये
कर रहे हैं दुष्प्रचार
व्यासपीठ से कह रहे
पच्चीस की मुंह मारे चार!
रील यूट्यूब के जरिए
महिमा अपरम्पार
ऐसे दुर्जनों से धर्म बचाओ
हे किशोरी राधा सरकार ।।

ये कहना उनसे...

दर्शन सिंह
हैदराबाद

काश तुम जान जाते
जान जाते इन आंखों की भाषा
इस दिल की अभिलाषा
काश तुम जान जाते
जान जाते इन पलकों का झुकना
इन होठों का मुस्कुराना
क्या कहा जाए, चलता रह गया
जो भी हो
दो जां एक जिस्म की ज़िक्र करते हैं
ये कहना उनसे
यू मेहरबान न हो हम पर
हम जरूरतों का जिक्र नहीं
जज्बातों की फिक्र करते हैं
मैं नहीं जानता क्या है
पर कुछ तो है कोई तो है
पर नहीं जानता कौन है
कुछ बेचैनी सी होती है महसूस
कुछ तो है इन हवाओं में
क्या है जिससे तुझे पहचानू
अब पता नहीं तू कहां है
जहां रहे खुश रहे
निहित पहेलियों की कद्र करते हैं
ये कहना उनसे...

मैं शिक्षक हूँ

डॉ.प्रतिमा सिंह
हैदराबाद

मैं शिक्षक हूं
कोरे स्लेट पर लिखता हूं मिटाता हूं
समय-समय पर धोता हूं
चॉक वापस घूमाता हूं
अंतर्मन की उलझन को उ
लझ - उलझ सुलझाता हूं
उल्टी-सीधी कृतियों को
सही आकार दिलाता हूँ
अबोध गीली मिट्टी को ज्ञान के प्रकाश से सुखाता हूँ
मैं शिक्षक हूं कोरे स्लेट पर लिखता और पढाता हूं
मैं खड़ा हूं ज्ञान स्तंभ बनकर शिक्षा की ज्योत जलाता हूँ
अवहेलना, अवमानना, अनादर, सम्मान गौरव से परे
हमेशा कर्तव्य पथ पर अट्ल रहूँगा।
लेकर मशाल सच्चाई का सच्चे हृदय से अमल करूँगा
आदर्श बनूँगा उनके लिए,गुरु की गरिमा निभाऊँगा ।
अक्षर ज्ञान से आगे भी उनको जीवन की राह बताऊंगा
धैर्य समर्पण स्नेह सुधा से नन्हे कोंपल को वटवृक्ष बनाऊंगा
ध्यान की लौ ज्ञान की ज्योति, संस्कारों की समझ समझाऊँगा
मैं शिक्षक हूं कोरे स्लेट पर लिखता और पढाता हूं
जीवन की बगिया में केवल फूल नहीं काँटें भी है,
फूल अगर चुनना है तो काँटों की समझ जरूरी है
आँधी -तूफान बवडंर से बचना भी जरुरी है
नन्हें किसलय को बचने का गूढ रहस्य बताऊँगा
गणित,विज्ञान भाषा के आगे सच्चा इंसान बनाऊँगा
प्राणी से प्रेम राष्ट्र से नाता मैं बच्चों को सिखलाऊँगा
मैं शिक्षक हूं कोरे स्लेट पर लिखता हूं मिटाता हूं।।

एतबार

हेमंत सुराना,
उदयपुर

विश्वास मौजूद हो तो,
मौन भी समझ आता
विश्वास ना हो तो,
शब्दों से भी गलतफहमी
कर्मो पर हो अटल विश्वास,
जिनके मन हो बुलंद एहसास
सब कुछ काबिल ए मरम्मत है,
एक सिर्फ विश्वास के सिवा
मुकद्दर पर ना भरोसा है,
ना ही तकदीर पर विश्वास
आशा और विश्वास अगर है,
सब जंग जायेंगे जीत
कर लेते एतबार हर शख्स पर,
दिल अगर अब भी बच्चा होता,
दिल अगर अब भी बच्चा होता ।

नदिया

पी एन गुप्ता
हैदराबाद

जीवन की नदिया के धारे,
बह न सकेंगे छोड़ किनारे,
एक दूजे के रहें सामने
मिल न सकें फिर भी बेचारे,
आस जगी ही रहे मिलन की।
खुली किताब सा हो यह जीवन,
पढ़े जहां से जिसका हो मन,
कभी कहीं भी कोई देखे
साफ़ दिखे उसको मन दर्पन,
छाया दिखे न मैलेपन की।
रोज़ मनाओ तुम दीवाली,
होली भी न जाए ख़ाली,
रोशन कर दो अगर कहीं पर
दिखें किसी की रातें काली,
छाप लगा दो अपनेपन की।
जग की रीत निराली देखी,
भरी तलैया खाली देखी,
गली मुहल्ले घिरे बाढ़ में
बहती एक न नाली देखी,
चाहे झड़ी लगे सावन की।

पलकों की पालकी

डॉ शोभा भंडारी
हैदराबाद

अनवरत गिरना, उठना और झपकना,
आंखों की पलकों का निरंतर चलना,
मात्र विश्राम के कुछ पलों को जीना,
देता है जिंदगी को एक नया आयाम,
एक नजरिया।
कभी बिदा होती बिटिया के साथ रोतीं,
कभी दुल्हन के सपनों को संजोतीं,
कभी ये पलकें, पालकी बनकर,
हृदय के उद्गारों की अश्रु धारा को सहेजतीं।
कभी बेशकीमती पुतलियों का,
रक्षा कवच बन उन्हें सहलातीं,
प्रकाश की किरणों का संतुलन बना,
मस्तिष्क पटल पर बिम्ब सा बनातीं।
पलकों की चिलमन भी एक नायाब राज़ है,
खुदा का बक्षा हुआ एक अनमोल ताज है।।
नन्ही सी पालकी है पलकों की,
देती जीवन को एक महान दर्शन,
कभी खुली आंखों से प्रभु दर्शन कराती,
कभी प्रभु की छवि, बंद आंखों में सजाती।
सूक्ष्म और स्थूल का भेद ये नहीं जानती,
समदर्शी है ये, समरसता को संवारती ।।

बेकदरी

डॉ डी डी देसाई

ज़ब कद्र ही नहीं रही उन्हें...
तो हम सहम गए...
सोचा.... सब व्यर्थ हैं...
हमारा उनके लिए आहे भरना,
इनके इर्द गिर्द मंडराना,
एक नज़र देखने के लिए,
अपनी जान तक न्योछावर करना
अर्थ हीन हैं इनकी नज़र में...।
हम इश्क़ के भंवर में कैद,
और ये किनारे पर उड़ान भरेंगी।
नीति अनीति के बंधन में हम..
और ये आज़ाद घूमेंगी।
यूँ बेकदरी में जीना.. सब व्यर्थ हैं।
ज़ब कद्र ही नहीं रही उन्हें...
तो हम सहम गए...
खुदको रोका...टोका...
बेरहम रास्तों से हटा।
हम पुकारते रहे.. तुम अनसुना करते रहे,
नाक़दरी के शिकर कब तक होते रहे...?
अब नहीं भागना उनके पीछे...
खुदको जबरन रोका हमने,
अपना दिल और दिमाग लिए..
हाल और हालात समेटे हुए..
तुम्हारी राहों से अलग... हम चल दिए...।

सज़ल

रेणुका अग्रवाल
हैदराबाद

मुक़द्दर दे ख़ुदा तब तक़दीर साथ हो।
उल्फ़त इश्क की तासीर साथ हो।
ग़ज़ल मे रहे ज़िक्र उनका हरदम
लिखूँ जब ख़्यालों मे मीर साथ हो।
जब जब सजदा करूँ ख़ुदा का
गवाह मे मेरे अनासीर साथ हो।
भला करे ख़ुदा सभी का यहाँ
जब तक जियूँ जागीर साथ हो।
रक़ीबों को ख़त्म करने को
हमेशा अपने तीर साथ हो।
बुरा न हो किसी का किसी से
हमेशा सबके ज़मीर साथ हो।
बेक़ूफ़ दोस्त मत बनाओ कभी
हो दुश्मन पर शातीर साथ हो।
मन बेचैन क्यों होता है हर वक्त
राह में ख़ुदा राहगीर साथ हो।
बेसबब कुछ नहीं होता जहान में
राजा है तो जेहन में फ़क़ीर साथ हो।
रेणू का सोचा कब हुआ है ख़ुदा
जिंदा है तो नसीब की लकीर साथ हो।

कब तक रहोगे हमेशा बेखबर से

संजीव ठाकुर,
रायपुर

यहां गिरा हर कोई शाखे सिफर से
मैं वाकिफ हूं गुमनामी के कहर से।
मोहब्बत का इजहार जोर से कीजै
ये इशारा किया है किसी ने उधर से।
मिला जब न दीदार का कोई रास्ता
मैं मायूस होकर लौटा तेरे शहर से ।
मेरे हर रास्ते में मोहब्बत है यारों
हिमायत मैं चाहूंगा सारे बशर से।
बशर- व्यक्ति,हिमायत-तरफदारी,
तुम कभी खुदकी हालत भी देखो
कब तक रहोगे हमेशा बेखबर से।
फकीरी रास आ गई मुझ में संजीव
शायद हुआ तेरी सोहबते-असर से।

आलाप

प्रियंका सौरभ

गुलशन में क्यों है ख़्वाब अधूरा-सा आलाप,
सदियों से सुनते आए इंक़लाब का आलाप।
आज़ादी आई थी तो रोशन थे हर चिराग़,
अब भी अँधेरों में है हिसाब का आलाप।
शहरों में चकाचौंध, मगर गाँव में अँधियारा,
हर कोने से उठता है किताब का आलाप।
भूख और बेबसी ने दबा दी है हर सदा,
रोटी से पहले क्यों हो शबाब का आलाप?
बराबरी के सपनों पे अब भी धूल जमी,
सच में कहाँ है पूरा हिसाब का आलाप।
मज़लूम की आवाज़ को सुनते नहीं शासक,
महलों में गूंजे बस जनाब का आलाप।
'प्रियंका' ये सच है, अधूरा है गीत अपना,
पूरे जहाँ में फैले आज़ाद का आलाप।

स्वतंत्र वार्ता
काव्य कुंज ब्लॉग
AGA. Publications. Ltd.
396, Lower Tankbund,
Hyderabad-500080

रोटी-पराठे का भेद हुआ खत्म

नमक वाले से महंगा बना रहेगा कैरेमेल पॉपकॉर्न

जीएसटी काउंसिल की 56वीं बैठक में हुए फैसले हमारे-आपके जेब पर सीधा असर डालेंगे। 22 सिंतबर यानी नवरात्र की शुरुआत के साथ रोजमर्रा की जरूरत से जुड़ी कई चीजों के दाम घट जाएंगे। ये तो खबर हुई लेकिन खबर के अंदर की कहानी के लिए आपको 2017 में चलना होगा। जब सरकार जीएसटी कानून लेकर आई। आधी रात को संसद का सत्र आयोजित करके इस कानून को लागू किया गया। कहा गया अब एक देश एक टैक्स होगा, लेकिन जब ये लागू हुआ तो विपक्ष ने कहा कि यह एक देश एक टैक्स नहीं बल्कि चार-पांच तरह के टैक्स का कानून है।

कानून लागू हुआ तो इसमें कई तरह की विसंगतियां भी सामने आईं। उदाहरण के लिए अगर आप रेस्तरां में रोटी खाते हैं तो आपको पांच फीसदी जीएसटी जुड़ता था। वहीं, पराठा ऑर्डर करने पर 18 फीसदी जीएसटी देना होता था। अब इस विसंगति को दूर कर दिया गया है। अब आप रेस्टोरेंट में रोटी खाएं या पराठा दोनों पर कोई अतरिक्त कर नहीं देना होगा। बुधवार को हुए बदलावों के बाद इस तरह की कई विसंगतियां दूर कर दी गई हैं। जीएसटी की दो दरों को अब समाप्त कर दिया गया है। इनमें 12 फीसदी और 28 फीसदी टैक्स वाला स्लैब शामिल है। अभी आप अलग-अलग चीजों के हिसाब से आप 5, 12, 18 और 28 फीसदी जीएसटी देते आ रहे हैं।

इसके साथ ही लग्जरी आइटम्स और नुकसान पहुंचाने वाली वस्तुओं पर जीएसटी के साथ ही सेस भी देना पड़ता है। कई मामलों में इसकी वजह से कुल टैक्स 50% से भी ज्यादा पहुंच जाता था। जैसे 1200 सीसी से ज्यादा की पेट्रोल या 1500 सीसी से ज्यादा की डीजल कारों पर 28 फीसदी जीएसटी के साथ 17 से 22% तक सेस लगता है। इस वजह से कुल कर करीब 45 से 50% तक हो जाता है।

नए कर प्रावधानों की बात करें तो 22 सितंबर से आपको अलग-अलग वस्तुओं पर सिर्फ तीन श्रेणी के कर लगेंगे। 5 फीसदी, 18 फीसदी और 40 फीसदी। थोड़ी देर पहले हम जिन लग्जरी कारों की बात कर रहे थे उन कारों पर अब 40 फीसदी कर लगेगा। यानी 28 फीसदी जीएसटी की जगह आपको 40 फीसदी जीएसटी देना होगा। इसके बाद भी यह कारें सस्ती हो सकती हैं क्योंकि सेस से जुड़ी विसंगति को नए बदलाव में खत्म कर दिया गया है।

आइये कुछ और विसंगतियों को समझ लेते हैं, ये विसंगतियां कितनी दूर हुई हैं वो भी जान लेते हैं। अगर आप पॉपकॉर्न खाने के शौकीन है तो अलग-अलग स्थिति में आपको इस पर तीन तरह का टैक्स देना होता था। किस तरह का पॉपकॉर्न आप खा रहे हैं और कैसी पैकिंग में आपने खरीदा है दोनों के हिसाब से टैक्स अलग-अलग था। अब पैकिंग से जुड़ी विसंगति को दूर कर दिया गया है। फ्लेवर के हिसाब से टैक्स अभी भी अलग-अलग होगा। इसे ऐसे समझिए नमक वाले पॉपकॉर्न पर पहले आपसे दो तरह का टैक्स लिया जाता था। अगर इसे खुला बेचा जा रहा है तो 5 फीसदी जीएसटी लगती थी। वहीं, अगर इसी पॉपकॉर्न को पैक या लेबल लगाकर बेचा जा रहा है तो इस पर 12 फीसदी टैक्स देना होता था। नई व्यवस्था में दोनों स्थिति में टैक्स को पांच फीसदी कर दिया गया है। लेकिन कैरेमेल पॉपकॉर्न पर आपको अभी भी 18 फीसदी टैक्स देना होगा क्योंकि यह चीनी कन्फेक्शनरी के अंतर्गत आता है।

पराठों पर विवाद सुलझा

इससे पहले, फ्रोजन पराठों को लेकर भी जीएसटी वर्गीकरण को लेकर विवाद छिड़ा था। सादी रोटी पर जहां 5 प्रतिशत जीएसटी लगता था, वहीं पराठों को 18 प्रतिशत के स्लैब में रखा गया। अब यह मामला सुलझ गया है। अब सभी भारतीय रोटियों, चाहे उन्हें किसी भी नाम से पुकारा जाए, को छूट दी गई है। अब इन पर कोई टैक्स नहीं लगेगा।

पनीर-दूध से बनी चीजों पर भी राहत

इसी तरह पनीर पर जीएसटी दरों को लेकर असमंजस की स्थिति बनी हुई है। जुलाई 2022 में हुई 47वीं जीएसटी परिषद की बैठक में स्पष्ट किया गया कि खुला (बिना ब्रांड वाला/बिना लेबल वाला) पनीर जीएसटी से मुक्त रहेगा, जबकि पहले से पैक और लेबल वाला पनीर 5% जीएसटी स्लैब में लाया गया है। अब आप कैसा भी पनीर खरीदते हैं तो वो जीएसटी से मुक्त रहेगा। इसी तरह क्रीम बन्स पर भी जीएसटी कम दर से कर दिया गया है। पहले पेस्ट्री 18 प्रतिशत कर लगता था, जबकि बन्स और क्रीम पर अलग-अलग केवल 5 प्रतिशत कर लगता था। अब क्रीम बन्स सहित पेस्ट्रीज को 5 प्रतिशत के स्लैब में शामिल कर दिया गया है।

खेल के मामले में दो तरह के जीएसटी

सट्टेबाजी, कैसीनो, जुआ, घुड़दौड़, लॉटरी और ऑनलाइन मनी गेमिंग जैसे खेलों पर 40% की जीएसटी दर लागू रहेगी। आईपीएल जैसे खेल आयोजनों में प्रवेश पर 40% जीएसटी लगेगा, हालांकि, 40% की यह दर मान्यता प्राप्त खेल आयोजनों में प्रवेश पर लागू नहीं होगी। जिन खेल आयोजनों में एंट्री टिकट की कीमत 500 रुपये से अधिक नहीं है तो उस पर कोई जीएसटी नहीं लगेगा।

यदि टिकट की कीमत 500 रुपये से अधिक है, तो इस पर 18% की मानक दर से कर लगाया जाता रहेगा।

चश्मे और गॉगल्स पर अलग-अलग जीएसटी

दृष्टि सुधार के लिए चश्मे और गॉगल्स पर अब 5% जीएसटी लगेगा। जो पहले क्रमशः 12% और 18% थी। इसके अलावा बिना दृष्टि सुधार हेतु चश्मे और अन्य चश्मों पर 18% की जीएसटी दर लागू रहेगी।

अमेरिका दरकिनार, भारत-चीन से प्यार, अब 'जंग' से होगा फैसला

पूरी दुनिया एक अनमोल चीज के पीछे भाग रही है। अमेरिका और चीन में तो इसे लेकर एक जंग भी लड़ी जा रही है। दोनों को ये लग रहा है कि महाशक्ति बने रहने का फॉर्मूला यही है। भारत के पास भी इस चीज के पर्याप्त भंडार हैं। वो अनोखी और आश्चर्यजनक चीज है-रेयर अर्थ मैग्नेट। दुनिया का करीब 90 फीसदी रेयर अर्थ मिनरल्स चीन के पास है। इसके बारे में एक इंटरव्यू में स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय के ग्रेजुएट स्कूल ऑफ बिजनेस में मोगादम फैमिली फाइनेंस के प्रोफेसर जियोअर्थशास्त्री मैटियो मैगियोरी ने कहा है कि भारत-चीन मिलकर दुनिया बदल सकते हैं और अमेरिका को चुनौती दे सकते हैं। वजह यही है रेयर अर्थ मिनरल्स है।

रेयर अर्थ मिनरल्स 17 दुर्लभ मेटल्स का समूह होते हैं। ये मॉडर्न तकनीक, इलेक्ट्रॉनिक्स, डिफेंस सिस्टम और ग्रीन एनर्जी के लिए बेहद जरूरी हैं। इनमें कुल 17 एलिमेंट्स 15 लैंथेनाइड्स जैसे कि लैन्थेनम, सेरियम, नियोडिमियम, प्रेसियोडिमियम, समारियम, यूरोपियम और स्कैन्डियम, यिट्रियम होते हैं। हाल ही में चीन में जिस तरह से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन एक साथ दिखे उससे दुनिया में अमेरिका को छोड़कर एक ताकतवर देशों का ध्रुव बनता दिख रहा है। ये तीनों ही देश रेयर अर्थ के मामले में काफी आगे हैं।

रेयर अर्थ मिनरल्स का इस्तेमाल स्मार्टफोन, लैपटॉप, टीवी, इलेक्ट्रिक वाहनों और बैटरियों के अलावा पवन टर्बाइनों और सोलर पैनलों, मिसाइल, रडार और अन्य डिफेंस सिस्टम, चुंबक, लाइटिंग, कैमरा लेंस वगैरह में होता है। रेयर अर्थ के भंडार के मामले में चीन और ब्राजील के बाद भारत दुनिया में तीसरे स्थान पर है, लेकिन उत्पादन और प्रोसेसिंग में चीन से काफी पीछे है।

चीन में दुनिया को सबसे बड़ा रेयर अर्थ मिनरल्स भंडार है। यह करीब 4.4 करोड़ टन है। वहीं, ब्राजील के पास यह भंडार करीब 2.1 करोड़ टन है। 69 लाख टन के भंडार के साथ भारत तीसरे नंबर पर है। इसके बाद ऑस्ट्रेलिया 57 लाख टन के साथ चौथे नंबर पर है। इसके बाद रेयर अर्थ भंडार के मामले में रूस के पास 38 लाख टन, वियतनाम के पास 35 लाख टन और अमेरिका के पास 19 लाख टन के भंडार हैं। अमेरिका रेयर अर्थ का उत्पादन भी काफी कम करता है। इसके लिए वह चीन पर काफी हद तक निर्भर है। यही वजह है चीन से अक्सर अमेरिका की अदावत छिड़ी रहती है। मैटियो के अनुसार, यदि चीन आपको दुर्लभ पृथ्वी तत्वों से अलग कर देता है, तो उन्हें कहीं और से प्राप्त करना मुश्किल है। ये चीजें कहीं और से नहीं मिल सकती हैं। इन चीजों पर चीन और भारत का दबदबा है। चीन का दुनिया के करीब 90 फीसदी रेयर अर्थ मिनरल्स पर कब्जा है। वह रेयर अर्थ के मार्केट को कंट्रोल करता है।

सेमीकंडक्टर्स पर भी है चीन का वर्चस्व

मैटियो बताते हैं कि सेमीकंडक्टर्स की सप्लाई भी आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस यानी एआई को पोषित करती है। उदाहरण के लिए, कोरिया में अर्धचालकों की डिजाइन, निर्माण और विनिर्माण की क्षमता है। अमेरिका काफी डिजाइन करता है, लेकिन ज्यादातर निर्माण ताइवान में होता है। वहीं, चीन अपना अलग क्षेत्र विकसित कर रहा है। जैसे अमेरिका ने दूसरे विश्वयुद्ध में अपनी ताकत बढ़ाई थी।

सज्जन समाज का तमाशा

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा उरतृप्त

गाँव भृगुपुरी की मिट्टी में जैसे-जैसे सूरज की रौशनी फैलती, मण्डल साहब के मन में नए सपने भी खिल उठते। पर यह सपने आसमान पर नहीं, बल्कि मोबाइल की स्क्रीन पर चमकते। मण्डल साहब, जो अब पंचायत के प्रधान थे, अपने गाँव को डिजिटल युग का सज्जन समाज बनाने के जुनून में थे। उन्होंने ठान रखा था कि भृगुपुरी रहेगा सबसे स्मार्ट, सबसे आधुनिक, और सबसे डिजिटल।

देखिए जी, उन्होंने चौपाल में सभा करते हुए कहा, हम अब पुराने जमाने के झपाटों से बाहर निकल कर नई टेक्नोलॉजी को अपनाएंगे। हर किसानी किसान को मोबाइल फोन मिलेगा, हर खेत ऑनलाइन जुड़ जाएगा, और हम बनाएंगे एक ऐसा समाज जिसकी मिसाल देश भर में दी जाएगी।

लोगों ने उनके भाषण को तालियों की गड़गड़ाहट से स्वीकार किया, भले ही कई के मन में शक के बादल मंडराने लगे हों। बलराम चाचा, जो सारा दिन खेत में पसीना बहाते थे, बोले, साहब, मोबाइल तो ठीक है, पर हमारे खेत कैसे सुधरेंगे? जमीन उसी की रहेगी न?

मण्डल साहब मुस्कुराए, तकनीक तो कमाल की चीज़ है, चाचा जी। ऐप से खेत की मिट्टी की जांच करिए, पानी की नमी को मॉनिटर कीजिए। ट्रैक्टर भी तो बीते जमाने का फ़ैशन है। अब ड्रोन से फसलों का जायजा लिया जाएगा।

गाँव के बच्चे मोबाइल के रंगीन स्क्रीन में उलझे दिखे। पढ़ाई भी ऑनलाइन होगी, किताबें कम और विडियो ज्यादा। डिजिटल इंडिया, भाई! महिला मंडल की नेत्रीं कहतीं, अब हम भी सज्जन समाज की हिस्सा हैं। पहले तो किसी ने ये सपना भी देखा न था।

परन्तु, असलियत में सब वैसा न था जैसा मण्डल साहब ने दिखाया। मोबाइल मिलने के बाद बच्चे पढ़ाई से अधिक व्हाट्सऐप और टिकटॉक वीडियो में मशगूल हो गए। किसान डिजिटल ऐप में इतना उलझा कि फसल बोना भूल गया। और डिजिटल सरकार की स्कीमें भी केवल ऑनलाइन फॉर्म भरने तक सीमित रह गईं, जो कई के बस की बात नहीं थी। एक दिन मण्डल साहब के फोन पर एक मैसेज आया, प्रधान जी, गाँव के उत्तर छोर में नाली गंदी हो रही है, दुर्गंध से लोग तंग हैं। कृपया ध्यान दें। उन्होंने तुरंत जवाब दिया, यह समस्या डिजिटल समस्या नहीं, पुराने जमाने की है।

चिराग पासवान के लिए यूं ही नहीं उमड़ा प्यार

सामने आ गई अंदर की सबसे बड़ी बात

दलित राजनीति को लेकर वर्तमान गठबंधन की राजनीति में एनडीए को बढत तो मिल ही रही है। यही वजह भी है कि एनडीए के दलित आधार वाले साथी दल थोड़े खुले-खुले रह कर विचार भी प्रकट कर रहे थे और अपनी ताकत के इजहार के जरिए सीट शेयरिंग को मुद्दा भी बना रहे थे। कई बार तो ऐसा भी हुआ कि साथी दल लोजपा(आर) अपनी ही सरकार की खिंचाई कर एक विद्रोह वाला चेहरा दिखा रहे थे। कभी-कभी तो दलित आधार वाले साथी दल एक दूसरे के विरुद्ध भी खड़े हो जा रहे थे। पर चुनाव के नजदीक आते आते लोजपा(आर) और हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा सेक्युलर ने यू टर्न लिया और फिर कसीदे ही पढ़े जाने लगे। आखिर एनडीए के दलित आधार वाले साथी दलों के बदलाव की कहानी क्या है इसकी पडताल करती रिपोर्ट।

चुनाव के प्रारंभ में केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने न केवल खुद के चुनाव लड़ने की घोषणा की बल्कि 243 सीटों पर लोजपा(आर)के लड़ने की बात कह कर चौंका दिया। फिर तो इसके बाद नालंदा, खगड़िया और शाहाबाद तक से आवाजें उठने लगी कि चिराग पासवान यहां से लड़ें। तब राजनीतिक गलियारों में लोजपा(आर) की इस घोषणा को गंभीरता से लिया। इसके कारण भी थे, वह इसलिए कि केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान आरा के बाबू वीर कुंवर सिंह स्टेडियम, रमना मैदान से बिहार फर्स्ट, बिहारी फर्स्ट के मूल मंत्र का संदेश दे चुके थे। इस नारे के पीछे चिराग पासवान के नेतृत्व की उत्कंठ इच्छा का भी बोध होता है। कह तो यह भी दिया कि यह महासभा बिहार के उज्ज्वल भविष्य की नींव रखने वाला एक जन आंदोलन है। फिर चुनाव लड़ने की बात सामने आई तो चिराग पासवान ने इनकार नहीं किया। उन्होंने कहा कि मेरे चुनाव लड़ने का निर्णय संसदीय बोर्ड करेगी।

तब बीजेपी के प्रदेश नेतृत्व ने चिराग पासवान की इस हुंकार को हल्के में नहीं ले पाई। पत्रकारों के पूछे जाने पर प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने जरूर कहा कि वे हमारे साथी दल हैं। उनकी पार्टी अलग हैं। उनके निर्णय अलग हो सकते हैं। हर पार्टी अपने फैसले लेने को स्वतंत्र है। हालांकि तब प्रदेश अध्यक्ष जायसवाल के इस वक्तव्य से लगा कि लोजपा(आर) बीजेपी पर दबाव बना रही है, ताकि मन मुताबिक और ज्यादा से ज्यादा हिस्सेदारी ले सके। लोजपा(आर) की तरफ से एक फॉर्मूला भी आया कि 100 फीसदी स्ट्राइक रेट के साथ पांच लोकसभा सीटों पर चुनाव जीता गया है। उसी को आधार बना कर टिकट विधानसभा चुनाव में भी दिए जाएं। फिर जमुई के सांसद अरुण भारती की तरफ से एक नया फॉर्मूला आया जो था कि लोजपा (रामविलास) को 43 से 137 सीटों के बीच टिकट दिया जाए।

हिंदुस्तान आवाम मोर्चा (हम) के प्रमुख जीतनराम मांझी चिराग के उठाए प्रश्न पर उखड़ गए। उन्होंने तब चिराग पासवान को गुड़ खाकर गुड़म्मे से परहेज नहीं करने की नसीहत दे दी। केंद्रीय मंत्री मांझी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया। 'अपराध करवाएं राजद वाले, तोहमत लगे सरकार पर, वाह रे गठबंधन धर्म। हमारे यहां एक कहावत है, गुड़ खाते हैं, गुड़म्मे से परहेज, यह ठीक नहीं।' मांझी ने आगे कहा कि बिहार के मुख्यमंत्री आवास में माफिया की खातिरदारी नहीं होती , बल्कि उन्हें ठोक दिया जाता है। लॉ एंड ऑर्डर पर सवाल उठाने वालें को यह बात समझनी चाहिए।

एनडीए में जब सीट हिस्सेदारी को ले कर बयानबाजों में जंग छिड़ी हुई थी तब केंद्रीय मंत्री जीतराम मांझी और चिराग पासवान के बीच भी अघोषित युद्ध छिड़ा हुआ था कि एनडीए की बड़ा दलित पार्टी कौन? इस युद्ध का एक चेहरा तो लोकसभा चुनाव के दौरान भी दिख गया था। लेकिन लोजपा(आर) की तरफ से जब 40 प्लस का बयान आया तो मांझी ने चिराग को लेकर बयान दिया था कि, 'मजबूत लोग बोलते नहीं, कमजोर लोग दिखावा करते हैं।' उन्होंने यह भी कहा था, '10 कारों में सिर्फ नारेबाजी करने वाले होते हैं... यह सिर्फ दिखावा है, जमीनी समर्थन नहीं।'

अभी तक पानी पी पी कर चिराग पासवान को कोसने वाले केंद्रीय मंत्री जीतनराम मांझी ने इसके बाद अचानक से यू टर्न ले लिया। वो लगे चिराग पासवान को दुलारने। उनके व्यवहार में चिराग पासवान के प्रति सकारात्मक बदलाव आया। जीतन राम मांझी ने अब कहा है कि ' चिराग पासवान एनडीए गठबंधन से अलग होने जैसा गलत काम नहीं करेंगे। एनडीए गठबंधन भी उनको पूरी इज्जत देगा। चिराग पासवान को जीतने की गारंटी वाली सीटें देकर उन्हें संतुष्ट कर दिया जाएगा।'

इसलिए जीतन राम मांझी को चिराग की जरूरत

आखिर जीतनराम मांझी क्यों अचानक से चिराग पासवान के प्रति विश्वास जगाने लगे। हम के सूत्रों की मानें तो इमामगंज सहित अन्य विधानसभा में पासवान वोटरों की संख्या ज्यादा है। जीत के लिए मांझी के उम्मीदवारों को पासवान वोटरों का समर्थन मिलना जरूरी है। तभी उनके दल को राज्य स्तरीय पार्टी का दर्ज मिल सकता है। मिली जानकारी के अनुसार मांझी को 10 सीटें मिल सकती हैं। अगर हम 8 सीटें जीत लेता है उसे राज्य स्तरीय पार्टी का दर्जा मिल सकता है।

प्रति दिन 500 लोग रफ्तार की भेंट चढ़ रहे हैं

मनोज अग्रवाल

यदि आप यातायात नियमों का पालन करने में कोताही कर तेज रफ्तार दौड़ाना और हेलमेट नहीं लगाना जैसी आदतों के शिकार हैं तो जान लीजिए देश में प्रतिदिन 474 से अधिक लोग सड़क हादसे में अपनी जान गंवा देते हैं. भारत सरकार के सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय द्वारा जारी 'सड़क हादसे 2023' की रिपोर्ट में ये आंकड़े सामने आए हैं।2024 और 2025 के आंकड़े और अधिक भयावह हो सकते हैं।

भारत में सड़क हादसों की बढ़ती संख्या चिंताजनक है। एक रिपोर्ट के अनुसार देश में हर घंटे लगभग 55 सड़क दुर्घटनाएँ होती हैं जिनमें 20 लोगों की जान जाती है। 2023 में लगभग 4.80 लाख सड़ कहादसे हुए जिनमें 1.72 लाख लोगों की मृत्यु हो गई। मंत्रालय ने युवाओं की मौतों पर चिंता व्यक्त की है जिनमें 18-45 वर्ष के 66.4% युवा शामिल हैं।

भारत में जैसे जैसे गाड़ियों की संख्या और गति बढ़ रही है उससे भी अधिक स्पीड से दुर्घटनाओं में अकाल मरने वालों की तादाद बढ़ी है। इससे देश में सड़क दुर्घटनाओं के ग्राफ में तेजी से वृद्धि हो रही है। भारत में कोई दिन ऐसा नहीं है जब देश की सड़कों पर दुर्घटनाओं में खून न बहा हो। सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मौत के मामले में भारत विश्व में सबसे आगे है। सरकार के तमाम प्रयासों के बावजूद देश में सड़क हादसों में कभी नहीं आई है, बल्कि साल दर साल इसमें इजाफा हो रहा है। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय की सड़क दुर्घटनाएं, 2023 शीर्षक की रिपोर्ट में कहा गया है कि देश में हर घंटे 55 सड़क दुर्घटनाएं होती हैं। देश में राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के पुलिस विभागों ने वर्ष 2023 के दौरान कुल 4,80,583 सड़क दुर्घटनाओं की सूचना दी है, जिनमें 1,72,890 लोगों की जान गई और 4,62,825 लोग घायल हुए। रिपोर्ट में कहा गया है कि वर्ष 2023 में लगातार चौथे वर्ष तक सड़क दुर्घटना के शिकार ज्यादातर युवा थे। 18-45 पर्ष आयु वर्ग के चुना वयस्कों की संख्या 66.4 प्रतिशत है। राजस्थान की बात करे तो इस अवधि में 24 हजार 694 सड़क हादसों में 11 हजार 400 लोगों की भौतें हुई। भारत में सड़कों और हाईवे के साथ हादसों की रफ्तार भी धमने का नाम नहीं ले रही। देश में सड़क दुर्घटनाओं के ग्राफ में तेजी से वृद्धि हो नहीं जाता जब देश के किसी भाग में सड़क हादसा न होता हो। सड़क पर ट्रक पार्क करना दुर्घटनाओं का एक बड़ा कारण हैं और लोग यातायात अनुशासन का पालन नहीं करते हैं। ऐसा लगता है जैसे सड़के आतंकी हो गई है और हादसे थमने के नाम नहीं ले रहे है।

मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, 2023 में सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली 1,72,890 मौतों में से 40% से अधिक मौतें हेलमेट और सीटबेल्ट का उपयोग न करने और नशे में वाहन चलाने के कारण हुई हैं. रिपोर्ट में बताया गया है कि 2023 में मारे गए 54,568 दोपहिया वाहन चालकों ने हेलमेट नहीं पहना था, जिनमें 39,160 चालक और 15,408 यात्री शामिल थे. यह 2023 में सड़क दुर्घटनाओं में हुई कुल मौतों का 31.6% था. इसी तरह, सीट बेल्ट का उपयोग नहीं करने वाले वाहन सवारों में 16,025 मौतें दर्ज की गईं, जिनमें 8,441 चालक और 7,584 यात्री शामिल थे, जो वर्ष के दौरान दर्ज कुल मौतों का 9.3% हैं।

देश में मोटर वाहन कानून 2019 लागू होने के बाद भले ही सरकार के राजस्व में वृद्धि हुई हो मगर दुर्घटनाओं में जान गंवाने वालों की संख्या में कमी नहीं आई। सख्त कानून का उन पर कोई असर नहीं हुआ है। नीति आयोग की रिपोर्ट है कि सड़क हादसों के शिकार 30 प्रतिशत लोगों की मौत जीवन रक्षक उपचार नहीं मिल पाने के कारण होती है।

2023 में सबसे ज्यादा सड़क हादसों में मौतें उत्तर प्रदेश में हुईं. यहां 23,652 लोगों की सड़क हादसे में जान गई है, जो 2022 (22,595) और 2021 (21, 227) से अधिक है. सबसे कम मौतें अंडमान और निकोबार में दर्ज की गईं. यहां सिर्फ 24 लोगों की जान गई है.10 लाख से ज्यादा आबादी वाले शहरों में दिल्ली (1457), बेंगलुरु (915) और जयपुर (849) में सबसे ज्यादा मौतें हुईं, जबकि अमृतसर, चंडीगढ़ और श्रीनगर में सबसे कम लोगों की जान गई है।

रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2023 में दर्ज कुल 1,72,890 लोगों की मौत में से 63,112 (36.5 प्रतिशत) राष्ट्रीय राजमार्गों पर, 39,439 (22.5 प्रतिशत) राज्य राजमार्गों पर और 70,339 (40.7 प्रतिशत) अन्य सड़कों पर हुई। रिपोर्ट में कहा गया है कि सड़क दुर्घटनाओं के कई कारण है। यह अक्सर मानवीय भूल, सड़क के वातावरण और वाहनों को स्थिति जैसे विभिन्न कारकों के प्रतिक्रिया का परिणाम होती है। वर्ष 2023 में, यातायात नियम उल्लंघन की श्रेणी में, तेज गति से गाड़ी चलाना एक प्रमुख दुर्घटना का कारण था, जिसमें मारे गए लोगों का 68.1 प्रतिशत हिस्सा था। सड़क दुर्घटनाओं में शामिल वाहन श्रेणियों में, लगातार तीसरे वर्ष, वर्ष 2023 के दौरान कुल दुर्घटनाओं और मौतों में दोपहिया वाहनों की हिस्सेदारी सबसे अधिक रही।

भूकंप में तालिबानी फरमान बना महिलाओं की आफत

पुरुष राहत कर्मियों ने छुआ नहीं, 36 घंटे मलबे में फंसी रहीं, पड़ोसी गांव की महिलाओं ने निकाला

काबुल, 6 सितंबर (एजेंसियां)। अफगानिस्तान के पूर्वी पहाड़ी इलाकों में रविवार को आए 6 तीव्रता वाले भूकंप ने तबाही मचाई। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक अब तक 2,200 से ज्यादा लोगों की मौत और 3,600 से ज्यादा घायल हुए हैं। राहत संगठनों का कहना है कि इस आपदा में सबसे ज्यादा बोझ महिलाओं और बच्चों पर पड़ा है, जिन्हें बचाव के दौरान सबसे पीछे छोड़ दिया गया।

वॉलेंटियर ताहजीबुल्लाह मुहाजिब ने मजार दारा में देखा कि पुरुष रेस्क्यूकर्मी मलबे में फंसी महिलाओं को निकालने से हिचकिचा रहे थे। मुहाजिब ने कहा, 'ऐसा लगा जैसे महिलाएं गायब हैं। पुरुष और बच्चों का इलाज हो रहा था, लेकिन महिलाएं चुपचाप एक कोने में बैठी थीं।'

तालिबान के सख्त नियमों के तहत गैर-परिवार पुरुष महिलाओं को छू नहीं सकते। नतीजतन महिलाएं कई घंटों तक मलबे में फंसी रहीं, जब तक पड़ोसी गांवों से महिलाएं आकर उन्हें बाहर नहीं

निकाल सकीं।

कुनार प्रांत की 19 साल बीबी आयशा बताती हैं कि उनके गांव में बचाव दल 36 घंटे बाद पहुंचा, लेकिन उसमें एक भी महिला शामिल नहीं थी। उनके सामने ही केवल पुरुष और बच्चों को बाहर निकालकर इलाज दिया गया।

तालिबान में महिलाओं की आजादी पर रोक

तालिबान ने 4 साल पहले सत्ता संभालने के बाद महिलाओं की आजादी पर रोक लगाई है। छठी कक्षा के बाद लड़कियों की पढ़ाई बंद है, महिलाएं बिना पुरुष रिश्तेदार के लंबी दूरी की यात्रा नहीं कर सकतीं और ज्यादातर नौकरियों से वंचित हैं। गैर-सरकारी संगठनों और संयुक्त राष्ट्र में काम करने वाली महिलाओं को भी बार-बार धमकियां मिली हैं।

पिछले साल तालिबान ने महिलाओं के मेडिकल शिक्षा में दाखिले पर रोक लगा दी थी, जिससे महिला डॉक्टरों और नर्सों की भारी कमी है। यही वजह रही कि प्रभावित इलाकों में चार दिन बाद भी कई जगह महिला स्वास्थ्यकर्मी तक नहीं पहुंच सकीं।

अस्पतालों में ज्यादातर पुरुष डॉक्टर और नर्स ही मौजूद रहे। बीबी आयशा कहती हैं 'भगवान ने मुझे और मेरे बेटे को बचाया। लेकिन उस रात के बाद मैंने समझा कि यहां औरत होना मतलब है। हमेशा सबसे आखिर में देखा जाना।

पराए पुरुषों को छूने की मनाही

अफगानिस्तान में तालिबान सरकार के सांस्कृतिक और धार्मिक मानदंडों के मुताबिक केवल महिला के करीबी पुरुष रिश्तेदार, जिनमें उसके पिता, भाई, पति या बेटे शामिल हैं, उनको ही उसे छूने की अनुमति है। यही बात उलट भी लागू होती हैः महिलाओं को अपने परिवार के बाहर के पुरुषों को छूने की अनुमति नहीं है।

तालिबान के विदेश मंत्री की भारत यात्रा रद्द

पाकिस्तान ने आपत्ति जताई थी

काबुल, 6 सितंबर (एजेंसियां)। तालिबान के विदेश मंत्री आमिर खान मुत्तकी की इस महीने भारत आने की योजना रद्द हो गई। इसके पीछे की वजह है संयुक्त राष्ट्र (यूएन) के यात्रा प्रतिबंध, जिनमें छूट नहीं मिल सकी।

अगर यह यात्रा होती, तो 2021 में तालिबान के सत्ता में आने के बाद काबुल से किसी मंत्री की भारत की पहली यात्रा होती। संयुक्त राष्ट्र की 1988 प्रतिबंध समिति तालिबान नेताओं पर यात्रा प्रतिबंध, संपत्ति जब्ती और हथियारों पर रोक की निगरानी करती है।

इसका अध्यक्ष वर्तमान में पाकिस्तान है, पाकिस्तान ने मुत्तकी को छूट देने से इनकार किया। इस समिति में सुरक्षा परिषद के 15 सदस्य शामिल हैं, और अगर एक भी सदस्य आपत्ति जताए, तो छूट नहीं मिलती। पिछले महीने मुत्तकी की पाकिस्तान यात्रा भी अमेरिका की आपत्ति के कारण रद्द हुई थी। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, 'अफगानिस्तान के लोगों से हमारे पुराने रिश्ते हैं।

इमरान खान की बहन पर जेल के बाहर फेंके गए अंडे

पीटीआई ने बताया सुनियोजित हमला

इस्लामाबाद, 6 सितंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री और पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के संस्थापक इमरान खान की बहन अलीमा खान पर शुक्रवार को अदियाला जेल के बाहर मीडियाकर्मियों से बातचीत के दौरान दो महिलाओं ने अंडा फेंका। यह घटना तोशाखाना 2.0 मामले की सुनवाई के बाद हुई, जिसने इलाके में तनाव बढ़ा दिया।

रावलपिंडी पुलिस के मुताबिक, अंडा फेंकने वाली दोनों महिलाएं इमरान खान की पार्टी पीटीआई से जुड़ी थीं और खैबर पख्तूनख्वा से आई थीं। दोनों महिलाओं को हिरासत में ले लिया गया और अदियाला पुलिस चौकी ले जाया गया। घटना से पहले, मीडियाकर्मियों ने अलीमा खान से पत्रकार तायब बलोच पर कथित धमकियों और ऑनलाइन ट्रोलिंग को लेकर सवाल किए। तायब बलोच ने दावा किया था कि अलीमा से पत्रकार अम्मार

सोलांगी के एक सोशल मीडिया पोस्ट के बारे में सवाल पूछने के बाद, पीटीआई की सोशल मीडिया टीम ने उनके खिलाफ अभियान शुरू किया और उन्हें धमकियां मिलीं। अम्मार सोलांगी ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में अलीमा पर डोनेशन के पैसे से संपत्ति खरीदने का आरोप लगाया था।

मीडियाकर्मियों ने अलीमा खान से पूछा, 'आपने सवाल का जवाब नहीं दिया, उल्टा तायब बलोच को धमकाया गया। क्या सवाल पूछना अपराध है?

अलीमा ने तायब बलोच को धमकी देने से इनकार किया और घटना के बाद जल्दी ही कार में बैठकर वहां से चली गईं।

पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के चेयरमैन बैरिस्टर गोहर अली खान ने इमरान खान की बहन अलीमा पर हुए इस हमले की कड़ी निंदा की और इमरान खान के परिवार के लिए पुख्ता सुरक्षा की मांग की। उन्होंने कहा, 'कोई तनाव बढ़ाने के लिए पीटीआई संस्थापक के परिवार को निशाना बना रहा है। यह पहली बार है कि मामला शारीरिक हमले तक पहुंचा।'

पीटीआई ने दावा किया कि पुलिस ने हमलावरों को पकड़ने के बजाय उनकी मदद की और उन्हें भागने दिया। पार्टी ने हमलावरों की गाड़ी का नंबर नोट किया है और उनके खिलाफ तत्काल मामला दर्ज करने की मांग की है। पीटीआई की खैबर पख्तूनख्वा इकाई ने सोशल मीडिया पर लिखा, 'आज अलीमा खान में इमरान खान साहब की झलक और बहादुरी दिखी।'

बांग्लादेश को जलाकर तमाशा देख रहे यूनुस

जातीय पार्टी के मुख्यालय में लगाई गई आग, देश में हिंसा का नया दौर?

ढाका, 6 सितंबर (एजेंसियां)। मोहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार के नेतृत्व में बांग्लादेश में राजनीतिक हिंसा थमने का नाम नहीं ले रही है। अब बांग्लादेश की जातीय पार्टी के ढाका स्थित केंद्रीय कार्यालय में उपद्रवियों ने तोड़फोड़ की और आग लगा दी गई। दस दिन में ऐसा दूसरी बार हुआ। यह घटना शुक्रवार देर शाम हुई, जब एक अन्य राजनीतिक दल, 'गोनो अधिकार परिषद', के नेताओं ने राजधानी के शाहबाग में एक रैली आयोजित की और जापा पर प्रतिबंध लगाने की मांग की।

इस घटना की पुष्टि करते हुए, अग्निशमन सेवा और नागरिक सुरक्षा मुख्यालय के नियंत्रण कक्ष की ड्यूटी ऑफिसर रोजीना अख्तर ने कहा, हमें शाम लगभग 7:00 बजे सूचना मिली कि कुछ लोगों ने जातीय पार्टी कार्यालय पर ईंट-पत्थर फेंके और फिर उसे आग लगा दी। मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार के तहत बांग्लादेश में बढ़ती राजनीतिक हिंसा के बीच, एक सप्ताह के भीतर इस तरह का यह दूसरा हमला था।

बांग्लादेश के प्रमुख समाचार पत्र, ढाका ट्रिब्यून ने रमना पुलिस स्टेशन के सब-इंस्पेक्टर (एसआई) सज्जाद हुसैन के हवाले से कहा, अचानक, कुछ उपद्रवियों ने जातीय पार्टी कार्यालय पर हमला कर दिया। उन्होंने अंदर कुछ फर्नीचर तोड़ दिया और आग लगा दी।

जापा महासचिव शमीम हैदर पटवारी ने हमले की कड़ी निंदा की और कहा कि पार्टी इसके लिए गोनो अधिकार परिषद को जिम्मेदार मानती है।

गोनो अधिकार परिषद पर आरोप

उन्होंने कहा, सरकार को इस घटना की न्यायिक जांच करानी चाहिए। अगर दोषी पाया जाता है, तो गोनो अधिकार पार्टी का पंजीकरण रद्द कर दिया जाना चाहिए। पत्रकारों को संबोधित करते हुए, जापा प्रेसीडियम के सदस्य रेजाउल करीम ने गोनो अधिकार परिषद पर अप्रत्यक्ष रूप से निशाना साधते हुए कहा कि शाहबाग में रैली आयोजित करने वालों का ही इस हमले के पीछे हाथ है।

उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि अंतरिम सरकार सुरक्षा प्रदान करने और भीड़ के हमलों को रोकने में विफल रही है। उन्होंने कहा, जातीय पार्टी बांग्लादेश में थी और भविष्य में भी रहेगी। हालांकि, गोनो अधिकार परिषद ने इन आरोपों का खंडन किया है।

रिपोर्टों से पता चलता है कि इसी तरह के एक हमले में, जापा के केंद्रीय कार्यालय में 30 अगस्त को तोड़फोड़ की गई और आग लगा दी गई, जो ककरैल में उसके कार्यकर्ताओं और गोनो अधिकार परिषद के कार्यकर्ताओं के बीच हिंसक झड़पों के एक दिन बाद हुआ था। उस हमले के बाद, अवामी लीग ने जापा कार्यालय में तोड़फोड़, लूटपाट और आगजनी की कड़ी निंदा की।

यूनुस सरकार पर आरोप

इसने यह भी आरोप लगाया कि यह घटना यूनुस शासन के प्रत्यक्ष समर्थन से हुई, जिसके शासन में बांग्लादेश में भीड़-आतंकवाद बड़े पैमाने पर व्याप्त है। शेख हसीना के नेतृत्व वाली अवामी लीग की लोकतांत्रिक रूप से चुनी गई सरकार के सत्ता से हटने के बाद से, यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार के तहत बांग्लादेश हिंसा और अत्यधिक अराजकता की चपेट में है।

कनाडा में खालिस्तानी आतंकियों को फंडिंग

भारत विरोधी समूहों को पनाह पर ओटावा का बड़ा कबूलनामा

ओटावा, 6 सितंबर (एजेंसियां)। कनाडा में खालिस्तानियों की सक्रियता और उनको वित्तीय मदद पर बड़ा खुलासा हुआ है। कनाडा सरकार की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि देश में खालिस्तानी आतंकियों और उनके गुटों को फंडिंग हो रही है। कनाडाई सरकार ने पहली बार स्वीकार किया है कि बब्बर खालसा, इंटरनेशनल सिख यूथ फेडरेशन और सिख्स फॉर जस्टिस गुट उसकी धरती पर काम कर रहे हैं और वित्तीय मदद पा रहे हैं। यह रिपोर्ट इसलिए अहम है क्योंकि खालिस्तान का मुद्दा भारत और कनाडा के बीच तनातनी की वजह बना हुआ है।

कनाडा के वित्त विभाग के मनी लॉन्ड्रिंग और आतंकी फंडिंग से जुड़ी रिपोर्ट में खालिस्तानियों पर चिंता जताई गई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि खालिस्तानी समूहों पर कनाडा सहित कई देशों से धन जुटाने का संदेह है। रिपोर्ट में हमास और हिजबुल्लाह जैसे समूहों के बीच हिंसक उग्रवाद

(पीएमवीई) श्रेणी के तहत वित्तीय संबंधों का इशारा किया गया है। रिपोर्ट में कहा गया है, 'कनाडा में आपराधिक संहिता के तहत सूचीबद्ध हमास, हिजबुल्लाह, बब्बर खालसा इंटरनेशनल और इंटरनेशनल सिख यूथ फेडरेशन जैसे संगठन और पीएमवीई श्रेणी में आने वाले गुटों को कानून प्रवर्तन और खुफिया एजेंसियों ने कनाडा से वित्तीय सहायता प्राप्त करते हुए देखा है। ये समूह चैरिटेबल फंड का इस्तेमाल नशीली दवाओं की तस्करी में कर रहे हैं। रिपोर्ट में कनाडा को आतंकवाद के वित्तपोषण का केंद्र बताया गया है। साथ ही खालिस्तानी आतंकवादियों की ओर से गैर-लाभकारी क्षेत्र के दुरुपयोग और प्रवासियों से प्राप्त दान की ओर भी इशारा किया गया है। रिपोर्ट कहती है कि इन समूहों का पहले कनाडा में धन उगाहने का बड़ा नेटवर्क था। अब इनमें ऐसे व्यक्ति शामिल हैं, जो इस मुद्दे के प्रति निष्ठा रखते हैं ना कि किसी विशिष्ट समूह से संबंध रखते हैं।

रिपोर्ट में इन समूहों के लिए क्राउडफंडिंग, क्रिप्टोकरेंसी और दूसरी तरीकों से फंडिंग की पहचान की गई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि ये आतंकवादी समूह अपने काम के लिए विविध वित्तपोषण विधियों का उपयोग करते हैं। इनमें एमएसबी और बैंकिंग क्षेत्रों का दुरुपयोग, क्रिप्टोकरेंसी का उपयोग, स्टेट फंडिंग, चैरिटी, एनपीओ क्षेत्र का दुरुपयोग और आपराधिक गतिविधि शामिल हैं।

कनाडा से खालिस्तानियों के वीडियो और बयान लगातार आते रहे हैं। हालांकि इन पर कनाडा सरकार ने कोई ठोस कार्रवाई नहीं की है। कनाडा के पूर्व प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो पर खासतौर से खालिस्तानियों की गतिविधियों पर मूकदर्शक बने रहने का आरोप लगा। जस्टिन ट्रूडो के बाद पीएम बने मार्क कार्नी की ओर से भी अभी तक खालिस्तानियों पर सख्त रुख नहीं देखा गया है।

चीन को उकसा रहा अमेरिका?

ताइवान के नजदीक से गुजरे इन दो देशों के युद्धपोत

हांगकांग, 6 सितंबर (एजेंसियां)। बीजिंग में भव्य चीनी सैन्य परेड को देख अमेरिका परेशान है। इस कारण वह दक्षिण चीन सागर की शांति को भंग करने और चीन को उकसाने की कोशिश कर रहा है। इसके लिए अमेरिका ने अपने दो मित्र देशों के युद्धपोतों को ताइवान के करीब भेजा। गनीमत रही कि ये दोनों युद्धपोत शांतिपूर्वक विवादित क्षेत्र से गुजर गए और चीनी नौसेना से कोई मुठभेड़ नहीं हुई। हालांकि, चीनी नौसेना ने बयान जारी कर कहा है कि उन्होंने इन दोनों देशों के युद्धपोतों की गतिविधियों पर बारीकी से नजर बनाए रखी और उन्हें इलाके को छोड़कर जाने के लिए विवश कर दिया। दरअसल, चीनी सरकारी मीडिया ने बताया है कि कनाडा और ऑस्ट्रेलिया के दो युद्धपोत चीनी नौसेना की निगरानी में ताइवान जलडमरूमध्य से होकर गुजरे हैं।

ग्लोबल टाइम्स ने लिखा कि कनाडाई युद्धपोत विले डे क्यूबेक और ऑस्ट्रेलियाई गाइडेड मिसाइल विध्वंसक ब्रिस्बेन, वे दो जहाज थे जो कम्युनिस्ट चीन को ताइवान के लोकतांत्रिक द्वीप से अलग करने वाले जलमार्ग से गुजरे। पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) ने पूरी यात्रा के दौरान निगरानी बनाए रखी, और स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में रही। अमेरिकी नौसेना और कभी-कभी कनाडा, ब्रिटेन और फ्रांस जैसे सहयोगी देशों के जहाज, लगभग महीने में एक बार, इस जलडमरूमध्य से गुजरते हैं, जिसे वे एक अंतरराष्ट्रीय जलमार्ग मानते हैं।

थाईलैंड के पूर्व पीएम थाकसिन शिनवात्रा देश छोड़कर भागे

इलाज के बहाने दुबई गए, कोर्ट 9 सितंबर को सजा सुनाने वाली थी

बैंकॉक, 6 सितंबर (एजेंसियां)। थाईलैंड के पूर्व पीएम थाकसिन शिनवात्रा देश छोड़कर अपने प्राइवेट जेट से दुबई चले गए हैं। उन्होंने इसकी जानकारी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर दी। थाईलैंड की कोर्ट 9 सितंबर को थाकसिन के भ्रष्टाचार से जुड़े मामले में फैसला सुनाने वाली है।

थाकसिन ने X पर लिखा कि वे इलाज के लिए सिंगापुर जा रहे थे, लेकिन पायलट ने बताया कि जेट को वहां नहीं उतारा जा सकता है, इसलिए उन्हें दुबई जाना पड़ा। हालांकि, थाकसिन ने लिखा कि वह कोर्ट के फैसले के लिए 9 सितंबर को वापस लौटेंगे।

एक्सपर्ट्स का मानना है कि थाकसिन वापस नहीं आएंगे। 2006 में पद से हटाए जाने के बाद भ्रष्टाचार के आरोप में जब उन्हें 15 सालों की सजा हुई थी,

तब भी वे विदेश भाग गए थे।

क्यों भाग रहे हैं थाकसिन?

थाकसिन 2023 में जब थाईलैड लौटें तब कोर्ट ने पुराने भ्रष्टाचार के मामले में उन्हें फिर 8 सालों की सजा सुनाई। इस सजा को थाईलैंड के राजा ने घटाकर एक साल कर दिया।

थाकसिन पर आरोप है कि उन्होंने यह एक साल जेल में नहीं बल्कि पुलिस जनरल अस्पताल के एक कमरे में बिताया है। इसको लेकर सुप्रीम कोर्ट जांच कर रही है और 9 सितंबर को फैसला सुनाने वाली है।

थाकसिन शिनवात्रा ने थाईलैंड में फ्यू थाई पार्टी की स्थापना की। इस पार्टी ने दो दशक से सत्ता में अपना प्रभाव बनाए रखा। शिनवात्रा परिवार 2001 से 2006 तक, 2011 से 2014 और 2024 से 2025 तक शासन में रहा।

थाकसिन की बेटी पाइतोंग्तार्न शिनवात्रा भी थाईलैंड की पीएम रह चुकी हैं। जुलाई 2025 में पाइतोंग्तार्न की कंबोडिया के पूर्व नेता हुनसेन के साथ फोन पर हुई बातचीत लीक हो गई थी। जिस वक्त ये कॉल किया गया तब थाईलैंड और पड़ोसी देश कंबोडिया के बीच प्राचीन शिव मंदिरों को लेकर संघर्ष चल रहा था। पाइतोंग्तार्न ने कंबोडिया के नेता को 'अंकल' कहा था। ऐसे में विपक्षी पार्टी ने इसे मुद्दा बना लिया। पीएम पर कंबोडिया के सामने झुकने और सेना को कमजोर करने के आरोप लगे। इसके बाद पाइतोंग्तार्न को जुलाई 2025 में पद से हटा दिया गया।

इसके बाद थाईलैंड की संवैधानिक अदालत ने इस मामले में नैतिकता के उल्लंघन का हवाला देते हुए पाइतोंग्तार्न को 1 जुलाई को पद से बर्खास्त कर दिया।

थाकसिन शिनवात्रा के बाद उनकी बहन यिंगलक शिनवात्रा 2011 में थाईलैंड की पहली महिला पीएम बनी। उन्होंने बड़े पैमाने पर चावल खरीद सब्सिडी योजना चलाई, जिससे ग्रामीण वोटर खुश हुए लेकिन सरकारी खजाने पर भारी बोझ पड़ा।

ट्रंप ने माना रूस यूक्रेन युद्ध रोकने में रहे असफल

वॉशिंगटन, 6 सितंबर (एजेंसियां)। रूस और यूक्रेन के बीच तीन साल से ज्यादा समय से संघर्ष चल रहा है और अभी भी इसके थमने के फिलहाल कोई आसार नहीं है। कारण है कि पिछले दिनों इस संघर्ष को खत्म करने के सभी प्रयास विफल होते दिख रहे है।

ऐसे में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को पहली बार सार्वजनिक रूप से स्वीकार किया कि वह अपने एक बड़े चुनावी वादे को पूरा नहीं कर सके। ट्रंप ने माना कि वह रूस और यूक्रेन के बीच चल रहे युद्ध को रोकने में नाकाम रहे हैं, जिसे उन्होंने अपने कार्यकाल का सबसे कठिन संघर्ष बताया।

ट्रंप ने ये बात व्हाइट हाउस के नए नवीनीकरण के बाद आयोजित पहले आधिकारिक डिनर पर कही। इस दौरान ट्रंप ने ये भी दावा किया कि उन्होंने दुनिया के कई पुराने युद्धों को खत्म किया है, लेकिन रूस-यूक्रेन युद्ध को रोकना सबसे बड़ी चुनौती बन गया। इस डिनर में अमेरिकी कांग्रेस के सदस्य और अन्य वरिष्ठ मेहमान मौजूद थे।

चुनावी वादा 24 घंटे में युद्ध खत्म करने का दावा

बता दें कि ट्रंप ने अपने चुनाव प्रचार के दौरान दावा किया था कि वे सत्ता में आते ही 24 घंटे में रूस-यूक्रेन युद्ध खत्म कर देंगे, लेकिन अब तक कोई बड़ी सफलता नहीं मिली है।

अगस्त में हुई अलास्का शिखर बैठक को उन्होंने उत्पादक बताया, लेकिन कोई औपचारिक समझौता नहीं हुआ।

ईरान मिटा रहा 1979 की क्रांति में मारे गए लोगों की कब्रों के निशान

तेहरान के ऐतिहासिक कब्रिस्तान को पार्किंग में बदला

तेहरान, 6 सितंबर (एजेंसियां)। ईरान की राजधानी तेहरान के सबसे बड़े कब्रिस्तान को पार्किंग में बदला जा रहा है। बेहेश्त-ए-जहरा कब्रिस्तान का लॉट 41 पार्किंग स्थल बन रहा है। दूर से छोटे-छोटे पेड़ों का रेगिस्तान के टुकड़े जैसा नजर आने वाले इस कब्रिस्तान में ईरान की 1979 की इस्लामी क्रांति के बाद मारे गए हजारों लोगों की कब्रें हैं। प्लैनेट लैब्स पीबीसी की तस्वीरों में इस बदलाव को देखा गया है।

एपी की रिपोर्ट के मुताबिक, ईरानी अधिकारियों ने यहां दफनाए गए लोगों के बारे में विस्तार से बताए बिनापार्किंग बनाने के हालिया फैसले को स्वीकार किया है। इस जगह पर कोलंबे समय से कैमरों की निगरानी में रखा गया है। इस कब्रिस्तान में पहले भी सरकारों ने विध्वंस किया है। यहां कब्रों के चिह्नों को तोड़-फोड़ कर उलट दिया गया था।

कब्रों के निशान मिटाने की कोशिश

एम्स्टर्डम विश्वविद्यालय में प्रोफेसर और लॉट 41 पर शोध करने वाली शाहीन नासिरी का कहना है कि असंतुष्टों की कब्रों और समाधियों को अपवित्र किया गया।

अब इस हिस्से को पार्किंग स्थल में बदलने का निर्णय इस व्यापक पैटर्न में फिट बैठता है। इस जगह पर पार्किंग स्थल बनाने की योजना कब्रिस्तान को पूरी मिटाने की कोशिश है।

मंत्री ओम प्रकाश राजभर के बयान से उठी इस्तीफे की मांग, भाजपा पूर्व सांसद हरिनारायण राजभर का तीखा प्रहार जानिए

तेहरान के उप-महापौर दावूद गौदरजी ने कहा है कि इस जगह क्रांति के शुरुआती दिनों के 'पाखंडियों' को दफनाया गया। यह वर्षों से बिना बदले ऐसे ही पड़ा है। हमने अधिकारियों से इस जगह को पुनर्गठित करने का प्रस्ताव रखा। हमें एक पार्किंग स्थल की आवश्यकता थी। इसलिए इस जगह को तैयार करने का काम सटीक तरीके से चल रहा है।

सैटेलाइट इमेज से खुलासा

सैटेलाइट तस्वीरों से पता चलता है कि अगस्त की शुरुआत में कब्रिस्तान में पार्किंग बनाने का काम शुरू हो गया था। 18 अगस्त की एक तस्वीर में दिखा कि लॉट 41 का आधा हिस्सा बन चुका है। वहां ट्रक और डामर के ढेर देखे जा सकते हैं। इससे पता चलता है कि काम जारी है। आने वाले कुछ महीनों में पार्किंग बनाए जाने का काम पूरा हो सकता है।

ईरान के एक मुखर वकील मोहसेन बोरहानी ने कब्रिस्तान पर फर्श बिछाने के फैसले की सार्वजनिक रूप से आलोचना की है। उन्होंने कहा कि यह ना तो नैतिक है और ना ही कानूनी तौर पर ठीक है। यहां सिर्फ फांसी दिए गए और राजनीतिक लोगों की कब्रें ही नहीं है। आम लोगों को भी यहां दफनाया गया। इसका ध्यान रखा जाना चाहिए था।

लादेन को मारने वाला दस्ता गया था उत्तर कोरिया

डोनाल्ड ट्रंप ने दी थी मिशन को हरी झंडी, कौन था निशाने पर?

वॉशिंगटन, 6 सितंबर (एजेंसियां)। अमेरिकी फोर्स के विशेष दस्ते ने साल 2011 में अल कायदा प्रमुख ओसामा बिन लादेन को पाकिस्तान में घुसकर मार दिया था। ऑपरेशन चलाते हुए ओसामा बिन लादेन तक पहुंचा गया और उसको खत्म किया गया था। लादेन को खत्म करने वाली टीम के बारे में अब चौंकाने वाला दावा सामने आया है। दावे में कहा गया है कि डोनाल्ड ट्रंप ने पहले कार्यकाल के दौरान ओसामा बिन लादेन को मारने वाली टीम को उत्तर कोरिया में सीक्रेट मिशन पर भेजा था। हालांकि उत्तर कोरिया में यह टीम कामयाब नहीं हो सकी।

मिरर की रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिकी राष्ट्रपति ने छह साल पहले परमाणु वार्ता के दौरान

सुनने वाले टूल लगाने की योजना को हरी झंडी दी थी। उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन के बारे में अंदरूनी जानकारी हासिल करने के लिए इस मिशन को प्लान किया गया था। यह प्लान नाकाम हो गया क्योंकि सैनिकों ने नागरिकों की हत्या कर दी। हालांकि आधिकारिक तौर पर इस मिशन की जानकारी नहीं दी गई।

रिपोर्ट में दावा किया गया है कि सील्स ने महीनों तैयारी में बिताए। उन्हें चेतावनी दी गई थी कि छोटी सी चूक विनाशकारी साबित होगी। मिशन की योजना बनाते समय एक दूर दराज का स्थान चुना गया। यह सोचकर कि एक निर्जन क्षेत्र में वे बिना किसी की नजर पड़े रह सकते हैं। टीम ने अपने प्लान का आदर्श समय निर्धारित करने में महीनों बिताए।

रिपोर्ट में कहा गया है कि ऑपरेशन का लक्ष्य सरल था। इसमें आठ सील्स लक्ष्य की ओर गोता लगाते एक सुनने वाला यंत्र लगाते और बिना कोई निशान छोड़े वापस समुद्र में गायब हो जाते। जैसे ही टीम ने काले वेटसूट, नाइट-विजन गॉगल्स, हथियारों और गोला-बारूद से लैस होकर जमीन पर कदम रखा तो उन्हें पता चला कि कुछ गड़बड़ है। अमेरिकी दस्ते के एक्शन में आने के वक्त एक उत्तर कोरियाई नाव अचानक आ गई। उसके अगले हिस्से से टॉर्च की रोशनी पानी में तैर रही थी।

जब प्यार में नीतीश कुमार ने आधी रात दौड़ाई बाइक

साथ रहने के लिए दिल्ली में पत्नी की नौकरी लगवाई, विवाद हुआ तो लालू को लिखी चिट्ठी

पटना, 6 सितंबर (एक्सक्लूसिव डेस्क)। साल 1985। बिहार के मौजूदा सीएम नीतीश कुमार तब पहली बार विधायक बने। जब चुनाव जीतकर अपने घर बख्तियारपुर पहुंचे, तो उनका खूब स्वागत हुआ, लेकिन धूम-धाम के बीच नीतीश की आंखें पत्नी मंजू को ढूंढ रही थीं, जो उस समय अपने मायके सेवदह जा चुकी थीं।

बख्तियारपुर से सेवदह का रास्ता करीब 40 किमी था। बेचैन नीतीश ने आधी रात अपने एक साथी से कहा- मोटरसाइकिल निकालो, हम मंजू से मिलने जाएंगे। तड़के नीतीश को अपने दरवाजे पर देख मंजू की खुशी का ठिकाना नहीं रहा।

बख्तियारपुर में शुरुआती पढ़ाई के बाद नीतीश कुमार ने 1967 में पटना कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग में दाखिला लिया। बचपन से ही नीतीश पढ़ाई में तेज थे और संपन्न परिवार से आते थे, इसलिए परिवार उन्हें इंजीनियर बनाना चाहता था।

इंजीनियरिंग के आखिरी साल में ही परिवार वालों ने नीतीश का रिश्ता मंजू कुमारी सिन्हा से तय कर दिया। उस वक्त मंजू पटना के मगध महिला कॉलेज से सोशियोलॉजी की पढ़ाई कर रही थीं।

नीतीश के कॉलेज के दिनों के दोस्त उदय कांत की किताब 'नीतीश कुमारः अंतरंग दोस्तों की नजर से' में मंजू के पिता कृष्णनंदन बाबू बताते हैं, 'मेरे समाज की बात तो छोड़ दीजिए, उस समय पूरे बिहार की किसी भी जाति में, मंजू जैसी बुद्धिमती बेटी के लिए नीतीश जी से अच्छा लड़का मिल ही नहीं सकता था।'

नीतीश कुमार ने शादी के मंडप में पहली बार मंजू को देखा था

जब नीतीश और मंजू की शादी तय हुई तो दोनों पटना में ही पढ़ाई कर रहे थे। नीतीश कुमारः अंतरंग दोस्तों की नजर से में नीतीश के दोस्त कौशल बताते हैं, 'मंजू को तब तक हममें से किसी ने नहीं देखा था, पर इतना पता था कि वे पटना यूनिवर्सिटी में ही सोशियोलॉजी की पढ़ाई कर रही हैं। हम तीन बदमाश दोस्त, बिना किसी को बताए सोशियोलॉजी विभाग में उन्हें देखने पहुंच गए।'

जब यूनिवर्सिटी में नीतीश के दोस्तों ने मंजू को रोकने की कोशिश की तो वह बस मुस्कुराकर वहां से चली गईं। नीतीश के दोस्तों की हरकतों से वो समझ गईं कि वे लोग उन्हें ही देखने आए हैं, इसलिए वह शर्मा कर भागने लगीं। नीतीश के दोस्तों ने मंजू को पास कर दिया था और नीतीश इस बात से काफी खुश थे।

दोस्तों ने भले ही मंजू को देख लिया था, लेकिन नीतीश ने शादी के मंडप में ही पहली बार मंजू को देखा था।

नीतीश की शर्तें- दहेज नहीं लूंगा और मंजू की सहमति से होगी शादी

नीतीश की शादी परिवार वालों ने ही तय की थी। उन्होंने मंजू से मिले बिना ही विवाह के लिए अपनी सहमति भी दे दी थी। शादी के कार्ड बंट जाने के बाद नीतीश को पता चला कि तिलक में 22 हजार रुपए देने की बात तय हुई है। नीतीश ने बहुत पहले ही शादी में दहेज न लेने की कसम खाई थी और यह बात उनके परिवार को भी पता थी। ऐसे में जब उन्हें तिलक में पैसे लेने की बात पता चली तो वे काफी नाराज हुए। उन्होंने अपने और मंजू के परिवार से साफ कह दिया कि वे तिलक या दहेज के नाम पर कोई पैसे नहीं लेंगे।

साथ ही उन्होंने शादी के लिए दो शर्तें रख दीं। पहली- जैसे मंजू के बारे में उनसे सहमति ली गई, वैसे ही मंजू से भी उनके बारे में सहमति ली जाए। दूसरी- अगर मंजू को कोई समस्या न हो तो बिना किसी तामझाम के, पारंपरिक तरीके से बारात निकाले बिना और सिर्फ करीबियों की मौजूदगी में शादी करेंगे। मंजू को इसमें कोई आपत्ति नहीं थी। इसके बाद शादी के नए कार्ड छपवाए गए।

अपनी शादी के समय नीतीश कॉलेज में भी छात्र राजनीति के चलते काफी प्रचलित हो गए थे। उनकी शादी कॉलेज की यादगार शादियों में गिनी जाती है। उदय कांत अपनी किताब में लिखते हैं, 'मैं किराए की एम्बेसडर गाड़ी पर, सारे विश्वविद्यालय में घूम-घूमकर सभी को एक विद्रोही की शादी का आमंत्रण दे आया था।'

नीतीश चाहते थे कि शादी के बाद भी मंजू अपनी पढ़ाई जारी रखें। इसलिए कुछ दिन ससुराल में रहने के बाद वे पटना लौट आईं और जीडी हॉस्टल में रहते हुए अपनी पढ़ाई पूरी की। नीतीश अक्सर मंजू से कॉलेज या हॉस्टल

के बाहर मिलने जाते। कई बार रिक्शे पर उन्हें फिल्म दिखाने भी ले जाते।

'अंतरंग दोस्तों की नजर से' किताब के मुताबिक, 'नीतीश उन दिनों कई रोमांटिक गाने गुनगुनाते थे। जैसे- जो बात तुझमें है, तेरी तस्वीर में नहीं और हमने देखी है उन आंखों की महकती खुशबू।'

एक तरफ नीतीश दांपत्य जीवन में प्रवेश कर रहे थे, दूसरी तरफ बिहार में जेपी आंदोलन जोर पकड़ रहा था। नीतीश ने इंजीनियरिंग की पढ़ाई पूरी करने के बाद नौकरी करने से इनकार कर दिया था। वे राजनीति में आना चाहते थे। उनके पिता का भी इसमें समर्थन था।

इसी समय छात्र आंदोलन के दौरान नीतीश को जेल जाना पड़ा। मंजू अक्सर उनसे जेल में मिलने आतीं। उस समय की एक घटना याद करते हुए नीतीश बताते हैं, 'गया सेंट्रल जेल का सुपरिंटेंडेंट बड़ा सख्त था। वह सप्ताह में एक बार ही परिवार से मिलने देता। वह भी जाली के आर-पार से। मंजू मुझसे मिलने आती थी। मगर हमारे दुर्भाग्य से जाली भी इतनी घनी थी कि उससे छोटी उंगली तक न निकल सके।'

पत्नी की सैलरी से घर चलता, लगातार चुनाव हार रहे थे नीतीश

नीतीश की राजनीति में व्यस्तता और जेल आने-जाने के क्रम से मंजू परेशान थीं। अपने आप को व्यस्त रखने के लिए बीए करने के बाद मंजू ने बीएड और फिर एमए कर लिया।

नीतीश से शादी से पहले मंजू ने कभी पैसों का अभाव नहीं देखा था, लेकिन शादी के 12 सालों तक जब नीतीश ने कोई ढंग की नौकरी नहीं की और लगातार दो चुनाव भी हार गए, तो उनके लिए घर चलाना मुश्किल हो गया।

1982 में मंजू बिहार सरकार में शिक्षिका बन गईं। उनकी पहली नियुक्ति अपने मायके यानी सेवदह के हाईस्कूल में हुई। मंजू की नौकरी से परिवार चलाने की समस्या तो सुलझ गई, लेकिन नीतीश का परिवार दो हिस्सों में बंट गया।

मंजू और बेटा निशांत सेवदह में रहते और नीतीश कभी पटना तो कभी बख्तियारपुर। दोनों लंबे वक्त तक मिल नहीं पाते थे।

1985 के विधानसभा चुनाव में नीतीश ने फैसला कर लिया था कि यह आखिरी कोशिश होगी। अगर नहीं जीतते हैं, तो फिर कभी चुनाव नहीं लड़ेंगे।

किताब 'नीतीश कुमारः अंतरंग दोस्तों की नजर से' में दोस्त मीता बताते हैं, चुनाव लड़ने के लिए नीतीश के पास पैसे नहीं थे। तब मंजू भाभी ने अपनी ढाई साल की सेविंग्स उठाकर नीतीश को सौंप दी। उस वक्त ये 20 हजार रुपए नीतीश को डूबते के लिए तिनके का सहारा साबित हुए।

दो चुनावों में हार के बाद 1985 में नीतीश ने लोकदल की तरफ से हरनौत विधानसभा सीट पर जीत दर्ज की। चुनाव जीतने के बाद जब नीतीश बख्तियारपुर अपने घर पहुंचे तो खूब धूम-धाम से उनका स्वागत हुआ, लेकिन उनकी आंखें पत्नी मंजू को खोज रही थीं जो इस वक्त अपने मायके सेवदह में थीं।

पत्नी से मिलने को आतुर नीतीश रात में ही एक साथी के साथ मोटरसाइकिल पर सेवदह के लिए निकल गए। वह होली के एक दिन पहले की रात थी। हुड़दंग के डर से कई लोगों ने नीतीश को जाने से मना भी किया, लेकिन वे नहीं माने।

नीतीश के साथ सेवदह पहुंचे दोस्त मुन्ना सरकार के मुताबिक, भाभी जी रात से ही नेताजी की प्रतीक्षा कर रही थीं। जैसे ही नेताजी घर पहुंचे उन्हें देखकर भाभी जी पहले मुस्कुराईं, फिर अचानक शरमाती हुई हमारी आवभगत की तैयारी में लग गईं।

विधायक बनने के बाद नीतीश को पटना में रहने के लिए फ्लैट मिला। तब मंजू ने भी अपना ट्रांसफर पटना करा लिया। शादी के इतने सालों बाद नीतीश, मंजू और उनका बेटा निशांत साथ रहने लगे। नीतीश हर दिन व्यस्त होने के बावजूद खुद मंजू को स्कूल छोड़ने जाते।

पत्नी को दिल्ली में नौकरी दिलाने में गड़बड़ी के आरोप लगे

उदय कांत अपनी किताब 'नीतीश कुमार अंतरंग दोस्तों की नजर से' में लिखते हैं- '5 साल साथ रहने के बाद नीतीश और मंजू को फिर एक-दूसरे से दूर रहना पड़ा।

दरअसल, 1989 में नीतीश लोकसभा का चुनाव जीतकर दिल्ली पहुंच गए। मंजू ने भी बिहार सूचना केंद्र, नई दिल्ली में अपनी प्रतिनियुक्ति करवा ली।

यह खबर बिहार के अखबारों में छप गई और नीतीश पर पत्नी को दिल्ली बुलाने के लिए नियम तोड़ने के आरोप लगे। इन आरोपों से परेशान होकर नीतीश ने तत्कालीन मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव को पत्र लिखकर मंजू की प्रतिनियुक्ति रद्द करने की विनती की। मंजू फिर पटना लौट गईं। नीतीश को जब भी दिल्ली के काम से फुरसत मिलती, पत्नी और बेटे से मिलने पटना चले जाते। जब मंजू की छुट्टियां होतीं, वो बेटे को लेकर दिल्ली चली जातीं।

नीतीश के काम के चलते बार-बार घर बदलने और फिर से गृहस्थी जमाने से मंजू हमेशा परेशान रहती थीं। साल 2005 में नीतीश मुख्यमंत्री बने, लेकिन मुख्यमंत्री आवास चार महीने बाद मिला। तब तक मंजू अपने बेटे निशांत के साथ मायके में रहती थीं और नीतीश सरकारी इंतजाम वाले घर में अकेले रहते थे।'

2007 में जब मंजू को निमोनिया हुआ, तो नीतीश उन्हें दिल्ली के मैक्स अस्पताल इलाज के लिए ले गए। यहां पूरे समय नीतीश, मंजू के साथ ही रहते थे। अस्पताल में नीतीश अक्सर मंजू के पास बैठकर उनके साथ समय न बिता पाने का अफसोस करते। तब मंजू कहतीं कि मेरे रिटायरमेंट के बाद हम सभी साथ रहेंगे।

उस समय मंजू के रिटायरमेंट में पांच साल बाकी थे। वे 2012 में रिटायर होने वाली थीं, लेकिन रिटायरमेंट से पहले ही 14 मई, 2007 को मंजू ने इस दुनिया को अलविदा कह दिया। पत्रकार अरुण पांडे के मुताबिक, 'अपनी पत्नी की मौत पर नीतीश कुमार फूट-फूटकर रोए थे।'

बाद में नीतीश ने मंजू के नाम पर पटना के कंकड़बाग में मंजू कुमारी स्मृति पार्क और स्मारक बनवाया।

अब हर साल नीतीश अपनी पत्नी की पुण्यतिथि पर इस स्मारक पर जाते हैं और फूल चढ़ाते हैं।

इस बार बिहार विधानसभा चुनाव में नीतीश कुमार फिर एक बार मुख्यमंत्री की रेस में हैं। एनडीए उन्हें ही अपना नेता बता रही है। अगर नीतीश जीत जाते हैं, तो रिकॉर्ड 10वीं बार बिहार के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे।

डीएमएफ घोटाला, 4 करोड़ कैश, 10 किलो चांदी की ईंटें जब्त

ईडी ने 28 ठिकानों पर की थी छापेमारी, घोटाले से जुड़े दस्तावेज और डिजिटल डिवाइस मिले

रायपुर, 6 सितंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित डीएमएफ घोटाला केस में ईडी ने 4 करोड़ रुपए नकद और 10 किलो चांदी की ईंटें बरामद की हैं। इसके साथ ही कई संदिग्ध दस्तावेज और डिजिटल डिवाइस भी जब्त किए गए हैं। ईडी को इन दस्तावेजों में भ्रष्टाचार और अवैध लेन-देन से जुड़े कई अहम सबूत मिले हैं।

रायपुर जोनल ऑफिस की ईडी टीम ने 3 और 4 सितंबर को राज्यभर में 28 ठिकानों पर ताबड़तोड़ छापेमारी की थी। ईडी की अलग-अलग टीमें धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) 2002 के तहत रायपुर, दुर्ग, भिलाई और गरियाबंद में दबिश दी थी।

ईडी के मुताबिक 2 दिनों तक चली जांच में ठेकेदारों, वेंडर्स और लाइजनरों के दफ्तरों और आवासों को खंगाला गया। ये सभी आरोपी छत्तीसगढ़ राज्य बीज एवं कृषि विकास निगम लिमिटेड (बीज निगम) से जुड़े हुए हैं। ईडी के मुताबिक डीएमएफ घोटाले की परतें इन्हीं नेटवर्क के जरिए खुल रही हैं। ईडी के मुताबिक यह पूरी कार्रवाई एफआईआर के आधार पर शुरू की है, जिसे छत्तीसगढ़ पुलिस ने दर्ज की थी। इन एफआईआर में ठेकेदारों, वेंडर्स और सरकारी अधिकारियों पर आरोप लगाए गए थे। खनन प्रभावित इलाकों के लिए बनी डीएमएफ राशि का दुरुपयोग किया गया। साथ ही इसे घोटाले में बदल दिया गया।

जांच में सामने आया कि बीज निगम के जरिए डीएमएफ की करोड़ों की राशि खर्च दिखाकर हेरफेर किया गया। वेंडर्स और ठेकेदारों को कृषि उपकरण, पल्वराइज़र, मिनी दाल मिल और बीज सप्लाई करने के नाम पर ठेके दिए गए। इन ठेकों पर 40 से 60% तक कमीशन वसूला गया, जिसे लाइजनरों के जरिए अफसरों और नेताओं तक पहुंचाया जाता था। ईडी के मुताबिक सिर्फ इसी प्रक्रिया में करीब 350 करोड़ रुपए की डीएमएफ राशि के दुरुपयोग का अंदेशा है। इससे पहले ईडी 21.47 करोड़ रुपए की संपत्ति कुर्क कर चुकी है। विशेष पीएमएलए कोर्ट, रायपुर में दाखिल अभियोजन शिकायत में 16 आरोपियों को नामजद किया गया है। इस केस में अब तक निलंबित आइएएस अधिकारी रानू साहू, राज्य सेवा अधिकारी माया वॉरियर और मनोज कुमार द्विवेदी को गिरफ्तार किया जा चुका है।

दरअसल, ईडी 3 और 4 सितंबर को रायपुर में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीम ने 3 कृषि कारोबारियों के ठिकानों पर दबिश दी। शंकर नगर स्थित खाद कारोबारी विनय गर्ग के घर छापा पड़ा। फर्टिलाइजर से जुड़ा इनका कारोबार है। वहीं लॉ विस्टा कॉलोनी में दो कारोबारियों के घर जांच चली। कृषि उपकरण और पेस्टिसाइड्स सप्लायर पवन पोद्दार और सतपाल छाबड़ा के घर पर भी अफसरों ने दस्तावेज खंगाले। इसके अलावा दुर्ग-भिलाई और गरियाबंद में भी दबिश दी गई।

भिलाई-3 के वसुंधरा नगर और शांति नगर इलाकों में छापेमारी की गई। वसुंधरा नगर में अन्ना एग्रो टेक प्राइवेट लिमिटेड के दफ्तरों और ठिकानों पर छापेमारी की गई। यह कंपनी कृषि उपकरण सप्लाई करती है।

'ड्रग्स क्वीन' नव्या-विधि कोर्ट में पेश, चेहरा छिपाती दिखी

पाकिस्तानी-ड्रग्स केस में 5 तस्करों को जेल, कई रईसजादों को ड्रग्स सप्लाई, इनमें होटल कारोबारी-नेताओं के बेटे

रायपुर, 6 सितंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान से लाई गई हेरोइन और दिल्ली से मंगाई गई एमडीएमए जैसी खतरनाक ड्रग्स की सप्लाई करने वाली इंटीरियर डिजाइनर नव्या मलिक और विधि अग्रवाल को रायपुर कोर्ट में पेश किया गया। इसके साथ ही ड्रग्स सिंडिकेट से जुड़े ऋषि राज टंडन, मोनू बिश्नोई और हर्ष आहूजा को भी पेश किया गया। सभी को कोर्ट ने जेल भेज दिया है।

इस दौरान रायपुर पुलिस ने किसी भी आरोपी के खिलाफ रिमांड की मांग नहीं की। इससे लग रहा है कि अब तक की पूछताछ में पुलिस को पुख्ता सबूत हाथ लग गए हैं। ड्रग्स क्वीन नव्या और विधि को लेकर कोर्ट परिसर में बड़ी तादाद में सुरक्षा के इंतजाम किए गए थे। इस हाई-प्रोफाइल केस ने रायपुर समेत छत्तीसगढ़ में हलचल मचा दी है। जांच में पता चला कि करीब 850 रईसजादे

ड्रग्स नेटवर्क के संपर्क में थे, जिनमें होटल कारोबारियों और राजनेताओं के बेटों तक के नाम शामिल हैं। पुलिस अब इस नेटवर्क को बेनकाब करने की तैयारी में है। जल्द ही कई बड़ी गिरफ्तारियां हो सकती हैं। पाकिस्तानी ड्रग्स और दिल्ली के एमडीएमए ड्रग्स सप्लाई केस में 2 युवतियां भी शामिल थीं।

अब तक गिरफ्तार आरोपियों में पुलिस ने सबसे ज्यादा पूछताछ पंजाब निवासी लवजीत सिंह, रायपुर निवासी रुपिंदर उर्फ पिंदर सिंह उर्फ पाब्लो और रायपुर निवासी नव्या मलिक से की है। लवजीत और रुपिंदर से पुलिस को हेरोइन खरीदने वालों की और नव्या मलिक से एमडीएमए खरीदने वाले रसूखदारों की जानकारी मिली है। पुलिस ने इनकी जानकारी जुटा रही है। सभी से पूछताछ होगी और अवैध कारोबार में मदद करने वालों पर कार्रवाई की जाएगी। पाकिस्तान की हेरोइन ट्रकों के जरिए रायपुर भेजने वाले हिस्ट्रीशीटर पिंदर से पुलिस ने रिमांड में लेकर 25 घंटे पूछताछ की। कोर्ट में पेश कर मंगलवार को उसे जेल भेज दिया गया है।

पिंदर ने पुलिस की पूछताछ में ड्रग्स रायपुर में भेजने का तरीका बताया और उसके ग्राहकों की जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, पिंदर पाकिस्तान की ड्रग्स ड्रोन के माध्यम से बॉर्डर पार करवाता था, फिर उसके सिंडिकेट में काम करने वाले लड़के बॉर्डर इलाकों से ड्रग्स सिंडिकेट के ठिकानों तक पहुंचाते थे।

कांटा पहाड़ी में भीषण हादसा, 5 की मौत

धनबाद, 6 सितंबर (एजेंसियां)। बीसीसीएल के कतरास एरिया के कांटापहाड़ी में शुक्रवार को बड़ा हादसा हो गया। अंबे माइनिंग प्राइवेट लिमिटेड की आउटसोर्सिंग परियोजना के ओबी डंप में भू-स्खलन से 5 लोगों की मौत हो गई। चश्मदीदों ने कहा कि 5 शव निकाले जा चुके हैं।

हालांकि देर रात तक अस्पताल में 4 शव ही पहुंचे थे। इन मृतकों की पहचान स्वरूप गोप (28), अमन कुमार सिंह, (28), राहुल कुमार और चालक गया प्रसाद के रूप में हुई। अंधेरा घिरने पर रेस्क्यू रोक दिया गया। आज सुबह फिर से रेस्क्यू शुरू हो गया है।

कांटापहाड़ी का पूरा इलाका कोलियरियों का है। भूमिगत आग से प्रभावित है। आग और अवैध अवैध खनन से जगह-जगह जमीन अंदर से खोखली हो गई है। शुक्रवार को अवैध खनन के लिए 30-35 लोग एक चाल में घुसे थे। दिन के करीब 10:30 बजे अचानक चाल धंस गई। कई मजदूर फंस गए। उसके चंद मिनटों के बाद ही मुंडा धौड़ा में अचानक तेज आवाज के साथ जमीन धंस गई। आधा दर्जन घर जमींदोज हो गए। 7-8 महिला पुरुष भी दरारों में समा गए, लेकिन उन्हें आसपास मौजूद लोगों ने जीवित निकाल लिया।

शराब घोटाला, भूपेश के बेटे की रिमांड 15 सितंबर तक बढ़ी

2 महीने से जेल में है चैतन्य बघेल, 16 .70 करोड़ मनी लॉन्डिंग का आरोप

रायपुर, 6 सितंबर (एजेंसियां)। शराब घोटाला मामले में छत्तीसगढ़ के पूर्व सीएम भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य बघेल की रिमांड 15 सितंबर तक बढ़ गई है। 15 सितंबर को ईडी चैतन्य के खिलाफ चालान पेश कर सकती है। शनिवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पेशी हुई। बता दें कि, चैतन्य बघेल को ईडी ने पिछले 18 जुलाई को गिरफ्तार किया था। जिसके बाद वो 2 महीने से जेल में बंद हैं।

दरअसल, शराब घोटाला और मनी लॉन्ड्रिंग केस में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने चैतन्य बघेल को भी आरोपी बनाया है। आरोप है कि शराब घोटाले की रकम से चैतन्य को 16.70 करोड़ रुपए मिले हैं। ईडी के मुताबिक

शराब घोटाले से मिले ब्लैक मनी को रियल एस्टेट प्रोजेक्ट्स में इन्वेस्ट किया गया। ब्लैक मनी को वाइट करने के लिए फर्जी निवेश दिखाया गया है। साथ ही सिंडिकेट के साथ मिलकर 1000 करोड़ रुपए की हैंडलिंग (हेराफेरी) की गई है। ईडी ने अपनी जांच में पाया कि, चैतन्य बघेल के विट्ठल ग्रीन प्रोजेक्ट (बघेल डेवलपर्स) में घोटाले के पैसे को इन्वेस्ट किया गया है। इस प्रोजेक्ट से जुड़े अकाउंटेंट के ठिकानों पर छापेमारी कर ईडी ने रिकॉर्ड जब्त किए थे।

प्रोजेक्ट के कंसल्टेंट राजेन्द्र जैन ने बताया कि इस प्रोजेक्ट में वास्तविक खर्च 13-15 करोड़ था। जबकि रिकॉर्ड में 7.14 करोड़ ही दिखाया गया। जब्त डिजिटल डिवाइसेस से पता चला कि, बघेल की कंपनी ने एक ठेकेदार को 4.2 करोड़ कैश पेमेंट किया गया, जो रिकॉर्ड में नहीं दिखाया गया।

ईडी ने अपनी जांच में पाया है कि त्रिलोक सिंह ढिल्लो ने 19 फ्लैट खरीदने के लिए 5 करोड़ बघेल डेवलपर्स को ट्रांसफर किए। ढिल्लन ने ये फ्लैट अपने कर्मचारियों के नाम पर खरीदे लेकिन पेमेंट त्रिलोक ढिल्लो ने खुद दिया।

व्यवसायी के घर पर ताबड़तोड़ फायरिंग

गढ़वा, 6 सितंबर (एजेंसियां)। गढ़वा थाना क्षेत्र अंतर्गत नामधारी कॉलेज के पास शुक्रवार की देर शाम शहर में उस समय दहशत फैल गई, जब कुख्यात अपराधी रवि तिवारी ने व्यवसायी ओमप्रकाश गुप्ता के घर पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। बताया गया कि अपराधी ने करीब पांच राउंड गोलियां चलाईं और फिर मौके से फरार हो गया। घटना का पूरा दृश्य सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गया है।

इस गोलीबारी की घटना से व्यवसायी का परिवार सहम गया है। परिजनों ने बताया कि यह हमला पहली बार नहीं हुआ है। इससे पूर्व भी अपराधियों ने उनके घर पर हमला किया था और अब तक यह तीसरी बार है, जब उनके घर को निशाना बनाया गया। परिजन लगातार अपनी सुरक्षा को लेकर भयभीत हैं और पुलिस प्रशासन से कड़ी कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। फायरिंग की जानकारी मिलते ही गढ़वा थाना प्रभारी सुनील कुमार तिवारी पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और मामले की छानबीन शुरू की। पुलिस ने घर के आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज को खंगालना शुरू कर दिया है। थाना प्रभारी ने बताया कि एक कार में सवार होकर कुछ लोग मौके पर पहुंचे थे और फायरिंग की। इस दौरान अपराधी ने अपना नाम रवि तिवारी बताया।

उन्होंने कहा कि पुलिस सभी संभावित पहलुओं पर गंभीरता से जांच कर रही है।

78 किलो डोडा के साथ 5 तस्कर गिरफ्तार

बारियातू पुलिस ने दो वाहनों से बरामद किया 11.70 लाख का नशीला पदार्थ

लातेहार, 6 सितंबर (एजेंसियां)। लातेहार में पुलिस ने नशीले पदार्थों की तस्करी का एक बड़ा मामला पकड़ा है। बारियातू पुलिस ने पांच तस्करों को गिरफ्तार कर उनके पास से 11 लाख 70 हजार रुपए कीमत का 78 किलो डोडा बरामद किया है। एसपी कुमार गौरव को मिली गुप्त सूचना के आधार पर यह कार्रवाई की गई।

अंचलाधिकारी कोकिला कुमारी, बारियातू थाना प्रभारी रंजन कुमार पासवान के नेतृत्व में गठित टीम ने दो वाहनों की जांच की। बोलेरो और वेन्यू कार से 10 प्लास्टिक बोरों में भरा डोडा मिला। गिरफ्तार तस्करों में चतरा के मो. अबु तालिब, मोहन कुमार, कुमार राहुल सिंह, प्रमोद सिंह भोक्ता और उमेश साव उर्फ राकेश साव शामिल हैं। ये सभी हिसरी, मुक्की गांव के इंद्रदेव प्रजापति से डोडा खरीदकर चतरा ले जा रहे थे।

बालूमाथ एसडीपीओ विनोद रवानी ने बताया कि तस्करों के पास से बरामद डोडा का कोई वैध कागजात नहीं मिला।

प्रेमिका ने शादी से किया इनकार, प्रेमी ने की हत्या

शव नहर में फेंका, घटना के 19 दिन बाद आरोपी गिरफ्तार

पाकुड़, 6 सितंबर (एजेंसियां)। पाकुड़ जिले में एक प्रेम प्रसंग ने दर्दनाक मोड़ ले लिया। महेशपुर थाना क्षेत्र के बूधारपोखर गांव में एक युवती का शव मिलने के मामले में पुलिस ने हत्या के 19 दिन बाद आरोपी प्रेमी को गिरफ्तार कर लिया है।

एसपी निधि द्विवेदी ने बताया कि 2 सितंबर 2025 को बूधारपोखर गांव के एक कनाल के पास पानी में एक युवती का शव मिला। शव सड़ी हुई हालत में था और मस्तिष्क विहीन अवस्था में था। जांच में पता चला कि मृतका की पहचान ललिता मरांडी (20) के रूप में हुई, जिसके माता-पिता नरेश मरांडी और बसंती टुडू ने उसकी गुमशुदगी की सूचना थाने में दी थी। एसडीपीओ विजय कुमार के नेतृत्व में गठित टीम ने जांच की। टीम में महेशपुर थाना प्रभारी रवि शर्मा, पुलिस अवर निरीक्षक दीपक कुमार, अजय कुमार महतो और आरक्षी अभिजीत राय व प्रीतम देव शामिल थे।

पूछताछ में सामने आया कि ललिता का प्रेम प्रसंग गांव के ही विजय हेंब्रम से चल रहा था। ललिता ने विजय से शादी करने से मना कर दिया। इस पर विजय ने 18 अगस्त 2025 को जन्माष्टमी के दिन ललिता को बहाने से बुलाया और उसकी हत्या कर शव नहर में फेंक दिया।

पुलिस ने वैज्ञानिक तरीकों और मोबाइल कॉल डिटेल की मदद से मामले की जांच की। सभी साक्ष्यों के आधार पर आरोपी विजय हेंब्रम को उसके घर से गिरफ्तार कर लिया गया।

'जीएसटी सुधारों से किसानों की लागत घटेगी और उत्पादन बढ़ेगा', कृषि मंत्री शिवराज सिंह ने किया दावा

नई दिल्ली, 6 सितंबर (एजेंसियां)। जीएसटी सुधारों से केंद्र का लक्ष्य कृषि उत्पादन की लागत को कम करना और समग्र उत्पादन में वृद्धि करना है। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शनिवार को यह बयान दिया। उन्होंने कहा कि इससे किसानों को सीधे लाभ होगा। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) सरकार जीएसटी सुधारों के माध्यम से आम लोगों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए लगातार काम कर रही है।

जीएसटी परिषद ने हानिकारक वस्तुओं को छोड़कर सभी उत्पादों को 5 प्रतिशत और 18 प्रतिशत की दर के तहत लाने को हरी झंडी दे दी है। कई जरूरी वस्तुओं पर टैक्स शून्य करने का निर्णय लिया गया। ये बदलाव 22 सितंबर को नवरात्र के पहले दिन से लागू होंगे।

महिला स्वयं सहायता समूहों की भूमिका

उन्होंने ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में महिला स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) की भूमिका को भी रेखांकित किया। चौहान ने कहा कि महिला स्वंय सहायता समूह हस्तशिल्प, हस्तनिर्मित वस्तुओं, चमड़े के सामान, दूध और दूध से बने उत्पादों के क्षेत्र में बड़े पैमाने पर काम कर रहे हैं। इससे कई बहनें लखपति दीदी बन गई हैं।

जीएसटी सुधारों से बासमती चावल की मांग बढ़ेगी

इस बीच भारतीय चावल निर्यात महासंघ (आईआरईएफ) ने कहा कि जीएसटी सुधार से बढ़ी हुई मांग के कारण किसानों को मदद मिलेगी। आईआरईएफ के उपाध्यक्ष देव गर्ग ने कहा कि जीएसटी सुधार से भारतीय अर्थव्यवस्था के बारे में सकारात्मक धारणा बढ़ी है। आगामी सीजन में बासमती चावल और अन्य प्रीमियम गैर-बासमती चावल किस्मों की मांग बढ़ने की उम्मीद है, जो किसानों के लिए अच्छी खबर है।

जीएसटी रिफंड में बदलाव से निर्यातकों को होगा लाभ

उन्होंने आगे कहा कि अप्रत्यक्ष करों के पुनर्गठन से उपभोक्ता मांग में वृद्धि होगी, विशेष रूप से आधुनिक रिटेल और उच्च मूल्य वाली वस्तुओं में।

गर्ग ने यह भी बताया कि जीएसटी पंजीकरण की स्वीकृति अवधि अब घटाकर सिर्फ तीन दिन कर दी गई है। इससे नए कारोबारियों के लिए तेजी से व्यापार शुरू करना आसान होगा। उनके अनुसार सबसे अहम बदलाव यह है कि अब निर्यातकों को जीएसटी रिफंड का 90 प्रतिशत हिस्सा एक सप्ताह के भीतर मिल जाएगा। पहले इसमें करीब 60 दिन लग जाते थे, जिससे कारोबार की कार्यशील पूंजी अटक जाती थी। तेज रिफंड प्रणाली से न सिर्फ नकदी प्रवाह बेहतर होगा बल्कि निर्यातकों की प्रतिस्पर्धा और आत्मविश्वास भी बढ़ेगा।

20 साल पुराने विमानों को आयात करा सकेंगी एयरलाइंस डीजीसीए ने नियमों में संशोधन का रखा प्रस्ताव

नई दिल्ली, 6 सितंबर (एजेंसियां)।नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) विमानों के आयात संबंधी नियमों में बदलाव करने जा रहा है। इसके तहत अब एयरलाइंस को 20 साल पुराने विमानों के आयात की अनुमति होगी। वर्तमान में, 18 वर्ष तक पुराने विमानों को ही कुछ शर्तों के साथ देश में आयात करने की अनुमति है। डीजीसीए ने नागर विमानन प्रावधानों (सीएआर) में संशोधन का मसौदा जारी किया है।

आयु सीमा 18 से बढ़ाकर 20 वर्ष की

एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि इस संशोधन मसौदे में यात्री विमानों की अधिकतम आयु सीमा 18 से बढ़ाकर 20 वर्ष और कम ऊंचाई पर उड़ने वाले विमानों के लिए उम्र सीमा 20 वर्ष से बढ़ाकर 25 वर्ष करने का प्रस्ताव है।

मसौदे के मुताबिक, यात्री सेवाओं और सामान्य विमानन संचालन के लिए आयात किए जाने वाले दाबयुक्त विमान 20 वर्ष से अधिक पुराने नहीं होने चाहिए। साथ ही जरूरी है ऐसे विमानों के डिजाइन आर्थिक आयु का 65 प्रतिशत से अधिक उपयोग नहीं हुआ हो।

जहां तक प्रशिक्षण व निजी विमानों का सवाल है तो इनके आयात की अनुमति हरेक मामले को ध्यान में रखते हुए दी जाएगी। इसके लिए शर्त यह होगी कि उस विमान ने पिछले छह माह में कम से कम 50 घंटे उड़ान भरी हो। हालांकि 25 साल से अधिक पुराने विमानों का आयात नहीं किया जाएगा।

पट्टे पर लिए 800 से अधिक विमान परिचालन में

देश में वर्तमान में पट्टे पर लिए गए 800 से अधिक विमान परिचालन में हैं।

भारतीय एयरलाइंस अपने बेड़े का तेजी से विस्तार कर रही हैं और 1,400 से अधिक विमानों का ऑर्डर दिया गया है। वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान के कारण विमानों की आपूर्ति प्रभावित होने से एयरलाइंस अल्पकालिक पट्टे पर विमान ले रही हैं।

1,55,000 रुपये तक जाएगा सोना! रोज-रोज नए रेकॉर्ड बना रहा है सोना, क्यों आ रही है तेजी?

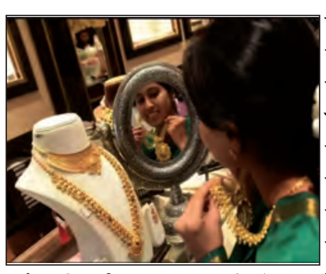

नई दिल्ली, 6 सितंबर (एजेंसियां)। सोने की कीमत में एक बार फिर भारी उछाल देखा जा रहा है। शुक्रवार को सोने की कीमत अंतरराष्ट्रीय बाजार में 3650 डॉलर प्रति ओंस तक पहुंच गई। इस साल इसकी कीमत में 40% तेजी आई है। अगर पिछले तीन साल का रेकॉर्ड देखें तो सोने की कीमत 109 फीसदी बढ़ चुकी है। एमसीएक्स पर 3 अक्तूबर की डिलीवरी वाला सोना शुक्रवार को 1,07,740 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर बंद हुआ। गोल्डमैन सैश के मुताबिक अगले साल तक सोने की कीमत 1,55,000 रुपये तक जा सकती है। आखिर क्यों आ रही है सोने की कीमत में तेजी...सोने को दुनिया का सबसे सुरक्षित निवेश माना जाता है और जब भी दुनिया पर कोई आफत आती है तो सोने की चमक बढ़ जाती है। महंगाई, अमेरिका की वित्तीय स्थिति, फेड रिजर्व की आजादी, डॉलर की कमजोर और भूराजनीतिक उथलपुथल के कारण एक बार फिर सोने की कीमत में तेजी आ रही है। भारत, तुर्की और चीन समेत दुनिया के कई देशों के सेंट्रल बैंक अपना गोल्ड रिजर्व बढ़ा रहे हैं। यह लगातार चौथा साल है जब ये बैंक 1000 टन सोना खरीदने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं।

क्यों चढ़ रहा है सोना

हाल में सोना यूरो को पछाड़कर दूसरे सबसे बड़ा ग्लोबल रिजर्व बना गया है। उसके आगे अब केवल डॉलर रह गया है। 1996 के बाद यह पहला मौका है जब सेंट्रल बैंक्स के भंडार में ट्रेजरी से ज्यादा सोना जमा है। दुनिया भर के केंद्रीय बैंकों के पास अभी 36,000 टन सोना है। कोरोना महामारी के बाद महंगाई बढ़ने और 2022 में यूक्रेन पर रूस के हमले के बाद सेंट्रल बैंक्स ने अपने रिजर्व में सोने की मात्रा बढ़ाई है। पिछले तीन साल में उन्होंने हर साल 1000 टन से ज्यादा सोना खरीदा है। उनके पास 4.5 ट्रिलयन डॉलर का सोना पड़ा है जबकि ट्रेजरीज की वैल्यू $3.5 ट्रिलियन डॉलर है। घरेलू बाजार में सोने और चांदी ने पिछले एक साल में निफ्टी और सेंसेक्स से कहीं ज्यादा रिटर्न दिया है। इस दौरान दोनों बेंचमार्क इंडेक्स ने करीब 3% का नेगेटिव रिटर्न दिया है। इन दोनों कीमती धातुओं ने एक साल में 45% से ज्यादा का रिटर्न देकर अपनी बढ़त को लगभग 50% तक पहुंचा दिया है। फेड द्वारा ब्याज दरें आसान करने की उम्मीदों, बढ़ते भू-राजनीतिक तनावों और अमेरिकी अर्थव्यवस्था को लेकर बढ़ती चिंताओं के बीच सोने और चांदी की कीमत में तेजी आई है।

दिल्ली में सोने-चांदी का भाव

इसके विपरीत अमेरिका-भारत के टैरिफ से संबंधित मुद्दे विदेशी फंडों द्वारा लगातार बिकवाली और रुपये की कमजोरी ने मिलकर घरेलू शेयर की कीमतों को नीचे खींचा है। इसका परिणाम यह है कि पिछले एक साल में सेंसेक्स और निफ्टी मुश्किल से परफॉर्म कर पाए हैं। जानकारों का कहना है कि सोने-चांदी में यह मौजूदा रैली के कुछ और महीनों तक जारी रहने की संभावना का संकेत देती हैं। स्टॉकिस्टों की ताजा लिवाली और मजबूत वैश्विक रुझानों के चलते शुक्रवार को राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में सोने की कीमत 900 रुपये बढ़कर रिकॉर्ड स्तर के करीब 1,06,970 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई। गुरुवार को 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत 1,000 रुपये फिसलकर 1,06,070 रुपये प्रति 10 ग्राम रही थी। कारोबारियों ने कहा कि फेडरल रिजर्व द्वारा 16-17 सितंबर को होने वाली मौद्रिक नीति समीक्षा बैठक में ब्याज दरों में कटौती का विकल्प चुनने की संभावना के बीच तेजी को गति मिल रही है। अखिल भारतीय सर्राफा संघ के अनुसार, 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना भी शुक्रवार को 900 रुपये बढ़कर 1,06,100 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी करों सहित) हो गया, जबकि पिछला बंद भाव 1,05,200 रुपये प्रति 10 ग्राम था। सर्राफा संघ के अनुसार, शुक्रवार को चांदी की कीमतें 1,25,600 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी करों सहित) पर स्थिर रहीं।

गौतम अडानी ने भूटान के साथ की बिग डील

पावर सेक्टर में खर्च होंगे 6,000 करोड़ रुपये

नई दिल्ली, 6 सितंबर (एजेंसियां)। गौतम अडानी की कंपनी अडनी पावर और भूटान की सरकारी कंपनी ड्रुक ग्रीन पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने मिलकर एक बड़ा कदम उठाया है. दोनों ने भूटान में 570 मेगावाट की वांगछू जल विद्युत परियोजना के लिए शेयरधारक समझौता साइन किया है. साथ ही, पावर परचेज एग्रीमेंट पर भी प्रारंभिक सहमति बन गई है. इसमें 6,000 करोड़ रुपये खर्च होंगे.

भूटान की रॉयल गवर्नमेंट के साथ इस प्रोजेक्ट के लिए कन्सेशन एग्रीमेंट भी साइन हुआ है. ये सारे एग्रीमेंट्स भूटान के पीएम दाशो शेरिंग तोबगे और अडानी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडानी की मौजूदगी में हुए. ये डील अडानी पावर और डीजीपीसी को बूट मॉडल मॉडल पर वांगछू जलविद्युत प्रोजेक्ट को शुरू करने का रास्ता साफ करती है.

खर्च होंगे करोड़ों रुपये

इस प्रोजेक्ट में रिन्यूएबल एनर्जी प्लांट और उससे जुड़े इन्फ्रास्ट्रक्चर के लिए करीब 60 अरब रुपये का इनवेस्टमेंट होगा. डिटेल्ड प्रोजेक्ट रिपोर्ट तैयार हो चुकी है और कंस्ट्रक्शन 2026 की पहली छमाही में शुरू होने की उम्मीद है. इसे 5 साल में पूरा करने का टारगेट है. अडानी पावर के सीईओ एसबी ख्यालिया ने कहा कि भूटान सस्टेनेबल डेवलपमेंट में ग्लोबल लीडर है. हम इस रिन्यूएबल एनर्जी प्रोजेक्ट के जरिए भूटान के नेचुरल रिसोर्सेज को डेवलप करने में हिस्सा लेने के लिए एक्साइटेड हैं. वांगछू प्रोजेक्ट भूटान की सर्दियों में बिजली की डिमांड को पूरा करेगा, जब हाइड्रोपावर प्रोडक्शन कम होता है. गर्मियों में ये भारत को पावर एक्सपोर्ट करेगा. डीजीपीसी के मैनेजिंग डायरेक्टर दाशो छेवांग रिनजिन ने कहा कि भूटान और भारत 1960 से हाइड्रोपावर में साथ काम कर रहे हैं. ये कोलैबोरेशन दोनों देशों के लिए फायदेमंद रहा है. भूटान 2040 तक 15,000 मेगावाट हाइड्रोपावर और 5,000 मेगावाट सोलर पावर की अतिरिक्त क्षमता डेवलप करना चाहता है. अडानी ग्रुप की टेक्निकल और फाइनेंशियल स्ट्रेंथ के साथ, ये प्रोजेक्ट तेजी से पूरा होगा और भविष्य की प्रोजेक्ट्स के लिए बेंचमार्क सेट करेगा. ये प्रोजेक्ट मई 2025 में अडानी ग्रुप और डीजीपीसी के बीच हुए एमओयू का हिस्सा है, जिसमें भूटान में 5,000 मेगावाट हाइड्रोपावर डेवलपमेंट का प्लान है. दोनों अब अगली प्रोजेक्ट्स के लिए डिस्कशन में जुटे हैं.

टैरिफ का असर: कमाई बढ़ने के बाद भी शहरी परिवारों ने टाली खरीदारी; त्योहारी सीजन में बढ़ने की उम्मीद

नई दिल्ली, 6 सितंबर (एजेंसियां)।भारतीय उत्पादों पर 50 फीसदी अमेरिकी टैरिफ लगाए जाने के बाद पैदा आर्थिक अनिश्चितता के कारण शहरी उपभोक्ताओं की भावनाओं में अगस्त, 2025 में गिरावट आई है। इसका असर यह हुआ कि कमाई बढ़ने के बाद भी शहरी इलाकों में रहने वाले परिवारों ने पिछले महीने खरीदारी टाल दी।अब जीएसटी 2.0 के 22 सितंबर, 2025 से लागू होने के बाद दैनिक इस्तेमाल के उत्पादों की कीमतों में कमी आने से त्योहारी सीजन में खरीदारी बढ़ने की उम्मीद है। इससे सितंबर और उसके बाद के महीनों में शहरी उपभोक्ताओं की भावनाओं में सुधार की उम्मीद है। सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकॉनमी (सीएमआईई) की रिपोर्ट के मुताबिक, शहरी परिवारों की भावनाएं प्रभावित होने के कारण उपभोक्ता अपेक्षा सूचकांक (आईसीई) अगस्त में 1.8 फीसदी घट गया। इसके साथ ही, पिछले दो महीनों (जून-जुलाई) की बनी बढ़त भी गायब हो गई। जून और जुलाई में उपभोक्ता अपेक्षा सूचकांक 4 फीसदी बढ़ा था। उपभोक्ता अपेक्षा सूचकांक अगले साल होने वाली कमाई को लेकर परिवारों की अपेक्षाओं को दर्शाता है। यह भी बताता है कि वे अगले साल और आगामी पांच वर्षों में देश की वित्तीय एवं व्यावसायिक स्थितियों के बारे क्या सोचते हैं।

अर्थव्यवस्था को लेकर बढ़ी चिंता

रिपोर्ट के मुताबिक, शहरी परिवार अमेरिका के साथ व्यापार जोखिम का अर्थव्यवस्था (वित्तीय एवं व्यावसायिक स्थिति) पर पड़ने वाले असर को लेकर चिंतित है। इससे निकट और दीर्घकालिक दोनों ही स्थितियों में कारोबार को लेकर परिवारों के आशावाद में अगस्त में 1.5 फीसदी की गिरावट आई है, जबकि निराशावादियों की संख्या करीब 2 फीसदी बढ़ गई है।

परिवारों को कमाई बढ़ने की उम्मीद

देश की व्यावसायिक और आर्थिक स्थितियों को लेकर चिंतित शहरी उपभोक्ताओं को अगले साल अपने परिवार की कमाई बढ़ने की उम्मीद है। इससे आर्थिक रूप से बेहतर स्थिति की उम्मीद रखने वाले परिवारों का अनुपात अगस्त में बढ़कर 43.6 फीसदी पहुंच गया, जो जुलाई में 43 फीसदी रहा था। ऐसे परिवारों का अनुपात जुलाई के 42.6 फीसदी से बढ़कर अगस्त में 42.9 फीसदी पर पहुंच गया, जो मानते हैं कि उनकी आर्थिक स्थिति एक साल पहले से बेहतर हुई है।

अच्छे समय में टली टीवी एसी और फ्रिज की खरीद

शहरी परिवारों में टीवी, फ्रिज, वॉशिंग मशीन और एयर कंडीशनर (एसी) जैसी उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुएं खरीदने की इच्छा में उल्लेखनीय गिरावट आई है। वह भी तब, जब ये परिवार उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुओं की खरीदारी के लिए इसे अच्छा समय मानते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुओं की खरीद टालने वाले शहरी परिवारों की हिस्सेदारी अगस्त में घटकर 35 फीसदी रह गई, जो जुलाई में 36.5 फीसदी थी। जीएसटी सुधार से एसी, टीवी व वाहन जैसे उत्पाद 10 फीसदी सस्ते हो जाएंगे।

इससे परिवारों का खरीद को लेकर नजरिया बदलेगा।

'सभी के लिए समान पहुंच', 20 श्रेणियों के उत्पादों पर लागू होंगे दिव्यांगजन सुलभता मानक

नई दिल्ली, 6 सितंबर (एजेंसियां)।सरकार ने दिव्यांग लोगों के लिए रोजमर्रा के उपयोग की वस्तुओं को सुलभ बनाने के लिए मसौदा मानक जारी किए। इन मानकों में सार्वभौमिक डिजाइन, ब्रेल, स्पर्शनीय विशेषताएं और स्पष्ट लेबलिंग जैसी अनिवार्य शर्तें शामिल की गई हैं, ताकि दिव्यांगजन इन उत्पादों तक बिना किसी बाधा के पहुंच बना सकें।

डीईपीडब्लूडी ने तैयार किया ढांचा

दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग ने यह ड्राफ्ट ढांचा तैयार किया है। इसे 2016 के दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम और सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के तहत लाया गया है। यह ढांचा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त 'पीओयूआर' दृष्टिकोण पर आधारित है। इसके तहत हर उत्पाद का अनुभव योग्य, संचालित करने योग्य, समझने योग्य और मजबूत एवं टिकाऊ होना जरूरी है।

उत्पादों को 20 प्रमुख श्रेणियों में रखा गया

इसमें कहा गया है कि हर उत्पाद का डिजाइन समान उपयोग, सरल और सहज संचालन, त्रुटियों को सहने योग्य, न्यूनतम शारीरिक प्रयास की मांग करने वाला और व्हीलचेयर या मोबिलिटी एड उपयोगकर्ताओं के लिए पर्याप्त जगह प्रदान करने वाला होना चाहिए। ड्राफ्ट में 20 प्रमुख श्रेणियों के उत्पादों के लिए नियम तय किए गए हैं। इनमें रसोई के बर्तन, पैकेज्ड खाद्य पदार्थ, ग्रूमिंग आइटम्स, एडैप्टिव कपड़े, फर्नीचर, बच्चों की देखभाल से जुड़ी चीजें, मेडिकल सप्लाई, लिफ्ट और सेल्फ-सर्विस कियोस्क जैसे उत्पाद शामिल हैं। मानकों में अब डिजिटल उत्पादों और स्मार्ट तकनीकों को भी शामिल किया गया है। इसमें कहा गया है कि सभी डिजिटल घटकों स्क्रीन रीडर, वॉयस कंट्रोल और वैकल्पिक इनपुट डिवाइस के साथ संगत होने चाहिए, ताकि अलग-अलग क्षमताओं वाले लोग आसानी से उनका उपयोग कर सकें।

विक्टोरिस कार तेलंगाना और आंध्र प्रदेश में लांच किया गया। जो ऑल-इन-वन एसयूवी का एक नया मॉडल है।

ट्रंप ने टैरिफ पर रिवाइज किया अपना फैसला, इन सामानों को दी छूट

नई दिल्ली,6 सितंबर(एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दुनिया भर के देशों पर लगाए गए टैरिफ में कुछ बदलाव किया है. उन्होंने कुछ सामानों को रेसिप्रोकल टैरिफ से बाहर कर दिया है मतबल कि अब कुछ चुनिंदा प्रोडक्ट्स पर ही ट्रंप का रेसिप्रोकल टैरिफ प्रभावी रहेगा. अमेरिकी व्हाइट हाउस ने 2 अप्रैल को लागू किए गए अपने रेसिप्रोकल टैरिफ में चेंज करते हुए कुछ वस्तुओं जिनमें सर्राफा से संबंधित वस्तुएं और कुछ महत्वपूर्ण खनिज एवं दवा उत्पाद शामिल हैं को टैरिफ से बाहर कर दिया है. इट हाउस ने बताया कि नए आदेश में एल्युमिनियम हाइड्रॉक्साइड, रेजिन और सिलिकॉन उत्पाद भी शामिल हैं, जिन पर पारस्परिक शुल्क लागू होंगे. शुक्रवार को जारी एक कार्यकारी आदेश में यह बदलाव किया गया है. ये बदलाव सोमवार से लागू होंगे.

इन पर भी नहीं लगेगा टैरिफ

शुक्रवार को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक खास आदेश जारी किया, जिसमें ग्रेफाइट, टंगस्टन, यूरेनियम, सोने के बुलियन और कई दूसरी धातुओं पर देश-आधारित टैरिफ हटा दिया गया. लेकिन सिलिकॉन प्रोडक्ट्स पर यह शुल्क लगा दिया गया है. स्यूडोएफेड्रिन, एंटीबायोटिक्स और कुछ दूसरी दवाइयां, जो

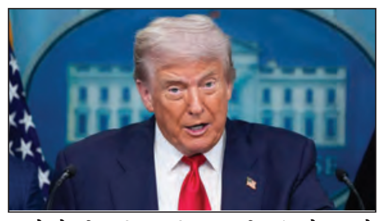

पहले से ही वाणिज्य विभाग की जांच के दायरे में थीं, उन्हें भी इस नए आदेश से राहत मिली है. सिलिकॉन प्रोडक्ट्स के अलावा, ट्रंप ने रेजिन और एल्युमीनियम हाइड्रॉक्साइड पर भी अपने टैरिफ बढ़ाने का फैसला किया है. ट्रंप के ये वैश्विक टैरिफ उनके उस बड़े प्लान का हिस्सा हैं, जिसमें वो व्यापार असंतुलन को ठीक करना चाहते हैं. उन्होंने इसे राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा बताया है. पिछले महीने कई देशों पर अलग-अलग टैरिफ बढ़ाने से पहले, ट्रंप ने कुछ देशों के साथ सौदे किए थे, जिसमें कम टैरिफ के बदले विदेशी निवेशक अमेरिकी सामान पर अपनी पाबंदियां हटाएंगे. ये टैरिफ और कुछ सौदे जल्दबाजी में कई महीनों में पास किए गए. इससे चिंता बढ़ी है कि ये जरूरी बाजारों को प्रभावित कर सकते हैं और उन चीजों की कीमत बढ़ा सकते हैं, जिन्हें अमेरिका में बनाया या प्राप्त नहीं किया जा सकता.

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

पश्चिम - पान खाकर घर से निकले

पूर्णिमा 23-38 तक उपरान्त प्रतिपदा

भाद्रपद शुक्ल ,रविवार 07 September

शतभिषा 21-41 तक उपरान्त पूर्वाभाद्रपद

सुकर्मा 09-22 तक धृति

विष्टी (भद्रा) 12-43 तक उप बव

पूर्णिमा व्रत पूर्णिमा श्राद्ध

सूतक, 15-57 से

चन्द्र ग्रहण रात्री 09-58 से

राहुकाल 16-51 से 18-24 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा 9247132654 9167555710

दिन का चौघड़िया	रात का चौघड़िया
उत्पात 06-06 - 07-37 अशुभ	शुभ। 18-23 - 19-51 शुभ
चंचल 07-37 - 09-09 शुभ	अमृत 19-51 - 21-19 शुभ
लाभ 09-09 - 10-41 शुभ	चंचल 21-19 - 22-46 शुभ
अमृत 10-41 - 12-14 शुभ	रोग 22-46 - 00-14 अशुभ
काल 12-14 - 13-46 अशुभ	काल 00-14 - 01-42 अशुभ
शुभ 13-46 - 15-19 शुभ	लाभ 01-42 - 03-09 शुभ
रोग 15-19 - 16-51 अशुभ	उत्पात 03-09 - 04-37 अशुभ
उत्पात 16-51 - 18-23 अशुभ	शुभ 04-37 - 06-06 शुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,)
आप कुछ समय से अपनी विलम्ब परियोजनाओं के लिए धन संचित कर रहे थे और अब अपनी योजनाओ के क्रियान्वयन का ये सही समय है । जब आप कुछ वस्तु खरीदने जायेंगे तो हो सकता है की आप कुछ बड़ी एवं सुव्यस्थित चीज को देखकर उसे खरीदने की सोचे परन्तु आपको अपने बजट के भीतर रहकर ही काम करना है।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,)
हालाँकि आप सावधान और व्यवस्थित है , पर किसी दूसरे के कार्यभार के लिए आप जवाबदेह होंगे । अपने और अपने काम के तरीको पर विश्वास रखे । एक बार में एक काम को सुव्यस्थित तरीके से करे और अगले सप्ताह तक आप चीजों को आकार में वापस पायेंगे ।

मिथुन (का, की, कू, घ, ङ, छ, के, को, ह,)
आप ने हमेशा अपना कार्य भकूबी के साथ किया है और आज आप अपने वरिष्ठ अधिकारियों का समर्थन और अनुमोदन भी जीतेंगे। आपकी ईमानदारी, रचनात्मकता और काम के प्रति समर्पण देखा जायेगा और आपको इसका पुरस्कार ,फल या उपहार भी मिलेगा । आज का दिन अपने कार्य से संबंधित प्रतिबद्धताओं का पूरा करने में व्यस्त रहेगा , लेकिन फिर भी आप खुश और ऊर्जावान महसूस करेंगे ।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,)
आपको अपने काम से प्यार है और आप अच्छा कार्य कर रहे हैं। हालांकि, विपरीत ग्रह आपके कार्यस्थल में अस्थायी गड़बड़ी का कारण बन सकते है। इन क्षणिक भावनाओं के आधार पर किसी भी आवेगी निर्णय लेने से बचे । आप अपने कार्यस्थल पर अपने गुस्से को काबू रखे और विचलित करने वाली स्थितियों को दरकिनार करे अन्यथा आप एक ऐसी नौकरी को त्याग सकते है।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)
आपका भाग्य आपके वित्तीय उपक्रम को पूरा समर्थन दे रहा है एवं आपकी नौकरी भी काफी अच्छी है परन्तु आपको अपने धन पर ध्यान रखने की जरुरत है जैसे की हम सब जानते है की पैसे पेड पर नहीं उगते है। आपके अपव्यय करने की आदत से आपको अपने निकट के व्यक्तियों से आलोचना सुननी पड़ती है ।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
आपकी रचनात्मकता काम पर चमकती है, जिससे आपको दूसरों से अलग दिखने में मदद मिलती है। नए विचार आपके दृष्टिकोण का मार्गदर्शन करते हैं, और स्पष्ट संचार आपकी प्रगति को बढ़ावा देता है। सहकर्मियों के साथ सहायक संबंध टीमवर्क को आसान बनाते हैं। अपने विचारों को खुलकर साझा करने से संबंध मजबूत होते हैं।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)
एक परिवर्तन आपके कार्य क्षेत्र में आने का संकेत दे रहा है। आप अपनी नौकरी बदल सकते हैं या अपने कार्यालय में एक से दूसरे विभाग में आपका स्थानांतरण हो सकता है । यह ऐसी स्थिति होगी जिसको आप पसंद करेंगे और इन संभावनाओ का आप लंबे समय से इंतजार भी कर रहे थे , इसलिए आप को इन अवसरों का पूरा लाभ उठाने की जरुरत है।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)
आपका करियर और पढ़ाई आत्मविश्वास और अंतर्दृष्टि से ऊर्जावान महसूस करते हैं। अंतर्ज्ञान आपको स्मार्ट विकल्प बनाने में मदद करता है, जबकि स्थिर योजना दीर्घकालिक लक्ष्यों का समर्थन करती है। सावधानीपूर्वक दृष्टिकोण वास्तविक प्रगति की ओर ले जाते हैं, और आपके प्रयासों का भुगतान होने की संभावना है।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)
जिन परियोजनाओं पर आप लम्बे समय से लग्न के साथ कार्य कर रहे थे , इस मोड़ पर आप उन्हें सार्वजनिक कर सकते है, और इस तरह से आप अपनी शैली में मंच पर आगे की और शान से रुख कर सकते है । आपके काम की विशिष्टता आपको सम्मान दिलाएगी जब यह सबके सामने आएगी , हालांकि गोपनीयता बना कर रखना समय की मांग है ।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)
आपकी रचनात्मकता और अंतर्ज्ञान मिलकर आपको अपने करियर में आगे बढ़ने में मदद करते हैं। तार्किक सोच आपके प्रयासों का समर्थन करती है, जिससे आपको निरंतर प्रगति और अच्छी पहचान मिलती है। लचीलापन आपको अप्रत्याशित बदलावों को अवसरों में बदलते हुए, तेज़ी से समायोजित करने में मदद करता है।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,)
हालाँकि की आज आप अपने सभी कार्यों को जल्द पूरा करने में बहुत ज्यादा सक्षम हैं लेकिन आप अपने में बेचैनी , असावधानी और सुस्ती महसूस करेंगे और नतीजतन अधिक समय होने के बावजूद आपका बकाया कार्य और जिम्मेदारियां बढ़ती हुई चली जाएंगी । एक दिन की छुट्टी लेना इस का उपाय है ताकि अगले दिन आप तरोताजा महसूस करे ।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)
आज आतिथ्य / परोपकारी गतिविधियों में काम कर रहे लोगों के लिए एक विशेष दिन है। आज आपके विद्रोही भी आपके सामने झुकेंगे । सफलता आपके पास आयेगी। आप किसी भी दबाव में या जल्दबाजी में कोई निर्णय न लें जिससे आपको कोई नुकसान हो ।अगर आप आय के अधिक स्रोतों को प्राप्त करने के लिए प्रयासरत है , तो आज आप भाग्यशाली हो सकते है ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

पितृ ऋण का निर्वहन और भारतीय परंपरा

सुरेश गांधी

"पितरों की छाया, हर पीढ़ी की सांसों में रची है, श्राद्ध की अर्पण धारा, आशीष बनकर बही है।" जी हां, भारतीय संस्कृति में 'ऋण' की अवधारणा अत्यंत गहन और दार्शनिक है। मनुष्य तीन प्रकार के ऋणों के साथ जन्म लेता है, देव ऋण, ऋषि ऋण और पितृ ऋण। देवताओं की पूजा से देव ऋण चुकता होता है, ज्ञानार्जन और आचरण से ऋषि ऋण निवृत्त होता है और पितरों की स्मृति, तर्पण, श्राद्ध और पिण्डदान से पितृ ऋण का निर्वहन संभव है। इन्हीं कारणों से भाद्रपद पूर्णिमा से लेकर आश्विन मास की अमावस्या तक का समय पितृ पक्ष या श्राद्ध पक्ष कहलाता है। यह कालखंड केवल धार्मिक अनुष्ठान का अवसर ही नहीं, बल्कि पारिवारिक कृतज्ञता, स्मृति और आत्मीयता का पर्व भी है। पितृ पक्ष का वर्णन महाभारत, गरुड़ पुराण, मनुस्मृति, मत्स्य पुराण और अग्नि पुराण तक में मिलता है। कहा गया है,

जो व्यक्ति अपने पितरों का श्राद्ध नहीं करता, उसके पुत्र-पौत्र भी कष्ट भोगते हैं और पितर कभी संतुष्ट नहीं होते। श्राद्ध संस्कृत शब्द है। पितरों के प्रति श्रद्धापूर्वक किए गए कर्म ही श्राद्ध कहलाते हैं। पितृ पक्ष केवल धार्मिक आस्था ही नहीं, बल्कि ज्योतिषीय दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण काल है। इस समय सूर्य कन्या राशि में और चंद्रमा पितृ लोक से संबद्ध नक्षत्रों से जुड़ा होता है। भाद्रपद पूर्णिमा से अमावस्या तक चंद्रमा क्रमशः क्षीण होता है। क्षयमान चंद्रमा को पितरों का प्रतीक माना गया है। ज्येष्ठा, मघा और मूल जैसे नक्षत्र विशेषकर पितृ तर्पण हेतु शुभ माने गए हैं। मघा नक्षत्र तो स्वयं पितृगणों का प्रतीक है। अष्टमी, नवमी और अमावस्या को श्राद्ध करना विशेष फलदायी है। महालय अमावस्या को समस्त पितरों के लिए सामूहिक श्राद्ध करने की परंपरा है। गरुड़ पुराण में कहा गया है कि यदि पितरों का श्राद्ध न किया जाए तो आत्माएं असंतुष्ट होकर वंशजों को दुःख देती हैं। महाभारत में भीष्म ने कहा कि "पितर ही हमारे अदृश्य संरक्षक हैं।" मनुस्मृति के अनुसार, पितरों की तृप्ति से देवताओं की कृपा मिलती है। पितृ पक्ष केवल धार्मिक कर्मकांड नहीं, बल्कि सामाजिक एकता और सांस्कृतिक निरंतरता का उत्सव भी है। यह हमें अपने पूर्वजों की स्मृति से जोड़ता है। परिवार में बुजुर्गों के महत्व को रेखांकित करता है। समाज में दान-पुण्य और सहानुभूति की परंपरा को मजबूत करता है। इसे पर्यावरणीय दृष्टि से भी महत्त्वपूर्ण माना गया है क्योंकि इस समय पीपल, तुलसी और जल संरक्षण का विशेष महत्व बताया गया है।

पितृ पक्ष की अनेक कथाएं :-

दानवीर का भूखा स्वर्ग

महाभारत में वर्णन है कि युद्ध के बाद जब कर्ण स्वर्ग पहुंचे, तो उन्हें केवल सोना और आभूषण मिले, अन्न का एक कण भी नहीं। उन्होंने पूछा, "यह क्यों?" यमराज का उत्तर था "पृथ्वी पर तुमने सबको सोना दिया, पर अपने पितरों के लिए कभी अन्न का श्राद्ध नहीं किया।" तब कर्ण को एक वर्ष के लिए पृथ्वी पर लौटकर श्राद्ध करने का अवसर मिला। यही कथा पितृ पक्ष की उत्पत्ति का आधार बनी।

यमराज और सूर्य कथा

पुराणों में वर्णन है कि जब सूर्यपुत्र यम को अपनी माता संज्ञा ने शाप दिया कि कोई भी स्त्री तुम्हारी पूजा नहीं करेगी, तो वे व्यथित होकर भगवान सूर्य के पास गए। तब सूर्य ने वरदान दिया कि भाद्रपद शुक्ल पूर्णिमा से अमावस्या तक यदि कोई अपने पितरों का श्राद्ध करेगा तो यमराज स्वयं उसके पितरों को तृप्त करेंगे और श्राद्धकर्ता को आयु, आरोग्य और संतान सुख का आशीर्वाद मिलेगा।

श्राद्ध पक्ष की तिथियां और महत्त्व

पितृ पक्ष 16 दिन का होता है। प्रत्येक तिथि किसी न किसी पितृ के लिए समर्पित मानी जाती है। प्रतिपदा से त्रयोदशी तक, जिनकी मृत्यु जिस तिथि को हुई हो, उसी दिन उनका श्राद्ध किया जाता है। चतुर्दशी - दुर्घटनाग्रस्त, असामयिक या अकाल मृत्यु को प्राप्त व्यक्तियों का श्राद्ध। अमावस्या (महालय) समस्त पितरों का सामूहिक श्राद्ध। महाभारत में भीष्म पितामह ने युधिष्ठिर को यही बताया था कि श्राद्ध अमावस्या को सर्वश्रेष्ठ होता है।

आरंभ : 7 सितम्बर 2025 (रविवार) पूर्णिमा श्राद्ध

समापन : 21 सितम्बर 2025 (रविवार) सर्वपितृ अमावस्या (महालय)

दिन-प्रतिदिन श्राद्ध तिथियां

7 सितम्बर : पूर्णिमा श्राद्ध
8 सितम्बर : प्रतिपदा
9 सितम्बर : द्वितीया
10 सितम्बर : तृतीया, चतुर्थी
11 सितम्बर : पंचमी (महा भरनी)
12 सितम्बर : षष्ठी
13 सितम्बर : सप्तमी
14 सितम्बर : अष्टमी
15 सितम्बर : नवमी
16 सितम्बर : दशमी
17 सितम्बर : एकादशी
18 सितम्बर : द्वादशी
19 सितम्बर : त्रयोदशी एवं मघा श्राद्ध
20 सितम्बर : चतुर्दशी (अकाल मृत्यु श्राद्ध)
21 सितम्बर : सर्वपितृ अमावस्या

श्राद्ध और तर्पण की विधि

श्राद्ध कर्म अत्यंत विधिपूर्वक किया जाता है। पवित्र स्थल जैसे नदी तट, पीपल वृक्ष के नीचे या अपने घर के आंगन में। कुश, तिल, जल, दूध, शहद, अक्षत, पका हुआ अन्न, पका फल। कुश की अंगूठी बनाकर दक्षिण दिशा की ओर मुख करके तिल और जल से तर्पण किया जाता है। चावल, जौ, तिल और घी मिलाकर पिण्ड बनाए जाते हैं और पितरों को अर्पित किए जाते हैं। श्राद्ध के उपरांत ब्राह्मणों और गरीबों को भोजन कराया जाता है। इसे ही पितरों को संतुष्ट करने का श्रेष्ठ माध्यम माना गया है।

पितृ दोष और ज्योतिषीय समाधान

ज्योतिष के अनुसार यदि कुंडली में पितृ दोष हो तो व्यक्ति को जीवन में बाधाएँ आती हैं। विवाह में विलंब, संतान सुख की कमी, आर्थिक हानिकृये लक्षण बताए गए हैं।

उपाय

पितृ पक्ष में श्राद्ध और तर्पण करना। पीपल वृक्ष की पूजा। गरीबों और गौ-संरक्षण हेतु दान। गीता, गरुड़ पुराण का पाठ।

वर्तमान परिप्रेक्ष्य में पितृ पक्ष

आज की भाग-दौड़ भरी जिंदगी में लोग अक्सर पितृ पक्ष को केवल एक औपचारिक कर्मकांड मानने लगे हैं। किंतु यह पर्व हमें यह स्मरण कराता है कि हमारी जड़ें कितनी गहरी हैं। पितरों का आशीर्वाद ही वंश की उन्नति और सुख-समृद्धि का आधार है। आधुनिकता में भी लोग घरों में सामूहिक श्राद्ध, ब्राह्मण भोजन और गौसेवा के रूप में इसे निभाते हैं। गया जी, बनारस, प्रयागराज, उज्जैन, हरिद्वार आदि स्थलों पर पितृ पक्ष के अवसर पर लाखों लोग पिण्डदान करते हैं। भारतीय साहित्य में पितृ पक्ष की छाप स्पष्ट दिखाई देती है। संस्कृत के कवि, हिंदी के भक्तिकालीन कवि और आधुनिक साहित्यकारकृ, सभी ने पितरों की स्मृति और आशीष को अपने लेखन में स्थान दिया है। तुलसीदास ने रामचरितमानस में माता-पिता और पूर्वजों के आशीर्वाद को सर्वोपरि बताया। मुंसी प्रेमचंद ने 'पितृ भक्ति' को भारतीय परिवार की रीढ़ कहा।

पितृ पक्ष का शाश्वत संदेश

पितृ पक्ष केवल 16 दिनों का अनुष्ठान नहीं, बल्कि जीवन दर्शन है। यह हमें सिखाता है, हम केवल अपने लिए नहीं, बल्कि अपने पितरों और आने वाली पीढ़ियों के लिए भी जी रहे हैं। कृतज्ञता और स्मरण ही हमारी संस्कृति की आत्मा है। जीवन क्षणभंगुर है, परंतु परंपराएं अमर हैं। अतः पितृ पक्ष हमें यह अवसर देता है कि हम अपने पूर्वजों को स्मरण करें, उनके प्रति अपनी श्रद्धा प्रकट करें और उनके आशीर्वाद से अपने जीवन को सार्थक बनाएं।

ग्रह-नक्षत्र और खगोलीय संगति

पितृ पक्ष केवल धार्मिक कर्मकांड नहीं, बल्कि खगोलीय ऊर्जा का विशेष समय है। सूर्य इस दौरान कन्या राशि में रहता है। चंद्रमा कृष्ण पक्ष में घटता हैकृजिसे पितृ लोक से जुड़ा माना गया है। मघा नक्षत्र तो स्वयं पितरों का प्रतीक है। इस पक्ष में कुतुप मुहूर्त (11:45 से 12:40) और रोहिणी मुहूर्त श्राद्ध के लिए अत्यंत शुभ हैं।

तर्पण

कुश की अंगूठी धारण कर दक्षिण दिशा की ओर मुख करके तिल, जल और अक्षत से तर्पण। "ॐ पितृभ्यः स्वधा नमः" मंत्र का जप करते हुए जल अर्पण।

पिण्डदान

चावल, जौ, तिल और घी से बने पिण्ड पितरों को अर्पित। यह केवल अन्नदान नहीं, बल्कि आत्मा से आत्मा का संवाद है।

ब्राह्मण भोजन और दान

ब्राह्मणों, निर्धनों और गौ को भोजन करानाकृयही पितरों की वास्तविक संतुष्टि का माध्यम है।

पवित्र स्थल

गया, वाराणसी, प्रयागराज, हरिद्वार जैसे तीर्थों पर पिण्डदान का विशेष महत्व है। विशेषकर गया के फल्गु तीर्थ पर पिण्डदान को मोक्षदायी माना गया है।

सांस्कृतिक और सामाजिक आयाम

पितृ पक्ष हमें परिवार और वंश की स्मृति से जोड़ता है। दान, सहानुभूति और सेवा की संस्कृति को पुनः जीवित करता है। यह पीढ़ियों को एक सूत्र में पिरोने वाला पर्व है।

दिवंगत पूर्वजों को श्रद्धा से स्मरण करने का नाम है श्राद्ध

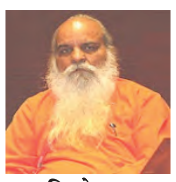

डा. विनोद बब्बर

आगामी 7 सितंबर से पितृपक्ष आरंभ हो रहे हैं। भारतीय संस्कृति अपने पूर्वजों को भी श्रद्धा से स्मरण करने की परंपरा है। भाद्रपद मास की समाप्ति और आश्विन मास के आरंभ अर्थात ऋतु संधि के अवसर पर सर्वश्रद्धया दत्तं श्राद्धम्‌ (जो कुछ श्रद्धा से किया जाए वह सब श्राद्ध) कहलाता है। श्रत नामक वृत्ति को धारण करने का नाम श्राद्ध कहलाता है। इसी श्राद्ध भाव से संबंध रखने के कारण आश्विन का कृष्णपक्ष श्राद्ध पक्ष कहलता है। इसमे परिजन अपने पुरखों को अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं। श्रद्धांजलि अर्पित करने की अनेक लोक प्रचलित पद्धतियां हो सकती है। दुनिया भर में अपने पूर्वजों की स्मृति को स्थायी बनाने के लिए कुछ करने का प्रचलन है। हमारे अपने देश के हर समाज में, हर वर्ग में पुरखों के नाम पर यज्ञ, तप, दान, स्वाध्याय आदि किया जाता है। यहां भूखों को भोजन कराने, जरूरतमंदों की मदद करने की प्रथा रही है। बेशक कालान्तर में कर्मकांड इतने हावी हो गये कि वह अपने उद्देश्य से इतर सक्रिय हो गई। सद्‌इच्छा पर दबाव हावी हो गया। अनेक बार तो ऐसा न कर पाने पर सामाजिक बहिष्कार तक की नौबत आने लगी जिससे श्राद्ध के प्रति धारणा बदलने लगी। अनेक मत, अंध विश्वास तो इसे कोरा कर्मकांड और पाखंड तक कहने लगे। इन तमाम विरोधाभासों के बीच मेरे जैसे व्यक्ति का मत है कि आज की भागम-भाग की जिन्दगी में हम स्वयं को भूल रहे हैं। न समय पर सोना, न समय पर जागना। अपने परिजनों संग कब भोजन किया था, यह भी याद नहीं। ऐसे में अपने पूर्वजों, अपने जनक -जननी,उनके साथ बिताये मधुरम पलों को स्मरण करने का समय किसके पास है।

पितृपक्ष को यदि कर्मकांड अथवा धार्मिक अनुष्ठान न भी माने तो भी अपने अतीत अर्थात अपने पूर्वजों को श्रद्धा से स्मरण करते हुए स्वयं परिवार सहित खीर-पूरी खाना अपराध नहीं हो सकता। अब यदि इसमें अपने मित्रों, के अतिरिक्त किसी जरूरतमंद को भी शामिल करते हैं तो उस पर्व का महत्व साकार होता है। किसी वृद्धाश्रम अथवा अनाथाश्रम में जाकर वहां रहने वालों की ज़रूरतें पूरी करना अथवा अपने अड़ोस पड़ोस के किसी मेधावी छात्र की मदद करते हुए श्राद्ध और श्रद्धा को वर्तमान संदर्भ में महसूस किया जा सकता है। केवल मनुष्य की नहीं, अपने परिवेश के जीवों- जंतुओं के प्रति अपनी जिम्मेवारी को समझने का संकल्प भी श्राद्ध और श्रद्धा को समझने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम होगा। अब यदि हम परम्परा की बात करें तो यह कहा जाता है कि अपने पुरखों के निमित्त कुछ करने से वह उस दिवंगत आत्मा को प्राप्त होता है। इस बात से किस इंकार होगा कि बिना किसी दबाव, मजबूरी के सहर्ष अपने पुरखों के नाम पर पुण्य कार्य करने वाले के मन को असीम शांति मिलती है। व्यक्ति स्वयं को कृतकार्य मानने लगता है।

पुराणों में श्राद्ध की व्याख्या है। वायु पुराण में आत्मज्ञानी सूत जी ऋषियों से कहते हैं- हे ऋषिवृंद ! परमेष्ठि ब्रह्मा ने पूर्वकाल में जिस प्रकार की आज्ञा दी है उसे तुम सुनो। ब्रह्माजी ने कहा हैः 'जो लोग मनुष्यलोक के पोषण की दृष्टि से श्राद्ध आदि करेंगे, उन्हें पितृगण सर्वदा पुष्टि एवं संतति देंगे।'

ब्रह्म पुराण के अनुसार श्रद्धा और विश्वासयुक्त किए हुए श्राद्ध में पिंडों पर गिरी हुई जल की नन्हीं-नन्ही बूंदो से पशु-पक्षियों की योनि में पड़े हुए पितरों को पोषण होता है। जिस कुल में जो बाल्यकाल में ही मृत्यु को प्राप्त हो गए हों, वे सम्मार्जन के जल से ही तृप्त हो जाते हैं।

भारतीय संस्कृति में जन-जन का यह अटूट विश्वास है कि मृत्यु के पश्चात जीवन समाप्त नहीं होता बल्कि जीवन को एक कड़ी के रूप में माना गया है जिसमें मृत्यु भी एक कड़ी है। प्रायः मृत व्यक्ति के संबंध में यह कामना की जाती है कि अगले जन्म में वह सुसंस्कारवान तथा ज्ञानवान बने। इस निमित जो कर्मकांड संपन्न किए जाते हैं, उसका लाभ जीवात्मा को श्रद्धा से किए गए क्रियाकर्मों के माध्यम से मिलता है, अतः मरणोत्तर संस्कार, श्राद्ध कर्म से उन्हें तर्पण किया जाता है ताकि वे आत्माएं प्रसन्न रहे व उन्हें शांति मिले। श्राद्ध भाद्रपद की पूर्णिमा से शुरू होकर अश्विनी के कृष्ण पक्ष में अमावस्या तक कुल 15 दिन की अवधि 'पितृ पक्ष' कहलाती है। इसी अवधि में पितरों के प्रति श्रद्धा के प्रतीक श्राद्धों का आयोजन घर-घर में होता है। श्राद्धों को लेकर एक पौराणिक घटना महाभारत काल से भी जुड़ी मानी गयी है जिसमें कहा गया है कि कर्ण प्रतिदिन स्वर्ण दान किया करते थे।

उन्हें मरणोपरांत स्वर्ग में रहने हेतु 'स्वर्ण महल' मिला जहां प्रत्येक वस्तु सोने की थी। कर्ण इससे परेशान हो उठे। जब इसका कारण भगवान से पूछा तो पता चला कि वह प्रतिदिन सवा मन सोना दान करते थे, अन्य वस्तुओं का नहीं। यह जानकर कर्ण को बड़ा संताप हुआ व वे ईश्वर से विनती कर पंद्रह दिन के लिए पृथ्वीलोक में पुनः आए और सभी वस्तुओं का दान किया और मनुष्यों को भोजन करवाया। कहा जाता है कि इस कथा की स्मृति में ही पितरों के प्रति श्राद्ध मनाए जाने लगे।

श्राद्ध के साथ मुख्य रूप से जुड़ी व्यक्ति की श्रद्धा और भावना ही है। इसलिए आज के दिन परिवार के व्यक्तियों से यह अपेक्षा की जाती है कि वे काम, क्रोध, लोभ, मोह व अहंकार से दूर रहकर पुनीत कार्य करेंगे। श्राद्ध कर्म में खर्च किए जाने वाला धन भी ईमानदारी से कमाई किया हुआ ही होना चाहिए। अपने पितरों को पवित्र मन से तर्पण करने हेतु वर्ष में दो दिन शुभ मान गए हैं। प्रथम मृत्यु तिथि पर व दूसरे श्राद्ध के अवसरों पर उसी तिथि पर जिस दिन वह देवलोक को गया है।

चंद्र ग्रहण का सूतक कितने बजे से शुरू होगा

साल के आखिरी चंद्र ग्रहण का सूतक 7 सितंबर की दोपहर 12 बजकर 19 मिनट से शुरू होगा और इसका समापन देर रात 1 बजकर 26 मिनट पर होगा। वहीं ग्रहण की शुरुआत रात 9 बजकर 58 मिनट से होगी। खण्डग्रास चंद्र ग्रहण की कुल अवधि 03 घण्टे 28 मिनट्स की होगी तो उपच्छाया चंद्र ग्रहण की अवधि 05 घण्टे 24 मिनट्स 37 सेकण्ड्स की होगी। ये समय नई दिल्ली के अनुसार है। चलिए जान लेते हैं बाकी शहरों में चंद्र ग्रहण का सूतक समय क्या रहेगा।

हैदराबाद में 7 सितंबर को दोपहर 12:14 से देर रात 01:26 तक

शहर का नाम चंद्र ग्रहण 2025 सूतक समय

नई दिल्ली 7 सितंबर 2025 को दोपहर 12:19 से देर रात 01:26 तक

मुंबई 7 सितंबर 2025 को दोपहर 12:36 से देर रात 01:26 तक

कोलकाता 7 सितंबर 2025 को सुबह 11:34 से देर रात 01:26 तक

नोएडा 7 सितंबर 2025 को दोपहर 12:19 से देर रात 01:26 तक

बेंगलुरु 7 सितंबर 2025 को दोपहर 12:17 से देर रात 01:26 तक

लखनऊ 7 सितंबर 2025 को दोपहर 12:04 से देर रात 01:26 तक

पटना 7 सितंबर 2025 को सुबह 11:47 से देर रात 01:26 तक

अहमदाबाद 7 सितंबर 2025 को दोपहर 12:37 से देर रात 01:26 तक

जयपुर 7 सितंबर 2025 को दोपहर 12:25 से देर रात 01:26 तक

पुणे 7 सितंबर 2025 को दोपहर 12:32 से देर रात 01:26 तक

कानपुर 7 सितंबर 2025 को दोपहर 12:06 से देर रात 01:26 तक

नागपुर 7 सितंबर 2025 को दोपहर 12:11 से देर रात 01:26 तक

चेन्नई 7 सितंबर 2025 को दोपहर 12:07 से देर रात 01:26 तक

हैदराबाद 7 सितंबर 2025 को दोपहर 12:14 से देर रात 01:26 तक

गाजियाबाद 7 सितंबर 2025 को दोपहर 12:18 से देर रात 01:26 तक

लुधियाना 7 सितंबर 2025 को दोपहर 12:24 से देर रात 01:26 तक

चंडीगढ़ 7 सितंबर 2025 को दोपहर 12:21 से देर रात 01:26 तक

जम्मू-कश्मीर 7 सितंबर 2025 को दोपहर 12:28 से देर रात 01:26 तक

वाराणसी 7 सितंबर 2025 को सुबह 11:56 से देर रात 01:26 तक

गुरुग्राम 7 सितंबर 2025 को दोपहर 12:20 से देर रात 01:26 तक

गोरखपुर 7 सितंबर 2025 को सुबह 11:54 से देर रात 01:26 तक

देहरादून 7 सितंबर 2025 को दोपहर 12:16 से देर रात 01:26 तक

कोटा 7 सितंबर 2025 को दोपहर 12:24 से देर रात 01:26 तक

बरेली 7 सितंबर 2025 को दोपहर 12:10 से देर रात 01:26 तक

उत्तर दिशा में टॉयलेट बनवाया है? नुकसान को कम करने के उपाय

हम सब जानते हैं कि घर या ऑफिस की हर दिशा का वास्तु में अपना अलग महत्व होता है, अगर सही जगह पर कमरे, किचन, टॉयलेट या पूजा घर बने हों तो जीवन में तरक्की और पॉजिटिविटी बनी रहती है, लेकिन अगर गलत दिशा में कोई भी हिस्सा बन जाए तो उसका असर हमारी ग्रोथ, कामयाबी और रिश्तों पर साफ दिखाई देता है. खासकर नॉर्थ यानी उत्तर दिशा को वास्तु में बहुत शुभ और खास माना गया है. यह दिशा क्लाइंट्स, ऑर्डर्स और काम से जुड़ी हुई है. ऐसे में अगर नॉर्थ दिशा में टॉयलेट बन जाए तो इसका असर सीधा आपके करियर और बिज़नेस पर पड़ सकता है. आइए जानते हैं कैसे नॉर्थ दिशा में टॉयलेट जीवन की प्रगति को रोक सकता है।

नॉर्थ दिशा का महत्व

वास्तु शास्त्र में नॉर्थ दिशा को धन और सफलता की दिशा कहा गया है. यह दिशा कारोबार बढ़ाने, नए अवसर मिलने और नौकरी में तरक्की दिलाने में मदद करती है. यही वजह है कि कई वास्तु एक्सपर्ट मानते हैं कि इस दिशा को हमेशा साफ-सुथरा और एक्टिव रखना चाहिए ताकि एनर्जी का सही फ्लो बना रहे।

नॉर्थ में टॉयलेट होने के नुकसान

अगर नॉर्थ दिशा में टॉयलेट बना हो तो इसका सीधा असर आपके कामकाज पर पड़ता है. टॉयलेट का काम डिस्पोजल यानी गंदगी और बेकार चीजों को बाहर करना होता है. ऐसे में जब टॉयलेट नॉर्थ दिशा में होता है, तो यह सिर्फ गंदगी ही नहीं, बल्कि मौके, क्लाइंट्स और काम से जुड़ी पॉजिटिविटी को भी बाहर धकेल देता है.

1. बिज़नेस करने वाले लोगों को ऑर्डर्स मिलने में दिक्कत होती है।
2. क्लाइंट्स का भरोसा टूट सकता है।
3. नौकरी करने वालों की जॉब छिन सकती है या करियर में ग्रोथ रुक सकती है।
4. धीरे-धीरे इंसान आर्थिक और मानसिक दोनों रूप से परेशान हो सकता है।

असल जिंदगी पर असर

कई बार लोग कहते हैं कि मेहनत करने के बावजूद उन्हें कामयाबी क्यों नहीं मिलती. ऑर्डर्स आते-आते रुक जाते हैं या अचानक जॉब में प्रॉब्लम आने लगती है. दरअसल, इसका कारण घर या ऑफिस का वास्तु भी हो सकता है. अगर नॉर्थ दिशा में टॉयलेट हो तो मेहनत का फल मिलने में रुकावट आ सकती है और इंसान बार-बार असफल महसूस करता है।

उपाय क्या हो सकते हैं?

अगर घर या ऑफिस में नॉर्थ दिशा में पहले से टॉयलेट बना हुआ है, तो उसे तुरंत बदल पाना हमेशा आसान नहीं होता, लेकिन कुछ आसान उपाय अपनाकर इसके नकारात्मक असर को कम किया जा सकता है।

1. टॉयलेट को हमेशा साफ रखें और वहां बदबू न होने दें.
2. टॉयलेट की दीवार पर हल्के नीले या हरे रंग का इस्तेमाल करें।
3. टॉयलेट के दरवाज़े पर वास्तु यंत्र या मिरर लगाएं ताकि पॉजिटिव एनर्जी बनी रहे।
4. वहां रोज़ाना नमक पानी से पोछा करें, इससे नेगेटिव एनर्जी कम होती है।

दो लोगों की तुलना करना बेवकूफी : शमिता शेट्टी

शमिता शैट्टी उन चुनिंदा सितारों में से है, जिन्होंने एक बार नहीं बल्कि दो बार रियलिटी शो 'बिग बॉस' में हिस्सा लिया। वह 2009 और 2021 में इसमें नजर आई लेकिन उसने बताया है कि इसका असर उसकी पर्सनैलिटी पर पड़ा और उसे थैरेपी लेनी पड़ी।

शमिता ने कहा, मैंटली और इमोशनली मेरे लिए यह बहुत मुश्किल था, कल्पना कीजिए, लगभग हर सुबह आप उठें और लोगों टूथपेस्ट जैसी छोटी और बेकार चीजों के लिए एक-दूसरे पर चिल्लाते हुए देखें। यह कोई अच्छा माहौल नहीं है । यह आपको मानसिक रूप से परेशान करता है ।

शमिता को अपनी बड़ी बहन शिल्पा शैट्टी जैसी लोकप्रियता नहीं मिली। उसकी तुलना बड़ी बहन से भी बहुत की जाती रही है। हाल ही में इस मुद्दे को लेकर भी शमिता खुलकर बोली। शमिता से पूछा गया कि वह कैसे बहन शिल्पा शैट्टी से होने वाली तुलना से निपटती है तो उसने कहा, "मेरी बहन बहुत सीधी-सादी हैं बिल्कुल गाय जैसी, वहीं मैं बचकानी हकरतें करने वाली लड़की हूं। अपने बारे में जानना, खुद को एक्सप्लोर करना आसान नहीं है। यह सब अनुभव से हासिल होता है। शुरूआत में कुछ चीजों का लेकर लगता है कि यह मेरे लिए अच्छा नहीं है या यह मेरे लिए सही नहीं है। एक उथल-पुथल मन में पैदा होती है । हमको पता ही नहीं होता कि क्या बनना चाहिए ?

शमिता के अनुसार वह बचपन में इसी उलझन में रही। अब ऐसी कंडीशन नहीं है। वह अपने दम पर आगे बढ़ी है, उसमें कॉन्फिडेंस है । वह जो बनना चाहती हैं, उसे लेकर बिल्कुल क्लीयर है, इसलिए अब तुलना किए जाने से कोई फर्क नहीं पड़ता ।

हर इंसान अलग होता है शमिता का मानना है कि दो लोगों की तुलना करना बेवकूफी है । वह कहती है, "हर पर्सनैलिटी अलग होती है। यह सिर्फ भाई-बहनों की बात नहीं है। एक ही घर में दो लोग बिल्कुल अपोजिट हो सकते हैं। शिल्पा और मेरे साथ भी यही है। हमारी अपनी-अपनी खूबियां हैं । हाल ही में शमिता और शिल्पा को कपिल कॉमेडी शो पर साथ देखा गया, जहां उन्होंने अपने बचपन से जुड़ी बातें साझा कीं। 2023 में शमिता एक फिल्म 'टेनेंट में नजर आई थी।

होंगी मजेदार और जरूरी बातें

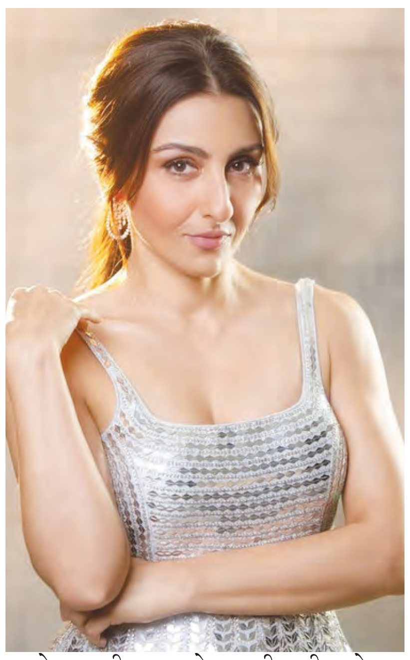

सोहा अली खान तो बातचीत भी मजेदार होती है और सोहा ने डिजिटल ऑडियंस के साथ जुड़ने के लिए पॉडकास्ट 'ऑल अबाऊट हर' शुरू किया है। उसने बताया कि कोविड के बाद से ही पॉडकास्ट का चलन कुछ ज्यादा ही हो गया है। ऐसे में वह एक ऐसा फॉर्मेट लेकर आई है, जो अब तक दर्शकों को देखने - सुनने को नहीं मिला है।

सोहा ने कहा, महिलाओं की वैलनेस को लेकर कोई बात नहीं कर रहा है और मैं इस पॉडकास्ट के जरिए इसी अंतर को भरने की कोशिश कर रही हूं। आमतौर पर पॉडकास्ट में या तो कोई सैलिब्रिटी होती है या कोई एक्सपर्ट लेकिन मेरे पॉडकास्ट का फॉर्मेट थोड़ा नया है । इसमें न केवल सैलिब्रिटी होंगे बल्कि एक्सपर्ट्स भी होंगे ।' सोहा ने कहा, जब कोई एक्सपर्ट होता है, तो बातचीत थोड़ी बोरिंग हो जाती है, जबकि सैलिब्रिटी के साथ बातचीत और मजेदार लगने लगती है, लेकिन उन बातचीत में कुछ सीखने को नहीं मिलता, लेकिन जब दोनों को एक साथ लाया जाए, सुनने वालों को कुछ काम की बातें भी मिलती हैं । यही इस पॉडकास्ट की खासियत है । इस पॉडकास्ट में अलग-अलग क्षेत्रों की जानी-मानी महिलाएं शामिल होंगी, जिनमें मलायका अरोड़ा, करीना कपूर खान, स्मृति ईरानी, राधिका गुप्ता, पत्रलेखा और सनी लियोन जैसे कई लोकप्रिय चेहरे नजर आएंगे, जबकि किरण कोएल्हो, डॉ. रंजना धनु और रुजुता दिवेकर जैसी विशेषज्ञों को भी इसमें देखा जा सकेगा, जो अलग-अलग मुद्दों पर अपनी राय देती दिखेंगी।

सोहा ने कहा, पिछले कुछ सालों में, मुझे एहसास हुआ है कि एक महिला के तौर पर हम कई बदलावों से गुजरती हैं, चाहे वह शारीरिक हो या फिर मानसिक, मातृत्व, काम और जिंदगी में संतुलन या बस खुद से प्यार करना सीखना हो, अक्सर उन्हें अनदेखा कर दिया जाता है। हमें मजबूत बनने के लिए कहा जाता है, लेकिन कमजोर नहीं, आगे बढ़ने के लिए कहा जाता है, लेकिन आवाज उठाने के लिए नहीं । 'ऑल अबाऊट हर' के साथ मैं इसे बदलना चाहती थी । मैं एक ऐसा माहौल बनाना चाहती थी, जहां कोई भी विषय वर्जित न हो, जहां बातचीत सहजता और ईमानदारी से हो।

मेरे लिए भी यह हैरानी की बात थी : योगिता बिहानी

फिल्म 'द केरल स्टोरी' से सबसे अधिक पहचान पाने वाली योगिता हाल ही में आर्यमन के साथ 'छोटी बातें' नामक एक म्यूजिक वीडियो में दिखाई दी थी। इसके बाद ही उनके रोमांस की अटकलें लगनी शुरू हुई थीं।

योगिता बिहानी को उस समय एक प्यारा-सा सरप्राइज मिला जब उसका ब्वॉयफ्रैंड आर्यमन सेठी (अर्चना पूरन सिंह और परमीत सेठी का बेटा) उससे मिलने हैदराबाद आया । अपने हालिया व्लॉग में आर्यमान ने उस पल को रिकॉर्ड किया जब उसने योगिता को अपनी प्रेमिका के रूप में पेश किया था ।

योगिता ने अपनी खुशी व्यक्त करते हुए कहा, हां, हम डेटिंग कर रहे हैं। मुझे उम्मीद नहीं थी कि यह बात इतनी जल्दी सबके सामने आ जाएगी। यह मेरे लिए भी हैरानी की बात थी, क्योंकि आर्यमन हमारी योजना से एक दिन पहले आ गए। उससे भी बड़ी बात यह कि मुझे यह भी नहीं पता था कि वह हमारे रिश्ते की घोषणा कर रहे हैं ।

ब्वॉयफ्रैंड आर्यमन

अचानक हुए इस खुलासे ने स्पष्ट रूप से योगिता को भी आश्चर्यचकित कर दिया, लेकिन उसकी आवाज में खुशी यह स्पष्ट करती है कि यह बात उसके लिए बहुत मायने रखती है । यह पूछे जाने पर कि उनका रिश्ता कब शुरू हुआ, योगिता कहती है कि वे अभी भी अपने रिश्ते में धीमी गति से आगे बढ़ रहे हैं ।

योगिता ने और कुछ अधिक न बताते हुए इस बात की पुष्टि की कि उनके बीच चीजें अच्छी चल रही हैं। उसने कहा, "हम शुरूआती चरण में हैं और दोनों एक साथ इस दौर का आनंद लेना चाहते हैं । फिल्म 'द केरल स्टोरी' में अपनी भूमिका से सबसे अधिक लोकप्रियता पाने वाली योगिता हाल ही में आर्यमन के साथ 'छोटी बातें' नामक एक म्यूजिक वीडियो में दिखाई थी। इसके बाद ही उनके एक-दूसरे के साथ रोमांस की अटकलें लगनी शुरू हुई थीं ।

'आरी व्लॉग्स' से मिल रही पहचान ! फिल्म 'विक्रम वेधा' में भी नजर आ चुकी योगिता का कहना है कि लोग उसे उसके अभिनय से नहीं, बल्कि उसके ब्वॉयफ्रैंड आर्यमान के ब्लॉग्स से पहचानते हैं।

अपने नवीनतम ब्लॉग में, आर्यमान उसको हवाई अड्डे पर रिसीव करता हुए दिखाई दे रहा है । योगिता ने बताया कि यात्रा के दौरान कैसे एक मां-बेटी की जोड़ी ने उसे बताया कि उन्होंने उसे ब्लॉग्स में देखा है ।

उसने कहा, " वहां एक मां-बेटी की जोड़ी थी । बेटी उत्सुकता से मुझसे पूछा, 'क्या आप योगिता हैं ?' मैंने कहा, 'हां... नमस्ते... ' फिर उन्होंने कहा, 'हमने आपको आरी व्लॉग्स में देखा था ।' उसकी मां ने भी कहा, 'यह वही लड़की है, है न?' फिर उन्होंने मेरे साथ तस्वीरें क्लिक कीं। उन्होंने मुझसे कहा, 'तुम दोनों प्लीज व्लॉग्स बनाते रहो, तुम दोनों साथ में बहुत अच्छे लगते हो ।' मैंने उनसे यह भी कहा, 'दरअसल, आरी यहां आने वाला था, लेकिन मेरी फ्लाइट जल्दी आ जाने की वजह से वह अभी तक नहीं आया है।' वे उसे न देख पाने के कारण निराश लग रही थीं।

उसने आगे कहा, इस घटना के दस मिनट बाद, मुझे एहसास हुआ कि यह पहली बार है जब किसी ने मुझे देखा और पहचाना है । वह भी आरी ब्लॉग्स में मेरी उपस्थिति के लिए। मैं इतने लंबे समय से एक अभिनेत्री के रूप में काम कर रही हूं, लेकिन किसी ने मुझे इसके लिए कभी नहीं पहचाना। साथ योगिता थोड़ी चिंतित होने के बावजूद, उसने हंसते हुए कहा, "एक्टिंग से कोई नहीं पहचान रहा मुझे, व्लॉगिंग से पहचान रहे हैं सब लोग ।

अब तक का करियर

बता दें कि योगिता ने 2018 में करण कुंद्रा के साथ टैलीविजन शो 'दिल ही तो है' से अपने अभिनय करियर की शुरूआत की थी।

2020 में, उसने अनिल कपूर, अनुराग कश्यप और हर्षवर्धन कपूर अभिनीत फिल्म 'एके बनाम एके' से फिल्मी दुनिया में कदम रखे थे। इसके बाद वह ऋतिक रोशन और सैफ अली खान अभिनीत फिल्म 'विक्रम वेधा' में दिखाई दी और फिर उसने सुदीप्तो सेन की फिल्म 'द केरल स्टोरी' में अपने अभिनय के लिए प्रशंसा प्राप्त की ।

'द केरल स्टोरी', जिसमें अदा शर्मा, सोनिया बलानी और सिद्धि इदनानी भी थीं, केरल की महिलाओं के एक समूह पर आधारित थी जिन्हें इस्लामिक स्टेट द्वारा कट्टरपंथी बनाया जाता है और भर्ती किया जाता है। इसके सच्ची घटनाओं से प्रेरित होने का दावा किया गया था। इस पर विवाद भी काफी हुआ था।

केरल सरकार न इस ने दावे को

खारिज कर दिया था और फिल्म पर गलत सूचना फैलाने का आरोप लगाया था । कई सारे विवादों का सामना करने के बावजूद, इस फिल्म ने हाल ही में दो राष्ट्रीय पुरस्कार - सर्वश्रेष्ठ निर्देशक (सुदीप्तो सेन) और सर्वश्रेष्ठ छायांकन (प्रशांतनु महापात्रा) - जीते हैं ।

जितना चाहा, उससे अधिक प्यार मिला : कुब्रा सैत

बेंगलुरु में जन्मीं और पली-बढ़ी कुब्रा सैत आज किसी परिचय का मोहताज नहीं हैं, लेकिन अभिनय की खातिर माइक्रोसॉफ्ट की अच्छी-खासी नौकरी को छोड़ मुंबई आकर ऑडिशन देने वाली कुब्रा की किस्मत ने तब पलटा खाया जब उन्होंने वैब सीरीज 'सैक्रेड गेम्स' में ट्रांसजेंडर का बोल्ड किरदार निभाया।

इसके बाद 'सुल्तान', 'रैडी', 'गली ब्वॉय' जैसी फिल्मों में अपना जलवा बिखेर चुकीं ब्रा हाल ही में फिल्म 'सन ऑफ सरदार 2' में नजर आई हैं।

की खासियत है कि इसे अशनीर ग्रोवर होस्ट कर रहे हैं । वही अशनीर जिनकी बेबाक शैली और दमदार अंदाज ने उन्हें बड़े पैमाने पर लोकप्रिय बनाया। शो में कुब्रा के साथ टी.वी. स्टार अर्जुन बिजलानी, डांसर - क्रिएटर धनश्री वर्मा और कॉमेडियन किकू शारदा नजर आएंगे। दिलचस्प है कि कुब्रा इस रियलिटी शो के तुरंत बाद अपने गंभीर एक्टिंग अवतार के साथ वापसी करेंगी। 'द ट्रायल सीजन 2' के बाद वह डेविड धवन की फिल्म ' है जवानी तो इश्क होना है' का भी हिस्सा होंगी।

यानी साफ है कि फिल्मों से लेकर डिजिटल मंच और अब रियलिटी शो तक- कुब्रा सैत इस साल हर शैली में अपनी मौजूदगी दर्ज कराने के लिए तैयार हैं।

वैसे साल 2025 कुब्रा के लिए बेहद खास साबित हो रहा है। साल की शुरूआत उन्होंने शाहिद कपूर संग फिल्म 'देवा' से की, फिर अजय देवगन के साथ 'सन ऑफ सरदार 2' में दिखाई दीं। वहीं अब काजोल के साथ कोर्टरूम ड्रामा 'द ट्रायल सीजन 2' में भी नजर आने वाली हैं लेकिन सबसे ताजा और रोमांचक जानकारी है कि कुब्रा अब - मैं उस वक्त मुंबई में नई थी और कड़ा संघर्ष कर रही थी। मेरा कोई फिल्मी कनैक्शन नहीं था और न ही एंड कोई गॉडफादर । अनुराग कश्यप के ऑफिस से ऑडिशन के लिए फोन आया और मुझे बताया गया कि ' 'कुकू ' के ट्रांसजैंडर किरदार को निभाने में अगर मुझे कोई आपत्ति न हो तो मैं इसके लिए ऑडिशन दे सकती हूं। सबसे पहले मैंने अपने माता-पिता को बेंगलुरू फोन मिलाया और उनसे कहा कि मैंने दुबई में अपनी माइक्रोसॉफ्ट की जॉब इसलिए छोड़ी, ताकि मैं अपने अभिनय के सपने को जी सकूं। मैं इस ट्रांसजैंडर के किरदार को निभाना चाहती हूं। उम्मीद है कि आप दोनों को भी एतराज न होगा। खैर, 'सैक्रेड गेम्स' ने मेरी किस्मत ही पलट दी और मुझे 'कुकू' के किरदार को निभाने का कोई पछतावा नहीं है।

मैं अभी उस मकाम पर नहीं पहुंची हूं, जहां मुझे घर बैठे रोल मिले या मुझे दिमाग में रखकर किरदार लिखा जाए। 'सन ऑफ सरदार 2' एक कॉमेडी फिल्म है और इस फिल्म के लिए मैंने ऑडिशन दिया। फिल्म के निर्देशक विजय अरोड़ा ने मुझे 'महविश' के रोल के लिए सिलैक्ट किया।

मैंने मॉडलिंग के साथ ही टी.वी. होस्ट का भी काम किया । वैब शो के साथ ही फिल्म करने का भी मुझे मौका मिल रहा है। जितना चाहा उससे कहीं ज्यादा मुझे मिला है । हालांकि, यह सच है कि मेरी जर्नी आसान नहीं रही। निराशा के पल आए, लेकिन रोशनी भी नजर आई। मैं उन खुशकिस्मतों में से एक हूं, जिसने लॉकडाऊन के दौर में भी काम किया, जब लोग घर बैठे थे । मेरा मानना है कि लाइफ में स्पीड ब्रेकर्स तो आते ही हैं। -

मुझे अब तक पता नहीं था अपनी ताकत का : हंसिका मोटवानी

15 साल की उम्र में हंसिका मोटवानी को हीरोइन बतौर पहली फिल्म मिली थी। हंसिका तमिल, तेलुगु, कन्नड़, हिंदी और मलयालम जैसी कई भाषाओं में काम कर चुकी है। एक चुलबुली टीनएजर से लेकर गहरे किरदार निभाने तक, हंसिका का सफर काफी असरदार रहा है। कई इंडस्ट्रीज में आसानी से काम कर लेने की काबिलियत के दम पर उसका लंबा-चौड़ा फैन बेस तैयार हो गया लेकिन हंसिका इन दिनों अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर चर्चा में है।

ऐसी खबरें हैं कि वह पति सोहेल

कथूरिया से तलाक ले सकती है। इसी बीच हंसिका सोशल मीडिया पर एक अजीब पोस्ट शेयर की है। उसने लिखा, "बहुत विनम्र और शुक्रगुजार से भरी हुई । प्यार में लिपटी हुई, सजी हुई और हर छोटे-छोटे पल के लिए आभारी । यह साल मेरे लिए वह सबक लेकर आया, जो मैंने नहीं मांगा था, और वह ताकत जो मुझे पता ही नहीं थी कि मेरे पास है। दिल भर गया । आत्मा को शांति मिली।" पति संग नहीं रहती हंसिका

एक रिपोर्ट के अनुसार हंसिका अपने पति सोहेल कथूरिया से अलग रह रही है। हंसिका अब अपनी मां के साथ रहने लगी है जबकि सोहेल अपने माता-पिता के पास शिफ्ट हो गया है। हंसिका और सोहेल ने दिसम्बर 2022 में शादी की थी। शुरूआत में यह कपल सोहेल के परिवार के साथ ही रहता था, लेकिन बड़े परिवार के साथ तालमेल बैठाने में दिक्कत होने के चलते दोनों उसी बिल्डिंग में एक अलग फ्लैट में शिफ्ट हो गए थे। अब तक तलाक को लेकर कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है, लेकिन हंसिका ने सोशल मीडिया से पति के साथ सभी तस्वीरें हटा दी हैं, जिनमें शादी की तस्वीरें भी शामिल हैं।

मलाइका ने बेचा मुंबई के पॉश इलाके में अपार्टमेंट, 2.04 करोड़ का हुआ फायदा

बॉलीवुड अभिनेत्री और मॉडल मलाइका अरोड़ा ने मुंबई के अंधेरी पश्चिम में स्थित अपना एक अपार्टमेंट बेंच दिया है। स्क्वायर याड्र्स के मुताबिक, अभिनेत्री ने 5.30 करोड़ रुपये में अपना लग्जरी आवासीय अपार्टमेंट बेचा है। जानकारी के मुताबिक, यह लेनदेन पिछले महीने अगस्त में पंजीकृत किया गया था।

2018 में खरीदा था अपार्टमेंट

स्क्वायर याड्र्स द्वारा समीक्षा किए गए आईजीआर दस्तावेजों के अनुसार, यह संपत्ति अंधेरी पश्चिम में लोखंडवाला कॉम्प्लेक्स के रनवाल एलिगेंट में स्थित है। मलाइका अरोड़ा द्वारा बेचे गए इस अपार्टमेंट का कारपेट एरिया 1,369 वर्ग फुट है और निर्मित क्षेत्रफल 1,643 वर्ग फुट है। इस लेन-देन में एक कार पार्किंग स्पेस भी शामिल है। इस सौदे में 31.08 लाख रुपये की स्टांप ड्यूटी और 30,000 रुपये का पंजीकरण शुल्क लगा। मलाइका ने इसे मार्च 2018 में 3.26 करोड़ रुपये में खरीदा था, जिससे इसकी कीमत में लगभग 2.04 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई है।

मुंबई का पॉश इलाका है अंधेरी पश्चिमी

अंधेरी पश्चिम मुंबई में एक प्रमुख आवासीय एरिया है। इस इलाके में कई लग्जरी आवास और सुविधाएं उपलब्ध हैं। यह इलाका वेस्टर्न एक्सप्रेस हाईवे, एसवी रोड, उपनगरीय रेल और वर्सोवा-घाटकोपर मेट्रो कॉरिडोर के माध्यम से बेहद कनेक्टिविटी वाला है।

'थामा' में होगा मलाइका का डांस नंबर

मलाइका के वर्कफ्रंट की बात करें तो वो अक्सर किसी डांस रियलिटी शो की जज के तौर पर नजर आती हैं। वहीं कई फिल्मों में उनके डांस नंबर भी काफी हिट हैं।

अब आयुष्मान खुराना की आगामी फिल्म 'थामा' में भी मलाइका का एक डांस नंबर नजर आएगा। इसके अलावा मलाइका के वीडियोज और फोटोज सोशल मीडिया पर काफी वायरल रहते हैं। वो अक्सर अपनी हॉट अदाएं भी सोशल मीडिया पर दिखाती रहती हैं।

क्या मोहन भागवत खत्म करवाएंगे वसुंधरा का सियासी वनवास?

जोधपुर, 6 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान बीजेपी की सियासत इस वक्त ठहरे हुए पानी जैसी लग रही है, लेकिन भीतर बहुत कुछ खदबदा रहा है। कई किरदार सियासत के रंगमंच पर अपनी भूमिका के इंतजार में हैं। लेकिन, नजर एक ही चेहरे पर टिकी है, वह चेहरा है वसुंधरा राजे का।

दरअसल, राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे एक बार फिर से भाजपा और संघ की सक्रिय राजनीति के केंद्र में आती दिख रही हैं। बुधवार को जोधपुर प्रवास के दौरान राजे ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (RSS) प्रमुख डॉ. मोहन भागवत से मुलाकात की, जो करीब 20 मिनट तक चली। इस मुलाकात की चर्चा इसलिए हो रही है, क्योंकि करीब एक सप्ताह पहले धौलपुर में एक धार्मिक मंच से वसुंधरा राजे ने बड़ा बयान दिया था। उन्होंने कहा था- जीवन में हर किसी का वनवास होता है, लेकिन वह स्थायी नहीं होता। वनवास आएगा तो जाएगा भी। वहीं, पिछले महीने वसुंधरा राजे ने दिल्ली में पीएम नरेंद्र मोदी से संसद में मुलाकात कर हाई कमान से अपने बदलते रिश्तों के संकेत भी दिए थे।

राजनीतिक जानकारों का कहना है कि बीजेपी में इन दिनों राष्ट्रीय अध्यक्ष की नियुक्ति को लेकर कई चेहरों के नाम चल रहे हैं। बीजेपी जिस तरह पिछली बार संसद में महिला आरक्षण का विधेयक लाई थी उसे देखते हुए पार्टी को अहम पदों पर मजबूत महिला नेत्रियों की जरूरत भी होगी। हालांकि, संघ प्रमुख सार्वजनिक मंच से हाल में यह बयान दे चुके हैं कि आरएसएस बीजेपी के मामलों में दखल नहीं देती। उन्होंने हाल में बयान दिया था- आरएसएस कुछ नहीं तय करता। हम सलाह दे सकते हैं, लेकिन वो सरकार चलाने में एक्सपर्ट है और हम अपने काम में एक्सपर्ट है। आपको क्या लगता है कि यदि हम तय करते तो इतनी देर होती क्या?

'कहीं न कहीं संघ का वीटो जरूर होता है'

हालांकि, राजनीति के जानकार कहते हैं कि राष्ट्रीय अध्यक्ष का मसला सिर्फ बीजेपी को ही तय करना होता.. तो अब तक तय हो चुका होता। कहीं न कहीं संघ का वीटो जरूर होता है। इसलिए इस अहम पद पर किसकी तैनाती होगी, इसका रास्ता नागपुर से होकर निकलता है। वसुंधरा की यह मुलाकात ऐसे समय में हुई है जब भाजपा में नेतृत्व को लेकर भीतरखाने कई चर्चाएं चल रही हैं और संघ की भूमिका फिर से महत्वपूर्ण हो रही है।

क्या कह रहे सियासी दांव-पेंच

सूत्रों की मानें तो भाजपा के भीतर एक वर्ग लगातार यह चाहता रहा है कि राजे को एक बार फिर से राजस्थान की राजनीति में नेतृत्व की भूमिका दी जाए। वसुंधरा राजे के साथ उनके खेमें के विधायक और सांसद भी भीतर से उम्मीद लगाए बैठे हैं।

'प्रमुख दावेदार के तौर पर राजे के नाम की चर्चा'

राजनीतिक विश्लेषक और वरिष्ठ पत्रकार मनीष गोधा का मानना है कि वसुंधरा राजे और मोहन भागवत की मुलाकात तो महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा- वसुंधरा राजे को उन्होंने समय दिया तो निश्चित रूप से कोई अहम विषय रहा होगा। जब तक परिणाम नहीं आते तब तक सिर्फ कयास लगाए जा सकते हैं क्योंकि दोनों के बीच वन टू वन मुलाकात हुई है।

लेकिन बीजेपी में इन दिनों जो घटनाक्रम चल रहे हैं। उससे इसे जोड़ा जा सकता है। इसमें बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव और उसमें प्रमुख दावेदार के तौर पर वसुंधरा राजे के नाम की चर्चा है। अब सवाल यह है कि यह मुलाकात क्या उस संदर्भ में थी? जहां तक राजस्थान की बात है मुझे नहीं लगता कि भागवत लोकल राजनीति में किसी तरह का इंटरेस्ट लेंगे। इसलिए यह मुलाकात राष्ट्रीय मुद्दे पर ही होना लग रहा है। हां इस मुलाकात की चर्चा इसलिए ज्यादा है क्योंकि पिछले दिनों वनवास वापसी को लेकर जिस तरह से राजे ने बयान दिए उसके कई तरह के निहितार्थ निकाले जा सकते हैं। मुलाकात निश्चित रूप से महत्पपूर्ण है।

'...विषपान करके अपने आपको धर्यवान रखा'

राजनीतिक विश्लेषक और वरिष्ठ पत्रकार त्रिभुवन पूरे घटनाक्रम पर बेहद सटीक बात करते हैं। उनका कहना है कि हाई कमान मजबूत होता है, तो स्टेट लीडरशिप के साथ उनके रिश्ते बदल जाते हैं। जैसे आप देखेंगे कि राजस्थान में कांग्रेस की सरकार थी, उसमें हाई कमान और स्टेट लीडरशिप के रिश्तों में स्टेट लीडरशिप भारी पड़ती थी।

इसलिए कांग्रेस हाई कमान चाहकर भी वह काम नहीं करवा पाई जो वह करवाना चाहती थी। बीजेपी में भी अतीत में यही स्थिति थी लेकिन बीजेपी की सेंट्रल लीडरशिप बहुत ज्यादा मजबूत है। उन्होंने शायद यह समझा कि राजे का राजस्थान में काम करना शायद उतना सरल नहीं है। इसलिए उन्होंने बाकी राज्यों की तरह यहां भी लीडरशिप को चेंज किया ताकि वे अपने तरीके से काम कर सकें। वह तरीका अच्छा है या खराब है वह अलग बात है।

इस सूरत में वसुंधरा राजे को लेकर लग रहा है कि वे थोड़ा उपेक्षित की गई हैं लेकिन उन्होंने कहीं न तो फ्रस्ट्रेशन जाहिर किया, और न कभी गुस्सा दिखाया। वसुंधरा राजे का स्वभाव इससे विपरीत प्रचारित किया जाता था, उन्होंने उस स्वभाव के बिल्कुल प्रतिकूल व्यवहार दिखाया है। वे बिना कोई गुस्सा या नाराजगी दिखाए, अपने आपको उपस्थित रखे हुए हैं। इस सूरत में मुझे लगता है कि उन्होंने बेहद शालीनता और गरिमा के साथ पूरा विषपान करके अपने आपको धर्यवान रखा है।

मुलाकात एक निर्णायक संकेत दे सकती है

हर राजनेता सोचता है कि उनकी भूमिका होनी चाहिए। पीएम मोदी की सरकार महिला आरक्षण विधेयक लाई है ऐसे में पार्टी को बेहद ताकतवर महिलाओं की जरूरत भी पड़ेगी। मुझे लगता है कि वसुंधरा राजे बीजेपी के बड़े एसेट्स में हैं। हो सकता है कि वे खुद भी प्रयास कर रही हैं कि उनकी भूमिका निर्णायक रहे। हम जानते हैं कि संघ की लोगों की भूमिका तय करने में मुख्य भागीदार रहती है। ऐसे में मोहन भागवत के साथ उनकी मुलाकात एक निर्णायक बात हो सकती है।

पीएम मोदी का राजस्थान दौरा
20 सितंबर को न्यूक्लियर पावर प्लांट का कर सकते हैं उद्घाटन

बांसवाड़ा, 6 सितंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 20 सितंबर को राजस्थान का दौरा कर सकते हैं। इस दौरे को लेकर राजनीतिक गलियारों में हलचल तेज हो गई है। माना जा रहा है कि इस दौरे का फोकस आदिवासी समुदाय पर होगा। क्योंकि आगामी पंचातयती राज चुनावों और बीएपी पार्टी के बढ़ते जनाधार को देखते हुए बीजेपी के लिए महत्वपूर्ण होगा।

हालांकि, इस दौरे को अभी अंतिम मंजूरी नहीं मिली है, लेकिन राजस्थान बीजेपी ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। इस दौरे के दौरान पीएम मोदी बांसवाड़ा में माही बांसवाड़ा परमाणु ऊर्जा परियोजना का शिलान्यास भी कर सकते हैं, जो क्षेत्र के विकास और ऊर्जा क्षेत्र में मील का पत्थर साबित हो सकता है।

राजस्थान बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने इस संभावित दौरे की जानकारी साझा की है। उन्होंने बताया कि पार्टी पीएम मोदी के जन्मदिन को 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक 'सेवा पखवाड़ा' के रूप में मना रही है। इस दौरान विभिन्न सामाजिक कार्य जैसे रक्तदान शिविर, स्वच्छता अभियान, स्वास्थ्य जांच शिविर और गरीबों को भोजन वितरण जैसे कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

बताते चलें कि पीएम मोदी का संभावित दौरा इसी पखवाड़े का हिस्सा हो सकता है, जिससे पार्टी कार्यकर्ताओं में उत्साह बढ़ेगा और आदिवासी समुदाय के बीच सकारात्मक संदेश जाएगा। राठौड़ ने बताया कि सेवा पखवाड़े के तहत नशा मुक्ति अभियान, मेडिकल कैंप और दिव्यांगों को उपकरण वितरण जैसे कार्य भी किए जाएंगे।

राजस्थान में आदिवासी समुदाय एक बड़ा वोट बैंक है और बीजेपी इसे अपने पक्ष में करने के लिए लगातार प्रयासरत है। पार्टी सूत्रों के अनुसार, पीएम मोदी का यह दौरा आदिवासी बहुल क्षेत्र, खासकर बांसवाड़ा या इसके आसपास के इलाके में हो सकता है। इस दौरे को लेकर बीजेपी की रणनीति आगामी चुनावों में आदिवासी वोटों को साधने की है।

'डोटासरा बिगड़ रहा है' गहलोत ने पायलट को अपमानित किया था : मदन राठौड़

जयपुर, 6 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान की राजनीति में उभारवा हुआ चेहरा अब नीचे की ओर डूब रहा है। बीजेपी चीफ मदन राठौड़ के बयान इसी ओर इशारा कर रहे हैं। राजस्थान बीजेपी प्रदेशाध्यक्ष ने कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा को लेकर कहा कि वह पहले अच्छा था लेकिन अब बिगड़ रहा है।

मदन राठौड़ ने डोटासरा पर तीखा तंज कसा

जयपुरः राजनीति में कई बार विरोधी दलों के नेता एक दूसरे पर तीखे प्रहार करते हैं। अब भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ को ही देख लीजिए। राठौड़ ने कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा पर तीखा तंज कसते हुए कहा कि डोटासरा अच्छा व्यक्ति था लेकिन अब बिगड़ गया है। उसने अपने व्यक्तित्व को समाप्त करने की दिशा में कई आत्मघाती कदम उठाएं हैं। राठौड़ ने यह भी कहा कि वे उनके साथ विधानसभा में रहे हैं। पहले हम मानते थे कि वह (डोटासरा) उभरता हुआ नेता है लेकिन अब वह हल्के शब्दों का इस्तेमाल करके अपनी छवि खुद खत्म कर रहा है।

आसन को चैलेंज किया, अब तक विधानसभा नहीं जा रहे

भाजपा कार्यालय में मीडिया से बातचीत करते हुए मदन राठौड़ ने कहा कि पहले डोटासरा एक संजीदा नेता था। अपनी प्रतिभा को भी वह लगातार विकसित कर रहा था लेकिन अब वह विपक्ष की भूमिका सही तरीके से नहीं निभा रहा है। उनके व्यक्तित्व में काफी

गिरावट आ गई है। शब्दों का चयन में बहुत हल्के शब्दों का इस्तेमाल करने लग गए हैं। राठौड़ ने कहा कि कभी तो वह आसन को ललकारता है फिर लंबे समय तक विधानसभा की कार्रवाई में शामिल नहीं होता है। उन्होंने कहा कि डोटासरा का यह अंदाजा ठीक नहीं है। इन दिनों वह स्पीकर के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने की बात कर रहा है। यह उनकी ओछी मानसिकता है।

वरिष्ठता का ध्यान नहीं रखते, संगठन बिखरने वाला है

मदन राठौड़ ने कहा कि गोविंद सिंह डोटासरा अपने आपको सर्वोपरि समझ रहा है। वह अपनी पार्टी के वरिष्ठ नेताओं का सम्मान करना नहीं जानता। हाल ही में उन्होंने (डोटासरा) अपनी ही पार्टी के एक सीनियर नेता की सार्वजनिक रूप से निंदा कर दी। राठौड़ ने कहा कि राजेंद्र पारीक कांग्रेस के वरिष्ठ नेता हैं। उन्होंने अपनी बात कही तो उनका सम्मान किया जाना चाहिए। सार्वजनिक रूप से वरिष्ठ नेता के खिलाफ इस तरह के शब्दों का इस्तेमाल नहीं किया जाना चाहिए। इससे साफ संकेत मिल रहे हैं कि संगठन बिखरने वाला है।

गहलोत ने पायलट को अपमानित किया था

राठौड़ ने पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट की अदावत का जिक्र कर दिया। उन्होंने कहा कि पहले गहलोत ने पायलट को सार्वजनिक रूप से अपमानित किया था। उनके लिए नकारा, निकम्मा और गद्दार जैसे शब्दों का इस्तेमाल किया था। अब डोटासरा भी गहलोत की राह पर चल पड़े हैं। अपनी ही पार्टी के वरिष्ठ नेता को सार्वजनिक रूप से अपमानित कर रहे हैं। ऐसी हरकतों से संगठन मजबूत नहीं होता बल्कि बिखरता है।

बाढ़ प्रभावित इलाकों में पहुंचे किरोड़ीलाल
बोले- नुकसान की भरपाई करेगी सरकार

सवाई माधोपुर, 6 सितंबर (एजेंसियां)। प्रदेश के कृषि एवं आपदा राहत मंत्री डॉ. किरोड़ीलाल मीणा अपने विधानसभा क्षेत्र सवाई माधोपुर के दौरे पर रहे। इस दौरान उन्होंने बीते दिनों हुई अतिवृष्टि से प्रभावित चकेरी, पढ़ाना, खाट, महू सहित आधा दर्जन से अधिक गांवों का दौरा कर नुकसान का जायजा लिया। मंत्री ने बाढ़ प्रभावित ग्रामीणों से संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं और उन्हें हर संभव मदद का भरोसा दिलाया।

ग्रामीणों से बातचीत करते हुए डॉ. किरोड़ी ने बाढ़ से हुए नुकसान की जानकारी ली। ग्रामीणों ने बताया कि भारी बारिश के चलते आई बाढ़ से गांवों की सड़कें, पुलिया और आवागमन के रास्ते क्षतिग्रस्त हो गए हैं। खेतों में खड़ी फसलें तबाह हो गई हैं और कई मकान धराशायी हो गए हैं। खाने-पीने का सामान भी पूरी तरह नष्ट हो गया है।

ग्रामीणों ने कहा कि बाढ़ से गांवों में भयंकर नुकसान हुआ है। इस पर आपदा राहत मंत्री ने उन्हें आश्वस्त किया कि हर छोटे-बड़े नुकसान की भरपाई

सरकार करेगी। उन्होंने कहा कि संकट की इस घड़ी में सरकार पूरी तरह से उनके साथ खड़ी है।

इस मौके पर डॉ. किरोड़ी ने जिला कलेक्टर और संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रभावित क्षेत्रों में राहत और बचाव कार्य को तेज किया जाए। साथ ही बाढ़ से हुए नुकसान का सही आकलन कर रिपोर्ट आपदा प्रबंधन विभाग को भेजी जाए।

देर रात दो बजे आई धमाके जैसी आवाज
दो लोगों की मौत, कई लोग घायल

जयपुर, 6 सितंबर (एजेंसियां)। राजधानी जयपुर में लगातार बारिश के चलते अब वॉल सिटी इलाके में बड़ी घटना हुई है। देर रात एक मकान गिरा है और उसके मलबे के नीचे दबने के कारण दो लोगों की मौत की सूचना है। एसडीआरएफ और स्थानीय पुलिस सवेरे तक बचाव कार्य में लगी रही और चार से पांच लोगों को अचेत एवं जख्मी हालत में बाहर निकाला गया। उसके बाद सभी को अस्पताल में भर्ती कराया गया। बताया जा रहा है कि मकान मालिक ने कुछ दिन पहले ही ये मकान बंगाली परिवार को किराये पर दिया था। मामला सुभाष चौक थाना इलाके का है।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार घटना रामकुमार धावाई वाली गली की है। बताया जा रहा है कि लगातार बारिश के चलते पुराने मकान में तेजी से सीलन बढ़ रही थी। मकान का कुछ हिस्सा जर्जर भी हो चला था। मकान मालिक ने यह मकान कुछ दिन पहले ही किराये पर दिया था। इसमें करीब सात से आठ लोग रह रहे थे। देर रात दो बजे अचानक चीख पुकार मची। लोगों ने बताया कि उन्होंने तेज धमाके जैसी आवाज सुनी थी। उसके बाद पुलिस को सूचना दी गई और पुलिस ने सिविल डिफेंस एवं एसडीआरएफ को भी जानकारी दी।

दो लोगों की मौत हो गई है और चार से पांच लोगों को एसएमएस अस्पताल में भर्ती कराया गया है। रेस्क्यू अभियान सवेरे तक चला था। जिन लोगों की मौत हुई है, उनके बारे में पुलिस जानकारी जुटा रही है। पड़ोस में रहने वाले लोगों को भी पुलिस ने सचेत किया है और आसपास के पूरे इलाके को सील कर दिया गया है। उल्लेखनीय है कि जयपुर में कल सवेरे और फिर शाम के बाद देर रात तक लगातार बारिश जारी रही है। आज भी भारी बारिश की चेतावनी है।

ट्रक से एक करोड़ रुपए से ज्यादा कीमत की शराब जब्त, 2 आरोपी गिरफ्तार

सिरोही, 6 सितंबर (एजेंसियां)। सिरोही से लगे बनासकांठा जिले के इतिहास में पहली बार एलसीबी की इतनी बड़ी कार्रवाई सामने आई है। एलसीबी, पालनपुर के पुलिस निरीक्षक ए.वी. देसाई के अनुसार, पुलिस महानिरीक्षक (सीमा क्षेत्र कच्छ-भुज) चिराग कोर्डिया और बनासकांठा पुलिस अधीक्षक प्रशांत सुम्बे के निर्देशानुसार शराब एवं जुए जैसी गतिविधियों पर प्रतिबंध को सख्ती से लागू करने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसके तहत राजस्थान सीमा से आने वाले सार्वजनिक मार्ग पर राजगोर पुलिस उपनिरीक्षक, एलसीबी पालनपुर की टीम द्वारा जगाना से सिद्धपुर जाने वाले राजमार्ग पर मारुति ढाबा होटल के पास नाकाबंदी की गई थी। उस दौरान वहां से गुजर रहे ट्रक को रुकवाकर तलाशी ली गई तो उसमें बिना पास परमिट के भारतीय निर्मित विदेशी शराब एवं बीयर की 26,460 बोतलें मिलीं। इनका मूल्य 1,17,57,005 रुपए आंका गया, जबकि मोबाइल फोन और ट्रक सहित कुल मूल्य 1,52,73,505 रुपए है। आवश्यक कार्रवाई के बाद शराब और ट्रक को जब्त किया जाएगा, तहसील फतेहगढ़, जिला जैसलमेर (राजस्थान) निवासी ट्रक चालक ताज मोहम्मद इब्राहिमखान पुत्र हामिदखान हिंगोलजा एवं खलासी खेतासर, दांतल, तहसील भानिया, जिला जैसलमेर (राजस्थान) निवासी खान शेरूखान सुबानखान नुइजा को गिरफ्तार किया गया।

ट्रक मालिक से संपर्क कर मंगवाई थी शराब

पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ में खुलासा हुआ कि तगाड़ी (कच्छ-भुज) निवासी युवराजसिंह वजुभाई जडेजा ने ट्रक मालिक समरस, बाड़मेर (राजस्थान) निवासी मिसरी खान कमरूदीन खान से संपर्क कर यह शराब मंगवाई थी। फिलहाल मामला दर्ज कर आगे की जांच की जा रही है।

नालावास बांध में डूबे युवक का शव 24 घंटे बाद बरामद

दौसा, 6 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के दौसा के नालावास बांध में गुरुवार को पानी में डूबे युवक का शव बरामद कर लिया गया। हादसे के बाद देर रात तक चले रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद युवक दिनेश का शव बरामद हुआ। घटना स्थल पर भारी भीड़ उमड़ पड़ी और परिजनों के विलाप से माहौल गमगीन हो गया। लालसोट के झापदा थाना इलाके के नालावास बांध में दिनेश मीणा (24) अपने पिता के साथ बांध पर नहाने के लिए गया था। इस दौरान गहराई में जाने के कारण दिनेश की डूबने से मौत हो गई। हादसे के बाद दिनेश मीणा का शव एसडीआरएफ़ टीम ने 24 घंटे बाद ढूढकर निकाल लिया। बताया गया कि दिनेश को तैरना नहीं आता था। पैर फिसलने के बाद वो गहराई में चला गया। उसने खुद को बचाने के लिए हाथ-पैर मारे लेकिन तैरना न जानने के कारण वो वो डूबता चला गया।

दो चचेरे भाइयों की पानी की टंकी में डूबने से मौत
एक-दूसरे को बचाने की कोशिश में गई जान

जैसलमेर, 6 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के जैसलमेर जिले के लाठी थाना क्षेत्र के लोहाटा गांव में एक हृदयविदारक हादसे की खबर सामने आई है। गांव में पानी की टंकी में डूबने से दो चचेरे भाइयों की मौत हो गई। बता दें, यह घटना उस समय हुई जब बच्चे पानी भरने के दौरान टंकी में गिर गए और एक-दूसरे को बचाने की कोशिश में दोनों की जान चली गई। इस हादसे के बाद पूरे गांव में मातम का माहौल है। स्थानीय पुलिस के अनुसार मृतकों की पहचान बशीर खान के बेटे और उनकी पत्नी हसीना के भतीजे के रूप में हुई है। हसीना अपने घर के सामने बनी पानी की टंकी से पानी भरने गई थीं। इस दौरान उनका बेटा टंकी के पास खेल रहा था, अचानक फिसलकर टंकी में गिर गया। उसे बचाने की कोशिश में उसका चचेरा भाई भी टंकी में कूद गया। दोनों बच्चे गहरे पानी में डूब गए और परिवार के सदस्यों के पहुंचने से पहले ही उनकी मौत हो गई।

इसके बाद स्थानीय लोगों और परिवार वालों ने तुरंत दोनों बच्चों को टंकी से बाहर निकाला और प्राथमिक उपचार के लिए लाठी के नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र ले गए। डॉक्टरों ने दोनों को बचाने की पूरी कोशिश की, लेकिन दोनों को मृत घोषित कर दिया गया। इस घटना के बाद परिवार और गांव में शोक की लहर दौड़ गई। पुलिस ने बताया कि हसीना का परिवार लंबे समय से लोहाटा गांव में खेत पर रह रहा था। हाल ही में हसीना की रिश्तेदार फरुना अपने परिवार के साथ उनसे मिलने आई थीं। हादसे के समय परिवार आगामी ईद-मिलाद-उन-नबी त्योहार की तैयारियों में जुटा हुआ था और राशन इकट्ठा कर रहा था। इस बीच यह दुखद हादसा हो गया।

क्यूआर स्कैनर से क्रिप्टो तक सइबर ठगी, 6 महीने में बनाए 19 करोड़, पुलिस कांस्टेबल का भाई गिरफ्तार

अलवर, 6 सितंबर (एजेंसियां)। अलवर में पुलिस ने साइबर फ्रॉड का सबसे बड़ा मामला पकड़ा है। रैणी थाने में कार्यरत कांस्टेबल शौकत के भाई बरकत के 8 से 10 बैंक खातों में (कुछ खाते बरकत के कुछ दूसरे लोगों के) पिछले 6 महीने में 19 करोड़ रुपये आए हैं। ये रकम देश के कई राज्यों के उन लोगों की है, जो अलग-अलग तरीके से साइबर फ्रॉड करने वालों के झांसे में आए। इस फ्रॉड की रकम अलवर के सूर्यनगर में किराए पर रह रहे बरकत के बैंक खातों में आई है। पुलिस को अलग-अलग राज्यों से 32 शिकायतें मिली थीं। उनकी जांच में अलवर के वैशाली नगर के बरकत के बैंक खाते की जानकारी मिली। उसके बाद आरोपी बरकत को तीन सितंबर को अरेस्ट कर लिया। उसके घर पर पड़ताल की तो 17 चेकबुक, पांच पास बुक, 14 एटीएम कार्ड सहित कई लोगों के हस्ताक्षरशुदा चेक, कई आधारकार्ड, पैन कार्ड, दो स्वाइप मशीन और आईसीआईसीआई बैंक, यश बैंक और एयू स्माल फाईनेन्स बैंक का क्यूआर कोड स्कैनर मिले तो पुलिस चौंक गई। जब उनके खातों में आई रकम जोड़ी तो 19 करोड़ 45 लाख रुपये जुड़ी। एक ही व्यक्ति के पास से इतनी बड़ी रकम के बैंक खाते पहली बार मिले हैं। अभी पुलिस गहनता से जांच में लगी है। हालांकि इस मामले में आरोपी के भाई पुलिसकर्मी की कोई संदिग्ध भूमिका सामने नहीं आई है।

अलवर के वैशाली नगर थाना पुलिस ने साइबर फ्रॉड करने वाले एक ऐसे आरोपी को पकड़ा है, जिसके ठिकाने से 19 करोड़ 45 लाख रुपये का लेनदेन के कागज हाथ लगे। पुलिस को आरोपी के मकान की तलाशी में 17 चेकबुक, पांच पासबुक, 14 एटीएम कार्ड सहित कई लोगों के हस्ताक्षर शुदा चेक, कई आधारकार्ड, पैन कार्ड, दो स्वाइप मशीन और आईसीआईसीआई बैंक, यश बैंक और एयू स्माल फाईनेन्स बैंक का क्यूआर कोड स्कैनर आदि मिले। जांच में खाता धारक बरकत अली पुत्र मोहम्मद निवासी गोपालगढ़, डीग का अलग-अलग पते के आधार पर कार्ड, पैन कार्ड और पासपोर्ट होने की जानकारी मिली। पुलिस ने लोकेशन के आधार पर वैशाली नगर स्थित पानी की टंकी के पास पहुंची तो आरोपी जाते हुए दिखा। उसे रोककर पूछा गया तो उसने किराए पर रहना बताया।

पुलिस ने बताया कि मुख्य आरोपी बरकत अपने सहयोगी हरि सिंह मीना पुत्र हनुमान सहाय मीना निवासी वीरपुर बीगोता अलवर, जाहुल खान निवासी बंजीरका और मुकेश मीना निवासी अलवर के साथ संगठित गिरोह बनाकर कमीशन के आधार पर साइबर ठगों को बैंक खाता उपलब्ध कराते थे। इसके एवज में 15 से 20 प्रतिशत कमीशन लेते हैं। अभी पुलिस अन्य आरोपियों को पकड़ेगी तो कई मामलों का पता चल सकता है।

पुलिस जानकारी के अनुसार बरकत की दो पत्नी हैं। एक से बच्चे हैं। दूसरी से नहीं हैं। दोनों अलग-अलग रहती हैं। बरकत अलवर में कई साल से रह रहा है, लेकिन पिछले करीब 6 महीने से फ्रॉड के काम में तेजी से लगा है। इस कारण ज्यादातर पैसा पिछले 6 महीने की ठगी का है। हो सकता है इससे पहले भी यही काम करता हो। अभी उसकी जानकारी पुलिस जुटाने में लगी है। पुलिस ने बताया कि बरकत ने एक फर्म भी बना रखी थी।

बाप ने कबूला- बेटी के थे अवैध संबंध
इसीलिए दिनाराम को मार डाला, एक ही परिवार के 5 लोगों को उम्रकैद

जैसलमेर, 6 सितंबर (एजेंसियां)। जैसलमेर जिले में पोकरण एडीजे कोर्ट ने अवैध संबंध के शक में एक व्यक्ति की हत्या करने के मामले में परिवार के पांच आरोपियों को उम्रकैद की सजा सुनाई है। इसके अलावा प्रत्येक आरोपी पर 20 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया गया है।

राज्य की ओर से अतिरिक्त जिला लोक अभियोजक समंदर सिंह राठौर ने बताया कि कोर्ट ने तीन पुरुष और दो महिलाओं को दोषी पाते हुए यह सजा दी। मामला 10 मई 2022 का है, जब भवरूराम ने नाचना थाने में अपनी

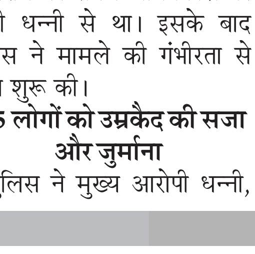

रिपोर्ट दर्ज कराई कि उसका भाई दिनाराम अचानक गायब हो गया है। परिवार ने शक जताया कि दिनाराम का संबंध ओमप्रकाश की पत्नी धन्नी से था। इसके बाद पुलिस ने मामले की गंभीरता से जांच शुरू की।

5 लोगों को उम्रकैद की सजा और जुर्माना

पुलिस ने मुख्य आरोपी धन्नी, उनके पिता भखराराम, मां समदा और भाइयों प्रेमकुमार व बंशीलाल को गिरफ्तार किया और उनके खिलाफ मामला दर्ज किया। लंबी सुनवाई और सबूतों की समीक्षा के बाद एडीजे कोर्ट ने सभी पांच आरोपियों को दोषी मानते हुए उम्रकैद की सजा सुनाई और प्रत्येक पर 20,000 रुपये का जुर्माना लगाया।

अदालत ने कहा कि इस तरह का अपराध सामाजिक एवं नैतिक दृष्टि से घातक है और इसे सख्ती से दंडित करना जरूरी है। इस फैसले के बाद पीड़ित परिवार को न्याय मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

तेलंगाना मुक्ति दिवस समारोह की तैयारी को लेकर भाजपा ने बैठक की

हैदराबाद, 6 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना मुक्ति दिवस 2025 के सफल आयोजन हेतु हैदराबाद स्थित बरकतपुरा नगर कार्यालय में भाजपा तेलंगाना प्रदेश अध्यक्ष एन. रामचंद्र राव की अध्यक्षता में एक तैयारी बैठक आयोजित की गई। केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस बैठक में व्यापक योजना, सुरक्षा व्यवस्था, कैंटोनमेंट पार्क में दिवंगत पूर्व प्रधानमंत्री वाजपेयी की प्रतिमा के अनावरण और अन्य कार्यक्रमों के बारे में दिशा-निर्देश दिए गए। पिछली संयुक्त आंध्र प्रदेश सरकारें, और तेलंगाना राज्य के गठन के बाद बीआरएस और कांग्रेस सरकारें, निजामों और रजाकारों से मुक्ति के दिन 17 सितंबर को तेलंगाना मुक्ति दिवस के आधिकारिक आयोजन से इनकार करती रही हैं। भाजपा तेलंगाना मुक्ति दिवस 17 सितंबर को आधिकारिक रूप से मनाने की मांग को लेकर कई संघर्ष कर रही है। राज्य सरकार की उपेक्षा के बावजूद, केंद्र सरकार तेलंगाना की जनता की आकांक्षाओं के अनुरूप 2022 से हर साल 17 सितंबर को आधिकारिक तेलंगाना मुक्ति दिवस समारोह आयोजित कर रही है। 2022 और 2023 में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और 2024 में जी. किशन रेड्डी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए और राष्ट्रीय ध्वज फहराया। इसी प्रकार, इस वर्ष भी केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय के तत्वावधान में सिकंदराबाद परेड मैदान में तेलंगाना मुक्ति दिवस आधिकारिक रूप से मनाया जाएगा। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह इन समारोहों में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लेंगे और राष्ट्रीय ध्वज फहराएंगे।

इसके अलावा, केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी, केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत, केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंडी संजय कुमार, महाराष्ट्र के मंत्री और राज्य पार्टी के नेता इसमें शामिल होंगे और राष्ट्रीय ध्वज फहराएंगे तथा राष्ट्र को संबोधित करेंगे।

एससीसीएल ने 43 कर्मचारियों को बहाल किया

हैदराबाद, 6 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सिंगरेनी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड (एससीसीएल) के प्रबंधन ने 43 जूनियर माइनिंग इंजीनियर प्रशिक्षुओं (जेएमईटी) को बहाल करने के आदेश जारी किए हैं, जिन्हें पहले विभिन्न कारणों से बर्खास्त कर दिया गया था, जिनमें लंबी अनुपस्थिति और आवश्यक प्रमाण पत्र जमा न करना शामिल है। उपरोक्त निर्णय एससीसीएल प्रबंधन के उप मुख्य श्रम आयुक्त और सिंगरेनी कोलियरीज वर्कर्स यूनियन (एआईटीयूसी) के बीच एक 'त्रिपक्षीय समझौते' के बाद लिया गया है। समझौते के अनुसार, इन पुनर्नियुक्तियों को नई नियुक्तियां माना जाएगा। बहाल किए गए प्रशिक्षुओं को एक उच्च-शक्ति समिति के समक्ष उपस्थित होना होगा, संबंधित प्रमाण पत्र (ओवरमैन, गैस परीक्षण, प्राथमिक चिकित्सा आदि) जमा करने होंगे, और एक मेडिकल फिटनेस टेस्ट पास करना होगा। उसके बाद ही एससीसीएल प्रारंभिक नियुक्ति आदेश जारी करेगा।

भारत 9वीं बार हॉकी एशिया कप के फाइनल में पहुंचा

चीन को 7-0 से हराया, 5 बार की चैंपियन साउथ कोरिया से खिताबी भिड़ंत

राजगीर, 6 सितंबर (एजेंसियां)। भारत ने 9वीं बार हॉकी एशिया कप के फाइनल में जगह बना ली। रविवार को खिताबी मुकाबले में टीम का सामना 5 बार की चैंपियन साउथ कोरिया से होगा। शनिवार को टीम इंडिया ने सुपर-4 स्टेज के आखिरी मैच में चीन को 7-0 से हराया।

भारत से अभिषेक ने 2 गोल दागे। वहीं दिलप्रीत सिंह, मनदीप सिंह, शिलानंद लाकड़ा, सुखजीत सिंह और राजकुमार पाल ने भी 1-1 गोल किया। टीम ने हाफ टाइम तक ही 3-0 की बढ़त बना ली थी। फिर आखिरी हाफ में 4 और गोल दागकर 7-0 की जीत दर्ज कर ली।

सुपर-4 स्टेज में शनिवार को साउथ कोरिया ने मलेशिया को 4-3 से हराकर फाइनल में जगह बनाई। मलेशिया और चीन की टीमें सुपर-4 स्टेज में 2-2 मैच हारकर बाहर हो गईं। भारत टूर्नामेंट में अजेय है, वहीं साउथ कोरिया पूल और सुपर-4 स्टेज में 2 मैच हार चुकी है।

भारत और साउथ कोरिया के बीच सुपर-4 स्टेज का मैच 2-2 से ड्रॉ रहा था। साउथ कोरिया पिछली 2 बार की चैंपियन भी है, टीम ने 2022 में मलेशिया और 2017 में भारत को फाइनल हराकर खिताब जीता था। भारत के पास चौथी बार एशिया कप जीतने का मौका रहेगा।

पेंशन बढ़ोतरी तक जारी रहेगा आंदोलन : मंदा कृष्णा मदिगा

मंचेरियल, 6 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मदिगा आरक्षण पोराटा समिति (एमआरपीएस) के संस्थापक अध्यक्ष मंदा कृष्णा मदिगा ने साफ किया कि जब तक वृद्धावस्था पेंशन में बढ़ोतरी नहीं होती, तब तक संगठन का आंदोलन जारी रहेगा। शनिवार को तंडूर मंडल मुख्यालय में हुई बैठक को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि 2004 में तत्कालीन मुख्यमंत्री वाई.एस. राजशेखर रेड्डी ने सामाजिक सुरक्षा पेंशन 200 रुपये कर दी थी। 2014 में एमआरपीएस के संघर्षों के चलते सभी दलों ने घोषणापत्रों में पेंशन 1,000 रुपये करने का वादा किया और बाद में इसे लागू किया गया। 2019 के

श्री खेतलाजी भैरूजी का जागरण सम्पन्न

हैदराबाद, 6 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। श्री आई माताजी बडेर सीरवी समाज, जीडिमेटला द्वारा समाज बन्धुओं के तत्वावधान में श्री खेतलाजी भैरूजी का जागरण आयोजित किया गया।

जारी प्रेस विज्ञप्ति में उपाध्यक्ष सोहनलाल परिहार सचिव प्रेम पंवार ने बताया कि भादवा सुदी तेरस के अवसर पर आयोजित श्री खेतलाजी भैरूजी के जागरण में कन्हैयालाल कुमावत एंड पार्टी ने भजनों के पुष्प अर्पित किये। उपाध्यक्ष सोहनलाल परिहार, सचिव प्रेम पंवार ने अपने कार्यकाल के प्रथम जागरण में समाज बन्धुओं का आभार प्रकट किया।

कार्यक्रम में संरक्षक मांगीलाल काग, उपाध्यक्ष सोहनलाल परिहार, सचिव प्रेम पंवार, सलाहकार महेन्द्र देवड़ा, अर्जुनलाल बर्फा, भीमाराम काग, शंकरलाल, शेषाराम परिहारिया, कानाराम बर्फा, जयराम परिहार, मोहनलाल मुलेवा, मांगीलाल सोलंकी, मोहनलाल काग, देवाराम बर्फा, उदाराम,मुलाराम पंवार, नारायणलाल बर्फा, चन्द्र प्रकाश बर्फा, भुण्डाराम बर्फा, राजुराम लचेटा, हेमाराम काग, एवं पदाधिकारी, समस्त कार्यकारिणी सदस्य व समाज बन्धुओं का विशेष सहयोग रहा। मंच का संचालन सचिव प्रेम पंवार ने किया। अंत में उपाध्यक्ष सोहनलाल परिहार ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

यूरिया संकट पर केंद्र सरकार जिम्मेदार : पी. चेंगल रेड्डी

हैदराबाद, 6 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय किसान संघों के संघ (सीआईएफए) के मुख्य सलाहकार पी. चेंगल रेड्डी ने तेलंगाना में खरीफ किसानों के लिए यूरिया की कमी को लेकर केंद्र सरकार पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि पर्याप्त राष्ट्रीय आवंटन होने के बावजूद आपूर्ति में कमी किसानों के मनोबल और उत्पादकता पर नकारात्मक असर डाल रही है।

रेड्डी ने बताया कि देश में 143 लाख मीट्रिक टन की मांग के मुकाबले 183 लाख मीट्रिक टन यूरिया उपलब्ध था, लेकिन समन्वय की कमी, रामागुंडम फर्टिलाइजर्स संयंत्र में तकनीकी खामियों और चीन के निर्यात प्रतिबंधों ने संकट को बढ़ा दिया। उन्होंने कहा कि भारत में रासायनिक उर्वरकों के अत्यधिक उपयोग के बावजूद उत्पादकता अमेरिका, ब्राजील और चीन जैसे देशों की तुलना में बेहद कम है, जहां जीएम फसलों और जैव-प्रौद्योगिकी से कृषि में क्रांतिकारी बदलाव आया है।

उन्होंने कपास क्षेत्र को नीतिगत विफलता का उदाहरण बताते हुए कहा कि कभी 70 लाख गांठ से अधिक निर्यात करने वाला भारत अब रिकॉर्ड आयात कर रहा है। 2024-25 में उत्पादन घटकर 295.3 लाख गांठ रह गया, जिससे आयात 107 प्रतिशत बढ़कर 1.2 अरब डॉलर तक पहुंच गया।

रेड्डी ने किसानों से नैनो यूरिया जैसे विकल्प अपनाने और उत्पादन में संतुलन रखने की अपील की। साथ ही पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव की सिंचाई योजनाओं की सराहना करते हुए कहा कि कालेश्वरम और पलामुरु-रंगारेड्डी जैसी परियोजनाओं ने राज्य को धान के कटोरे में बदल दिया है।

कोरेमुला स्थित श्री आई माताजी मंदिर में आयोजित श्री खेतलाजी भैरूजी के जागरण में भजन प्रस्तुत करते मोहनलाल भायल एंड पार्टी। अवसर पर उपस्थित अध्यक्ष कालुराम काग, उपाध्यक्ष राजाराम पंवार, सह सचिव राजाराम गेहलोत, भीकाराम पंवार, देवाराम परिहरिया, ताराराम परिहरिया, चेलाराम पंवार, राजाराम सैणचा संदीप परिहार खीवाराम गेहलोत व अन्य।

अनंत चतुर्दशी पर बोइनपल्ली मार्केट में व्यापारी संघ के पूर्व उपाध्यक्ष टी. कृष्णा मूर्ति परिवार द्वारा आयोजित व्रत उत्सव में कमेटी के चेयरमैन आनंद बाबू, वरिष्ठ सरकारी सलाहकार ए. गौतम जैन, बालाजी, टी कल्याण व अन्य।

दक्षिण मध्य रेलवे

निविदा सूचना संख्या:06-जीएस-एससी-।।-25-ओटी, दि.3-9-2025

PUB/1086

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, सीएओ/सी/आरएसपी/एससीआर-इंजीनियरिंग/ दक्षिण मध्य रेलवे-द.म.रे., सिकंदराबाद द्वारा निम्न कार्यो हेतु ई-प्रोक्योरमेंट के माध्यम से दि.3-9-2025 के 15.00 बजे तक खुली निविदाएं आमंत्रित हैं।

निविदा संख्याः06-जीएस-एससी-।।-25-ओटी, कार्य विवरणः मुख्य परियोजना प्रबंधक/गति शक्ति/हैदराबाद युनिट के लिए, परियोजना देखरेख सेवाएं (पीएसएस) प्रदान करने हेतु प्रस्ताव का अनुरोध(आरएफपी)।

विज्ञापित मूल्य रू.5,60,80,881.92, पूर्व धरोहर राशि-पूधरा रू.4,30,400.00 अधिक जानकारी हेतु वेबसाइटःwww.ireps.gov.in देखें।

उप मुख्य अभियंता/गति शक्ति/हैदराबाद

निविदा सूचना संख्या:36/2025, दि.4-9-2025 भंडार मदों की आपूर्ति

PUB/1088

ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना

निम्न निविदाओं को आनलाइन पर प्रदर्शित किया गया है। निविदाकारों से अनुरोध है कि, वेबसाइटःwww.ireps.gov.in देखें तथा अपने आफर्स को आनलाइन में प्रस्तुत करें। निविदा कार्य विवरण, मात्रा, पूधरा, एसडी को तत्संबंधित वेबसाइट पर देख सकते हैं। मैन्युएल रूप से प्रस्तुत आफर्स अमान्य होंगे। डाक द्वारा प्रेषित आफर्स पर कतई विचार नहीं किया जायेगा। इस निविदा की निर्धारित तिथि का बंद करने का समय 14.30 बजे है। सभी स्वदेशी आफर्स, पूधरा को केवल आनलाइन सिस्टम पर उपलब्ध वेबसाइटः www.ireps.gov.in द्वारा ही स्वीकार किये जाएंगे।

निविदा संख्या	संक्षिप्त कार्य विवरण
54255012	स्वचालित टिकेट वेन्डिग मशीन्स
54255007ए	युनाइटेड टिकेटिंग नेटवर्क में डब्ल्यूएएन पोर्ट्स सहित रूटर्स
66257552	ट्रैक मशीनों हेतु स्पेर्ड ड्यूट्ज मेक का प्रोक्योरमेंट या प्रापण
76255001ए	आईआरएसएम46-2020 हेतु मिग/मैग वेल्डिंग फिल्लर वायर
45251004	ब्रशलेस आल्टरनेटर 25 केडब्ल्यू
45251073	120 एएच वीआरएलए बैटरीज का सेट
66257306	ट्रैक मशीनों हेतु स्पेर्स कम्मीन्स मेक का प्रापण
66257607	ट्रैक मशीनो हेतु कैटरपिलर मेक स्पेर्स का प्रापण
66256053	प्लासर मेक से जुडे ट्रैक मशीन स्पेर्स
45251021ए	1100एएच की लीड एसिड बैटरी
66256285	प्लासर मेक से जुडे ट्रैक मशीन स्पेर्स

टिप्पणीः निविदा खोलने की नियत तिथिः क्रम सं.01 दि.15-09-2025, क्रम सं.02 दि.24-09-2025, क्रम सं.03 व 04 दि.25-09-2025, क्रम सं.05 व 06 दि.23-09-2025, क्रम सं.07 व 08 दि.06-10-2025, क्रम सं.09 व 10 दि.0%-10-2025, क्रम सं.11 दि.13-10-2025

शुध्दिपत्र

निविदा सूचना संख्या 31/2025 दि.1-8-2025 निविदा सं. %6251092 नियत तिथि 26-08-2025, संक्षिप्त कार्य विवरणः सालिड मिग/मैग वेल्डिंग फिल्लर वायर 1.2एमएम डाया क्लास-1 को, मौजूदा के स्थानपर नियत तिथि 11-09-2025 पढा जाए।

उपरोक्त विवरित निविदाओं के अलावा रू.50 लाख से अधिक मूल्य की निविदाएं उपलब्ध हैं। अधिक जानकारी हेतु कृपया उपरोक्त वेबसाइट देखें।

प्रधान मुख्य सामग्री प्रबंधक, सिकंदराबाद

निविदा सूचना संख्या:टीआरएसओ/एससी/01/2025-26, दि.4-9-2025

PUB/1087

अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्न कार्यों हेतु अनुभवी ठेकेदारों से ई-निविदा आमंत्रित हैं।

क्रम संख्याः1, निविदा संख्या व तिथिः सी/ई.29/टीआरएसओ/एससी/12/2025-26,दि.4-9-2025 (ई-निविदा संख्याःसीइ-29-टीआरएसओ-एससी-12-2025-26, दि.4-9-2025), कार्य विवरणः दो वर्ष की अवधि के लिए, भद्राचलम रोड एवं डोर्नकल जंक्शन क्रू लाबिज से विभिन्न क्रू चेंजिंग पाइंट्स तथा साइडिंग्स के विपरित क्रम से चौबीसों घंटे, चालक दल परिवहन या क्रू ट्रांसपोर्टेशन के लिए, पांच नान-एसी एमयुवी वाहनों को भाडे पर लेना।

निविदा मूल्य रू.1,62,16,888.00, पूर्व धरोहर राशि(बोली सुरक्षा) रू. 2,31,100.00, निविदा प्रपत्र मूल्य रू. शून्य, कार्य पूरा करने की अवधिः2 वर्ष, बंद करने एवं खोलने की तिथि व समयः 30-09-2025 के 15.00 बजे तथा 30-09-2025 के 15.30 बजे

निविदा शर्ते/अन्य कार्य विवरण, आइआरइपीएस वेबसाइटःwww.ireps.gov.in पर निविदा दस्तावेजों में उपलब्ध है।

सभी भावी निविदाकारों से अनुरोध है कि, पूर्व धरोहर राशि(बोली सुरक्षा) को केवल आनलाइन पेमेंट द्वारा ही जमा करें। निविदा दस्तावेज की प्रस्तुतिः आइआरइपीएस वेबसाइटःwww.ireps.gov.in के माध्यम से

वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता, (टीआरएसओ), सिकंदराबाद

खुली ई-निविदा सूचना संख्याः डीआरएम/वर्क्स/बीजेडए/21/2025, दि.4-9-2025

PUB/1089

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्न कार्यो हेतु तत्संबंधित तिथिनुसार समय 15.00 बजे तक ई-निविदाएं आमंत्रित हैं।

क्रम संख्याः 1, निविदा संख्याः ई-37-पूर्व-बीजेडए-2025, कार्य विवरणः एसएसइ/वर्क्स/बीवीआरएम सेक्शन में बीवीआरटी पर मौजूदा रेल टाइप सीओपी शेल्टर के स्थान पर सीओपी शेल्टर्स का प्रस्ताव।

कार्य पूरा करने की अवधिः12(बारह महिने), निविदा मूल्य रू.1,70,18,604.35, पूर्व धरोहर राशि रू.2,35,100.00, बंद करने की तिथिः 26-09-2025

भावी निविदाकारों को सलाह दी जाती है कि, किसी भी निविदा के कोई भी परिवर्तनों/शुद्धिपत्रों को नोट करने के लिए, निविदा बंद करने की तिथि से पहले वेबसाइटः www.ireps.gov.in देखें।

विभागीय रेल प्रबंधक (कार्य), विजयवाडा

A1363

निविदा नियम शर्ते/अधिक जानकारी एवं निविदा दस्तावेजों की डाउनलोडिंग हेतु कृपया हमारे वेबसाइट्सः https://www.ireps.gov.in अथवा www.scr.indianrailways.gov.in देखें।

शिवराज लक्ष्मीचंद जैन ज्वेलर्स ने बैंगलोर में मचाई धूम

हैदराबाद, 6 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बैंगलोर पैलेस ग्राउंड्स, त्रिपुरावासिनी में आयोजित जीतो जेवर एंड ब्राइडल स्टोरी एक्जीबिशन में शिवराज लक्ष्मीचंद जैन ज्वेलर्स ने अपनी शानदार प्रस्तुति से सबका मन मोह लिया।

अपेक्स चेयरमैन पृथ्वीराज कोठारी, प्रेसीडेंट विजय भंडारी एवं वर्किंग कमेटी सदस्यों ने मिलकर एसएलजी के रायल ट्रंक से एक्सक्लूसिव डिजाइन का अनावरण किया। इस अवसर पर उपस्थित मेहमानों ने एसएलजी के नॉर्थ इंडियन स्टाइल वेडिंग ज्वेलरी कलेक्शन को जमकर सराहा।

विशेष गौरव का क्षण रहा जब कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने स्वयं स्टॉल पर आकर ज्वेलरी का अवलोकन किया एवं कलेक्शन की खुलकर प्रशंसा की। उनकी उपस्थिति ने एसएलजे की उपलब्धि को और भी भव्य बना दिया।

इस प्रदर्शनी में गोल्ड, डायमंड, पोल्की, कुंदन और सिल्वर ज्वेलरी की नवीनतम व विस्तृत रेंज प्रस्तुत की गई। खासकर हेरिटेज ब्राइडल कलेक्शन ने लोगों का दिल जीत लिया, जिसमें डायमंड की शान, पोल्की की चमक और कुंदन की पारंपरिक खूबसूरती का अद्भुत संगम देखने को मिला। इस कलेक्शन को न सिर्फ़ ग्राहकों ने, बल्कि ज्वेलरी एक्सपर्ट्स और गणमान्य अतिथियों ने भी एक बेहतरीन और समय से आगे का कलेक्शन कहकर सराहा।

बैंगलोर ही नहीं बल्कि हुबली, दावणगेरे और मैसूर के कई गणमान्य लोग भी एसएलजे के स्टॉल पर पहुंचे और डिजाइनों की भूरी-भूरी प्रशंसा की। प्रदर्शनी के पहले ही दिन से एसएलजे के स्टॉल पर भारी भीड़ रही और खरीदारों ने कंपनी की क्वालिटी और डिजाइनों को सराहा। एसएलजे को बैंगलोर में मिला यह अद्भुत रिस्पॉन्स न केवल

हैदराबाद में 9 से दो दिन की जल आपूर्ति बाधित

हैदराबाद, 6 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद महानगर जल आपूर्ति एवं सीवरेज बोर्ड (एचडब्ल्यूएसएसबी) ने शहर के कई हिस्सों में 48 घंटे के लिए जल आपूर्ति बाधित करने की घोषणा की है। यह बंद 9 सितंबर को सुबह 6 बजे से 11 सितंबर को सुबह 6 बजे तक प्रभावी रहेगा। गोदावरी पेयजल आपूर्ति चरण-1 परियोजना में वाल्व बदलने के कार्य के लिए यह व्यवधान आवश्यक है।

इंजीनियर मुरमुर, मल्लाराम और कोंडापाक पंपिंग स्टेशनों पर 3000 मिमी व्यास वाले एमएस पंपिंग मेन पर लगे 900 मिमी व्यास वाले वाल्वों को बदलेंगे।

सोमाजीगुड़ा राजभवन रोड स्थित नगर पधारने पर पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय चेयरमैन जामताराम चौधरी, वाईस चेयरमैन अनिल जैन का राजस्थानी अंदाज, पुष्पमाला, गुलदस्ता, शॉल व राजस्थानी साफे से सम्मान करते हुए राजस्थानी संघ अध्यक्ष कैलाश शर्मा, भीकाराम गुर्जर, मल्लाराम, बहादुर गुर्जर, जितेन्दर, रामरघुनाथ शर्मा, जगताराम, परसराम, श्रवणकुमार चौधरी, विजयकुमार, प्रदीपकुमार, पदम जैन, अभिषेक नरेशकुमार, यश जैन, पी.नवीन, श्रीनिवास गौड़, जी.विजय श्रीनाथ, मोहनलाल, शेषाराम सीरवी, चन्द्रशेखर व अन्य।

सीरवी समाज ट्रस्ट श्री खेतलाजी भैरूजी का जागरण सम्पन्न

हैदराबाद, 6 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। श्री आईमाताजी बडेर सीरवी समाज ट्रस्ट करमनघाट अलमासगुडा हैदराबाद समाज बन्धुओं के तत्वावधान में भादव मास तेरस के पावन अवसर पर श्री खेतलाजी भैरुजी का जागरण पुजा-अर्चनाकर शुक्रवार 5 सितंबर रात्रि 8.15 बजे से आयोजित किया गया।

प्रेस विज्ञप्ति में सचिव पुखराज चोयल ने बताया कि हर वर्ष की भांति भादवा सुदी तेरस के पावन अवसर पर श्री खेतलाजी भैरुजी का विशेष श्रंगार, पूजा-अर्चना व पुजारी अबारामजी सोलंकी द्वारा ज्योत प्रज्वलितकर आरती के पश्चात जागरण आयोजित किया गया। जिसमें ओमप्रकाश कुमावत एंड पार्टी ने भजनों के पुष्प अर्पित किये। जिसका समज बन्धुओं ने नाचते-गाते हुए लाभ लिया। अवसर पर पधारे भक्तों के लिए विशेष प्रसाद की व्यवस्था की गयी।

अध्यक्ष प्रकाश आगलेचा ने वीडियों कॉन्फेरेंस द्वारा समाज बन्धुओं को जागरण की विशेष शुभकामनाएं दी। सचिव पुखराज चोयल ने कार्यक्रम में पधारे समाज बन्धुओं का तहदिल से आभार प्रकट करते हुए बताया कि भादवा सुदी बीज के पश्चात तेरस को खेतलाजी भेरुजी के दर्शन करने से परिवार मे श्री आईमाताजी का आशीर्वाद सदैव बना रहता है।

कार्यक्रम के सफल आयोजन में उपाध्यक्ष भाणाराम बर्फा, सचिव पुखराज चोयल, सहकोषाध्यक्ष मंगलाराम परिहारिया, सहसचिव गजाराम सैंणचा, सह-खेलमंत्री मोतीलाल चोयल, पूर्व उपाध्यक्ष मूलाराम चोयल, अ.भा.तेलंगाना महासभा सदस्य राजुराम सेपटा, समस्त कार्यकारिणी मेम्बर व बहुत से समाज बन्धुओं ने सपरिवार कार्यक्रम का लाभ लिया। मंच का संचालन सचिव पुखराज चोयल ने किया।

केबीआर पार्क में इच्छापूर्ति गणेशजी की अनंत चौदस की पूजा आरती में शामला पहनकर 500 भक्तों ने दूध देने वाली पूजा आरती वीए प्रसाद में दाल बाटी चूरमा का आनंद उठाया। इसमें राजेंद्र कुमार अग्रवाल, सुरेंद्र कुमार अग्रवाल, गोपाल बलदवा, माया अग्रवाल, संध्या रानी अग्रवाल, विजया रानी संतोष अग्रवाल, विजया रेड्डी, दीपा अशोक अग्रवाल, सरायवाला प्रमोद अग्रवाल, सरायवाला अशोक लाखोटिया व अन्य लोक उपस्थित थे।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

अल्काराज ने जोकोविच को हराया

यूएस ओपन के फाइनल में पहुंचे, अब डिफेंडिंग चैंपियन सिनर से होगी भिड़ंत

न्यूयॉर्क, 6 सितंबर (एजेंसियां)। सर्बिया के नोवाक जोकोविच का रिकॉर्ड 25वां ग्रैंडस्लैम जीतने का इंतजार एक बार फिर बढ़ गया है। जोकोविच को वर्ष के आखिरी ग्रैंडस्लैम यूएस ओपन के पुरुष एकल वर्ग के सेमीफाइनल में कार्लोस अल्कारेज से हार का सामना करना पड़ा। स्पेन के अल्कारेज ने 24 बार के ग्रैंडस्लैम विजेता खिलाड़ी को दो घंटे 23 मिनट तक चले मुकाबले में 6-4, 7-6 (4), 6-2 से हराकर फाइनल में जगह बनाई।

अल्कारेज ने शुरुआत से कसा शिकंजा

अल्कारेज इसके साथ ही लगातार आठवें एटीपी टूर के फाइनल में पहुंचे हैं। सिनर का खिताबी मुकाबले में यानिक सिनर से मुकाबला होगा जिन्होंने एक अन्य सेमीफाइनल मुकाबले में फेलिक्स अगुर एलियासिमे को हराया। अल्कारेज ने जोकोविच के खिलाफ शुरुआत से ही बढ़त बनाई हुई थी और पहला सेट उन्होंने 48 मिनट में ही अपने नाम कर लिया था। जोकोविच ने दूसरे सेट में वापसी की और 3-0 की बढ़त बनाई, लेकिन अल्कारेज ने जल्द ही स्कोर 3-3 कर दिया। यह सेट टाई ब्रेकर तक खींचा जहां अल्कारेज इसे अपने नाम करने में सफल रहे। तीसरे सेट में स्पेनिश खिलाड़ी ने शुरुआती बढ़त ली और फिर जोकोविच को कोई मौका नहीं दिया।

संन्यास की खबरों को जोकोविच ने किया खारिज

यूएस ओपन के सेमीफाइनल में सफर समाप्त होने के बाद जोकोविच ने संन्यास की खबरों को खारिज किया है। जोकोविच ने स्पष्ट किया है कि उनकी नजरें 2026 में होने वाले ग्रैंडस्लैम में खेलने पर टिकी हुई हैं। जोकोविच ने कहा, देखेंगे। मुझे अपनी टीम के साथ इस पर बात करनी होगी। इस ग्रैंड स्लैम सीजन के बाद यह भावना जरूर है। मैं अगले साल भी पूरा ग्रैंड स्लैम सीजन खेलना चाहता हूं, लेकिन ऐसा होता है या नहीं यह तो बाद में पता चलेगा। ग्रैंड स्लैम खास होते हैं। ये किसी भी दूसरे टूर्नामेंट से अलग हैं, ये हमारे खेल के आधार स्तंभ और हमारे सबसे महत्वपूर्ण इवेंट हैं।

वनडे वर्ल्डकप-पाक विमेंस टीम ओपनिंग सेरेमनी में भारत नहीं आएगी

पाकिस्तान के सभी मैच श्रीलंका में खेले जाएंगे

इस्लामाबाद, 6 सितंबर (एजेंसियां)। भारत की मेजबानी में 30 सितंबर से महिला वनडे वर्ल्ड की शुरुआत होगी, जिसमें कुल 8 टीमें हिस्सा लेंगी, इसमें पाकिस्तान की टीम का भी नाम शामिल है। इस मेगा टूर्नामेंट में पाकिस्तान की टीम अपने सभी मुकाबले श्रीलंका के कोलंबो में आर प्रेमदासा स्टेडियम में खेलेगी। महिला वनडे वर्ल्ड कप की ओपनिंग सेरेमनी को लेकर भी तैयारी शुरू हो गई है जिसमें पाकिस्तानी महिला टीम के हिस्सा ना लेने की खबरें भी सामने आ रही हैं। महिला वनडे वर्ल्ड कप का पहला मुकाबला भारत और श्रीलंका की टीम के बीच में खेला जाएगा।

पाकिस्तानी टीम का कोई भी सदस्य ओपनिंग सेरेमनी में नहीं लेगा हिस्सा

महिला वनडे वर्ल्ड कप का पहला मुकाबला जहां 30 सितंबर को खेला जाएगा तो वहीं पाकिस्तानी टीम अपना पहला मैच 2 अक्टूबर को बांग्लादेश की टीम के खिलाफ खेलने उतरेगी। वहीं एनएआई की रिपोर्ट के अनुसार उन्होंने जियो सुपर के हवाले से जानकारी दी कि पाकिस्तानी टीम की कप्तान सना फातिमा या टीम का कोई अन्य सदस्य इस बार वनडे वर्ल्ड कप की ओपनिंग सेरेमनी में हिस्सा नहीं लेगा। गुवाहटी के बरासपारा स्टेडियम में होने वाली महिला वनडे वर्ल्ड कप की ओपनिंग सेरेमनी में सिंगर श्रेया घोषाल को बुलाया गया है। पाकिस्तानी टीम के इस फैसले के पीछे चैंपियंस ट्रॉफी की तैयारियों के दौरान दोनों देशों द्वारा अपनाई गई हालिया नीति को माना जा रहा है। पाकिस्तान ने चैंपियंस ट्रॉफी 2025 की मेजबानी की थी लेकिन भारत ने सभी मुकाबले यूएई में खेले थे।

भारत के साथ 5 अक्टूबर को होगा मुकाबला

पाकिस्तान की टीम महिला वनडे वर्ल्ड कप में भारत के खिलाफ 5 अक्टूबर को कोलंबो के मैदान पर मुकाबला खेलेगी। वहीं यदि पाकिस्तान की टीम 29 अक्टूबर को होने वाले सेमीफाइनल और यदि 2 नवंबर को होने वाले फाइनल में पहुंचने में कामयाब होती है तो उसे ये दोनों ही मुकाबले कोलंबो के आर प्रेमदासा स्टेडियम में खेलने का मौका मिलेगा। पाकिस्तानी महिला टीम ने टूर्नामेंट के लिए क्वालीफायर राउंड में शानदार प्रदर्शन करते हुए अपनी जगह को पक्का किया था।

विश्व चैंपियन गुकेश को 14 साल के यागिज ने ड्रॉ पर रोका, वैशाली संयुक्त रूप से शीर्ष पर

समरकंद, 6 सितंबर (एजेंसियां)। विश्व चैंपियन भारतीय ग्रैंडमास्टर डी गुकेश को फिडे ग्रैंड स्विस के दूसरे दौर में तुर्किये के 14 वर्षीय यागिज खान एर्दोगमस ने ड्रॉ पर रोका, जबकि गत चैंपियन आर वैशाली ने महिलाओं के वर्ग में शानदार प्रदर्शन किया। दो गेमों में जीत के साथ वह ऑस्ट्रिया की ओलगा बेडेल्का के साथ संयुक्त रूप शीर्ष पर हैं। ओपन वर्ग में गुकेश ने एर्दोगमस के खिलाफ जीत की स्थिति गंवा दी और अंततः ड्रॉ के लिए समझौता करना पड़ा, लेकिन शीर्ष वरीयता प्राप्त प्रज्ञानंद ने इवान जेनलियान्स्की को हराकर इस प्रतियोगिता में अपनी पहली जीत हासिल की।

प्रज्ञानंद ने की वापसी

ओपन वर्ग में गुकेश ने एर्दोगमस के खिलाफ जीत की स्थिति से शुरुआत की थी, लेकिन वह अपनी लय बरकरार नहीं रख सके। दूसरी ओर, भारत के एक अन्य ग्रैंडमास्टर प्रज्ञानंद ने वापसी की और रूस के जेनलियान्स्की के खिलाफ जीत हासिल करने में सफल रहे। जेनलियान्स्की फिडे झंडे के तले खेलने उतरे क्योंकि रूस पर प्रतिबंध लगा हुआ है। ओपन वर्ग में फ्रांस के अलिरेजा फिरोजा, ईरान के परहम माघसूदलो और स्लोवेनिया के एंटन डेमचेंको दो-दो अंकों के साथ संयुक्त बढ़त बनाए हुए हैं।

वैशाली के पास एकल बढ़त बनाने का मौका

महिलाओं के वर्ग में भारत की आर वैशाली ने विजयी अभियान जारी रखा और लगातार दो जीत दर्ज कर दो अंक लेकर वह संयुक्त रूप से शीर्ष पर पहुंचीं। रेटिंग में अपनी मजबूत स्थिति के कारण वैशाली के पास एकल बढ़त हासिल करने का मौका है। उन्होंने दो साल पहले यहां जीत दर्ज की थी और एक बार फिर खिताब की प्रबल दावेदार हैं। यह ग्रैंड स्विस का चौथा सत्र है जहां दोनों वर्ग के शीर्ष दो खिलाड़ियों के पास अगले साल होने वाले फिडे कैंडिडेट्स टूर्नामेंट के लिए क्वालिफाई करने का मौका होगा। आठ खिलाड़ियों के कैंडिडेट्स टूर्नामेंट से विश्व चैंपियनशिप का अगला चैलेंजर तय होता है।

रिटायरमेंट के बाद अमित मिश्रा ने धोनी-कोहली पर कसा तंज!

टीम इंडिया में पॉलिटिक्स का इशारों-इशारों में किया खुलासा

मुंबई, 6 सितंबर (एजेंसियां)। अमित मिश्रा ने 4 सितंबर 2025 को क्रिकेट से संन्यास ले लिया। उन्होंने 25 सालों तक क्रिकेट खेला और वो टीम इंडिया के लिए भी गेंदबाजी से कमाल करने में सफल रहे। हालांकि, अमित कभी भी टीम में परमानेंट सदस्य के रूप में दिखाई नहीं दिए। वो मुख्य रूप से एमएस धोनी और विराट कोहली की कप्तानी में टीम इंडिया का हिस्सा रहे हैं। उन्होंने अब टीम इंडिया की पॉलिटिक्स का इशारों-इशारों में खुलासा कर दिया।

मिश्रा ने टीम इंडिया के कप्तानों पर कसा तंज

अमित मिश्रा ने पीटीआई को हाल में इंटरव्यू दिया। इसी बीच उन्होंने कहा कि कुछ लोग कप्तानों के फेवरेट होते हैं और वो इसमें से नहीं थे। मिश्रा ने बताया कि उन्हें इस चीज से फर्क नहीं पड़ता है। बाद में उन्होंने बताया कि जब कोई दूसरा अच्छा करता था, उन्हें मौका मिलता था लेकिन जब वो बेहतर प्रदर्शन करते थे, तो उन्हें इग्नोर कर दिया जाता था। उन्होंने इसके द्वारा एमएस धोनी और विराट कोहली पर तंज कसा, क्योंकि वो मुख्य रूप से इनकी कप्तानी में ही खेले।

उन्होंने कहा, 'हमेशा ही कुछ प्लेयर्स कप्तान के फेवरेट होते हैं, लेकिन इस बात से उतना फर्क नहीं पड़ता है। आपको सिर्फ मौका मिलने पर खुद को साबित करना पड़ता है। जैसा कि मैंने अभी बताया कि इन बातों का महत्व नहीं है। अगर कोई खिलाड़ी आपके मुकाबले अच्छा प्रदर्शन करता है, तो उसे ज्यादा पसंद किया जाता है। हालांकि, जब आप अच्छी तरह खेलने लगते हैं, तो चीजें बदल जाती हैं।'

अपने क्रिकेट करियर से खुश हैं मिश्रा

अमित मिश्रा ने इंटरव्यू के दौरान ये भी कहा कि उन्होंने दशकों तक क्रिकेट खेला है और वो इससे खुश हैं। अमित ने कहा, 'मैं तीन अलग-अलग दशकों में 25 साल तक क्रिकेट खेला हूं। मैंने सचिन तेंदुलकर जैसे दिग्गजों, महेंद्र सिंह धोनी जैसे कप्तान और रोहित शर्मा जैसे मौजूदा खिलाड़ियों के साथ खेला है। मुझे क्रिकेट से सबकुछ मिला है।'

अमित मिश्रा का टीम इंडिया के लिए प्रदर्शन

मिश्रा ने 2003 में टीम इंडिया के लिए अपना अंतर्राष्ट्रीय डेब्यू किया था। मिश्रा ने भारत के लिए कुल 68 मैच खेले हैं। वो 22 टेस्ट मुकाबलों का हिस्सा रहे हैं और इसमें उन्होंने 35.72 की औसत से 76 विकेट झटके। वनडे में मिश्रा को 36 मैचों का हिस्सा बनने का मौका मिला और उन्होंने 64 विकेट लिए। टी20 अंतर्राष्ट्रीय में अमित ने 10 मैचों में टीम इंडिया का नेतृत्व किया और 16 विकेट अपने नाम कर लिए।

आईपीएल में प्रीति जिंटा की दरियादिली का खुलासा

अपने पसंदीदा खिलाड़ी के लिए बदलवा दिया 'मैन ऑफ द मैच' अवॉर्ड

मुंबई, 6 सितंबर (एजेंसियां)। आईपीएल में संदीप शर्मा ने पंजाब किंग्स के लिए कुछ सालों तक क्रिकेट खेला। उन्होंने अब पंजाब किंग्स की मालकिन प्रीति जिंटा की जमकर तारीफ की और उनकी दरियादिली का खुलासा किया। उन्होंने बताया कि कैसे 2017 में उन्होंने एक मुकाबले के मैन ऑफ द मैच अवॉर्ड का विजेता बदलवा दिया और स्पेशल रिक्वेस्ट करके उन्हें ये खिताब दिलवाया दिया।

प्रीति जिंटा ने अपने फेवरेट खिलाड़ी को दिलवाया अवॉर्ड

2017 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ पंजाब को 138 रन डिफेंड करने थे। इसी बीच संदीप ने 22 रन देकर तीन विकेट अपने नाम किए थे। उन्होंने विराट कोहली, क्रिस गेल और एबी डिविलियर्स जैसे बड़े बल्लेबाजों को आउट किया था। क्रिकट्रैकर से बात करते हुए संदीप ने कहा, 'हम बेंगलुरु में RCB के खिलाफ खेल रहे थे। मैंने नई गेंद से तीन विकेट लिए थे। विराट कोहली, एबीडी और क्रिस गेल को आउट किया था। उस मैच में प्लेयर ऑफ द मैच का खिताब अक्षर पटेल को मिलने वाला था। उन्होंने 2 विकेट झटके थे और यह लो स्कोरिंग मैच था। उन्होंने आखिरी ओवर में 19 रन बनाए थे और कुल 38 रन मैच में जड़े थे। इसी वजह से प्लेयर ऑफ द मैच का अवॉर्ड उन्हें मिलना चाहिए था।' संदीप ने आगे कहा, 'प्रीति मैम वहां थीं और उन्होंने रवि शास्त्री को बोला कि सैंडी को प्लेयर ऑफ द मैच मिलना चाहिए, क्योंकि उन्होंने तीन बड़े विकेट झटके। इसके बाद उन्होंने मुझे सही में प्लेयर ऑफ द मैच खिताब दे दिया। यह काफी अच्छी चीज थी। मैं अक्षर पटेल के पास अवॉर्ड देने गया। हालांकि, उन्होंने बोल दिया कि ये तीन विकेट जरुरी थे, वरना 138 किसी भी तरह से डिफेंड नहीं होते।'

संदीप शर्मा का आईपीएल में प्रदर्शन

2013 में संदीप शर्मा ने अपना आईपीएल डेब्यू किया था और इसके बाद से वो तीन अलग-अलग टीमों के लिए खेल चुके हैं। शर्मा ने अब तक 137 मैचों में हिस्सा लिया है और अब तक 146 विकेट झटके हैं। इसी बीच उनका औसत 27.87 का है और एक बार उन्होंने 5 विकेट हॉल भी लिया था।

भारतीय मुक्केबाजों का शानदार प्रदर्शन

सुमित-नीरज ने भी किया विजयी आगाज

लिवरपूल, 6 सितंबर (एजेंसियां)। भारतीय मुक्केबाजों का विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन जारी है और सुमित कुंडू तथा नीरज ने अपने-अपने मुकाबले में जीत हासिल कर टूर्नामेंट का विजयी आगाज किया। सुमित ने पुरुष मिडिलवेट वर्ग में जॉर्डन के मोहम्मद अल हुसैन को सर्वसम्मत निर्णय से हराया, जबकि महिला 65 किलोग्राम वर्ग में नीरज ने कड़े मुकाबले में फिनलैंड की क्रिस्टा कोवालेनेन को 3-2 के खंडित फैसले से मात दी।

सुमित ने शुरुआत से बनाया दबदबा

सुमित ने मुकाबले के शुरुआती दौर से ही दबदबा कायम करते हुए अल हुसैन को रक्षात्मक होने पर मजबूर कर दिया। दोनों मुक्केबाजों ने कई बार सटीक मुक्के मारे लेकिन सुमित लगातार हावी रहे। उनके दमदार बैकहैंड ने जॉर्डन के मुक्केबाज के रक्षण को लगातार भेदा। भारतीय मुक्केबाज ने दूसरे चरण में बड़ी बढ़त कायम कर ली। अल हुसैन ने आखिरी क्षणों में वापसी की कोशिश लेकिन लेकिन सुमित को जीत दर्ज करने से नहीं रोक सके। सेना के इस जवान के सामने अब अंतिम 16 में बुल्गारिया के मौजूदा यूरोपीय चैंपियन और पेरिस ओलंपियन रमी किवान की चुनौती होगी।

सनामाचा चानू भी जीतीं

सनामाचा चानू ने महिला 70 किलोग्राम वर्ग के प्री-क्वार्टर फाइनल में डेनमार्क की डिट्टे फ्रॉस्टहोम को 4-1 से मात दी। सनामाचा ने अपने कद का फायदा उठाते हुए अपनी प्रतिद्वंद्वी को कई करारे मुक्के जड़े। मणिपुर की इस मुक्केबाज को अब कजाखस्तान की विश्व मुक्केबाजी कप की स्वर्ण पदक विजेता नतालिया बोगदानोवा से भिड़ना होगा। हर्ष चौधरी को हालांकि हैवीवेट वर्ग में निराशा हाथ लगी। उन्हें पुरुषों के 90 किलोग्राम वर्ग के पहले दौर में पोलैंड के तुटक एडम्स के खिलाफ रेफरी द्वारा मुकाबला रोकने (आरएससी) से हार का सामना करना पड़ा।

अफगानिस्तान ने यूएई को 4 रन से हराया

आखिरी ओवर में फरीद अहमद ने लिया विकेट; राशिद खान सहित छह प्रमुख खिलाड़ी शामिल नहीं थे

शारजाह, 6 सितंबर (एजेंसियां)। यूएई को आखिरी ओवर में जीत के लिए 17 रन की जरूरत थी। फरीद अहमद की ओवर की पहली गेंद पर आसिफ खान ने चौका लगा दिया। दूसरी गेंद पर छक्का लग गया। आखिरी 4 गेंद पर 7 रन चाहिए थे। ओवर की तीसरी गेंद पर दो रन बने। आखिरी 3 गेंद पर 5 रन चाहिए थे। यहां मैच यूएई के हाथ में था। लेकिन, ओवर की चौथी और पांचवी गेंद पर रन नहीं बना। आखिरी गेंद पर 5 रन की जरूरत थी। फरीद अहमद ने आसिफ को विकेटकीपर गुरबाज के हाथों आउट करा दिया और अफगानिस्तान को 4 रन से जीत दिला दी।

यूएई एक जीता हुआ मैच हार गई। आसिफ खान ने 28 गेंद पर 40 रन बनाए।

इससे पहले 171 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए यूएई की शुरुआत शानदार रही थी। सलामी बल्लेबाजों अलीशान शराफू और कप्तान मुहम्मद वसीम ने पहले विकेट के लिए 65 रन जोड़े। लेकिन, अफगानिस्तान की तरह यूएई का मध्यक्रम भी फ्लॉप रहा। इसका प्रभाव रन गति पर पड़ा। हालांकि आसिफ के पास आखिरी ओवर में मैच जिताने का सुनहरा मौका था, लेकिन वह चूक गए। टीम 20 ओवर में 5 विकेट पर 166 रन बना सकी और मैच 4 रन से हार गई। सलामी बल्लेबाजों कप्तान वसीम ने 29 गेंद पर 44 रन और शराफू ने 23 गेंद पर 27 बनाए थे। जोहेब खान ने 19 गेंद पर 23 जबकि हर्षित कौशिक 12 गेंद पर 15 रन बनाकर नाबाद रहे।

यूएई एक जीता हुआ मैच हार गई। आसिफ खान ने 28 गेंद पर 40 रन बनाए।

अफगानिस्तान मैच में राशिद खान और मोहम्मद नबी जैसे खिलाड़ियों के बगैर उतरा था। अफगान टीम की कप्तानी इब्राहिम जादरान कर रहे थे।

4 ओवर में 0 रन, अब बड़ी टीमों के लिए खतरा बनेगा आयुष शुक्ला

रोहित का कर चुका शिकार

नई दिल्ली, 6 सितंबर (एजेंसियां)। टी20 के चार ओवरों में एक भी रन खर्च ना करना ये अपने आप में अद्भुत है और खास रिकॉर्ड है. अब तक दुनिया में सिर्फ 3 ही गेंदबाज ये चमत्कार कर पाए हैं. इनमें पहला नाम कनाडा के साद बिन जाफर का है, दूसरा न्यूजीलैंड के लॉकी फर्ग्युसन का है. इस लिस्ट में जो तीसरा नाम है, वो एशिया कप 2025 में मैदान पर उतरने को बेताब है.

दाएं हाथ से तेज गेंदबाजी करने वाला ये खिलाड़ी इस बार बड़ी टीमो के होश उड़ा सकता है. ये वही खिलाड़ी है, जो आज से 3 साल पहले टीम इंडिया के दिग्गज बल्लेबाज रोहित शर्मा का भी शिकार कर चुका है. इस बार उस पर सबकी नजर रहने वाली है.

यहां जिस गेंदबाज की बात हो रही है वो कोई और नहीं बल्कि आयुष शुक्ला हैं, जिन्हें एशिया कप 2025 में हांगकांग टीम में जगह मिली है.

भारतीय मूल का ये खिलाड़ी भारत, पाकिस्तान, श्रीलंका, बांग्लादेश और अफगानिस्तान जैसी बड़ी टीमों के लिए खतरा बन सकता है. उनकी सटीक बॉलिंग के सामने रन बनाना मुश्किल हो सकता है. हांगकांग भले ही छोटी टीम है, लेकिन उसका ये बॉलर बड़े-बड़े बल्लेबाजों को छकाने की क्षमता रखता है.

ये वही आयुष शुक्ला हैं, जो टी20 इंटरनेशनल में अपने स्पेल के 4 ओवर मेडन डाल चुके हैं. उन्होंने ये कमाल टी20 वर्ल्ड कप एशिया क्वालिफायर में मंगोलिया के खिलाफ किया था. जादुई बॉलिंग का नजारा देख दुनिया हैरान रह गई थी. 4 ओवरों में बिना कोई रन खर्च किए उन्होंने एक विकेट भी झटका था. वो साद बिन जाफर और लॉकी फर्ग्युसन के बाद ये कमाल करने वाले दुनिया के तीसरे बॉलर बने थे.

कौन हैं आयुष शुक्ला?

आयुष शुक्ला क्रिकेट फैंस के लिए नया नाम हैं. उनका भारत के खास कनेक्शन है. उनके पिता भारत में रहे और साल 1996 में वो हांगकांग शिफ्ट हो गए थे. आयुष की उम्र अभी 22 साल है. बताया जाता है कि वो 15 साल की उम्र में ब्रिटेन चले गए थे और फिर क्रिकेट को गंभीरता से लिया. पिता की जिद पर ये खिलाड़ी क्रिकेटर बना है. आयुष कहते हैं कि वो मैदान पर अपने पिता के सपनों को जीते हैं और उनकी उम्मीदें ही उन्हें मजबूती देती हैं.

कैसा है आयुष शुक्ला का क्रिकेटर करियर?

आयुष शुक्ला हांगकांग के लिए अब तक टी20 इंरनेशनल में 52 मैच खेल चुके हैं. उनके नाम 47 विकेट हैं. इकॉनमी 7.60 का है. ये खिलाड़ी एक बार 4 विकेट ले चुका है. लिस्ट ए के 17 मैचों में 21 शिकार किए हैं. वहीं टी20 के ऑलओवर 55 मैचों में कुल 48 शिकार किए हैं. 2022 में उन्होंने डेब्यू किया था और तब से लगातार वो इस टीम का हिस्सा हैं.

भक्तिभाव के साथ उल्लासपूर्वक विसर्जित किये गये भगवान गणेश

69 फुट ऊंची खैरताबाद गणेश प्रतिमा हुसैन सागर झील में विसर्जित

हैदराबाद, 6 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद की सबसे प्रमुख मूर्तियों में से एक, खैरताबाद महा गणपति का शनिवार को भव्य गणेश विसर्जन समारोह के तहत हुसैन सागर में सफलतापूर्वक विसर्जन किया गया। यह कार्यक्रम सुरक्षा और सुचारू कार्यवाही सुनिश्चित करने के लिए व्यापक व्यवस्थाओं के बीच आयोजित किया गया था। अंतिम पूजा समारोह के बाद दोपहर 1:45 बजे एनटीआर मार्ग स्थित क्रेन संख्या 4 पर 69 फुट ऊंची गणेश प्रतिमा का विसर्जन किया गया। भक्तों द्वारा "जय भोलो गणेश महाराज की जय" के नारे लगाते हुए, प्रतिमा को धीरे से पानी में उतारा गया। जुलूस सुबह 7:30 बजे शुरू हुआ और मूर्ति तेलुगु तल्ली फ्लाईओवर और सचिवालय होते हुए टैंक बंड पहुंची। भगवान गणेश की आरती के बाद, खैरताबाद महागणपति विसर्जन कार्यक्रम दोपहर 2 बजे संपन्न हुआ। हजारों भक्तों ने "अलविदा" कहकर भगवान गणेश को विदाई दी। विसर्जन के दौरान, टैंक बंड के आसपास के इलाके भक्तों से गुलजार हो गए और विसर्जन प्रक्रिया के लिए बड़ी-बड़ी क्रेनों का इस्तेमाल किया गया। हैदराबाद की एक महत्वपूर्ण मूर्ति, खैरताबाद गणेश ने एक बार फिर स्थानीय और राष्ट्रीय स्तर पर काफ़ी ध्यान आकर्षित किया है। गणेश उत्सव की 71वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में आयोजित समारोहों के एक हिस्से के रूप में, इस वर्ष 69 फुट ऊंची एक प्रभावशाली मूर्ति का प्रदर्शन किया गया। 11 दिनों तक चले इस उत्सव के दौरान, लाखों भक्त और आगंतुक महागणपति के दर्शन करने के लिए उमड़ पड़े। खैरताबाद गणेश उत्सव समिति ने हैदराबाद पुलिस, राज्य सरकार, जीएचएमसी कर्मचारियों और अन्य नागरिक अधिकारियों को सफल विसर्जन सुनिश्चित करने में उनके आवश्यक सहयोग और सहायता के लिए हार्दिक आभार व्यक्त किया। इसके अलावा, शनिवार को लगभग 2,00,000 गणेश प्रतिमाओं के सुचारू विसर्जन के प्रबंधन के लिए 50,000 से अधिक पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया था, जो 11 दिवसीय गणेश चतुर्थी उत्सव के समापन का प्रतीक था। हैदराबाद के पुलिस आयुक्त सी.वी. आनंद ने घोषणा की कि देश के सबसे बड़े विसर्जनों में से एक होने की संभावना को देखते हुए सुरक्षा और यातायात प्रबंधन के प्रयासों को काफी बढ़ा दिया गया है। अकेले हुसैनसागर में लगभग 50,000 प्रतिमाओं के विसर्जन की उम्मीद है, और शहर भर में विसर्जन जुलूस 40 घंटे से अधिक समय तक चलने की उम्मीद है। कुल 3,183 पुलिस अधिकारी ड्यूटी पर रहेंगे, साथ ही प्रमुख चौराहों पर 40 कैमरे लगाए जाएंगे।

कीर्ति रिचमंड विला के गणेश लड्डू की बोली 2.32 करोड़ रुपये

बालापुर गणेश लड्डू की 35 लाख रुपये की बोली लगी

हैदराबाद, 6 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राजेंद्रनगर के बंडलागुडा जागीर स्थित सन सिटी स्थित कीर्ति रिचमंड विला में गणेश लड्डू शनिवार को एक नया रिकॉर्ड बनाते हुए 2.32 करोड़ रुपये में नीलाम हुआ। इसका वजन 10 किलोग्राम था। यह पिछले साल की तुलना में 45 लाख रुपये अधिक है। पिछले साल यह लड्डू लगभग 1.87 करोड़ रुपये में बिका था। यह कीमत तेलुगु राज्यों में अब तक की सबसे अधिक बताई जा रही है।

रिचमंड विला के निवासी हर साल उत्सव के अवसर पर गणेश लड्डू की नीलामी का आयोजन करते हैं। चार समूहों में विभाजित कुल 80 विला मालिकों ने नीलामी में भाग लिया और 500 से अधिक बोलियां लगीं। उल्लेखनीय है कि नीलामी लगभग ढाई घंटे तक चली। आयोजकों ने कहा कि यह धनराशि एक ट्रस्ट को दान की जाएगी जो 42 गैर सरकारी संगठनों का प्रबंधन करता है। पूरी तरह से स्वयंसेवकों द्वारा संचालित यह ट्रस्ट 10,000 लोगों की मदद कर रहा है और उनका कहना है कि हर पैसा सीधे क्षेत्र स्तर पर जाता है। नीलामी से प्राप्त धन का उपयोग धर्मार्थ कार्यों के लिए किया जाता है।

इस बीच, बेहद लोकप्रिय बालपुर गणेश लड्डू ने इस साल एक नया रिकॉर्ड बनाया, शनिवार को गणेश विसर्जन जुलूस से ठीक पहले आयोजित एक खुली नीलामी में यह 35 लाख रुपये में बिका। करमनघाट के लिंगाला दशरथ गौड़ सफल बोलीदाता के रूप में उभरे।

इसी क्रम में नीलामी प्रतिस्पर्धी थी, जिसमें 38 प्रतिभागियों ने भाग लेने के लिए पंजीकरण कराया था। अंततः, लड्डू की अंतिम बोली 35 लाख रुपये तक पहुंच गई। नीलामी के बाद, उत्सव समिति ने गौड़ को उनकी जीत के लिए सम्मानित किया। इस वर्ष की कीमत पिछले वर्ष की नीलामी से 4.99 लाख रुपये अधिक थी।

आयोजकों ने 1,116 रुपये से बोली शुरू की, और बोली जल्द ही पिछले वर्ष की 1,000 रुपये की बोली को पार कर गई। लिंगाला दशरथ गौड़ ने लड्डू पर दावा करने से पहले 30.01 लाख रुपये का आंकड़ा पार किया। दशरथ गौड़ ने अपनी जीत पर खुशी जताते हुए कहा कि वह लगातार छह वर्षों से लड्डू नीलामी में भाग ले रहे थे और इस बार आखिरकार इसे हासिल करने के लिए आभारी हैं। उन्होंने आयोजकों को इस आयोजन में भाग लेने की अनुमति देने के लिए धन्यवाद भी दिया।

इस बीच, पुलिस ने नीलामी के शांतिपूर्ण संचालन के लिए व्यापक व्यवस्था की थी। विशेष पूजा-अर्चना के बाद, बालापुर गणेश को एक विशाल जुलूस के साथ विसर्जन के लिए ले जाया गया। भगवान गणेश को विदाई देने के लिए बड़ी संख्या में लोग उमड़ पड़े।

हैदराबाद में विनायक विसर्जन शांतिपूर्ण : डीजीपी

हैदराबाद, 6 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस महानिदेशक डॉ. जितेंद्र ने बताया कि राज्य भर में गणेश प्रतिमाओं का विसर्जन शांतिपूर्ण ढंग से हो रहा है। डीजीपी ने शनिवार को अपने कार्यालय में विशेष रूप से स्थापित नियंत्रण कक्ष से विसर्जन व्यवस्थाओं की समीक्षा की। अतिरिक्त डीजीपी (कानून एवं व्यवस्था) महेश एम. भागवत, आईजीपी (पी एंड एल) एम. रमेश, एआईजी कानून एवं व्यवस्था रमण कुमार और अन्य अधिकारियों ने समीक्षा में भाग लिया और बाद में मीडिया से बातचीत की। डीजीपी ने बताया कि हैदराबाद के साथ-साथ कई जिलों में भी विसर्जन किया जा रहा है, सुरक्षा के कड़े इंतजाम पहले से ही किए गए हैं और वरिष्ठ अधिकारी व्यक्तिगत रूप से स्थिति पर नजर रख रहे हैं। उन्होंने कहा कि खैरताबाद बड़ा गणेश प्रतिमा का विसर्जन दोपहर 2 बजे से पहले पूरा हो गया है, जबकि नेकलेस रोड और हुसैन सागर में बड़े पैमाने पर विसर्जन निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार जारी है। श्रद्धालुओं और मंडप आयोजकों से अपील करते हुए, डीजीपी ने अनुरोध किया कि मूर्तियों को समय पर विसर्जन के लिए लाया जाए और सभी लोग पुलिस के निर्देशों का पालन करते हुए पूरा सहयोग करें। डॉ. जितेंद्र ने आगे बताया कि अन्य जिलों, टीजीएसपी बटालियनों, एसडीआरएफ और वन, आबकारी, आरपीएफ आदि विभागों से अतिरिक्त पुलिसकर्मी तैनात किए गए हैं।

हैदराबाद, राचकोंडा, साइबराबाद कमिश्नरेट के साथ-साथ सभी कमिश्नरेट और जिलों में विशेष सुरक्षा व्यवस्था की गई है। डीजीपी कार्यालय में नियंत्रण कक्ष और बंजारा हिल्स स्थित एकीकृत कमान एवं नियंत्रण केंद्र के माध्यम से स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है। डीजीपी ने नागरिकों से विसर्जन कार्यक्रम समय पर पूरा करने, सुरक्षा दिशानिर्देशों का पालन करने और उत्सव के सुचारू और शांतिपूर्ण समापन को सुनिश्चित करने के लिए अधिकारियों के साथ सहयोग करने की अपील की।

गणेश विसर्जन जुलूस में उमड़ा आस्था का सागर

हजारों मूर्तियां हुसैन सागर व अन्य जलाशयों की ओर रवाना

हैदराबाद, 6 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। शनिवार को गणेश विसर्जन के विशाल जुलूस में लाखों श्रद्धालु शामिल हुए और शहर भक्ति, रंगों व उत्साह से सराबोर हो उठा। शुक्रवार देर रात शुरू हुआ यह जुलूस शनिवार तड़के तक जारी रहा। दोपहर तक चारमीनार, अफजलगंज, बेगम बाजार, एमजे मार्केट, बशीरबाग, लेबर्टी और सचिवालय जैसे इलाकों में भारी भीड़ उमड़ आई।

एक फुट से लेकर 50 फुट तक की मूर्तियां ट्रकों, ठेलों, मालवाहक वाहनों और हाथियों पर सजाकर ले जाई गईं। भक्त मार्गों के किनारे पंक्तिबद्ध होकर दर्शन करते और 'गणपति बप्पा मोरया' के जयकारों से वातावरण गूंज उठता। ढोल-ताशों और भजनों की लय में श्रद्धालु नाचते-गाते आगे बढ़ते रहे। मंडप आयोजकों ने श्रद्धालुओं को प्रसाद, नाश्ता और पानी वितरित किया। गुलाल, पारंपरिक वेशभूषा और भक्तिमय उत्साह ने 10 दिवसीय गणेशोत्सव के भव्य समापन को अविस्मरणीय बना दिया।

मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने बिना किसी सुरक्षा के टैंकबंड में विसर्जन व्यवस्था का निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री चार-पांच निजी कर्मचारियों के साथ टैंकबंड पहुंचे और विसर्जन व्यवस्था का निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री ने श्रद्धालुओं से बातचीत की।

गणेश विसर्जन जुलूस में युवक पर चाकू से हमला

हैदराबाद, 6 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। शुक्रवार रात केपीएचबी में गणेश प्रतिमा विसर्जन जुलूस के दौरान एक युवक पर चाकू से हमला कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया गया। जानकारी के अनुसार, कुकटपल्ली निवासी रामबाबू केपीएचबी फेज-VI से कुकटपल्ली झील की ओर जुलूस में शामिल थे, तभी किसी बात पर युवकों के एक समूह से विवाद हो गया। विवाद बढ़ने पर उन पर धारदार हथियार से हमला किया गया। उन्हें पास के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

इधर, सरूरनगर झील पर विसर्जन के दौरान क्रेन से गणेश प्रतिमा उठाते समय हादसा हो गया। रस्सी टूटने से प्रतिमा ट्रैक्टर पर बैठे दो युवकों पर गिर गई, जिससे वे मामूली रूप से घायल हो गए। इस घटना के बाद वहां तनाव की स्थिति बन गई और युवकों ने जीएचएमसी व पुलिस की लापरवाही के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया।

कैंसर जागरूकता दौड़ 12 अक्टूबर को

हैदराबाद, 6 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। फिल्म अभिनेत्री ऐश्वर्या राजेश और अभिनेता अली ने जुबली हिल्स स्थित होटल दासपल्ला में दुनिया की सबसे बड़ी कैंसर जागरूकता दौड़, ग्लोबल ग्रेस कैंसर रन- 2025 के आठवें संस्करण की टी-शर्ट और मेडल का अनावरण किया। इस कार्यक्रम में ग्रेस कैंसर फाउंडेशन के संस्थापक डॉ. चिन्नाबाबू सुंकवल्ली, क्काम्बिएंट डेवलपर्स के नरेंद्रनाथ, एवरनॉर्थ की प्रशांति, एससीएससी के रमेश काज़ा और कई गणमान्य व्यक्ति शामिल होंगे। 'रन फॉर ग्रेस एंड स्क्रीन फॉर लाइफ' थीम वाली यह प्रस्तावित दौड़ 12 अक्टूबर, 2025 को हाइब्रिड मोड में (भौतिक और आभासी दोनों तरह से) आयोजित की जाएगी। इस अवसर पर, ऐश्वर्या राजेश ने कहा, नकारात्मकता से भरी इस दुनिया में जीने की रोजमर्रा की चुनौतियों के सामने कैंसर कुछ भी नहीं है। लोग मुझे जज कर सकते हैं, लेकिन मैं जानती हूं कि मैं कौन हूं। मेरे असली हीरो डॉ. चिन्नाबाबू सुनकवल्ली हैं, जिन्होंने ग्रेस कैंसर फाउंडेशन की स्थापना की। अगर मैं फ्री होती, तो न सिर्फ़ दौड़ में शामिल होती, बल्कि 10 किलोमीटर की दौड़ में भी हिस्सा लेती। उन्होंने महिलाओं से खुद से प्यार करने, अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखने और कैंसर की जांच करवाने का आग्रह किया। अभिनेता अली ने कहा, अगर माता-पिता हमें जन्म देते हैं, तो डॉक्टर हमें जीवन देते हैं। कैंसर के बारे में सकारात्मक संदेश फैलाने वाली दौड़ वाकई सराहनीय है। मैं 10 अक्टूबर को अपना जन्मदिन मनाता हूं। 12 अक्टूबर को होने वाले आठवें संस्करण के साथ, मैं चाहती हूं कि ग्रेस कैंसर फाउंडेशन मेरे जन्मस्थान राजमुंदरी में एक दौड़ आयोजित करे। मैं इसे संभव बनाने के लिए हर संभव प्रयास करूंगी। संस्थापक डॉ. चिन्नाबाबू सुंकवल्ली ने जोर देकर कहा, इस दौड़ का उद्देश्य कैंसर के प्रति जागरूकता बढ़ाकर, निवारक उपाय के रूप में शारीरिक गतिविधि को बढ़ावा देकर और वंचित वर्ग के लोगों के घर-घर जाकर मुफ़्त कैंसर जांच की सुविधा प्रदान करके एक सार्थक प्रभाव डालना है। इस कार्यक्रम में तीन कैंसर से उबर चुकीं विमला प्रसाद, वसंता कुमारी और गीता कुमारी भी शामिल हुईं, जिन्होंने अपनी प्रेरणादायक यात्रा साझा की और बताया कि अगर समय पर पता चल जाए और आत्मविश्वास के साथ इसका मुकाबला किया जाए तो कैंसर का इलाज संभव है। फाउंडेशन के अनुसार, प्रस्तावित कैंसर जागरूकता दौड़ 12 अक्टूबर को हैदराबाद के गाच्चीबावली में आयोजित की जाएगी। इसमें लगभग 40,000 धावकों के भाग लेने की उम्मीद है, जिनमें 10,000 नवोदय छात्र (भरणेंद्र नल्लामोटू द्वारा संचालित) शामिल हैं। इस दौड़ को 2 किमी, 5 किमी और 10 किमी में विभाजित किया गया है।

गणेश उत्सव में महिलाओं से दुर्व्यवहार, पांच युवक गिरफ्तार

आदिलाबाद, 6 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। गणेश चतुर्थी उत्सव के दौरान शुक्रवार रात महिलाओं से छेड़खानी के आरोप में पुलिस ने पांच युवकों को गिरफ्तार किया। मामला रानी सतीश कॉलोनी में आयोजित उत्सव का है, जहां महिला श्रद्धालुओं के साथ मयूर, सिद्दू, कार्तिक, गणेश और विनायक ने दुर्व्यवहार किया। सादे कपड़ों में गश्त कर रही शी टीम ने आरोपियों को मौके पर ही पकड़कर पुलिस थाने में मामला दर्ज कराया। टीम प्रभारी एएसआई बी. सुशीला ने कहा कि किसी भी तरह की परेशानी या आपात स्थिति में 100 नंबर या 8712659953 पर तुरंत संपर्क करें। इस कार्रवाई में हेड कांस्टेबल वाणीश्री और स्टाफ रोहिणी व लावण्या भी शामिल रहीं।

वेदांता की बोली से एसएलबीसी सुरंग परियोजना पर संशय

जेएएल के अधिग्रहण के बाद 44 किमी लंबी परियोजना की समय-सीमा पर खतरा

हैदराबाद, 6 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जयप्रकाश एसोसिएट्स (जेएएल) के अधिग्रहण के लिए वेदांता समूह की 17,000 करोड़ रुपये की बोली, जो अदाणी समूह से आगे निकल गई है, ने श्रीशैलम लेफ्ट बैंक नहर (एसएलबीसी) सुरंग परियोजना को लेकर असमंजस पैदा कर दिया है।

दुनिया की सबसे लंबी सिंचाई सुरंग कही जाने वाली यह परियोजना 4 लाख एकड़ भूमि की सिंचाई और तेलंगाना के 516 गांवों को पेयजल उपलब्ध कराने के लिए बनाई जा रही है। लेकिन 22 फरवरी 2025 को सुरंग की छत गिरने के बाद काम ठप पड़ा है। हादसे में आठ मजदूर लापता हुए, जिनमें से अब तक केवल दो शव बरामद हो सके हैं।

करीब 44 किलोमीटर लंबी सुरंग में से 9.6 किलोमीटर काम बाकी है। कांग्रेस सरकार ने इसे 9 दिसंबर 2027 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा था, लेकिन अब यह अधर में है। जेएएल पहले से ही 57,185 करोड़ रुपये के कर्ज में फंसा था और 2024 में दिवालिया प्रक्रिया में चला गया। ऐसे में वेदांता के प्रबंधन कौशल और तकनीकी क्षमता पर सवाल उठ रहे हैं।

त्योहारों में भीड़ नियंत्रण को तैयार सिकंदराबाद स्टेशन

दक्षिण मध्य रेलवे ने वैज्ञानिक रणनीति बनाई यात्रियों की सुविधा और सुरक्षा पर जोर

हैदराबाद, 6 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे (एससीआर) ने त्योहारों के मौसम में बढ़ने वाली भीड़ को संभालने के लिए सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन पर विशेष रणनीति लागू की है। पुनर्विकास कार्यों के कारण टर्मिनल के कुछ हिस्से और एक फुटओवर ब्रिज बंद हैं, इसलिए रेलवे ने यात्रियों की सुरक्षित और सुगम आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए वैज्ञानिक अध्ययन के आधार पर कदम उठाए हैं।

सामान्य दिनों में लगभग 1.30 लाख यात्री इस स्टेशन से गुजरते हैं, लेकिन त्योहारों में यह संख्या 2 लाख से अधिक हो जाती है। हाल ही के अध्ययन में पाया गया कि करीब 90 प्रतिशत अनारक्षित यात्री प्लेटफॉर्म-1 की ओर से प्रवेश करते हैं, क्योंकि यह बस, मेट्रो और होटल जैसी सुविधाओं से बेहतर जुड़ा हुआ है। वहीं, व्यस्त समय में फुटओवर ब्रिज की सीढ़ियों पर हर घंटे 10,000 से ज्यादा लोगों की आवाजाही देखी गई।

भीड़ प्रबंधन के तहत कुछ ट्रेनों को सनतनगर-अम्मुगुडा-मौला अली-चारलापल्ली मार्ग से चलाया जाएगा और उन्हें उप-स्टेशनों पर रोका जाएगा। प्लेटफॉर्म पर दबाव कम करने के लिए तीन प्रतीक्षालय तैयार किए गए हैं। प्लेफॉर्म-1 से सीधे मेट्रो तक संपर्क मार्ग भी बनाया जा रहा है। इसके अलावा अधिक टिकट काउंटर, एटीवीएम, पूछताछ केंद्र और सहायता डेस्क उपलब्ध होंगे। वरिष्ठ अधिकारी 24 घंटे निगरानी करेंगे, ताकि यात्रियों को सुरक्षित और सुविधाजनक यात्रा अनुभव मिल सके।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.